



HRA की राजपश्र The Gazette of India

पाधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 0 1

नई विल्ली, शनिवार, जनवरीं 5, 1980 (पौष 15, 1901)

No. 11

NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 5, 1980 (PAUSA 15, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it my be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III-SECTION 1

उण्च न्यायालयों, नियम्ब्रक और महालेखावरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक मेवा आयोग

नर्ष दिल्ली-110011, दिनाक 13 नवम्बर 1979

सं. पी. 1803/प्रवा. - क्लेन्स्रीय विद्युत प्राधिकरण में वरिष्ट्र प्रोप्रामर (रु. 1100-1600) के पद पर नियमित पदोन्ति होतु श्री बी. भी जैन, प्रोप्रामर को नामिका में सम्मितित कर लिए जाने के परिणामस्वरूप उन्हों 13 नवम्बर, 1979 के अपराह्न से इस कार्यालय के कार्यभार से मुक्त किया जाता है।

एस. बालचन्द्रन, अवर सचिब कते अध्यक्ष

नक विल्ली-110011, विनाक 27 नवम्बर 1979

सं. ए. 32013/3/79-प्रशा. -1. — सैन्य भूमि एवं छावनी मेवा की अधिकारी तथा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अधर सचिव के पद पर कार्यरत श्रीमित बीना मैता को, राष्ट्रपति द्वारा 25-9-79 से 23-11-79 तक की अविध के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर नियुक्त किया जाता है।

एस. बालचन्द्रन, अवर सचित्र (प्रशा.) संघ लोक सेवा आयोग प्रवर्तन निद्याल्य

(विव शी मुद्रा विनियमन अधिनियम)

नह दिल्ली-3, दिनांक 15 दिसम्बर 1979

सं. ए-11/5/79. ---श्री मदन गोपाल अत्री को प्रवर्तन निदोशालय के मुख्यालय कार्यालय में प्रवर्तन अधिकारी के पद पष 17-11-79 (अपराहर्न) से अगले आवेशों तक के लिए स्थानाभ्यक्त क्या से नियुक्त किया जाता है।

डी. सी. मण्डलं, उप-निवदाक (प्रशासन)

गृह मन्त्रालय

का. एवं प्र. स्. विभाग

केन्द्रीय अन्बेषण ब्युरो

नई दिल्ली, दिनांक 12 दिसम्बर 1979

सं. एल-1/70-प्रशासन-5.——निविधाक, केन्द्रीय अन्धेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विद्योष पुलिस स्थापना, प्वारा त्याग-पत्र स्वीकार किए जाने पर, श्री लोकेन्द्र सिंह ने दिनांक 30-11-79 के अपराह्न में वरिष्ठ लोक-अभियोजक, केन्द्रीय अन्धेषण ब्यूरो, सौ० आर्द्र० यू०-Ш शाला के प्द का कार्याभार त्याग दिया है।

दिनांक 17 दिसम्बर 1979

सं. ए-19021/1/75-प्रशा.-5. — श्री बी. पी. भटनागर, भारतीय पुलिस सेना (1963-राजस्थान), पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्नेषण ब्यूगो, जयपुर ने दिसांक नवस्वर 9, 1979 के अपराहुन में अपने पद का कार्यभार त्याग दिया। उनकी सेबाए राजस्थान नरकार को बादम श्रीप दी गर्ड।

दिगंकि 18 दिसम्बर 1979

सं. ए-19034/.1/76-प्रशासन-5.—-राष्ट्रपति अपने प्रसाद संश्री वार्दः एस. दीक्षित्लु, स्थायी पृलिस उप-अधिक्षक (एफ. पी.) केन्द्रीय अंगृलि-छाप ब्युरो, कलकत्ता को दिनाक 2 नगम्बर, 1979 के पूर्वाहान से अगले आदोश तक के लिए तदर्थ आधार पर अनुसंधान अधिकारी, केन्द्रीय अंगृलि-छाप ब्युरो, कलकत्ता के रूप में नियक्त करते हैं।

की. ला. गांवर, प्रशासनिक अधिकारी (स्था) कोन्द्रीय अन्वेषण ब्यूगो

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नर्इ दिल्ली-110011, दिनांक 14 दिसम्बर 1979

सं 7/10/79-प्रशा -1-26701 — विभागीय पदान्तित मिमिति की मिफारिश और संघ लोक सेवा आयोग के साथ परामर्श करने पर राष्ट्रपति, निम्नितिसत अधिकारियों की नर्झ दिल्ली को भारत के महापंजीकार के कार्यालय में तारीख 26 नवम्बर, 1979 में महायक निदंशक (आंकड़ों संसाधन) के पद पर स्थायी क्षमता को महर्ष नियुक्त करते हैं।

अन्त तं.

अधिकारी का नाम

- 1. श्रीएन एन विद्युदा
- 2. श्री हिनकर
- 3. श्री एचे. अपर नैविशोती हैं। वैश्वीद

दिनांक 15 दिसम्बर 1979 21 OCT 1984

तं. 11/41/79-प्रशा -1 — राष्ट्रपति, राजस्थान रिसंबिल नेवा कं अधिकारी थी अस्क्रक् मार जैन को राजस्थान अपप्र में जनगणना कार्य निद्देशका के क्रायां में तारीके 24 नवस्वर, 1979 के अपराहर्न से अगले आदर्शी तक प्रति-निद्देशका पर स्थानान्तरण द्यारा उप निद्देशका, जनगणना कार्य के पद पर नहर्ष निद्युक्त करते ही।

श्री जैन का मुख्यालय जबप्र में होगा।

पी. पद्भनाभ, भारत के महापंजीकार

नर्ड दिल्ली-110011, दिनांक 15 दिसम्बर 1979

नं 10/33/79-प्रशा -1 -- भारत के महापंजीकार, नर्दा दिल्ली मे निदंशक, लेका परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व के कार्यालय में अनुभाग अधिकारी के पद पर कार्यरत श्री बी. पी. जैन, को नर्दा दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में 840-40 1000-द रां -40-1200 के वेतनमान में तारीं 29 नवस्वर, 1979 के अपराहुन में अगल आदंशों तक प्रतिनिय्कित पर स्थानान्तरण द्वारा लेका अधिकारी के पद पर महर्ष नियुक्त करते हुं ।

श्री जैन का मुख्यालय नर्ष दिल्ली में होगा।

सं. 11/55/79-प्रशा -1 -- भारत के महापंजीकार, नर्ष दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में बरिष्ठ तकतीकी सहायक (मृद्रण) के पद पर कार्यरत श्री ए. एन क्ष्यूर कां उसी कार्यालय में नारील 6 दिसम्बर, 1979 के अपराह् से 29 फरवरी, 1980 तक पूर्णतः अस्थाई और तबर्ध आधार पर या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, इनके से जो भी अविध कम हो, मृद्रण अधिकारी के पद पर महर्ष किय्कत करते हैं।

श्री कपुर का मुम्यालय नई दिल्ली मो होगा।

उपरोक्त पद पर तबर्भ नियुक्ति श्री कप्र को नियमित नियुक्ति को लिए कोई हक प्रदान नहीं करोगी। नियुक्ति प्राधिकारी के विवंक पर सबर्भ नियुक्ति को किसी भी समय बिना कोई बारण बताए रद्द किया जा सकता है। तबर्भ तौर पर उनकी संबाएं उस ग्रेड में विरिष्टता और आगे उच्च पद पर पदोन्नित के लिए नहीं यिनी जाएंगी।

> विजय पाल पाण्डी भारत के उपमहापंजीकार

प्रगितभृति कागज कारसाना, होशंगाबाद (म. प्र.) होशंगाबाद, दिनांक 15 दिसम्बर 1979

सं. पी. एफ. 7(36)/9509. — इस कार्वालय की अधि-भूचना कमांक 7(36)/6371 दिनांक 25-8-79 के तारतस्य में श्री एस. टी. सिरसट का 31-12-79 तक अध्यवा पद के सिय-भित रूप से भरे जाने तक, इनमें से जा भी पहले हो के लिए अग्नि शमन अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर कार्य कुरने की अनुमति दी जाती है।

> अहे. प्र. शर्मा, परिकालना अधिकारी

सरकारी व्यय आयोग

नर्झ दिल्ली, दिनाक 15 दिसम्बर 1979

मं (3)-ए/मी.पी.हरं./79--कृषि व सिंचार्ह मंत्रालय के आर्थिक तथा सांख्यकी विभाग से स्थानांतरण होने पर ग्रेंड 4 के अनुसंधान अधिकारी, श्री आर. डी. गुप्ता, भारतीय आर्थिक सेवा को 29 नवम्बर, 1979 बोपहरपूर्ण से अगला आदेश होने तक, सामान्य प्रतिनिय्वित की शती पर सरकारी व्यय आयोग में 1100-50-1600 रुपये के बेतनमान में विरष्ठ अनुसंधान अधिकारी नियुक्त किया गडा है।

कगन्नाथ कॉल अवर समिव

कार्यालयः निद्रोशक लेखापरीक्षा, कोन्द्रीय राजस्य

नर्क दिल्ली-2, दिनांक 17 दिसम्बर 1979

सं.. प्रशा. 1 का. आ. मं. 386 / 5-8 / 79-80 / 1539 . — निवंशक लेखाप्रीक्षा, केन्द्रीय राजस्व ने सूल निवंश 3 € (1) के

2 परन्त्क के अर्न्सगत इस कार्यलय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री जी. वी. सलहाँत्रा की लेखापरीक्षा अधिकारी के पदकम में रू. 840-1200 के समय बेतनमान में पूर्वव्यापी प्रभाव सं आगे आदंश होने तक 30 जुलाई, 1979 (पूर्वाह्म) में प्रोफार्मा पदोन्नति का आदंश दिवा है।

> हु. अपठनीय संयुक्त निद्देशक, लं. प. (प्र.)

भारतीय लंखा परीक्षा तथा लंखा विभाग कार्यालय महालंखाकार-प्रथम

ग्बालियर, दिनांक 13 दिसम्बर 1979

सं प्रशा 1/410 — श्री के एल साहन वर्मा (01/126) स्थानापन लंबा अधिकारी की, जो महालंबाकार-प्रथम, मध्य-प्रदेश को आवंटित है, भारत सरकार के गृह मंत्रालय के कार्मिक एवं प्रशासनिक मुधार विभाग के कार्यालय आपन क्रमांक-25013 7/77-एस्टे (ए) दिनांक 26-8-77 में निर्धारित शर्तों के अनुसार दिनांक 27-12-79 पूर्वान्ह से शासकीय मेवा में स्वेच्छिक निवृत होने की अनुसति प्रदान की जाती है।

(प्राधिकार.—-महालंखाकार-प्रथम के आदांश दिनोक 75-12-79)

> भूव चरण माहू बरिष्ठ उप महालेखाकार/प्रशासन

भारतीय आर्जनैन्स फीक्टरियाँ सेवा, आर्जनैन्स फीक्टरी बोर्ज

कलकत्ता, दिनांक 15 दिसम्बर 1979

सं. 63/79/जी.—-वार्थक्य निवृत्ति आय् (58 वर्ष) प्राप्त कर श्री एस. के. बनर्जी चौधुरीं, स्थानापन टी. एस. आं (मौलिक एवं स्थायी स्टाफ सहायक) दिनांक 30 नवस्वर, 1979 (अपराह्न) ये सेवा निवृत्त हुए।

बी. के. बहुता, सहायक महानिदंशक

बाणिज्य एवं नागरिक पूर्ति मंत्रालय (वाणिज्य विभाग)

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नर्झ दिल्ली, विनांक 15 दिसम्बर 1979 आयात निर्यात व्यापार नियंत्रण

(स्थापना)

सं. 6/1161/76/प्रशा (राज)/8678 — गंध्यपित म्स्य नियंत्रक आयात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में श्री एम० पी० सिंह, त्रिधी सलाहकार को 10-12-79 में 25-1-80 तक की अविध के लिए उन के वर्तमान विधि सलाहकार के कार्यभार के अति-,रक्त उसी कार्यालय में अपर मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

> सी. वैंकटरमन, मु<mark>रुष नियंत्रक,</mark> आयात-नियीत

नर्हा दिल्ली, दिनांक 26 नवम्बर 1979

म सी जी 11/पी एंड सी/384/76-77/1299 — सर्वश्री भारतीय उर्वरक निगम लि. (पी एड डी डिबीजन) जो अब उर्वरक कि डी) भारत लि. सिन्द्री के नाम से जाना जाता हैं) — दे यू. के., संयुक्त राज्य अमेरिका, पश्चिमी कि , शपान, प्रांस, स्विटजरलैंड, बेल्जियम, हालैंड और उन्मार्क मे पूजीगत मान के आयात के लिए इटेलियन संभरक केंडिल के भद्द रु. 7,23,00,000/- रुपये (सात करांड तर्दम लाग रुपए मात्र) का आयात लाइसेस सं. आई/सी/2032329/डी/आईई. 62/एच/43-44/ती. जी-11/एल एस दिनांक 10-2-1977 प्रदान किया गया था।

- 2. फर्म ने इस कार्यालय को उपर्यक्त लाइनोन की अन-लिपि मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयाजन प्रति जारी करने के लिए आवेदन किया है 🐆 इस संबंध में उन्होंने यह बताया है कि लाई सोंस बंबई सीमा-शुल्क कार्यालय को पास पंजीकृत करवाया गया था और लाइसास की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति स्टोट बैंक आफ इंडिया माह्य रोड, बंबर्ड को सामपत्र सोलने कें लिए और प्रेंपण प्रभावी करने के लिए भंजी गई थी। उन्हें बैंक द्वारा यह मुचित किया गया है कि लाइसेस की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति अस्थानस्थ हा गर्कही। उन्होंने आगे वह बताया ही कि लाइरोस की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति में शंव 6,59,47,435.32/- रुपए हैं जिनका उपयोग नहीं किया गया है। उन्होंने मत्य निष्ठा पूर्वक इस बात कीं भी पृष्टि और घोषणा को है कि उक्त लाइसोंस को ख्द, धरोहर, हस्तांतरित या उनके द्वारा या उनकी जार से किसी भी अन्य पार्टी को किसी भी प्रयाजन/किसी भी विचार होतु सौंपा नहीं गया है औड 📆 -राध किया है कि लाइसेंस की मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयाजन प्रति को रद्द कर दिया जोए और उसके स्थान पर अनुलिपि प्रति जारी की जाए। वे इस बात से सहमत हैं। उन्होंने बचन भी दिया है कि षदि बाद में लाइसास की मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति मिल गर्द तो वे उसे कार्यालय के रिकार्ड के लिए लाँटा दॉगे।
- 3. अपनं तक के समर्थन में त्र देण स्थारी ने महाराष्ट्र राज्य के नांटरी पब्लिक के सम्मृत्य विधिवेह शपथ लंते हुए स्टाम्प कागज पर एक शपथपत्र भी दासिल किया है। मैं तदनुसार संतुष्ट हूं कि लाइमोंस सं आई सी/2032329 डी/आई ई/62/एव/43-44 मीजी एल एस दिनांव 10-2-77 की मृल मृद्रा विनिम्म नियंत्रण प्रयोजन प्रति फर्म के द्वारा को गई/अस्थानस्थ हो गई है। यथा संशाधित आयात (नियंत्रण) आदश, 1955 दिनांक 7-12-55 की उप-धारा 9 (मी.मी) के अंतर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए सर्वश्री भारतीय उर्वरक निगम लि., (पी एड डी डिवीजन), सिन्द्री को जारी किए गए लाइमोस सं. आई/सी 2032329 डी/आई ई/एच/43-44 मीजी-11/एल एस दिनांक 10-2-77 की उन्त मूल मृद्रा विनिम्भ नियंत्रण प्रयोजन प्रति को एतद् द्वारा रद्द किया जाता है।
- 4. उक्त लाइसंस की अन्तिणि मृदा विनिमय नियत्रण प्रयोजन प्रति अलग संजारी की जा रही है।

जी. एस. क्रेबाल उप-मुख्य नियंत्रक, क्रुतो मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

उखांग मंत्रालय

आधारिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, विनांक 30 नवम्बर 1979

सं. 12(70)/61-प्रशासन (राज.) .— राष्ट्रपतिजी, विकास आयुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय, नहीं दिल्ली में उप निदोक्त (रसायन) श्री एस. के भक्तवर्ती को दिनांक 27 सितम्बर, 1979 (पूर्वाह्न) से अगले आदोशों तक के लिए इसी कार्यालय में सदर्थ आधार पर निदोधक, ग्रेड-2 (रसायन) नियुक्त करते हैं।

दिनांक 3 दिसम्बर 1979

सं॰ ए-19018(454)/79-प्रधाः (राजः) -- विकास आयुक्त (लघू उद्योग) के कार्यालय, नई दिल्ली में स्थाई लघु उधांग संवद्धन अधिकारी (आधिक अन्वेषण व साः) श्री आर॰ की. राहतगी को विकास आयुक्त (लघू उद्योग) तदर्थ आधार पर इसी कार्यालय में दिनांक 24 अगस्त, 1979 (पूर्वाहृत) से अगले आदेशों तक के लिए सहायक निद्धाक, ग्रेड-2 (आर्थिक अन्वेषण डाटा बैंक) नियुक्त करते हुं।

सं. ए-19018(456)/79-प्रशा (राज) 1 — विकास ब्रायुक्त (लघू उद्योग) के कार्यालय, नद्द विल्ली में स्थाई लघु उद्योग संवद्धन अधिकारी श्री काशी नाथ दस्ता को विकास ब्रायुक्त (लघू उद्योग) तवर्थ आधार पर इसी कार्यालय में विनाक 3 सितम्बर, 1979 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक के लिए सहायक निद्येशक, ग्रेड-2 (आधिक अन्येषण/बाटा वैक निगुक्त करते हैं।

महेन्द्र पाल गुप्त. उप निद्याल (प्रशा)

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बद्द-20, दिनांक 17 दिसम्बर 1979

- तै. सी द भार/1/79.—-सूती बस्त्र (नियंत्रण) आवेश, 1948 के खंड 22 में प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए में प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए में प्रद्वारा बस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं. एस. भो. 3656 दिनांक 13-10-1964 को विसंडित करता हुं।
- सं. सी.इं.जार/2/79.—सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1948 के लंड 22 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए में एत्त्रूब्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं. सी ई आर/2/77 विनांक 15-4-77 में निम्निलित संशोधन करता हूं, जर्यात:—

"उक्त अधिसूचना में पेराग्राफ 5 के स्पष्टीकरण (3) के स्थान पर निम्निलिस प्रतिस्थापित किया जाएगा।

''साडी'' से तात्पर्य किसी भी प्रकार का कोरा मा ब्लीच्ड कपड़ा है जो मसराइण्ड हो या नहीं और जो सर्वसाधारण में इस नाम से जाना जाता है, जो सादी बुनाबट का हो और जौ—

> (1) पूर्णतः रूर्इ से या अधातः रूर्इ और अधातः अन्य बस्तु से निर्मित हो, जिसमें रूर्इ का अंश, बुक्तु के काशार पुर, 75 प्रतिशत से कम् नुहो ।

- (2) जिसकी बार्डर या होंडिंग्ज में रंगीन या सफेंद्र सूत हों।
- (3) जिसकी चौड़ाई 94 सेटीमीटर से लेकर 137 सेंटीमीटर तक हो (दोनों सहित) और
- (4) जिसकी लम्बाई 4.15 मीटर से लेकर 14 मीटर तक हो (बोनों-सिह्त), और इसमें किसी भी प्रकार की तथा कोई भी-कम्बाई की छपी मलमल, छपी बायल या छपा डॉरिया भी शामिल है जो उपर्युक्त मद (एक) और (तीन) के अनुसार विनिमित किया गया हो।

टिप्पणी एक: उपर्युक्त मद (जार) के निमित्त ''छपी मलमल'' ''छपी षायल'' और ''छपा डोरिया'' से तास्पर्य कोई भी छपा हुआ सादी बुनावट का कपड़ा है जो ताने में 28 से लेकर 80 काउंट (दोनों महित) के सूत और 5.4 या इससे कम ट्रिक्ट मल्टिप्लायर से विनिर्तित हो और जो सर्वसाधारण में ''मलमल, वायल और डोरिया'' के नाम से ज्ञात हो, लेकिन इनमें अरेपंडी फिनियड क्लाथ और वे वस्त्र, जिनके ताने बाने में दूहरा ब्यटा सूत इस्तेमाल किया गया हो, शामिल नहीं हैं।

''साड़ी'' के अन्दर नियंत्रित साड़ी भी शामिल है जिसकी विशिष्टियां बस्त्र आयुक्त की अधि-सूचना सं. सी ई आर/1/68 दिनांक 2 मई 1968 के पेरा 2 के उप-पैरा (बी) में दी गई है।''

> भ वा. चेंबूरकर, संयुक्त वस्त्र आयुक्त

अखिल भारतीय हस्तकाल्प मण्डल

नई दिल्ली-110022, दिनांक 28 अक्टूबर 1979

मं० 4/3/79/एन०डी०/ए०डी०3.—भारतीय आधिक सेवा वर्ग के अधिकारी श्री ज्ञान प्रकाश को संघ लोक सेवा आयोग से स्थानान्तरण होने पर उत्तरीं क्षेत्र के क्षेत्रीय कार्यालय, अस्तिन भारतीय हस्तशिल्प मण्डल, उथोग मंत्रालय, नर्द दिल्ली में 3 अक्टूबर 1979 (अपराह्न) में संयुक्त विकास आयुक्त के रूप में नियुक्त किया जाता है।

> एस० बी० माथुर उप निद्धासक (प्रशासन-3)

इस्पात, स्तान और कोयला मंत्रालय (स्तान विभाग)

भारतीय भ्वेजानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 12 दिसम्बर 1979

सं. 85273 बी ए-31013/डिज़्लर/79-19सी ---- जार० एस० सेठी की डिज़्लर के ग्रेड में , (ग्रुप 'बी' 650-36 740-35-810 द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के बेसनमान में) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण --- 2-6-1970 से पुष्टि की जा रही है।

सं० 8560 बी/ए-19012 (2-एजी/डीपीडी)/19बी— भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण केन्द्रीय भूभौतिकी प्रभाग के सहायक भूभौतिकी बिद् श्री डी० पी० दास को भारतीय भूबैज्ञानिक सर्वेक्षण कीं सेवाओं से 10 सितम्बर, 1979 से मुक्त किया जा रहा है तािक वे खनिज समवेषण निगम लिमिटेड, नागपुर में भूबैज्ञानिक (भूभौतिकी) के पद का कार्यभार सम्भाव सकें।

> बी० एन० कृष्णस्यामी नहानिकशक

विज्ञापन और दृश्य प्रभार निवंशालय सूचना और प्रसारण संत्रालय

नर्फ दिल्ली-1, विनांक 4 दिसम्बर 1979

सं ० ए-20012/4/70-प्र० (ए)——िवज्ञापन और दृश्य प्रचार निवंधक श्री ए० टी० होतचंदानी को इस निवंधालय के भोपाल स्थित क्षेत्रीय प्रदर्धनी कार्यालय (परिवार कल्याण) में 22-11-79 (पूर्वाह्न) से बिल्क्नूल अस्थायी रूप में तदर्थ आधार पर श्री एन० एन० बहल, क्षेत्रीय प्रदर्शनी अधिकारी (छुटुटी पर हुँ) के स्थान पर स्थानापन्न रूप से क्षेत्रीय प्रदर्शनी अधिकारी नियुक्त करते हुँ।

जनक राज लिखी उप निवंशक (प्रशासन)

स्वास्थ्य सेवा महानिदशालय

नर्क विल्ली विनांक 12 विसम्बर 1979

सं ए०12026/38/77- (एम० क्यू०) प्रशासन-1--राष्ट्रपति ने इस निवेशालय की 5 जून, 1979 की अधिसूचना
संख्या ए०12026/38/77-(एम० क्यू०) प्रशासन-1 में दिवे
गये आदोशों के कम में स्वास्थ्य सेवा महानिवेशालय के डेस्क
अधिकारी श्री पी० के० वर्ष की इसी निवंशालय में विशेष-कार्य
अधिकारी (भण्डार) के पव पर तदर्थ आधार पर नियुक्ति 7
सितम्बर, 1979 के पूर्वाह्न से और आगे तीन महीने तक बढ़ा
वी हैं।

दिनांक 14 दिसम्बर 1979

मं. 17-17/75-प्रशासन-1—सी, एम.पी. 1330/79— के संबंध में दिल्ली हाई कोर्ट के डिविजन बंन्य द्वारा 23 जुलाई, 1979 को पारित आदोश का अनुसरण करते हुए स्वास्थ्य सैवा महानिदोशक ने श्री यू० एम० शर्मा को 24 जुलाई, 1979 से इस निवोशालय में बाद्य निरीक्षक के उनके मूल पद पर प्रत्यावर्तित कर दिया है।

शाम लाल कुठियाला उप निद्रेशक प्रशासन

ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्रालय विषणन एवं निरीक्षण निदक्षालय

फरीदाबाद, दिनांक 13 दिसम्बर 1979

सं० 19025/62/78-प्र०3---सहायक विषणन अधिकारी (वर्ग 1) के पर्वो पर निम्निलिस अधिकारियों की अल्पकालीन नियुक्ति को 31 दिसम्बर, 1979 तक वा जब तक कोई

नियमित प्रबंध किए जाते हैं, बोनों में से जो भी पहले हो, बढ़ावा गया है:---

सर्वशी

- 1. भार० एस० सिंह
- 2. बी० एन० के० सिन्हा
- 3. आर० वी० एस० बादन
- 4. एम० पी० सिंह
- 5. एम० एन० राम
- डी० एन० राव
- 7. एस० पी० शिन्दी
- 8. आर० सी० मंशी
- 9. कें के तिवारी
- 10. एस० के० मलिक
- 11. एम० डी० काथलकर
- 12. आर० के० पांडे
- 13. एम० जे० मोहन राव
- 14 श्रीमती अनुसूया शिवराजन
- 15. सर्व श्री वी० ई० इडिंबन
- 16. एस० पी० सक्सीना
- 17. एन० जी० शुक्ल
- 18. आर० सी सिंधल
- 19. कें० जी० वाघ
- 20. एस० सूर्यनारायण मूर्ति
- 21. वी० एत० वैराधर
- 22. एस० आर० शुक्ल
- 23. एम० सी० बजाज
- 24. एन० एस० चेलापरित सन
- 25. के० जयनन्दन
- 26. सी० एम० गिरधर
- 27. एस० ए० शमसी
- 28, एस. एस. आर. शर्मा

⁶वनांक 17 दिसम्बर 1979

सं० ए०19025/25/79-प्र०3--श्री राम सागर सिंह, विरिष्ठ निरीक्षक को इस निद्योलय में नागपुर में दिनांक 20-11-79 (पुर्वाह्न) से 31-12-79 तक या जब तक कोई नियमित व्यवस्था होती हैं, जो भी पहले हो, अल्पकालीन आधार पर स्थानापन्त सहायक विषणन अधिकारी (वगै-1) निय्क्त किया गया है।

बी० एल∙ मनिहार प्रशासन निदश्क कृते कृषि विष्णुन सलाहकार

फरीवाबाद, दिनांक 14 दिसम्बर 1979

सं० ए०31014/6/78-प्र०1—कृषि विषणन सलाहकार भारत सरकार, निम्नलिखिल अधिकारियों को विषणन एवं निरक्षिण निदेशालय में सहायक विषणन अधिकारी (वर्ग-1) के स्थाई पद पर मूलरूप में दिनांक 25-3-1979 से नियुक्त करते हैं:—

- 1. श्री राजंश आजाद
- 2. श्री डी० एस० सोबली

- 3. श्री जी० पी० रजानी
- 4. श्री एस० पी० भसीन
- 5. थी के० सर्यानारायण
- 6. श्री एस० कें० सबरवाल
- 7. श्री एस० सुब्बाराव
- 8. श्री जार० सुबुमणयम
- 9. श्री बी० बलरामाम्ती
- 10 श्री ए० सी० ग्वीन
- 11. श्री फिलिप इटारिया
- 12 श्री एम० के० पी० मैनन
- 13. श्री टी० एम० करूणाकरण
- 14. श्री आर० नरसिमहन
- 15 श्री एन० एल० कान्ता राव
- 16 श्री उमा दत्त पांडे
- 17. श्री बी० बी० सरकार
- 18. श्रीएम० रडडया
- 19. श्रीएम० चक्रवर्ती
- 20. श्री एस० बी० चक्रवर्ती
- 21. श्री एस० वी० कृष्णमूर्ती
- 22 शी अगर० बी० कारु प
- उपरोक्त अधिकारियों की, निम्न पद पर ग्रहणाधिकार बीच कोई हो तो, सहायक विपणन अधिकारी के पद पर स्थाई होने की तारील से समाप्त हो आयेगा।

बी० एल० मनिहार प्रशासन निवंशक

षरमाणु ऊर्जा विभाग भारी पानी परियोजना

बम्बद्ध-400008, दिनांक 12 दिसम्बर 1979

सं0 भाषाय/स्था/1/बि-88/6744—भारी पानी परियोजना के विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री शिवचरन हरेमा बिरवा, परमाणु ऊर्ज़ा विभाग के परमाणु सनिज प्रभाग के स्थायी अवर श्रेणी लिपिक तथा भारी पानी परियोजना (तलचर) के स्थानापन्न उच्च श्रेणी लिपिक जो उसी परियोजना में श्री पी. सी. मैथ्यू महायक कार्मिक अधिकारी को छुट्टी पर ही के स्थान पर अस्थायी रूप में तखर्थी आधार पर 23 अप्रैल, 1979 (पूर्वीहून) से 13 ज्लाई, 1979 (अपराहुन) तक के लिए स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर नियुक्त किए थे। इस कार्यालय की अधिक्षारी के पद पर नियुक्त किए थे। इस कार्यालय की अधिक्षायना सं० भाषाप/स्था/1/बि-88/6165 विनांक 31 अक्तुबर, 1979 का यह स्थान लेता है।

कॅ० शंकरनारायणन वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

बम्बई-400008, दिनांक 7 विसम्बर 1979

सं० भाषाप/स्था/1/बी-15/6674—भारी पानी परियोजना के, विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री गौतमक मार सोमाभाई रावत, भारी पानी परियोजना (बड़ोदा) के अस्थायी सहायक लेखाकार को उसी कार्यालय में 14/5/1979 से 23/6/1979 तक श्री डी० पी० माथुर, सहायक लेखा अधिकारी, के स्थान पर स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 15 दिसम्बर 1979

मं० 05052/79/6788--भारी पानी परियोजना के विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री पयापित्लिल अलेक्जेन्डर चुम्मर, अस्थायी वैज्ञानिक सहायक 'सी' भारी पानी परियोजना (बडोबरा) को उसी परियोजना में एक अगस्त पूर्वाह्न 1979 से आगे आदेश होने तक के लिए वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता (ग्रंड एसबी) नियुक्त करते हुँ।

जार० सी० कोटियनकर प्रशासन अधिकारी

परियांजना निदंशक का कार्यालय (मोनेक्स)

मौसम कार्यालय

नइ दिल्ली-3, दिनांक

नवम्बर 1979

गं मोनंक्स-00508--शी डी सी गर्ग को केन्द्रीय असैनिक लेखा सेवा वर्ग-बी (राजपित्रत केन्द्रीय असैनिक सैवा वर्ग-बी) में तदर्थ आधार पर दिनांक 3 अप्रैल 1979 पूर्वीहर्न में अगले आदोश तक लेखा अधिकारी नियुक्त किया गया है।

श्री डी॰ सी॰ गर्गको परियोजना निद्येशक (मानेक्स) के के मुम्यालय कार्यालय नर्क दिल्ली में तैनात किया गया है

आम प्रकाश मौसम विशेषज्ञ **कृते** परियोजना निदशिक (मोनेक्स)

महानिवंशक नागर विमानन का कार्यालय नर्ह दिल्ली, दिनांक 13 दिसम्बर 1979

सं० ए०39013/4/79-ई ए०—महानिद्शेक नागर विमानन ने दिनांक 21 मार्च 1979 से कलकत्ता एथरपोर्ट, दम दम के सहायक विमान क्षेत्र अधिकारी श्री के० एस० विकी का सरकारी सेवा से त्याग पत्र स्वीकार कर लिया है।

वी० वी० जौहरी सहायक निदशक प्रशासन कृते महानिदशक नागर विमानन

नह दिल्ली, दिनांक दिसम्बर 1979

सं ए ए 39013/6/79-ई ए ० — श्री सुनील महेता, सहायक विमानक्षेत्र अधिकारी दिल्ली एयरपोर्ट, पालम ने दिनांक 10 मई 1979 अपराह्न को सरकारी सेवा से त्यागपत्र द दिया है। दिनांक 10 दिसम्बर 1979

मं ए०38013/1/79-ईए०---निम्निसित अधिकारी निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर सरकारी सेवा से निवृत हो गए ह 3 :--

क्रम नाम सं०	<u> पदनाम</u>	<i>स्टे</i> शन	सेवा निवृति की तारीख
 श्री आई० जीव	े विमानक्षेत्र	इन्दोर	31-10-79
भारवी	अधिकारी		अपराह्न
2. श्री एन० एम०	वरिष्ठ विमा		30-11-79
बख्णी	क्षेत्र अधिका		अपराह्य
3. श्री जे० एस०	विमानक्षेत्र	पालम	30-11-79
	अधिकारी	अमृतसर	अपरा <i>ह्</i>

वी० वी० जौहरी सहायक निद्शेषक प्रशासन केन्द्रीय उत्पादशुल्क एव सीमाशुल्क समाहर्तालय मद्रास-1, दिनांक 17 नवम्बर 1979

सीमा शल्कः स्थापना

सं० सी०2/353/59-स्थापना—1. ता० 26-11-71 के मंत्रालय के पत्र सं० एफ०ए० 11012/5/71-ए०डी०4 के अनुसार जो अस्थायी पद स्थायी किया गया है, उस पद पर अस्थायी मूल्य निरूपक श्री एल० जयशेकर को सूल्य निरूपक श्रे रूप में ता 11-4-77 से पृष्टि की जानी है।

- $2 \cdot \text{ता} \circ 21-12-71$ के मंत्रालय के पत्र मं० एफ०ए० 11012/5/71-ए. डी. 4 के अनुसार जो अस्थायी पद स्थायी किया गया है, उस पद पर अस्थायी मूल्य निरूपक श्री राजू जार्ज को मूल्य निरूपक के रूप में ता० 26-8-76 में प्ष्टि की जाती है।
- 3 सा० 21-12-71 के मंत्रालय पत्र सं० एफ ए 11012/5/71-ए डी. 4 के अनुसार जो अस्थायी पद्य स्थायी किया गया है, उस पद पर अस्थायी मूल्य निरूपक श्री एस अरुतस्थामी को मूल्य निरूपक के रूप में ता० 16-12-78 से प्ष्टि की जाती है।
- 4 ता० 21-12-71 के मंत्रालय के पत्र सं० एफ०ए० 11012/5/71-ए डी.4 के अनुसार जो अस्थायी पद स्थायी किया गया है, उस पद पर अस्थायी मूल्य निरूपक श्री एस. के. पांडे को मूल्य निरूपक के रूप में ता० 28-4-75 से पुष्टि की जाती है।
- 5. ता० 21-12-71 के मंत्रालय के पत्र सं० एफ०ए० 11012/5/71-ए.डी. के अनुसार जो अस्थायी पद स्थायी किया गया ही, उस पद पर स्थानापन्न मूल्य निरूपक श्री के० भरतन को मूल्य निरूपक के रूप में ता० 1-8-71 से प्ष्टि की जाती है।
- 6. समाप्त किए गए लेखा परीक्षक के पद के बदले स्वीकृत मूल्य निरूपक के स्थायी पद पर श्री एम० एम० दूबे, अस्थायी मूल्य निरूपक को ता० 27-8-75 से मूल्य निरूपक के रूप में पृष्टि की जाती है।
- 7. ता ० 5-4-72 के मंत्रालय के पत्र सं ० एफ ०ए ० 11013/सी/14/72-ए डी. 4 के अनुसार जो अस्थायी छुट्टी जारक्षित पद स्थायी किया गया है, उस पद पर स्थानापन्न मूल्य निरूपक श्री आर. द्रौराज को मूल्य निरूपक के रूप में ता ० 1-3-72 में पुष्टि की जाती है।
- 8. ता० 19-1-73 के मंत्रालय के पत्र मं० एफ० ए० 11012/2/72-ए.डी.4 के अनुसार जो अस्थायी पद स्थायी किया गया है, उस पद पर स्थानापन्त मूल्य निरूपक श्री ए. एस० डी कासटा को मूल्य निरूपक के रूप में ता० 1-8-72 से पूष्टि की जाती है।
- 9. ता० 19-1-73 के मंत्रालय के पत्र सं एफ०ए•11012/2/72-ए डी.4 के अनुसार जो अस्थायी पद स्थायी किया गंबा है, उस पद पर अस्थायी मूल्य निरूपक श्री पी० देवालूडू को मूल्य निरूपक के रूप में ता० 26-6-76 से पुष्टि की जाती है।
- 10. ता॰ 19-1-73 के मंत्रालय के पत्र मं एफ॰ए॰11012/2/72-ए.डी.4 के अन्सार जो अस्थायी पद स्थायी किया गया है, उस पद पर स्थानापन्न सृत्य निरूपक श्री एस. चकपाणी को मृत्य निरूपक के रूप में ता. 1-8-72 से प्रैट्ट की जाती हैं।

- 11. ता० 19-1-73 के मंत्रालय के पत्र सं० एफ∙ए∙ 11012/2/72-ए०डी०-4 के अनुसार जो अस्थायी पद स्थायी किया ग्या है, उस पद पर स्थानापन्न मूल्य निरूपक श्री ए० एम∙ जोजिम को मूल्य निरूपक में ता० 1-8-72 से पृष्टि की जाती है।
- 12 ता. 19-1-73 के मंत्रालय के पत्र मं. एफ.ए. 11012/2/72-ए॰डी॰4 के अनुसार जो अस्थायी पद स्थामी किया गया है, उस पद पर स्थानापन्न मूल्य निरूपक श्री एम॰ मिसलामणी को मूल्य निरूपक के रूप में ता॰ 1-8-72 से पृष्टि की जानी है।
- 13. श्री एस० एम० जैसिंगानी स्थायी मूल्य निरूपक की सेवा निवृत्ति के कारण हुई स्थायी रिक्ति पर अस्थायी मूल्य निरूपक श्री एम० म्रागन को मूल्य निरूपक के रूप में ता• 4-6-77 में पुष्टि की जाती है।
- 14. ता० 7-3-73 के मंत्रालय के पत्र सं० एफ०ए० 11012 2/73-ए०डी०4 के अनुसार जो अस्थायी छुट्टी रिजर्व पद स्थायी किया गया है, उस पद पर स्थायी मृत्य निरूपक श्री ए० के बत्वेंदी को मृत्य निरूपक के रूप में 4-1-77 से पुष्टि की जाती है।
- 15. ता० 30-1-74 के मंत्रालय के पत्र सं● एफ०ए● 11012/5/73-ए०ड़ी०4 के अनुसार जो अस्थायी पद स्थायी किया गया है, उस पद पर स्थानापन्न मृल्य निरूपक श्री सी0 आर० जिह्टीबाबू को मृल्य निरूपक के कृप में ता० 1-8-73 से पिट की जाती है।
- 16. श्री एे० नारों किस्वामी, स्थायी मूल निरूपक की सेवा निवृत्ति के कारण जो स्थायी रिक्ति उपलब्ध थी, उस पर जस्थायी मूल्य निरूपक श्री के० एस० चक्रवोर्ती को मूल्य निरूपक के रूप में ता० 30-4-77 से पुष्टि की जाती है।
- 17. श्री स्टीफन जेवियर, स्थायी मूल्य निरूपक की तेबा निवृत्ति के कारण उपलब्ध स्थायी रिक्ति पर स्थानापन मूल्य निरूपक श्री आर० पार्थसार्थी को मूल्य निरूपक के रूप में ला• 1-2-75 से पृष्टि की जाती है।
- 18 ता० 19-11-76 के मंत्रालय के पत्र सं• एफ॰ए• 11012/5/76-ए॰डी॰4 के अनुसार जो जस्थायी पद स्थाबी किया गया है, उस पद पर स्थानापन्न मूल्य निरूपक श्री डी॰ टी॰ शंकरनारायण को मूल्य निरूपक के रूप में 1-8-76 से पुष्टि की जाती है।
- 19. ता० 19-3-77 के मंत्रालय के पत्र सं० एफ ए 11011/13/77-ए०डी०4 के अनुसार जो छुट्टी रिजर्व अस्थायी पद स्थायी किया गया है उस पद पर स्थानापन्न मूल्झ निरूपक श्री सी० वी० कृष्णण को मूल्य निरूपक के रूप में ता 1-8-76 से प्ष्टि की जानी है।
- 20. श्री एस० पी० एस० शोरिंगल, स्थायी मूल्य निरूपक की मृत्यु के कारण हुई स्थायी रिक्ति पर अस्थायी मूल्य निरूपक श्री तामस राजन को मूल्य निरूपक के रूप में ता० 15-7-78 ने पृष्टि की जाती है।

दिनांक 15 दिसम्बर 1979

मं० 5/79—सीमाशुल्क घर, मदास के स्थामी मूल्य निरूपक (विशेषज्ञ नहीं) श्री एस० मोसस बालासिंग ने 7-12-79 के अपराहन से मुल्यनिरूपक के पद से देवाग पत्र दे दिया ।

ए॰ सी० सल्डाना नीमाशस्क समाहर्ता

केन्द्रीय जल आयोग

नक् दिल्ली-22, दिनांक 19 नवम्बर 1979

सं० 19013/9/79-प्रशा० चार, --- अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयांग, श्री डी० एस० मदान, वरिष्ठ व्यावसायिक सहायक (हाइड्रोमेट) को अतिरिक्त सहायक निद्रशक (हाइड्रोमेट) के केड के रू० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40 1000-द० रो०-40-1200 के नेतनमान में 2-11-1979 की पूर्वाह्न से पूर्णतया अस्थायी एवं तवर्थ आधार पर, आगामी आदेश होने तक, नियुक्त करते ही।

जे० के० साहा अवर सचिय् कोन्द्रीय जल् आयोग

निधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रिजस्ट्रार का कार्यालय कम्पनी अधिनियम, 1956 और होटेल नील्गीरीस क्यंटिनेंटल लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 14 दिसम्बर 1979

मं0 5971/560(3)/78——कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्-द्वारा

यह सुचना दी जाती है कि इस तारीस से तीन मास के अवसान पर हाटेल नील्गीरींस कांटिनेंटल लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से कांट दिया जाएगा और उक्त कम्पती विवटित कर दी जाएगी।

> के० प्रशासकेशन कस्पनियों का सहाबक रुजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम् 1956 और जी०सी०एस० एन्ड सन्स प्राइबेट के विश्वय में

कटक, दिनांक 15 दिसम्बर 1979

सं० एस० जो० 50-280-(2)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्दारा यह सूचना दो जाती है कि इस तारीस से तीन मास के अवसान पर जी० मी० एस० एन्ड सन्स् प्राइदेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिया जाएगा और उनल कम्पनी विधिटत कर दी जाएगी।

ष्टी० क्षे० पाल० कम्पनियों का रिजस्ट्रार उडीसा। प्रकृप चाई• टी• एन• एस•----

व्यामचर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के प्रधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-III, कलकत्ता कलकत्ता, विनांक 12 दिसम्बर, 1979

निर्देण सं० 633/ए०सि०क्यू०/रेंज-III/79-80/कल०---यतः मुझे, एस० के० दासगुप्त

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 26% ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका चित्र वार्जार मूक्य 25,000/- व॰ से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट हैं तथा जो 102, साउदर्न एवेन्यु, कलकत्ता में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 4-4-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के बृश्यमान अतिकत्त के सिए भन्तरित की नई है भीर मुझे मह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृश्य, उसके बृश्यमान अतिफल से ऐसे बृश्यमान अतिफल का पत्यह प्रतिमत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) धौर मन्तरितौं (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया नवा अतिफल, निम्नकिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक कप से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी आय की बावत करत बिन्निन्म के प्रशीन कर वेने के श्रन्तरक के वासिश्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के शिवे; शीर/या
- (भ) ऐबी किसी आय या किसी घन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर धाधनियम, 1922 (1922 को 11) भा उनत प्रधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ धुन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया पया था, या किया जाना चाडिए था, स्थिपने में मुविधा के बिखे;

अतः धन, उनत अधिनियम की धारा 269ना के धनुतरण में, में, उनत अधिनियम, की धारा 269-च की उपचारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्वात् :---

2-396 GI/79

- लेक एपार्टमेन्ट्स को-ब्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० (श्रन्तरक)
- 2. श्री एम० एन० वेंकिंट

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सेम्प्रश्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जबत सम्पत्ति के सर्जन के सम्बन्ध में कोई मी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधि या तस्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी के से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबढ़
 किसी अध्य स्पन्ति द्वारा, अक्षोइस्ताकरी के पास
 विविध में किये था सकेंगे।

क्यव्हीकरणं:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्चों का, जो उक्त अधिनियम के भ्रव्याय 20-क में परिभावित है, बड़ी भयं होगा, को उस भ्रव्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

समूचा फ्लैट (नार्थ-ईस्ट फ्लैट, एकतल्लया पर) जिसका फ्लिन्थि माप 1070 स्क्वा॰ फुट श्रौर जो 102, साउदर्न एवेन्यु पर श्रवस्थित है।

> एस० के० दासगुप्त, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्य (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता।

तारी**ख**ः 12-12-79

प्रकर भाईं टी एन० एस • ---

बाबकर महिनियन, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-प (1) के मधीन पूचना

मास्य सरकार

कार्बालन, सहायक आयकर श्रायुम्ल (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज- I, कलकता

कलकना, दिनांक 12 दिसम्बर, 1979

निदेश सं ● 634/ए०ित०क्यू०/रॅंज- /79-80/कलकसा----वद्यः मुझो, एस ● के • दासगुप्त

चानकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के स्वीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृल्य 25,000/-व्यव ने स्विक है

जौर जिसकी नं • 1 • 2 है, तथा जो साउदर्न एवेन्यु, कलकत्ता में स्थित है (और इनके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है) रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन बारीख 4-4-1979 को

पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से सम के बृश्यमान प्रश्चिक्त के लिए घन्तरित की गई है घोर मुझे यह विश्वास सरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृश्य उश्वके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्त्रह्म प्रश्चिक्त प्रक्षिक है घोर धन्तरक (घन्तरकों) घोर सम्बर्गिती (अन्तिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए बय पावा नवा प्रतिकल, निम्निसिबित उहेयय से उक्त अन्तरण बित में बास्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरन से हुई तिसी भाव की बाबत उक्त विक्रित्यम के अधीन कर देने के मन्तरक के स्ववित्य में कमी करने या छस्के बचने में सुविधा के बिक; भीर∤वा
- (च) ऐबी किसी जाय या जिसी वन या अन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय प्रायकर ग्रिशियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिशियम, ग्रा श्रम-कर ग्रिशियम, 1957 (1957 का 27) के ज्रयोजनार्थ ग्रस्तिरिती द्वारा जकट नहीं किया बना वा या किया जाना वाहिए या, छिपाने में सुविवा के बिक;

श्रवः अव, उनव प्रक्रिनियम की धारा 269-ग के सनुस्रण न, नैं, उनत अधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) अधीन निम्निक्षिण व्यक्तियों अर्थात्।—

- लेक एपार्टमेन्ट्स कोग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि• (श्रन्तरक)
- 2. श्री सत्येन्द्र नाथ घोष

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचना के राजपत्न में प्रकामन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

क्पाकीकरण :--इसमें प्रयुक्त सब्दों भीर पदों का, जी उक्त प्रधिनियम, के प्रष्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्म होगा जो उस भव्याय में दिया भया है।

बनुसूची

समूचा फ्लैंट (साउध-ईस्ट फ्लैंट, दोतल्ला पर) जिसका फ्लिन्थ माप 1650 स्ववा० फुट ग्रौर जो 102, साउदर्न एवेन्यु, कलकत्ता पर ग्रवस्थित ।

> एस०के० दास गुप्त, दैसक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीखा: 12-12-79

भोहर:

प्ररूप साई० टी० एन० एस०----

स्रायकर स्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के स्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 दिसम्बर, 1979

निर्देश सं० 635/ए०सी ० स्यू०/रेज-III/ 79-80/कलकत्ता----वतः मुझो, एस०के० दासगुप्त

ज्ञायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका खित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी मं० 102 है, तथा जो माउदर्न एवेन्यु, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय कलकत्ता म रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन सारीख 4-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्नावक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रन-ग्ररण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- लेक एपार्टमेन्ट्स कोन्नापरेटिय द्वार्शिका नोबाइटी लि॰ (ग्रन्थरक)
- 2. श्री देव प्रसाद चटर्जी

(अन्बंरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्बक्ति के क्रर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी क्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर कूपना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में के किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहम्नाक्षरी के पास सिसान में किए जा सकेंगे।

स्पब्तीकरण: --इसमें प्रयुक्त सन्दों ग्रौर पदों का, जो उनत श्रिक्ष-तिसम के श्रष्ठशय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं श्रर्थ होगा जो उस सम्याय में दिया गया है।

अनुसूची

समूचा फ्लैट (नार्थ-ईस्ट फ्लैट, 12 तल्ला पर) जिसका फिलिन्थ माप 1070 स्ववा० फुट श्रौर जो 1⊕2, साण्डर्न एवेन्यु, कलकत्ता पर श्रवस्थित ।

> एन• के• दातगुणा, तथाम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-III, स्थककता-16

तारी**ख**ः 1*2*-12-79

प्रकप बाई • टी • एन • एस •---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व(1) के घडीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर घायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 दिसम्बर 1979

निर्देश सं े 636/ए०सी०व०/रेज-III/79-80/कलकत्ता---यतः मुझे, एस० के० दासगुप्त

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के पश्वात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारों की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मन्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-व्याप से प्रधिक है

भीर जिसकी सं 0 102 है तथा जो साउदर्न एवेन्य कालकत्ता में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-4-1979 को

पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत्त के निए प्रन्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पृद्ध प्रतिशत से धिक है धीर धन्तरक (धन्तरकों) धीर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निवित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से दुई िकसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रीधिनियम के भ्रशीन कर देने के भ्रग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भौर/या;
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भण्य भास्तियों को, जिण्हें भारतीय भागकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के निए;

भतः भवः, उन्त भविनियम की घारा 269-ग के धनुसरम में, में, उथ्त धविनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) अधीम, निम्नसिखित न्यनित्यों, धर्मातः—

- लेक एपार्टमेन्ट्सकोब्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० (श्रन्तरक)
- 2. श्री सिबेस नियोगी

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रजंन के शिए शार्यवाहियां करता हूँ।

उनत सम्पत्ति के श्रर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:-

- (क) इस मूचना के राजप में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा:
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीबा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

क्षक्वीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का जो उक्त प्रधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित ्हैं, वही अर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया नवा है।

अनुसूची

समूचा फ्लैंट (मिडल-ईस्ट फ्लैंट, तिनलल्ला पर) जिसका फिलिन्थ माप 900 स्ववा० फुट श्रौर जो 102, साउदर्न एवेन्यु कलकत्ता पर भ्रवस्थित।

> एस० कें० दासगुष्त, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-III,कलकक्ता ।

तारीख: 12-12-79

प्ररूप आईं शि एन एस०--

आयकार निमित्तियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 व (1) के प्रमीन सुचना

बारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-III, कलकत्ता

वालकत्ता, दिनांक 12 दिसम्बर, 1979

निर्देश सं० 637/ए०सि०क्यू रेंज-III/78-79/कलकत्ता--यतः मुझे, एस० के० दासगुप्त
भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके
परवात् 'उक्त मिनियम' कहा थया है), की धारा 269-च के भिन्नी
सक्षम भाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर
सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृश्य 25,000/- क्यवे से 'प्रक्रिक हैं
और जिसकी सं० 102है, तथा जो माउधर्न एवेन्यु, कलकत्ता में
स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद मन्यूची में भ्रीर पूर्ण क्य से
वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में
रिजस्ट्रीकरण श्रधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन
दिनांक 3-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिकास के लिए सन्तरित की नई है और मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकास से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकास का पत्नह प्रतिकात सिक्ष है और सन्तरक (सन्तरकों) और सन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे सन्तरण के लिए तय पाना नया प्रति-फल निम्नजिबित उद्देश्य से उक्त बन्तरण बिबित में बास्तविक रूप से क्षित नहीं किया यथा है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, कवत व्यक्तिक नियम, के धधीन कर देने के धन्तरक के दायिक में कमी करने या अससे बचने में युविधा के किए; बीए/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रत्य फ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ क्लारिती द्वारा प्रकट नहीं किया जया वा वा किया जाना चाहिए वा, खियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उन्त प्रशितियम की बारा 269-न के प्रनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की बारा 269-व की उपबारा (1) के प्रवीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. लोक एपार्टमेन्टम को-म्रापरेटिव हाउसिंगसोसायटी लि० (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीकल्यान कुमार सेन

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्वन के बिए जावैवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षण:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकानन की तारीब से 45 विन की सविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 विन की धविध, को भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (वा) इब सूचना के राजपब में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन के धीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवद किसी सम्य व्यक्ति द्वारा सभोहस्ताक्षरी के पास शिवित में किये वा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रमुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त श्रीब-नियम के श्रव्याय 20-क में येवा परिकाशित हैं; बही श्रव होगा को उस श्रव्याय में दिया येवा है।

धनुसूची

समूचा फ्लैट (मिडल-ईस्ट फ्लैट, ग्राट तल्ला पर) जिसका फ्लिन्थ माप 900 स्ववा० फुट ग्रीरजो 102, साउदर्न एवेन्यु पर ग्रवस्थित ।

> एस० के० दासगप्त; सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख: 12-12-79

मोहरः

प्रकप भाई। टी। एन। एस।---

श्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यास्तर, महायक्त प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्तण)

ध्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 दिसम्बर, 1979

निर्देश सं० 638/ए०सी'०क्यू०/रेंज-III/79-80-/कलकत्ता-बत: मृक्षे, एस०के० दासग्रहुत्त भावकर भिष्ठिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त भिष्ठित्यम' कहा गया है), की घारा 269-ख

इसके पश्चात् 'उन्त भिविनयम' कहा गया है), की घारा 269- ब के अश्रोत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समाति, जिनका उजित बाबार मूह्य 25,000/-स्वाप से भिक्षक है

ग्रीर जिसकी सं० 102 है तथा जो साउर्थन एवेन्सु, कलकत्तामें स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से निणत है) .रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कलकत्ता म रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 3-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उसित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यबापूर्वोक्त सम्पत्ति का उसित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकाल का पन्त्रह प्रतिगत मधिक है मौर धन्तरक (अन्तरकों) घौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण निखिन में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की वाबत चक्त ग्रीमिनियम के ग्रीमिन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए ; और/या
- (का) ऐसी किसी बाय या किसी धन या प्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भागकर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिनियम या धन-कर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

धत: धन, उन्त धिवियम की धारा 261-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त धिवियम, की घारा 269-व की उपघारा (1) रे अधीन, निभ्निलिबित स्यक्तियों, अर्थात्:—

- लेक एपार्टमेन्टम को ग्रापरेटिव ह्राउसिंग सोसायटी लि० (भ्रन्तरक)
- 2. श्री बंकिम सन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त. सम्पत्ति के झर्जन के जिल कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सन्धरित के भावेन के।सम्बन्ध में कोई की भाक्षेपः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ---इसमें प्रयुक्त जन्दों घौर पदों का, जो उक्त प्रक्षिनियम के घष्ट्याय 20-क में परिभावित हैं, वही धर्म होगा जो उस घष्ट्याय में दिया गया है।

प्रमुस्पी

समूचा फ्लैट (नार्थ-ईस्ट फ्लैट, 4 तल्ला पर) जिसका फ्लिन्थ माप 1070 स्क्वा० फुट और जो 102, साउथर्न एवेन्यु, कलकत्ता में भ्रवस्थित ।

> एस० के० दास गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रर्जन रेंज-III,कलकत्ता-16

ता**रीख**: 12-12-1979

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

आपकर पश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज∽ ,कलकत्ता

कलकत्ता,दिनांक 12 दिसम्बर, 1979

निदेशसं० 639/एक्यू०/रेंज- /7 ३-80/कल० -- पतः मुझे, एस० के० दासगुप्त,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन मझम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर मन्यति जिसका उचिन बाजार मृत्य 25,000/- व्यमें से प्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० 102 है। तथा जो माउदर्न एवेन्यू, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इसमे उपावद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण कृप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 3-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के बनित बाजार मूल्य से कन के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वयापूर्वोक्त सम्पत्ति का जियत वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का चन्द्रह प्रतिशत से प्रथिक है और भन्तरिक (प्रन्तरहों) भीर भन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरिल के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त धम्तरण लिखित में वास्तविक कर मे कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) अम्बरण में हुई किसा आय को बाबत, उन्त भिष्ठितियम के भ्रष्ठीत कर देते के अन्तरक के वायित्व में कमी करत या उससे वचने में सुविधा व लिए; भीर/या
- (च) ऐसी किसी आय व किसी घन या अन्य अस्तियों, की जिन्हें भारतीय भायकर मिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिन्नियम, या धन-कर मिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने थें सुविधा के लिए?

धतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- लेक एपार्टमेन्टम को-प्रापरेटिव हार्जीमग सोमायटी लि० (भ्रन्तरक)
- 2. ग्रमितबरन पाल

(भ्रन्तरिती)

को यह भूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उ १९ मम्पलि के पर्वत के संबंध में कोई भी पार्शेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की कारी का से 45 दिन की सविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की कामील मे 30 दिन की सविधि, जो भी सविधि बाद में ममाध्य हो नी हो, के भी नर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति होने हारा;
- (ख) इस मूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख पे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितवड किसी मन्य व्यक्ति द्वारा सत्रोहन्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्सीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीक-नियम के श्रक्षाय 20-का में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उन प्रकाय में दिश गया है।

अनुसूची

समूचा फ्लैट (मिडल-ईस्टफ्नैट, 12 तत्ना पर) जिसका पिलन्थ माप 900 स्कवा० फुट झौरजो 102, साउदर्न पूबेन्यू, कलकत्ता पर श्रवस्थित।

> एस० के० दासगुप्त, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-कलकत्ता-16

तारीख: 12-12-79

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 12 दिसम्बर 1979

निदंश सं० 640/एक्यू०/रेंज- /79-80/कलकत्ता--यतः मुझे एम० के० दासगुप्ता

आयकर अधिनियन 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यक्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ इपये से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 102 है तथा जो साउदर्न एवेन्यु कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण कूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता म रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनां ह 28-4-1979 को

पूर्वोक्त मन्। ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत मिश्रक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धनकर श्रधि-नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव उक्त मधिनियम की धारा 269म के मनुसरण में, मैं उक्त मधिनियम की धारा 269म की उपधारा (1) के मधीन निम्निखित क्यक्तियों मर्थात्:—

- लेक अपार्टमेन्टम को-ब्रापरेटिव हाउसिंग सोमायदी लि० (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती कल्पना चटर्जी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्यक्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूत्रता के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रकार वाक्ति द्वारा प्रश्नोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किये जा सकेंगे।

स्भव्दीकरण: → इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त प्रधि-नियम के प्रध्याय 20क में परिभाषित हैं वही प्रयंहोगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

समूचा फ्लैंट (नार्थ-ईस्ट फ्लैंट, 4 तल्ला पर) जिसका फ्लिन्थ माप 1050 स्क्या० फुट श्रौर जो 102 साउदर्न एवेन्युकलकत्ता पर श्रवस्थित।

> एस० के० दासगुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भागुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 12-12-79

प्ररूप भाई० टी• एन• एस•----

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 (1) के भन्नीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-III, कलकसा

कलकत्ता, दिनांक 12 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 641/ए० सि०क्यू०रेंज-III/79-80/कलकत्ता—
यतः मुझे एस० के० दासगुप्ता
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है),
की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है,
श्रीर जिसकी सं० 102 है तथा जो साउदर्न एवेन्यु, कलकत्ता में
स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुसूची में और जो पूर्ण क्रप से
वर्णित है) रजिस्ट्री कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कलकत्ता में
रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन
दिनांक 28-4-1979

की पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रित्तफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित खहेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत करत घिष्टिनयम के घिष्टीन कर देने के अन्तरक के बायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; क्षीर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आहितयों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, कियाने में सुविधा के जिये;

प्रतः प्रव, उन्त प्रविनियम भी धारा 269-ग के समुखरण में, में, उन्त बिश्वित को बारा 269-थ की उपधारा, (1) के अधीन, निम्नसिबित व्यक्तिमों, अर्थात् :—— 3—396G1/79

- लोक एउँ। टैमेन्ट्रेस की-प्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० (अन्तरक)
- 2. प्रगब सरकार

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

इक्त सम्पति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनकि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की ध्रवित्र जो भी ध्रवित्र बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख़ में 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पान निक्ति में किये जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जी छक्त प्रश्नियम के भ्रष्टमाय 20 के में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस अध्याम में दिया नया है।

अनु सूची

समूचा पलैट (मिडल ईस्ट पलैट, 11 सल्ला पर) जिमका प्लिन्म माप 900 स्वव पुट और जो 102 साउदर्न एवेन्यु कलकत्ता में अवस्थित ।

> ष्टम० के० वासगुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेज-III, कलकत्ता

तारी**य**: 12-12-79

प्रकप खाई॰ टी॰ एन॰ एस॰=--

जायकर जाजिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269म (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) π र्जन रेज- $\Pi_{I, m}$ कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 642/एक्यू०/रेंज-ij/ 79-80/कलकत्ता— यतः, मृझे, एस० के० दासगुष्ता, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा क्या है), की धारा 269-धा के स्थीन स्थाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि

स्थावर सम्मति, जिसका उपित बाबार मृस्म 25,009/- ६०

से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 102 है तथा जो साउदर्न एवेन्यू, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपावक अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-4-1979

- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—
 - (क) प्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिवियम के ग्रिवीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर या
 - (क) ऐसी किसी भाय या किसी धन व भ्रम्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भौधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या कियाने में सुविधा के लिए।

यतः यस, उस्त प्रधिनियम की धारा 269-न के प्रनुसरण च, में, उस्त प्रधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रचीव्:---

- 1. लेक एपार्टमेन्ट्स को-म्रापरेटिव हाउसिंग सोमायटी लि० (भ्रन्तरक)
- श्रीमती सन्ध्या सिन्हा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के भ्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम, के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रंथे होगा, जो उस श्रष्टवाय में दिया गया है।

अनुसूची

102 साउदर्न एवेन्यु, कलकत्ता तीसरी में जिल, मध्यम पश्चिमी पर्लंड प्लिन्थ एरिया 900 स्क्वा० फुट।

> एस० कि० दासगुप्ता, सक्तम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर <mark>श्रायुक्त (निरीक्षण),</mark> श्रर्जन रेंज-iii,कलकत्ता

ता**रोख:** 12-12-79

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

म्रायहर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-^{III}, कलक**सा** कलकत्ता, दिनांक 12 दिसम्बर 1979

निर्वेश सं० 643/ए०सी०क्यू० रेंज-III/79-80/कलकत्ता— यतः मुझे एम० के० दास गुप्ता श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अत्रोत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर मंगत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 102 है तथा जो साउदर्न एवेन्यु, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 28-4-79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः स्रवः, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के स्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के स्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों स्रयोतः—

- लोक एपार्टमेन्ट्स को-म्रापरेटिव हाउसिंग स्रोतायटी लि॰ (धन्तरक)
- 2. श्रहण कुमार मुखर्जी

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित्त में हित-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

102 माउदर्न एवेन्यु कलकत्ता, नवम् मं जिल उत्तर पश्चिम पज्ञैट प्तिन्य एरिया 1070 स्ववा० फुंट।

> एस० के० **दास नुष्ता,** स**क्षम** प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-III, कलकत्ता

सारीकः: 12-12-79

मोहरः

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस∙---

भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-III, कलकला

कलकत्ता, दिनांक 12 विसम्बर 1979

निर्देश सं० 644/ए०सी० म्यू ०/रेज-III/ 79-80/कलकता---यते: मुझे एस० कें० दासगुष्ता,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 102 है तथा जो साउवर्न एवेन्यू, कलकत्ता म स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रघीन दिनौंक 26-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरिल की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ग्रथने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या भ्रत-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः भ्रव, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के धमुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपघारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों भर्षातु:---

- 1. लेक अपार्टमेन्ट को-म्रापरेटिय हार्जीसग सोसायटी लि० (म्रन्तरक)
- 2. श्री नृपेन्द्र सान्याल ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः इसमें प्रयुक्त मन्दों भौर पदों का, जो 'उम्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20क म परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसूची

102, साउदर्न, एवेन्यु, कलकत्ता नवम मंजिल, दक्षिण पश्चिम फ्लैट, फ्लिन्थ एरिया 1650 स्क्वा॰ फूट।

> एस० के० दासगुप्ता,, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज-III, कलकत्ता

सारीख: 12-12-79

मोह्यरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-III कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 645/ए०सी०न्यू० रेंज--III/79-80/कलकत्ता---यत: मुझे एस०के० दासगुप्ता

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के मिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- कपए से मिधिक है

मौर जिसकी सं० 102, है तथा जो माउवर्न एवेन्यु, कलकत्ता में स्थित है (घौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में घौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारी ख 30-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूरव से कम के बृश्यमान प्रति-फल के लिये प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पत्यह प्रतिशत में प्रविक है भीर प्रस्तरक (प्रस्तरकों) भीर प्रन्तरिती (प्रन्तरितयों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिये तम सामा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण निष्ठत में वास्तिक का से कथित नहीं किया गया है:—

- (अ) यन्त्ररण से तुई कियो धाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के सन्तरक के वाजित्व में कभी करने वा उससे बचने में मुविधा के जिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाव या किसी बन वा घरव पास्तियों की जिन्हें बारतीय घावकर घिष्टित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधितियम, वा धन-कण विधित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया बवा था वा किया बान्स चाहिए वा, जिपाने में सुधिता के लिए।

वतः वत, उक्त प्रावित्यम, की बारा 269 व के धनु-सरण में, में, उक्त प्रवित्यम की वारा 269 व की वयबारा (1) के बांति निम्तविधिय व्यक्तिमों, वर्षात् ।---

- लेक ग्रपार्टमेन्ट्स को-ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० (ग्रन्तरक)
- श्री प्रवीर गुप्ता

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :→-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखा से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पड्टीकरण:-इसमें प्रयक्त गड़्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिश्चित है, वहीं श्रृष्टी होगा जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

102, साउदर्न एवेन्यु कलकत्ता दूसरी मंजिल उत्तर पश्चिम फ्लैंट, प्लिन्थ एरिया 1070स्क्वा० फुट ।

> एस० के० दास गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख: 12-12-79

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रोज-∏ा, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 12 दिसम्बर, 1979

निवेश सं० 646/एक्यू० रेंज-III/79-80/कलकत्ता—श्रतः मुझे एस०के० दासग्^{ट्}ता,

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से श्रधिक है

भौर जिसकी सं० 102 है तथा जो साउदर्न एवेन्यु, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 190 8 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजर मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्लास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ब्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिल नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त घिषित्यम के प्रधीन कर देने के घन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; घौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं ग्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

द्यतः भ्रज, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, नैं, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के भ्रधीन निम्नसिखित व्यक्तियों, भ्रथीत्:—

- 1. लेक भ्रनार्टमेन्ट को-आपरेटिव हाउसिंग मोमायटी लि० (भ्रन्तरक)
- 2. सोमनाथ मुखर्जी

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनन सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास निखिन में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो 'उक्त ग्रिधिनियम', के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रयं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया हैं।

भ्रनुसूची

102, साउदर्न एवेन्यु, कलकत्ता दशवां मंजिल मध्यम पूर्व फ्लैट प्लिन्थ एरिया, 900 स्क्वा० फुट।

> एस० के० दास गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायरक स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रॅंज-ार्डो, कलकत्ता

तारीख: 12-12-1979

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 647/ए०सीं०क्यू०/रेंज-∏ि 79-80/कलकत्ता— यतः मुझे, एस० के० दासगृता,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 26)-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-रुपए से श्रिधिक है

ग्रीर जिमकी सं० 102 है, तथा जो साउथर्न एवेन्यु, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनौंक 30-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की वाबत, उक्त ग्रिध-नियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में मुविधा के लिए, ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ध्रन्य घ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर घ्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त घ्रिधिनियम, या धन-कर घ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:—

- लेक ग्रपार्टमेन्ट को-ग्रापरेटिव हाउसिंग सोमायटी लि० (ग्रन्तरक)
- 2. दीपेन्द्रनाथ मिस्र

(अन्तरिती)

को यह सुचता जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उनतः सम्बद्धाः के प्रजंत के सम्बन्धः म कोई भी धार्षेपः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
 ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंब क किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त श्रिक्ष नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

102, साउदर्न एवेन्यु, कलकत्ता में दसवां मंजिल, दक्षिण पूर्व फ्लैट, प्लिन्थ एरिया, 1650 क्स्वा० फीट ।

> एस० के० दासगुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-111, कलकत्ता-16

तारी**ख**: 12-12-79

प्रकप आई• टी• एन• एस०---

भायकर ब्रिजिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अभीत सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III कलकत्ता

कलक्ता, दिनांक 12 दिसम्बर, 1979

निर्देण सं० 648/ए०सी०वयू०/रेंज-III/79-80/कलकत्ता---यतः मुझे, एस० के० दास गुप्ता,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रश्विनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख प्रजीत सक्तम प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है जि श्वाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार जूस्य 25,000/-एपये से बाधिक है

ष्रीर जिसकी सं० 102 है, तथ जो साउदर्न एवेन्यु, कलकत्ता में स्थित है (थ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में थ्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यक्षय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 30-4-1979 को

- (क) अन्तरन से हुई कियो भाव की बाबा, उक्त श्रीवित्यम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के बायित्व में कभी अपने या उससे वचने में सुविधा के लिए भौर/वा
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तिओं को जिन्हें भागकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत पश्चितियम, वा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वंश भाषा विस्ता जाना चाहिए वा कियाने में सुविधा के शिष्;

अतः सब, उनत समिनियम की बारा 269-व भी वनुसरक में। में, उनत समिनियम, की बारा 269-व की उपकारा (1) के अधीन निम्नलिक्ति स्पनित्यों समीत:—

- ले ह अनार्टमेन्ट को-श्रापरेटिय हाउससिंग सोसायटी लि० (अन्सरक)
- 2. श्री धमरेन्द्र नाथ बासु

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्ववाहियों करता हूँ।

उपत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप !--

- (क) इस सूचना के राजवश्व में प्रकाशन की तारीब के
 45 दिन की खबीब मा तरसम्बन्धी व्यक्तियों पद
 सूधना की तामील से 30 दिन की शबिश, को जी
 शबिश बाद में समाध्त होती हो, के जीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में के किसी व्यक्ति हारा;
- (व) इस सूचना के राजपत में प्रकावन की तारीश से 45 दिन के जीतर उत्तर स्वावर सम्पत्ति में हितबड़ जिसी प्रम्य स्पन्ति हारा, प्रवोहस्ताशारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पण्टीकरण :--इसमें प्रबुक्त कक्षों घोर पदों का को उक्क ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में, परिभाषित हैं, बढ़ी धर्च होगा को उस कब्याव में दिया क्या है।

वनुसूची

102 साउदर्न एवेन्यु, कलकत्ता सातवां मंजिल, उत्तर पश्चिम फ्लैट, प्लिन्थ एरिया, 1070 स्क्वा० फुट ।

> एस० के० दास गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक मायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-गा, कलकत्ता

तारी**ख**: 12-12-79

मोहरः

प्रकृप भाई० टी० एन० एम०--

भायकर घिष्ठितयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक प्रायक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-∭ कलकत्ता

कलकत्ताः दिनांक 12 दिसम्बर, 1979

निर्देश सं० 649/ए० मी०क्यू०/रेज-Ш/79-80/कलकत्ता----यक्षः मुझे, एस० के० दासगुप्ता

आवकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिनकी सं० 102 है, तथा जो साउदर्न एवेन्यु, कलकत्ता में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 30-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से घधिक है भीर धन्तरक (धन्तरकों) भीर धन्तरिती (धन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक छप से कित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी ग्राय की बावत, उन्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या धससे बचने में सुविधा के लिए; गौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तं मधिनियम, या धनकर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया भाग चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

श्रतः श्रव, उनत श्रीधिनियम की धारा 269-म के श्रनुसरण में, में, उनत श्रीधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के श्रीधिन निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थातः ----4---396GI/79

- ा. ले ह अरार्टमेस्ट को-श्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० (अन्तरक)
- 2. श्री बिनयकुमारघोष

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो जकत श्रिधिनियम के श्रव्याय 20-क में परिभावित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रव्याय में दिया हुआ है।

अनुसूची

102, साउदर्ग एवेन्यु, कलकत्ता, दूसरी मंजिल,दक्षिण पूर्व प्लाट विजन्य एरिया, 1650 स्ववा० फुट ।

> एस० के० दास गुप्ता सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-III,कलकक्ता

तारीब: 12-12-79

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269ष(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 दिसम्बर, 1979

निर्देश सं० 650/ए०मी०क्यू० रेज-III/79-80/कलकत्ता- -यतः मुझे एस० के० दासगुष्ता

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त म्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269खं के म्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से म्रधिक है

स्रोर जिसकी मं० 102 है, तथा जो साउदर्न एवेन्यु, कलव ता में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध प्रनुस्वी में स्रोर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 26-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफिल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण ने हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या भन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर मिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधनियम, या धन-कर श्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में में, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रयीत्:— 1. क्षेत्र श्रपार्टमेन्ट को-ग्रापरेटिव हा० मो० लि०

(श्रन्तरक)

2. श्री राणादनगुष्त

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षपः ---

- (क) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्मक्वन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान्त होतो हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 िकसो अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 विखित में किए जा नकेंगे।

स्पट्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त गर्डो श्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित है, बही ग्रयं होगा,जो उस श्रष्टवाय में दिया गया है।

अनुसुची

102, साउदर्न एवेन्यु, कलकत्ता नवम मंजिल, मध्यम पूर्व पनाट, पितन्य एरिया, 900 स्ववार फिट ।

> एस०के० दासगुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-ाा, कलकसा-16

नारीक: 12-12-79

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

भागकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के समिन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रंज-ाा, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 651/ए० मी० क्यू०/रेंज-III/79-80/कलकत्ता—यतः मुझे, एस० के० दासगुप्ता
आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), को धारा
269-स के प्रधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- इपये से प्रधिक है और
और जिसकी सं० 102 है, नथ नो साउदर्न एवेन्यु, कलकत्ता
में स्थित है (श्रीर इसने उपावद्व पूत्री में श्रीर जो पूर्ण रुप से
वर्णित है) रिजिस्ट्री हर्ना श्रीधिका कार्यालय कलकत्ता में
रिजस्ट्री करण श्रीधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन
दिनांक 25 दिनांक अर्पन 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है घौर मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से श्रीष्ठक है घौर धन्तरक (भन्तरकों) घौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों), के बीच ऐसे प्रन्तरम के निए तथ पाया गया प्रतिकत निम्तिविधा उद्देश्य से उका श्रन्तरण लिखित म वास्तिक हा से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त ग्रिध-नियम के धंधीत कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के भनु-सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निकालिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- ा. लेक ग्रापर्टमेन्ट को-म्रापरेटिय हा० सो० लि० (ग्रन्तरक)
- 2. श्री रिवन्द्र नाथ देवनाथ

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजैन के निए कार्यवाहियां करना है।

अवन सम्पत्ति के धर्जन के मन्त्रत्थ में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन को प्रविध, जो भी प्रविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा महींगे।

स्वब्द्योक्तरण: -- इसमें प्रयुक्त गन्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिमाणित हैं, वहीं ग्रथं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है ।

अनुपूची

102, सादर्न एवेन्यु, कलकत्ता पांचवा मंजिल, दक्षिण, परिवम पताट, प्लिन्थ एरिया, 1650 स्वया फिट।

्रम० के० दास गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

न(रीख: 12-12-79

गोहर:

प्ररूप आई• टी• एन• एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज- , कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 दिसम्बर, 1979

निर्देश सं 5652/ए०सी०म्यू०/रंज-III/79-80/कलकत्ता----यतः मुझे एस० के० दासगुप्ता

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रक्षितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- क्यमें से प्रधिक है ग्रीर जिसकी सं 0 102 है तथा जो साउदर्न एवेन्यु, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध श्रानुची में श्रीर जो पूर्ण क्षमें वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 28-4-79 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का भारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर धन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी माप की बाबत उक्त प्रक्षि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय मायकर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः, प्रव, उक्त पश्चिनियम की धारा 269-ग के प्रनु-सरण में, में, उक्त भश्चिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन नियनसिकित व्यक्तियों, अधीत् !-- ले र अपार्टमेन्ट को-ब्रापरैटिक हा को लि लि (अन्तरक)

2. श्री कालिपद दे

(ऋन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन क सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की भविधि, जो भी श्वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त ग्रधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

घनुसूची

102 साउदर्न एवेन्यु, कलकत्ता, पांचवां मंजिल, का मध्यम पुर्व फताट, पलिन्थ एरिया 900 स्वचा० फिट ।

> एस० के० दास गुप्ता सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज-III, कलकत्ता-16

तारीख 12-12-79 मोहर: प्ररूप धाई• टी• एन• एस•---- 1.

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के धधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-III, कलक्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 दिसम्बर, 1979

िनिर्देश सं० 650 /ए० सी० क्यू० रेज-[II/79-80/कलकत्ता—— यतः मुझे एस० के० दासगुप्ता

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें प्रके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- २० से धिषक है

ग्रीर जिसकी सं 0 102 है नथा जो साउदर्स एवेन्यू, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 28-4-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के वृश्यमान प्रतिश्वल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त सम्पात्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह् अतिशत घिषक है, पौर यह कि घन्तरक (अन्तरकों) बौर घन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरक के लिए स्थ बाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में बास्तविक छप से किया नहीं किया गया है :---

- (क) धन्तरण से हुई किसी साव की वाक्त, उक्त श्राधिक नियम, के भ्रधीन कर देने के सन्तरक के वाशित में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; शीर/वा
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी घन या घम्य घास्तिओं को जिन्हें प्रारतीय धाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर घितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनाओं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

श्रतां, घव उनत प्रश्निमियम की बारा 269म के अनुसरण में मैं, उनत अञ्चित्तियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीम निम्मजिसित व्यक्तियों, अर्थात्।——

- लेक श्रमार्टमेंट को-श्रापरेटिय हा० सो० लि० (श्रन्सरक)
- 2. श्री श्ररुण कुमार मित्र

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बन्त सम्पत्ति के प्रार्वन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूजना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीक्ष से
 45 दिन की घर्षीच या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर
 मूजना की तामीक्ष से 30 दिन की घर्षीच, जो
 भी घर्षीच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स
 व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में दितकड़. किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताकारी के पास लिखित में किए वासकेंगे।

स्पन्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त गर्दों भीर पर्दों का, जो उक्त प्रधिनियम, के घरमाय 20-क में परिभाषित है, बड़ी घर्ष होगा जो उस घरमाय में दिया गया है ।

पनुसूची

102, साउदर्न एवेन्यु, कलकत्ता, **घौथा** मंजिल, दक्षिण पूर्व फनाट, पिलन्थ एरिया, 1650 स्क्वायर फिट ।

> एस० के० दास गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख 12-12-1979 मोहरः

प्ररूप आई डी एन एस----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 नवम्बर, 1979

निदेश नं 59-ए/देहरादून--अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मुल्य 25,000/- रुपए से श्रधिक है भौर जिसकी सं० 9-ए गृह सम्पत्ति है, तथा जो करजन रोड, देहरादून में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप मे वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय वेहरादून में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908का 16) के अधीन दिनांक 24-4-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे म्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की नाबत उक्त ग्रधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर या
- (ख) एसे किसी स्नाय या किसी धन या ऋन्य स्नास्तियों को, जिन्हें भारतीय स्नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रम, उक्त श्रिधिनयम की घार 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के स्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रयांत — श्री बिगोडियर, के० बी० राय पुक्त बनशी हर चरनराय 9 करजन रोड, देहरादून।

(ग्रन्तरक)

2. श्री सी० पी० श्रीनास्तव पुत्र ग्रार० वी० सोहन लाल श्री नास्तव,' 19, म्युनिसीपल रोड, देहरादून। (ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

गृह सम्पत्ति एक मंजिला नम्बर 9-ए, करजन रोड, देहरादून में स्थित हैं इसका क्षेत्र फल 962 वर्ग मीटरहै।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 16-11-79 मोहर: प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०-----

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 नवम्बर 1979 निरंग मं० 87-ए/मेरठ----ग्रतः मुझे, बी० मी० चतुर्वेदी भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्पए से श्रिधिक है

स्रीर जिसकी सं० खसरा नं० 750 है, तथा जो प्लाट 1793 वर्ग गज वरल प्रतापपुर में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपावद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप में वॉणन हैं) रिजिस्ट्री हर्ता अधिकारी के हार्यात्य मेरठ में रिजिस्ट्री हरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 12-6-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी िनसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथित :--

- जी ण्याम सुन्दर, सुन्दरलास अग्रजास पुत्र गण गुरवचन सिंह, श्रीमती कुसुमलता पित्न श्याम सुन्दर व श्रीमती इन्दूवाला पित्न सुन्दर लाल वागपत गेट, मेरठ। (अन्तरक)
- श्री गुरबिख्ण लाल पुत्र श्री कालू राम निवासी गढ़ रोड, मेरठ ।

(श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबग्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त मध्यों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय-20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

चानरा नं० 750 प्लाट 1793 वर्ग गज प्रतापपुर तहसील व जिला मेरठ में स्थित है।

> वीं० सी० चतुर्येदी, सक्षम **प्राधिका**री सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, कानपुर

नारीख: 16-11-79

⊬ भक्य गाई ● टी ● एन ● एस ● ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के ध्रधीत सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सद्दावक गायकर गायुक्त (निरीक्षक)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 7 नवम्बर 1979

निदेश सं० 1229/म्रर्जन/मथुरा—-ग्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

शायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत प्रधिनियम' कहा नयर है), की प्रारा 269-च के प्रधीन सकम प्रधिकारी को, यह जिल्हास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उजित सालार सम्मति, विसका उजित सालार सम्मति, विसका उजित

याजार मृष्य 25,000/- ४० से याजा है और
श्रीर जिसकी सं० 444 दू०पी० है तथा जो मथुरा में स्थित है
(श्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है)
रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय मथुरा में रिजस्ट्रीकरण
श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 7-4-79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है,
श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरन के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
रिम्निखित प्रदेश्य से उक्त भग्वरण निधित में वास्तिक कप से कथिश नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण के हुई किसी बाव की बावत उक्त प्रधिनियम, के प्रधीत कर देने के व्यवस्य के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में मुलिक्षा के बिए; और/या
- (ख) ऐसी किनी पाय या किसी वन वा प्रत्य प्रास्त्यों को, जिन्हें भारतीय धाय-कर प्रश्चितियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधितियम, या वस-कर प्रधितियम, 1967 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व धन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविचा के निए;

अतः, मन, उन्त प्रविनियम की बारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की बारा 269-घ की उपधारा (1) के बाबीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री भगवात दास, गिरांज किशोर पुत्र लाला बुलाकी दास निवासी मथुरा।

(श्रन्तरक)

 श्री मट्टोमल ग्रग्नथाल व मुनील कुमार पुत्रश्री रतन लाल जी ग्रग्नथाल, निवासी, मथुरा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना "जारी सरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए नार्यवाहिमां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बासीप :--

- (क) इस मूजना के राज्यात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धबिंध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर मूजना की नामील मे 30 दिन की धबिंध जो भी धबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भन्य अपनित द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास लिबिन में किये जा सकरेंगे।

स्वव्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर वर्शे का, जो उक्त ग्रिश्चित्तमम के ग्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अव्यास में दियां गया है।

धनुसूची

एक जायदाद वाके बद्री नागर, मथुरा नम्बरी 444 टूपी, निवसी मथुरा ।

बी० सी० व**तुर्वेदी**, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जम रेंज, कानपुर

तारीख: 7-11-79

मोहरः

पदा प्राई० टो० ए४० ए४०----

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रश्रीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 नवम्बर, 1979

निदेश सं० 86-ए/भेरठ---ग्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी 1961 (1961 का 43) (जिसे म्रायकर म्रधिनियम, इसमें इसके पण्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/- रुपए मे ग्रधिक है बाजार मृत्य ग्रौर जिसकी सं० नम्बर 750 है तथा जो प्लाट वरलपरतापुर तह० व जिला मेरठ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्टीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मेरठ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-6-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य मे कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है भ्रौर मुझे यह विष्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रौर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण निष्वित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी म्राय की बाबत उक्त म्रधि-नियम, के म्रधीन कर देने के म्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसे किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायक्तर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

भ्रत:, भ्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के म्रन्-सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के स्रधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, भ्रयात:—— 5—396 GI/79 1. श्री श्याम सुन्दर, मुन्दर लाल श्रग्रवाल पुत्रगण स्व० गुरवचन सिंह तथा श्रीमती कुसुमलता पित्न श्याम सुन्दर तथा श्रीमती इन्द्वाला पित्न सुन्दर लाल, बागपत गेट, मेरठ ।

(ग्रन्तरक)

 श्री गुरविष्ण लाल पुत्र श्री कालूराम निवासी गढ़ रोड, मेरठ ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीस्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिध-नियम के ग्रद्धाय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उप ग्रद्धाय में दिया गया है।

अनुसूची

खसरा नम्बर, 750 प्लाट, 1793 वर्ग गज वरल परतापुरी तह० व जिला मेरठ में स्थित है ।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर द्यायुक्त (निरीक्षण), द्यर्जन रेंज, कानपुर ।

दिनांक 16-11-79 मोहर: प्ररूप भाई टी एन एस०----

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 नवम्बर 1979

निदेश सं० 63-ए/देहरादून—अत: मुझे बी० मी० चतुर्वेदी भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति जिनका उचिन बाजार मूस्य 25,000/- ६० से भिधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 5 गृह सम्पत्ति है तथा जो न्यूरोड तथा जो श्रमुत कौर रोड पर स्थित है (श्रौर जो इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विश्वत है), र्यजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनयम 1908 (1909 का 16) के श्रिधीन तारीख 21-4-79

1908 (1909 का 16) के अधीन नारीख 21-4-79
की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
अतिक न के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्यमान अतिफल से, ऐसे दृष्यमान अतिफल का
पम्बह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बोत ऐसे अन्तरण के लिए
सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण
निश्वित में वास्तिक कर से कथिन नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उनत भिष्ठितियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; भीर/मा
- (भ) ऐसी किसी आय या किसी बन या अरय झास्तियों को जिन्हें भारतीय झायकर झिंचिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त झिंचिनयम, या झनकर झिंचिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनामें झम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जामा चाहिए था, छिपाने में सुचित्रा के लिए;

अतः ग्रन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-य के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :~ कुमारी वीपत कौर पुत्री स्व० हरदासमल सहगल निवासी 5 न्यू रोड, देहरादून

(अन्तरक)

 श्री सरदार कुलवेन्द्रर सिंह सहगल पुत्र सरदार प्रेमिंग्ह सहगल निवासी 24 तगंल बाजार, इम्पाल, मैनपुरी। (ग्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गृह सम्पत्ति नम्बर, 5 न्यू रोड, जो श्रमृत कौर रोड के नाम मे जानी जाती हैं इसका क्षेत्र फल 445 वर्ग मीटर है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी, सहायः श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज, कानपुर।

तारीख : 16-11-79

प्ररूप माई शटी श्रम श्रम -----

आयकर पश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ग्रंबीन मुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 नवम्बर 1979

निर्देश सं० 1026 ए/रूड़की/78-79—प्रतः मुझे बी० मी० चतुर्वेदी

धायकर प्रिवितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रिवित्यम' कहा गया है), की घारा 269-च के प्रधीन सब्बम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- अपण् से धिक है

श्रीर जिसकी सं० है, तथा जो सिविल लाइन कमला नेहरू मार्ग, रूड़की में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय रूड़की में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 30-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्रम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये प्रत्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत मिष्ठक है और मन्तरक (भन्तरकों) भौर मन्तरिती (प्रस्तरितियों) के सोच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निनिश्चित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखिन में वास्तविक इस किथान नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी यान की वावत, उक्त अधितियम के प्रधीत कर देते के प्रस्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन पा अन्य मास्तियों को जिन्हें भारती स्वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम या घन-कर मधिनियन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्क अन्तिर्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया काया किया जानः चाहिए था या, खिपाने में सुविधा के लिए;

बतः भव, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं उक्त मधिनियम की धारा 269-व की उपमारा (1) के अधीन निम्नलिबित व्यक्तियों, अर्बात्:——

- 1. श्री फूल सिंह पुत्र स्थ० श्री ग्रमोलकराम निशासी 13 सिविल लाइन स्प्ड़की मुख्तोर ग्राम मिनजानिब महारानी कृष्ण कुमारी विधवा महाराजा, राक्षाचरणसिंह निवासी समथर हाउस, फैजाबाद रोड, लखनऊ । (ग्रन्तरक)
- श्रीमती शोमा देवी प्रति श्री चमनलाल शर्मा निवासी जसमोर डा० खास, परगना मुजक्कराबाद तह० व जिला सहारनपुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूच्या जारी हरके पूर्वीस्त नम्यति के प्रजंत के लिए कार्यवाहिया करता है।

उनन समाति के अर्जन के संबंधमें कोई धीं आक्षा :---

- (क) इस भूचना के राजरत में प्रकाशन को तारीख से 45 विन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्न व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, धन्नोहस्तान्तरों के पाम् लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टोकरण --इ.स.नें प्रयुक्त गन्दों भीर पदों का, जी उक्त प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बड़ी अर्थ होगा, को उस प्रध्याय नें दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट जिसका क्षेत्र फल 7047 वर्ग फुट है व दूसरा प्लाट जो इससे मिला हुआ है दक्षिण की आर 434 वर्ग फुट है स्थित कम्बा रूड़की मिबिल लाइन कमला नेहरू मार्ग, जो लवलेन रोड के नाम में प्रसिद्ध है और कुल सम्पत्ति का क्षेत्र फल 7481 वर्ग फुट है।

बी० मी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख: 9-11-79

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

म्रायकरम्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक अप्यकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 17 नवम्बर 1979

निदेश सं० 733/म्रर्जन/कन्नौज—म्प्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

प्रायंकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपण से ग्रिधिक हैं भीर जिसकी संव 472-ए, 472/2-बी, है तथा जो ग्राम हदौरा बुजुर्ग में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रुनुम्ची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय कन्नौज में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 8-6-1979

विनाक 8-6-1979
को पूर्वोक्त सम्मति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या म्रन्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर म्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त म्रधिनियम, या धन-कर म्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए

ग्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:— श्री शिव बिहारी पुत्न देवीदास जाति ब्राह्मण निवासी सरायमीरा डा० खास, परगना तह० कन्नीज, जिला फर्वेखाबाद।

(भ्रन्तरक)

2. श्री शरद कुमार वालिग व शिणिर कुमार व रजनीश कुमार व श्रविनीश कुमार नावालिगान पुत्रगण श्री रमेश चन्द पांडे, संरक्षक श्री शरदकुमार भाई हकीकी खुद निवासी माचीपुर, डाकघर, बेरामल्ल प० तह० कन्नौज, जिला फर्इखाबाद।

(भ्रन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजगत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में शन की त ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

खसरा नम्बर , 472-श्र व 472/2-ब, रकवा 4-76 लगान 49-50 ग्राम, हदौरा बुजुर्ग, पर० तह० कन्नौज, जिला फर्छखाबाद ।

बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारी**ख**: 17-11-79

प्रकृप श्राई० टी० एन० एस०--

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के श्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यात्रय, महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज, भटिण्डा

भटिण्डा, दिनांक 27 श्रक्तूबर 1979

निदेश सं० ए०पी० नं०651 (79-80) मोगा—-यतः मुझे, गुखदेव चन्द,

श्रीयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- ६० स अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा गया है। तथा जो सामने एम० डी० सिवल होसपीट मोगा में स्थित है। (श्रीर इतने उपाबद्ध अनुसूची में श्रीरपूर्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्रेक्ति अधिकारी के कार्यालय मोगा में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 4-4-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (श्रन्तरकों) और श्रन्तरितों (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पौया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रन्तरण में हुई किसी श्राय की बाबन उक्त भ्रिधिनियम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी त्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-ग के स्रनुसरण में, मैं उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्नालिगित व्यक्तियों यथीत् :---

- (1) श्री बलदेव सिंह, गुरजीत सिंह श्रीर सुखितियार सिंह पुत्र गुरबिका सिंह मारफत गुरबिका सिंह, बलदेव सिंह सिक्ति, चंडीगढ़ रोड़, खन्ना जिला लुधियाना। (श्रन्तरक)
- (2) श्री रतन सिंह पुत्र गुपाल सिंह मारफत रतन स्टोर पास में मथरा दास मीवल होसपीटल मोगा। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में हैं । (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है) ।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां णुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन को तारी आ से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वीका वाकिनयों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की नारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिनबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

यन्**म्**ची

मकान जो विलेख नं० 51 तारीख 4-4-79 को रिजम्ट्री करता श्राधिकारी मोगा में लिखी गई है।

> सृखदेव चन्द, सक्षम श्रिप्रकारी, (सहायक ग्रायकर क्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भटिडा

तारीखा: 27 ग्रक्तूबर, 1979।

मोहरः

प्रकर भाई० टी० एन • एस • ---

आयकर अधितियम, 1961 (1961 हा 43) की धारा 269-व(1) के धधान सूचना

भारत सरकार

कार्थालय, संदायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भटिण्डा

भटिण्डा, दिनांक 25 ग्रक्तूबर 1979

निदेण मं० ए० पीं० नं० 649 (79-80) भटिंडा :--यतः मुझे, मुखदेव चन्द, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खके प्रश्नीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- २० से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० जैमा अनुसूची में लिखा गया है तथा जो स्रजीत रोड़, भटिण्डा में स्थित है (भ्रौर इसमें उपाबद्ध में अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्नी अधिकारीं के कार्या-लय मिटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 3-4-1979

को पूर्वाक्त संवित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से इक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथिन नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राप की बाबत जबत प्रश्नियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं धन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब उक्त प्रधिनियम को धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :--- (1) 1. श्री भून निह् ग्रौर जीत निह् पुत्र करम निह् 1/2 2. बलविदर निह् ग्रौर हरनेक निह् पुत्र जीत निह् 1/4 3. श्री जगमोहन निह् ग्रौर अर्जेब निह् पुत्र भूप निह् 1/4 भूटिण्डा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हुकम देवी पत्नी ध्यान चन्द तूड़ी वाला वासी गनेश नजदीक कुंदन ग्राणरम भटिण्डा।

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (बह व्यक्ति, जिस के श्रिधिभोग में सम्पत्ति है) ।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति भें रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रयोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को <mark>यह मूचना जारी करक पूर्वाश सम्मस्ति के ग्रजंन</mark> के लि**ए कार्यवाहियां करता ह**ै।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भीं आक्षेप :---

- (क) इस सूबना के राजपन्न में प्रकाशन को नारीख से 45 दिन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूबना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो उक्त प्रधिनियम के भध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भयं होगा, जो उस अध्याय में दिसा गया है।

अनुसूची

मकान जो कि नजदीक श्रजीत रोड़ पर जैमा कि विलेख सं० 57 दिनांक 3-4-79 को रजिस्ट्री करता अधिकारी भटिण्डा में लिखा गया है।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, (महायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख़: 25-10-79।

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

श्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्यन रेज, भटिण्डा

भटिण्डा, दिनांक 25 ग्रक्तूबर 1979

निदेश मं० ए० पी नं० 650 (79-80) भटिडा---यतः मुझे, सुखदेवचन्दः श्रायकर ग्रिधिनियमः 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के श्रश्रीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपएसे ग्रिधिक है

भौर जिसकी सं • जैसा कि अनुसूची में लिखा गया है तथा जो नामदेव कालोनी भटिण्डा में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीखा 1-4-1979 की

(1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 11-4-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतियात से श्रीधक है श्रीर श्रन्तरक (ग्रन्तरकों) श्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितयों) के बीच ऐसं श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किमी आय की बाबत, उक्त आधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिख में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, वा धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन; निम्नलिखिन व्यक्तियों श्रथीन:— (1) श्री राजेशवर सिंह पुत्र श्री ब(बू सिंह मारफन एफ० सी० ग्राई० स्टोर, भटिण्डा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री स्रोम प्रकाण गुष्ता पुत्र हरबंस लाल मुख्य खजानची स्टेट बैंक स्राफ पटियाला जी० एम० धर्मल प्लांट, भटिण्डा।

(भ्रन्तरिती)

(3) जो कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्यक्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्यक्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूजना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
 में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: —इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठि नियम के श्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जो कि नामदेव कालोनी भटिण्डा में जो कि विलेख नं 0 223 दिनांक 11-4-79 को रजिस्ट्री कर्ता ग्रिधिकारी भटिण्डा में लिखा गया है।

> मृ**खदे**व चन्द, मक्षम ग्रधिकारी, (सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भटिण्डा

नारीख: 25-10-1979

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यान्त्य, महायक भ्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भटिण्डा

भटिण्डा, दिनां ह 10 सितम्बर 1979

निदेण सं० ए० पी० न० 621:—यतः मुझे, मुखदेव चन्द, आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रुपये से भ्रधिक है श्रौर जिसकी सं० जमा कि अनुसूची में लिखा गया है तथा जो पुल्ला में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण क्य में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय, बथावा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख 14-6-1979

को पूर्वोका सम्पत्ति के उत्तित बाजार प्लय से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रक्तिरत की गई है भौर मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पश्वह प्रतिशत ग्रधिक है भौर
ग्रक्तरक (अन्तरकों) भौर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे ग्रन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उकत ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक छप से कवित
नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण स हुई किसा आय को बाबत उक्त, अधि-नियम के अधीन कर देन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य आस्तिमों तो, जिन्हें, भारतीय भायकर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठित्यम, या धन-कर श्रिधित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना नादिए था. खिपाने में मुविधा के लिए;

अतः, धव, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनु-परण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-थ की उपवारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रर्थीन :--- (1) श्री जोरा सिंह पुत्र बखनाथर सिंह वासी पूल्हा, भटिण्डा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जोगिन्दर सिंह पुत्र मोहना सिंह वासी पुल्हा भटिण्डा।

(ग्रन्तरिती)

(3) जो कि ऊपर नं० 2 में लिखा गया। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो ब्यक्ति सम्यक्ति में रूचि रखता हो। (वह ब्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधी-हस्तक्षिरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह भूजना जारो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्डीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त धिवितयम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 25 कनाल 13 मरले जो कि विलेख नं० 493 दिनांक 14~6-1979 रजिस्ट्री कर्ता ग्रधिकारी बथावा में लिखा गया है।

> मुखदेव चन्द, सक्षम ग्रधिकारी, (सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज भटिण्डा

तारी**ख** : 10-9-1979।

मोहरः

प्रारूप आई • टी • एन • एस •----

आमकर प्रक्षिनियम, 1981 (1961 का 43) ही धारा 269थ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भटिण्डा

भटिण्डा, दिनांक 3 नवम्ब्रर, 1979

निदेश सं० ए० पी० नं० 652--यत: मुझे, सुखदेव चन्द्र,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त प्रधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि ऊपर भ्रनुसूची में लिखी गई है तथा जो पिंड सरदूलगढ़ तहसील सरदूलगढ़ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची मेंग्रौर जो पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सरदूलगढ़ में रजिट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रशीन तारीख 8-6-1979

(1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-6-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमाम
प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुखे
बहु विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संगति
का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिकास से, ऐसे बृश्यमान
प्रतिकत का पन्तर्द्र प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
बौर पन्तरिती (अन्तरितियों) के बीत ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्तितिका उद्देश्य से उस्त प्रसरण
लिखित में शस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) यन्तरम से हुई किसी भाय की वावत उपत अधि-मियम के भंधीन कर देने के सन्तरक के दायित्व में क्सी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; भौर/मा
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी सन या भग्य वाक्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर भित्रियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भित्रियम, वा भन-कर भिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ भन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गंभा या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में वृषिका के सिए;

अतः अब, उक्त घिनियम की धारा 2 39ग के अनुसरण में, में, उक्त घिनियम की बारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः---

6-396G1/79

(1) श्री निरंजन सिंह मक्न मिंह, हीरा सिंह पुत्र भगवान मिंह पिंड श्रीर सहसील सरदूलगढ़।

(भ्रन्तरक)

(2) 1. श्री हाकम सिंह, जन्ता सिंह पुत्र सुखदेव सिंह पुत्र ईणर सिंह, 2. जीता सिंह, श्रजैंब सिंह पुत्र गुरदेव सिंह पुत्र ईणर सिंह, पिंड सरदूल वाला तहसील सरदूल गढ़।

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर मं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति हैं)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में इन्नि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्वत्ति के सर्वन के लिए कार्ववाहियां करता हूं।

बन्द मंपत्तिके अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से
 45 विन की धविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामील से 30 विन की धविध को भी नवधि बाब
 में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
 से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राप्रपन्न में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दित-बाद किसी अन्य अपनित द्वारा, भवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वध्दीकरण --इसर्वे प्रयुक्त शब्दों बोर पत्रों का, जी उन्त अधिनियम के श्रव्याय 20-क में परि-शाचित हैं, वहीं धर्व होगा, को उस श्रव्याय में विधा नमा है।

वन्सूयो

जमीन जो कि पिंड सरदूलगढ़ जैसा कि बलेख नं० 516 दिनोक 8-6-1979 को रिजस्ट्री कर्सा प्रधिकारी सरदूल-गढ़ में लिखा गया है।

> सु**ब**रेव **चन्द,** मक्षम ग्रधिकारी, (सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भटिन्डा

तारीख : 3-11-1979 ।

प्रथप माई । टी । एन । एन । ---

नायकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के संसीत सूचना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भटिण्डा

भटिण्डा, दिनोक 3 नवम्बर, 1979

निदेश सं० ए० पी० नं० 653 :---यत: मुझे, मुखदेश घरव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त पश्चिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्मित जिसका उच्ति वाजार मून्य 25,000/- व॰ से पश्चिक है,

त्रीर जिसकी सं जैसा कि उपर मनुसूची में लिखा गया है तथा जो नेड़े पिंड झडू खुरद तहसील सरदूलगढ़ में स्थित है (और इससे उपावक अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सरदूलगढ़ में र्राजस्ट्रीकरण प्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 8-6-1979 को पूर्वाक्त सम्मति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूधमान प्रतिकल के लिए धन्तरित की गई है घोर मुझे यह विश्वास करके का कारण है कि यथापूर्वोक्त समाति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्तद प्रतिश्वास से अधिक है और धन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरिक के लिए तय पाया गया प्रधिकन, निम्निवित उद्देश्य से उच्च धन्तर कि जिसत में वास्तिवल कप से क्षित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत उक्त आधि-नियम के प्रधीन कर देते के प्रस्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे अचने में मुविधा के लिए; भीर/पा
- (स) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या वज्य प्रास्तियों की, जिन्हें धायकर पश्चितियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधितियम, या धन-कर श्रीधित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, जियाने में सृतिया के निए।

भतः अन, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की जनकारा 1) के मधीन, निम्नलिखित न्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री गुरबचन सिंह, मुखतियार सिंह, हरदियाल सिंह पुत्र संता सिंह पुत्र बदन सिंह पिड रुरकी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रन्जीत राम, श्रमर सिंह, रामजी लाल, खेता राम पुत्र श्रास राम पुत्र रावत राम पिंड झडू खुरद तहसील सरदूलगढ़।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि नं ० 2 में हैं। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधमीग में सम्पत्ति हैं)।
- (4) जो ध्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति,, जिनके बारे में <mark>प्रधी-</mark> हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपति के मर्जन के लिए नार्यकाहियां शुरू करता हूं।

उना संपत्ति के धर्मेंन के संबंध में कोई भी भाषीप 1--

- (क) इस भूचना के राजपत में प्रकाशन को तारी क्ष में 45 दिन की भवधि या सरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सें किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यक्ष में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर जन्त स्थावर संस्पत्ति में हित-बढ़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास विवित में किए जा सकेंगे।

स्थव्होकरण --इसमें प्रयुक्त ग्रन्दों भीर पदों का, जो उत्तर प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिमाणित है, बही मर्च होगा जो उस भ्रष्ट्याय में विवा गया है।

बन्स्ची

जभीन जो पिंडा झडू खुर्द के नजदीक जैसा कि विलेख नं० 487 तारीख 8-6-79 को रिजिस्ट्रीकर्तौ श्रिधिकारी सरवूलगढ़ में लिखी गई है।

> सुखदेव घन्द, सक्षम प्रविकारी, (सहायक ज्ञायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), क्षर्जन रेज भटिन्डा

तारीख: 3 नवस्त्ररः 1979

प्रकप बाई • ती • एन • एस • -----

अस्य कर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अशीत सूचना

भारत सरकार

कार्योत्रय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भटिण्डा

भटिण्डा, विनांक 15 श्रक्तुबर 1979

निदेश सं० ए० पी० नं० 642.-- पतः मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनिषम, 1961 (1961 布r 43) (जिसे इसमें इनके पश्चात् 'सक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-मा के अधीन नजन प्राधिकारी को यह विक्थास करने का तारण **है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृ**स्य 25,000/- र• से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि उत्तर ग्रनुसूची में लिखा गया है तथा जो पिड विरियाम खेड़ा में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कायलिय ग्रबोहर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 22-6-1979 को पूर्वेक्ति सम्बत्ति के उचित काजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ज यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मुक्य, उसके बुक्यमान प्रतिकल से, ऐसे बुक्यमान प्रतिकल का रहें इंदिमा से प्रविक्ष **है और भस्तरक (भन्तरकों) भौर भ**स्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रस्तरण शिखित में नास्त्रविक

(क) प्रस्तरण से हुई किसी बाय को नावत उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के घन्तरक के वायित्व में कमी करने या उग्रहे वचने में मुविधा के (नए; प्रौर/या

भूप प्रकाशित नहीं किया गया है:---

(ख) एं शिकिसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिमियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयायायाकिया जाना चाहिए जा, क्रियानें यें सुविधा के भिए;

अतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269म के पनुसरण में; में उन्त अधिनियम की भारा 289म की प्रवारा (1) के सकीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अविश्वा--

- (1) श्री मनीराम पुत्र गनेशा राम वासी पिंड विरियाम खेडा तहसील फाजिल्का।
 - (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मोहन लाल पुत्र सीता राम वासी पिंड विरियाम खेड़ा तहसील फाजिल्का ।

(श्रन्तरिती)

- (3) जो कि नं० 2 में है 🕫 (बह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पक्ति है) ।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में घींच रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उन्त सम्पत्ति ने अर्जन ने संबंध में कोई भी प्राजीप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की भवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की धवधि, जो भी पवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त काकितयों में से किसी व्यक्तित शारा:
- (ब) इस सूचता के राजान में प्रकाशन की तारी व से 45 विन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में ब्रिवबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति हारा प्रश्नोहस्ताशरी के पास निविद्य में किए का सक्रोंगे।

स्पन्डीकरण ---इतमें प्रयुक्त कन्दों भीर पर्वो का; को उपन धिधिनयम के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ दोगा, जो बस प्रक्रमाय में विया यया है।

अनुसूची

जमीस जो कि विलेख नं० ४६७ दिनांक 29-6-79 को रिकस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी ग्रबोहर में लिखा है।

> सुखादेव चन्द, सक्षम श्रक्षिकारी, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भढिण्डा

तारीख: 15-10-1979 ।

मोहर

प्रकथ काई । ही । एवं । एस ----

अंशियकर प्रसिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के प्रधीन सूचना

मारत तरकार

कार्यालय, सहायक मायकर माधुक्त (निरीजन)

श्चर्जन रेंज, भटिण्डा भटिण्डा, दिनांक 18 सितम्बर 1979

निदेश सं० ए० पी० नं० 624 :— यत: मुझे, सुखदेय चन्द, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूख्य 25,000/- द॰ से अधिक है

शौर जिसकी सं जैसा कि ऊपर अनसूची में लिखा गया है तथा जो बासी हिमत पुरा (तहसील फाजिलका) में स्थित है (और इमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है). रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय अबोहर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-7-1979 को पूर्वोक्स समानि क इवित बाकार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्वापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान अतिफल का पण्डा प्रतिकत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिक्ति उद्देश्य से उन्तर प्रस्तरण लिखन में बस्तिक रूप से बचन नहीं किया गया है :---

- (क) अस्तरण से हुई किती बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के ग्रधीन कर देने के बस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आव वा किसी जन वा सम्ब जास्ति वाँ को, जिम्हें भारतीय भागकर घ्रितियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त घ्रितियम, वा धन-कर ग्रीचित्रयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया वया वा या किया बाना चाहिए वा, कियाने में सुविधा के विष्।

बतः सब, उन्त धार्बिनियम की धारा 269-म के बनुसरण में, में, उन्त धार्बिनियम की सारा 269-म की सम्बारा (1) के अधीम, निम्निलिखित न्यक्तियों, प्रकृति :---

(1) श्री कृष्ण, राम सरूप पुत्र राम प्रताप वासी पिंड सुखानैन तहसील फाजिलका।

(ग्रन्तरक)

- (2) श्री दमव सिंह, तेजा सिंह बूटा मिंह महिन्दर मिंह पुत्र पुरन सिंह वासी पिंड हिमन पुरा तहसील फाजिलका । (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में लिखा गया है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबज्ञ हैं)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यकाहियां सुरू करता हूं।

स्थल सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में **कोई** भी ग्राक्केप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीच से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति हारा;
- (बा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन के बीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी प्रकार व्यक्ति हारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरण---इसमें प्रयुक्त मन्द्रों और पर्वो का, को उक्त अधिनियम के शक्ष्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही धर्च होना को उस शब्याय में दिना नवा है।

अनुसूची

जमीन जो कि विलेख नं० 981 दिनांक 4-7-1979 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी ग्रबोहर में लिखी गई है।

> मुखदेव चन्द, सक्षम ग्रधिकारी, (सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भटिण्डा

तारीख: 18-9-1979।

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०----

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरोक्षण)

श्चर्जन रेंज, भटिण्डा

भटिण्डा, दिनांक 27 सितम्बर, 1979

निदेश स० ए० पी० नं० 633—यत: मुझे, गुल्डेश चन्द, ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पण्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैया कि अपर श्रमुसूची में लिखा गया है तथा जो समालसार ता० मोगा में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध में श्रमुसूची में श्रीर पूर्ण घप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मोगा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 26-6-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरेक (अन्तरेकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरेण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरेण निवित्त में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से दुई किसी प्राय की बाबत, उका अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्त्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भीर/मा
- (ख) ऐसे किसी ग्राय या किमी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें श्राय-कर श्रीधिनयम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधिनियम, या धन-कर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरितो ब्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फ़िपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रंथ, उक्त श्रधिनियम; की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:— (1) श्रीमती बसंत कौर, ग्रमरजीत कौर पुत्नी सतवंत सिंह पुत्र गुरनाम सिंह पुत्र आसा सिंह वासी समालयार तहसील मोगा ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बंता सिंह पुत्र खुणहाल सिंह वासी दाला तहसील सोगा ।

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा कि तंब 2 में लिखा है । (बहु व्यक्ति, जिसके ग्रिक्षिभोग में सम्पत्ति है) ।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो । (वह व्यक्तिः जिनके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के अर्वत के लिए कार्य<mark>वाहियां कर</mark>ता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना, की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी ध्रम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के श्रष्टवाय 20क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रद्धाय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो समालसर तहसील मोना विलेख नं० 3205 दिनांक 26-6-79 को रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी मोगा में लिखा है।

सुखदेव चन्द, सक्षम ग्रीधकारी, (सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भटिण्डा

ता**रीख**ः 2**7-**9-1979 ।

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के श्रिधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्राजन रेंज, भटिण्डा

भटिण्डा, दिनांक, 15 प्रक्तूबर, 1979

निदेश सं० ए० पी० नं० 640—यतः मुझे, मुखदेव बन्द, भामकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास वरने का गारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उभित बाजार मूल्य 25,000-/ रुपए सं अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि ऊपर श्रनुसूची में लिखा गया है तथा जो वरियाम खेड़ा तहसील फाजिलका में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णिस है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रवीहर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 18-6-1979 को

पुर्वोक्त सम्यक्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दूष्यमान प्रतिकल के लिए प्रत्नोत्त की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त समानि का उचित वाजार पूल्य, उनके दृष्यमान प्रतिकल का पन्द्रश्चित के अधिक है और प्रतिकल में, ऐस दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रश्चित के अधिक है और प्रतिक्त (प्रतितियों) के भीच ऐस अन्तरण के लिए तथ पाया गंगा प्रतिकल निम्नलिखित उद्देग्य । उक्त प्रतरण निखा में बास्तिथिक हर से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबन उक्त भाधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी घन या भ्रान्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायंकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या घन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिमाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रथ, उक्त श्रिनियम की धारा 269ग के प्रनुसरण में. स्रक्त मधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के भधीन, निम्निसित स्थक्तियों, प्रयातु:—-

- (1) श्री मनी राम पुत्र गनेशा राम वासी विरियम खेड़ा, तहसील फाजिल्का जिला फिरोजापुर। (भ्रन्तरक)
- (2) श्री सोहन लाल पुत्र सीता राम वासी वरियाम खेड़ा तहसील फाजिल्का जिला फरोजपुर । (धन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है। (यह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-इस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तम्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज ने 30 दिन की अविधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदाः िती प्राव्यक्ति हा ाप्य गोह्स्ताक्षरी के पास जिखित में कियो जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण - -इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रीय-निगन के अन्यत्य 20 ह में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उत्त अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अभीम जो कि विलेख नं० 814 विमोक 18-6-79 को रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी ग्रबोहर में लिखी गई है।

> मुखदेव चन्द, सक्षम श्र**धिकारी** सङ्गयक ग्रायकर श्रायुक्त (नि**रीक्षण**) श्रर्जन रेंज, भटिण्डा ।

तारीख: 15 भन्तूबर, 1979

प्रकष आई॰ डी॰ एन॰ एस॰---

भावतर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269 म (1) के मधीन कुणना भारत सरकार

नार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जनरेंज भटिण्डा

भटिण्डा, दिनांक 5 श्रक्तूबर, 979

निवेश सं ए० पी० नं ० 643: 79-80 नवाशहर—या:
मुझे, सुखदेव चन्द्र, आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के ध्रधीन सक्षम प्रधिकारों को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार मूक्य
25,000/- क० से प्रधिक है

श्रोर जिसकी सं० जैमा कि ऊपर श्रनुसूची में लिखा गया है तथा जो चख तहसील नवा शहर में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद भनुसूची में श्रोर पूर्ण का में वाँगत है), रजिस्ट्री कर्ता श्रीधकारी के कार्यालय नया शहर में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तारीख 29-6-1979 की

का 16) के अधान, ताराख 29-6-1979 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्र बाजार मूल्य से कम ने वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्तरह प्रतिकत से प्रधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निवित्तित उश्लेष से उक्त अन्तरण जिल्लित में वास्तविक क्प से कवित नहीं किया गया

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उबत प्रश्निवम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायत्य में कमा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (क) ऐसी किसी भाग मा किसी वन मा भग्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर भिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धाँधनियम, या भन-कर धांधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाने। चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

श्रतः धन, उत्तर धिक्षितियम की धारा 269-म के धनुनरण मं, में, उत्तर धिक्षितियम की घारा 269-म की उपघारा (1) के ध्रदीन निस्निजिखित व्यक्तियों, ध्रवीत्:— (1) श्रीभती घो हिन्यर कोर पत्नी श्री जागीर सिंह वासी पिंछ चरन तहसील नवां गहर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री दिलवाग सिंह पुत्र श्री गौरा सिंह निवासी गर्री कानूनगो तहसील, बलाचौर, नयाशहर । (ग्रन्तरिति)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(बहु व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पक्ति में रुपंच रखता ।
(वह व्यक्षित, जिनके बारे में ग्रधी-इस्ताक्षरी जानता कि वह सम्पत्ति में हितवदा है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूचीयत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्य क्यक्ति, द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पव्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों धीर पदों का, को अक्त धर्धिनियम, के धश्याय 20-क में परिकादित है, वही अर्थ होगा, जो उस सब्धाय में दिया गया है।

धमुसूची

जमीन जो कि विलेख कर्ता ग्राधिकारी तथा 1964 तारीख 29-6-79 को र्राजस्ट्री कर्ता ग्राधिकारी नवाँ शहर में लिखा है।

> सुखदेश चन्द, सक्षम ऋधिकारी, (सहायक श्रायकर झायुक्त (निरीक्षण), प्रजैत रेंज, भटिण्डा

सारी**ज**: 15-10-1979।

मोहरः

पक्ष भाई • टी ॰ एन • एस • ----

मायकर प्रविनियम, 1961 (1961का 43) की धारा

269न(1) के प्रधीन म्चना

मारत सरकार

कार्यौलय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्क)

ग्रर्जन रेंज, भटिण्डा

भटिण्डा, दिनांक 15 मन्तूबर 1979

निदेश सं० ए० पी० नं० 641:—यत: मुझे, मुखदेव चन्द, झायकर ध्रिवियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के घ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका चित्र बाजार मूल्य 25,000/- ष० से घ्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि उत्पर अनुसूची में लिखा गया है तथा जो पिड वरियाम खेडा तहसील फाजिलका में स्थित है (ग्रीर उससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, श्रवीहर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 20-6-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से मधिश है भौर मन्तरक (मन्तरकों) भौर मन्तरिती (मन्तरितयों) के बीच ऐसे मन्तरक (मन्तरकों) भौर मन्तरिती (मन्तरितयों) के बीच ऐसे मन्तरक बन्तर मन्तरम निवित में वास्तिक कप से कवित नहीं किया नया है:

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी प्राय की वावत, उक्त प्रधिनियम के घ्यीन कर देने के धक्तरक के वाधित्व में कमी करने या उसके वचने में सुविज्ञा के किए; धीर/वा
- (क) ऐसी किसी घाम या किसी वन मा ग्रम्थ भाक्तियों को, जिन्हें घारतीय भागकर प्रकितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रकितियम या धन-कर ग्रिधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए चा, कियाने में मुनिधा के लिए;

मतः, धव, उस्त घषिनियम की घारा 269-ग के मनुसरच में, में, उस्त धषिनियम की बारा 269-व की उद्यारा (1) के बद्यीन निम्मविकित व्यक्तियों,मचौत्:—→ (1) श्री मनीराम पुत्रे श्री गने या राम वासी पिष वरियाम खेड़ा तहसील फाजिलका ।

(भ्रन्तरकः)

(2) श्री मारु राम पुत श्री सीताराम वासी पिंड विरियाम खेड़ा तहसील फाजिलका।

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसाकि नं० 2 में ।

(बह् व्यक्ति, जिसके <mark>ग्रधिभोग में</mark> सम्पत्ति **है**)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में इचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता कि वह सम्पत्ति में हितबद्व हैं)।

को यह मूचना जारी करके पूर्वीका सम्पक्ति के प्रजैन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति ने धर्जन ने सम्बन्ध में कोई भी आक्रेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रुपच्डीकरन :—इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पर्दो का, को उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं पर्य होना, को उस प्रध्याय में दिया नया है।

अनुसूची

गभीत जो कि विलेख नं∘ 852, तारीख 20-6--79 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी स्थोहर में लिखा गया है।

> मुख देव **चन्द,** मक्षग ग्रक्षिकारी, (सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भटिण्डा

ना**रीआ**: 1**6-10-**197 9।

प्रकप भाई० टी • एन • एस • —

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-च (1) के ब्रधीन मुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सद्भायक ग्रायकर भागुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भटिण्डा

भटिण्डा, दिनांक 27 नवम्बर 1979

निवेण सं० ए० पी० नं० 657:—यतः मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-च के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका उचित्त बाबार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

और जिसकी मं० जैसा कि ऊपर अनुसूची में लिखा गया है तथा जो गिक्करबाहा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक्क में अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुक्तसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाबार मूख्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रश्तरित की गई है और मुझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिशत से प्रविक है और अग्तरक (अन्तरकी) और प्रग्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल- निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर प्रम्तरण लिखित में वास्तिक क्या से काथा नहीं किया गरा है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बादन कक्त अधि-नियम, के प्रधीन कर देने के धन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे बदने में सुविधा के सिए! धीर/या
- (च) ऐसी किसी पाय या कियो धन या ग्रस्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर ग्रिजियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं ग्रन्सिटी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धन, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन निम्निविधित व्यक्तियों, अर्थात् 1— 7—396GI/79

- (1) श्रीमती मौधान देवी पत्नी श्रीमती प्रेमों विधवा भागूमल वासी गिद्धरवाहा मन्डी तहसील मुक्तसर। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सुलखना देवी पत्नी प्रदुमन सिंह पुत्र किरपाल सिंह मारफत किरपाल सिंह प्रदुमन सिंह मन्डी गिद्धरबाहा तहसील मुक्तमर ।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि नं ० 2 में है।

(बह् व्यक्ति, जिसके श्रिक्षिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में चिरखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)।

को महसूमना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, को भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखा से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास बिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण।—-इसमें प्रयुक्त शब्धों घीट पर्वो का, जो उकत अधिनियम के घण्याय 20-क में परिभावित है, बही अर्थ होगा, जो उस घण्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो कि 143-66 गज जो कि विलेख मं० 159 तारीख 17-5-79 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी मुक्तसर में लिखागया है।

> सु**खदेव च**न्द, मक्ष**म श्रधिकारी**, सहायक श्रायकर श्रा**युक्त (निरीक्षण)**, श्रजैन रेंज, **भटिण्डा**

तारीखः : 27 नवस्त्रर, 1979।

प्रकृष आई० टी • एस • एस • --

आयकर **अधिनियम, 19**61 (1961का 43) की धारा 269-च (1) के शधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भायका (निरीक्षण)

पानंगरेंज, भटिण्डा

भटिण्डा, दिनांक 27 नवम्बर 1979

निदेश सं० 661:—सत: मुझे, मुखदेव नन्द, भाषकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उका अधिनियम कहा भया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25000/ रूपण से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि उत्पर श्रनुसुची में लिखा गया है तथा जो झंडा कला में स्थित है (श्रीर इससे उत्पाबद श्रनुसुची में और पूर्ण कर में विशित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय मानमा में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्टियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, नारीख 16-5-1979 की पूर्वीक्त मम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से क्रियं के बृह्यमान प्रतिफल के लिसे भन्तरित को गई है और मुझं शह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके हृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह शितशत मधिक है और भन्तरित (अन्तरकों) भीर भन्तरित (पन्दीरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया भया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में वास्तरिक कुप से किथन नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत ुक्त अधिनियम के श्रधीन कर देने के अन्त के अधिक्य में इसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
 - (ब) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भाय भारतयों को, जिन्हें भारतीय आयकर स्विनियम, 1922 (1922 क: 11) या उक्त पिंछनियम, या धन-कर श्रीविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन थें अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनः अब उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त रिपरियम की घारा 269-घ की विपद्यारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात :--- (1) श्रीमती सुरजीत कौर पत्नी नरंजन सिंह पिड भंडाकला।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रीतम सिंह, हरसुखविन्दर सिंह पृव मेहरू सिंह। पिंड झंडा कला।

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० 2 में लिखा गया है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिक्षिगोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बार म अधा-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनवड़ है)।

को यह भूचना आधि करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

ं उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राअपक्ष में प्रकाशन की तानीख से 45 दिन की ध्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घ्रवधि, जो भी घ्रवधि बाद में समाध्य होती ही, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीश्व से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष
 किया मन्य व्यक्ति हारा, ग्राधोहम्ताक्षरी के पास
 किश्वित में किए जा सकेंगे ।

 इस्टीकरणः ---इसमें प्रमुक्त गन्दों प्रीर नवीं का, जा उस्त मिंध-नियस के भन्दान 20-क में परिमाणित है, बही अर्थ होगा, त्री उस अध्याय में दिया गया है ।

धन्यूची

जभीन 96 कनाल जो कि विलेख नं० 234 नारीख मई 79 हो रजिस्ट्री करना अधिकारी मनमा में लिखा गया है।

> मुख देव चन्द, सक्षम श्रधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भटिण्डा

तारीखः : 27 नमम्बर, 1979 ।

प्ररूप ग्राई० टी० एन०एस०-

म्रायकर म्रिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, भटिण्डा

भटिण्डा, दिनांक 27 नवम्बर 1979

निदेश सं० 660:--यतः मुझे, सुखदेव चन्द, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के

<mark>स्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है</mark> कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- ६० से

श्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि ऊपर श्रनुसूची में लिखा गया है तथा जो हमीर गढ़ धानी राये पटियाला में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मानसा में रजिस्ट्रीकरण श्रधियनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संगत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी म्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राथ या किसी धन या भन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अ**धिनियम**, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त मधिनियम की धारा 269- थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत :---

(1) श्री महिन्दर पाल सिंह मतवना पुत्र जंग सिंह पिंड हमीर गढ़ पटियाला ।

(मन्तरक)

(2) श्री बाब्सिह पुत्र जीत सिंह मगर सिंह पुत्र सुचा सिंह पिंड हमीर गढ़।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा गया है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिक्षभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के **लिए** कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्मत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुवना के राजनत्र में अकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 प्दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

राष्ट्रीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों स्रीर पक्षों का, जो सायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के भाष्याव 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उत श्रध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

जमीन 63 कनाल 4 मरले जो कि विलेख नं 565 तारीख 12-5-1979 को रिजस्ट्री कर्ता प्रधिकारी तहसील मानसा में लिखा गया है।

> सुखदेव चन्द, सक्षम अधिकारी, सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), म्रर्जन रेंज, भटिण्हा

तारीख: 27 नवम्बर 1979

गोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

श्रायकर श्रिधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के श्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्मालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भटिण्डा

भटिण्डा, दिनांक 27 नवम्बर 1979

निदेश सं० 659:—यतः मुझे, सुखदेव जन्द, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि ऊपर श्रनुसूची में लिखा गया है तथा जो फुलावाला डोंगरान में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बुलाडा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 31-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी घन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीम निम्निकित व्यक्तिमों, श्रर्थात्ः (1) श्री हुस्य सिंह पुत्र लाम सिंह बाती पिंड फुलेवाला गंगराम ।

(ब्रन्तरक)

(2) श्री मोहिन्द सिंह, मंगर सिंह, सुरजीत सिंह पुझ दलीप सिंह पिंड बरात ।

(म्रन्तरिती)

(3) जैसा कि क्रपर नं० 2 में लिखा गथा है । (बहु व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो न्यमित सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधीह्रस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'जक्त अधिनियम', के भ्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही भ्रषें होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन $62 ext{ K 4 M}$ जोिक विलेख नं० 450 तारीख 31-5-1979 जो कि रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी बुडलारा में लिखा गया है।

सुखदेव चन्द, सक्षम अधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भटिण्डा

तारीख : 27 नवम्बर, 1979 ।

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

श्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्मालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भटिण्डा

भटिण्डा, दिनांक 27 नवम्बर, 1979

निदेश सं० 658:—यतः मुझे, सुखदेव चन्द, श्रायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मल्य 25 000/- रुपये से श्रिधिक है,

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि ऊपर श्रनुसूची में लिखा गया है तथा जो पिंड खोखरकलां में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मानसा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 24-5-1979 को

पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कि गया :—

- (क) अन्तरण ने हुई किसी आय की बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तम बबने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नणिखित व्यक्तियों धर्षातु:— (1) श्री लाभ सिंह पुत्र सरवन सिंह मु**बिरयारेग्राम** श्रमरजीत कौर, मलकीत कौर, वलकार कौर पुत्री गुरनाम सिंह पिंड खोखरकलां।

(ग्रन्तरक)

- (2) श्री दिलराज सिंह, देव सिंह, गंगा सिंह, मुखत्यारे सिंह पुत्र इंदरजीत सिंह पिंड खोखरकलां। (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा गया है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
 में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तब्द किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मधि-नियम के श्रष्ट्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अमुसूची

जमीन 64 कनाल 3 मरला जो कि पिड खीखरकलां में वैसा विलेख नं० 708 तारीख 24-5-1979 को जो रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, मानसा में लिखा गया है।

> सुख देव चन्द, सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भटिण्डा

नारीख : 27-11-79।

प्रकृप भाई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्भन रेंज-II, दिल्ली-1 नई दिल्ली, दिनांक 7 दिसम्बर, 1979

निदेश सं० ब्राई० ए० सी०/एक्यु/ $\Pi/4-79/5134$:—यत: मुझे, ब्रार० बी० एल० ब्रग्नवाल,

प्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसके पश्चात् 'उन्त मिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीर सम्भाम प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्भास, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 27/10 है तथा जो पंजाबी बाग नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तिरत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्म प्रतिक्षत प्रधिक है भीर प्रन्तरक (भन्तरकों) ओर अन्तरितो (भन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निर्म्नलिखित उद्देश्य से उच्त भन्तरण निक्तित में दाश्तिक का से कथिन नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बांबत, उक्क धिवियम के धिवीन कर देने के घन्तरक के दायिस्थ में इसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घोर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या घन्य प्रास्तियों की जिन्हें प्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा के निए।

जतः यव, उपत प्रधितियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उस्त प्रधितियम की आरा 269-भ की उपधारा (1) अभीत निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) श्रीमती राधा छाबड़ा धर्मपत्नी श्री कृष्ण लाल छाबड़ा निवासी 6/25 वैस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती गुरबचन कौर छाबड़ा धर्मपत्नी एस० बी० एस० **छाबड़ा** निवासी 48-ए०/1 नाराईना विहार, नई दिल्ली।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के मर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

बन्त सम्पत्ति के मज़न के सम्बन्ध में कोई भी माम्रोप !---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि था तस्त्रस्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो ची धवधि बाद में समाप्त होती हो, के धीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीखासे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब किसी मन्य क्यिषत द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे ।

स्पब्दोकरगः---इसमें प्रयुक्त गर्वों और पदों का, जो उक्त अति-नियम के घड़याय 20-क में परिभाषित हैं, बढ़ो धंबें होगा जो उस शब्योय में विचा गया है।

यनुस्ची

प्लाट तं० 27 रोड़ नं० 10 जिस का क्षेत्रफल \$\frac{1}{422.07} वर्ग गज, पंजाबी बाग, इलाके के गांव बसई दारापुर दिल्ली राज्य दिल्ली में स्थित हैं।

श्रार० वी० एल० श्रग्नवाल, स**क्षम ग्र**धिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली—1

तारीख: ७ दिसम्बर, 1979।

शरूप भाई०टी०एन०एस०--

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-∏, दिल्लो-1

नई दिल्ली, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निदेश सं० ग्राई० ए० सं१० एक्यू०/धिग्रप्रैल-79/5229 --- ग्रतः मुझे, ग्रार० वं१० एल० श्रप्रवाल,

म्रायकर प्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त म्रिधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के म्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से म्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० एफ-2, है तथा जो वाली नगर नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्राकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतोय रजिस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन, नारीख श्रप्रैस 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह् प्रतिशत से श्रीधक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, यह तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसे किसी ग्राय या किसी घन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायें ग्रन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रन, उक्त श्रिष्ठिनियम, की धारा 269-म के ग्रनुसरण में, मैं उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थीत्ः →

- (1) श्री श्रीराम कक्कड़ पुन्न श्रो मनोहर लाल कवकड़ निवासो एफ--44, वाली नगर, नई दिल्लो। (श्रन्तरक)
- (2) श्री जगजीन सिंह ग्ररोड़ा पुत्र स्वर्गीय श्री राम चंद निवासी एच--56 राजीरी गार्डन, नई दिल्ली । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तन्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधो हस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो छन्त श्रीधनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस सध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जिस का ध्लाट नं० एफ०--2, जिस का क्षेत्रफल 155 वर्ग गज वालो नगर इलाके के गांव बसई दारापुर दिल्ली राज्य दिल्ली में स्थित है।

> ग्रार० वो० ए**ल० ग्रग्रवा**ल, सक्षम ग्रधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली ।

तारीस : 7 दिसम्बर, 1979।

प्रकष भाई•टी•एन•एस•-----

धायकर भ्रष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के भ्रष्टीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-∐, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर, 1979

निदेश मं० ग्राई०ए० सो०/एक्यू० II श्रप्रैल \sim 79/5130:— श्रतः मुक्षे, श्रार० वी० एल० श्रप्रवाल,

आयकर भिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीत सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वाय करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/-ष्पए से भिष्ठक है

श्रीर जिसकी सं० 8380/7 है तथा जो रोशनआरा रोड़, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिअस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख अप्रैल, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मे, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उनत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधि-नियम के नधीन कर देने के प्रकारक के वायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (वा) ऐसी किसी धाय या किसी घन या ग्रथ्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर घिष्ठिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिक्षिनयम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, धिमाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उच्छ अधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरक में, मैं, उच्छ अधिनियम की बारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री सम्पूर्ण सिंह (2) श्री जसकत सिंह (3) श्री राघवार सिंह पुल श्री वजीर सिंह (4) श्री राजेन्द्र सिंह (5) श्री सिंहन्द्र सिंह पुत्र श्री जागीर सिंह् निवासी 9 डबल्यू० ए० रोड़, पंजाबी बाग, दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) मैसर्स वाथला एण्ड कम्पनी लिमिटिड इस ऊपर लिखित फर्मे के डारेक्टर श्री ग्रार० सी० वाथला द्वारा निवामी-वी-2/8 मोडल टाउन, दिल्ली।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

छन्त सम्पत्ति के प्रजेत के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तरसम्बन्धी क्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 भविध बाद में समास्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
 क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी सम्य व्यक्ति द्वारा अधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रपब्बीक्थण ध--इसमें प्रयुक्त शस्त्रों भीर पर्वो का, जो उक्त भ्रक्ति-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना जो उस भ्रष्टाय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद का हिस्सा विहरींग म्यून्सिपल नं० 8380/7 नार्ड नं० XIII रोणनश्चारा रोड़, दिल्ली में है।

श्रार० वी० एस० श्र**ग्रवाल,** सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीखः : 10 दिसम्बर, 1979।

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरिकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज-II, विस्ली-1

नई दिल्ली, विनांक 10 दिसम्बर, 1979

धायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से ग्रिधिक है

भौर जिसकी सं० 3/27 ए हैं तथा जो पंजाबी बाग नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रग्रैल, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त ग्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्थ श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनयम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनयम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, म उक्त श्रधिनियम की घारा 269-व की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :--- 8--396G1/79

- (1) श्रोमती निरमला देवी, धर्मपत्नी श्री राम लाल जैन, निवासी-6, श्रशोक पार्क, एक्सटैन्शन, रोहतक रोड़, दिल्ली (अन्तरक)
- (2) श्री सुरेन्द्र सिंह ग्रीर श्री जग मोहन सिंह पुत्र श्री बलवन्त सिंह निवासी-174 धर्मपुरा बहादुरगढ़, (हरियाणा)। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जाँरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम, के भ्रष्ट्याय 20क में परिभाषित है, वहीं ग्रथ होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनसूची

2 1/2 मंजिला मकान जो कि एक प्लाट के ऊपर जिस का नं० 3 श्रीर क्षेत्रफल 280 वर्ग गज श्रीर रोड़ नं० 27-ए, पंजाबी बाग इलाके के ग्राम बसई धारापुर दिल्ली, राज्य दिल्ली में स्थित है।

> भ्रार० वी०एल० स्रग्नवाल, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली~1

तारीख: 10 दिसम्बर, 1979।

प्रकप धाईं • टी • एनं • एस •----

सायकर प्रधिनियम; 1961 (1961 का 43) की वारा 269-म (1) के प्रधीन मूचना

बारत सरकार

कार्यालय, सद्वायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1979

निदेश सं० श्राई० ए०सी० एक्यु०/II/अप्रैल-79/5266:—-अत: मुझे, श्रार० वी० एल० श्रग्रवाल,

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त धिक्षिमम' कहा गया है), की धारा 269-ख के सधीन समन प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाधार मून्य 25,090/- उपए से धिक है

श्रीर जिसकी सं० जी-33, है तथा जो कीर्तिनगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्म प्रतिशत से सिक्क है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक एप मे कथित नहीं किया गया हैं।——

- (का) अन्तरण से हुई किसा धायकी बावन, उक्त श्रीक्षितयम, के प्रधीन कर देने क घन्तरक के दायित्य में क्यमी करने या उससे बचने में सुविक्षा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसा किसी आय या किसी घन या अन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीधनियम, या घन-कर ग्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनामं अन्तरिती हःराप्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में मुधिष्ठा के जिए:

भतः भन, उक्त भिधिनियम की धारा 269-म के अवसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपघारा (1) के पंजीम; निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थातु:——

- (1) श्रा बनारसी लाल कोली, पुत्र श्रो मेलाराम कोली, निवासी, जी-33, कीर्ति नगर, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री विनोद कुमार सूरी, पुत्र श्री मिलाक सिंह सूरी निवासी, 3/8 वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली। (धन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के संबंध में कोई भी ब्राह्मेप---

- (क) इस भूवना के राजपव में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, को भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के मीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य भ्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पदों का, जो उकत प्रधिनियम के ध्रध्याय 20क में परिचाकिन है, वहीं अर्थ होगा जो उस ध्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूधी

मकान नं० जो~33, कीर्ति नगर इलाके के ग्राम बसई धारापुर राज्य दिल्ली में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 200 वर्ग गज़ है।

> श्चार० बी० एल० श्रप्रवाल, मक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-II, विल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 10 दिसम्बर, 1979।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-II, दिल्लां-1

नई दिल्ला, दिनांक 10 दिसम्बर 1979

निदेण सं० श्राई० ए० सिः०/एस्यू०/ $\Pi/$ ग्रप्रैल-79/5144:— श्रतः मझे, श्रार० विः० एल० श्रप्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात 'उकत अधिनियमं कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रुप्ये से अधिक है

धौर जिसका मं० 3-सा० है तथा जो कोर्ट लेन, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्राकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्लो में भारतीय रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, ताराख ग्रग्रैल, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिकल के लिए अल्तरित की गई है और मुझ यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, यह तथ पाया गया प्रतिकल किननिलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देते के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसे किसी आप या किसी धरा पा श्रन्य आस्तियों की, जिन्हें आयकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

(1) श्रीमती मान्ति रानो ग्रीरत श्रो कृष्ण लाल सुरी ग्रीर श्री कृष्ण लाल सुरी पुत्र श्रो लाव चन्द मुरो निवासी डब्ल्यू-36 ग्रेटर कैलाम-I, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रो गयाम सुन्दर मरदा पुत्र श्री बी० पी०ज सरवा निवासी 102 जो आई० टो० रोड़ कलकत्ता और श्रो राम नाथ मरदा पुत्र श्री बी० पी० मरदा 3786 नेताजी सुभाष मार्ग नई दिल्लो व श्रीमित मोहनी देवी मरदा विधवा श्री चरंजी लाल निवासी बी० पी० मरदा स्ट्रोट चुन्नू (राजस्थान) श्रीमित रामा देवो मरदा धर्मपत्नी श्री भागीरथ प्रसाद मरदा 8-सी कोर्ट लेन दिल्ली । श्रोमिती बोना देवी मरदा धर्मपत्नी श्री श्रोम प्रकाश मरदा निवासी 45 डालिमियां चैम्बर नई मारीन लाईन, बम्बई ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप-

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की नारीख से 45 दिव के भोतर छन्। स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धोकरण:--दसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदी का, जा उक्स अधिनेयम के अञ्चाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनु सुची

सम्पत्ति नं० ३-सः, कोर्द लेन दिल्लः।

ग्रार० वा० एपा० ग्रग्नवाल, सक्षम ग्राधिकारी, महायक ग्रायकर ऋयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन प्रिंज-, दिल्लों, नई दिल्लों-1

तारीख: 10 दिसम्बर, 1979।

प्ररूप भाई० टी० एव० एस०----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, विनांक 15 दिसम्बर 1979

निदेश सं० श्राई० ए० सो०/एक्यु/ II श्रप्रैल-79/5195:--श्रतः, मुझे, श्रार० वी० एल० श्रप्रवाल,

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से भ्रिधिक है

भौर जिसकी सं० 6742 से 6744 है तथा जो बार्ड नं० 12 कमला नगर, दिल्ली में स्थित है भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रोकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, बारीख अप्रैल, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रिष्ठ-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर म्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर भ्रिधिनियम, वा धनकर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथीत्:—

- (1) श्री ज्योती प्रसाद, पुत श्री गनेशी लाल, जैन निवासी 45-ई० कमला नगर, दिल्ली, श्रव नरनौल। (श्रन्तरक)
- (2) श्री मंगत राम पुत्र श्री हर दयाल निवासी 30-ई, कमला नगर, दिल्लो। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रद्धाय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रद्धाय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० 6742 से 6744 तक वार्डनं० 12 कमला नगर, दिल्ली में हैं।

> ग्रार० वो० एत० भ्रग्नवाल, सक्षम प्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली–1

तारीख: 15-12-1979।

प्ररूप ग्राई० टी∙ एन∙ एस•-----

मायकर मिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के मिवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर भागुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-II, विल्ली-1

नई विल्ली, दिनांक 15 दिसम्बर, 1979

निदेश सठ० म्राई० ए० सी०/एक्यू/II भ्राप्रैल--79/5216:---भ्रतः मुझे, भ्रार० वी० एल० श्रग्नवाल,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- कपए से प्रधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 375 गली हाकिम बुका है तथा जो चावड़ी बाजर दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रग्नेल, 1979 को

का 16) के अधान, ताराख श्रेप्रल, 1979 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पूर्व्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिशत से श्रिष्ठिक है भीर धन्तरक (धन्तरकों) भीर अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण कि लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण कि लिख लिखत में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाष की बाबत उक्त प्रिमियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में ,में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्रीमतो राम सखी देवी धर्मपत्नी श्री मुकेश चन्द बंसल 44 दरया गंज, दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री दीपक राज पारीख पुत्र श्री कन्हैया लाल 387 कुंचा बालाकी बेगम, दरीबा कलां, दिल्ली।

(अन्तिरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 िक्षमी अन्य व्यक्ति द्वारा, घधोहस्ताकारी के पास
 लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पध्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उनत ग्रधिनियम के भध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रथं होगा जो उस भ्रध्याय में विमा गया है।

अमुसुची

2 मंजिल जायदाद उसके साथ मेजनी फ्लैट जिम का क्षेत्रफल 90 वर्ग गज है। पुराना नं 1906 वर्तमान नं 3750 गली हाकीम वक्का, चावड़ीबाजार, दिल्ली में है जिसका निम्नलिखत हद है।

पूर्व---गली
पिष्वम--एच०पी० 3521
उत्तर--- गली
दक्षिण--एच०पी० 1904-5

म्रार० वी० एन० स्रग्नवाल, सक्षम म्रधिकारी, महायक म्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजॅन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली -1

तारीख: 15 दिसम्बर, 1979।

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

आयकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्यर्जन रेंज II, नई दिल्ली

नई दिल्लं:-110002, दिनांक 14 दिसम्बर 1979

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है

स्रीर जिसकी सं० सा०-3/13 है तथा जो सफदरजंग डवलपमेन्ट स्कीम नई दिल्ली में स्थित है (स्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूचो में और पूर्ण रूप ने वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ती स्रधिकारों के कार्यालय नई दिल्लो में रजिस्ट्रोकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधान, तारीख श्रप्रैल 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृण्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से श्रीधक है श्रीर अन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसो आय को वायन उना प्रधि-नियम के श्रयीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में मुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) एसी किसी आज या फिसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अ्रतः श्रब, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों भ्रथीत् :—

- (1) श्रो कृष्णास्त्रामी सच्चित्रातन्दम, सी०-3/13, सफदरजंग डबलपमेंट स्कीम, नई दिल्ली।
 - (अन्तरक)
- (2) श्री णाम लाल चोपड़ा, 95 सुन्दर नगर, नई दिल्लो। (श्चन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तन सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-यद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा मकेंगे।

स्वब्दोकरण :--इसमें प्रयुक्त कन्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रीधितयम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

प्रमुसुचो

मकान नं० सं(० 3/13, सफदरजंग डबलपमेंट स्काम नई दिल्लो (क्षेत्रफल 200 वर्ग गज)।

> डी० पो० गीयल; सक्षम ग्रीधागरी, महायक ग्रायकर श्रायुक्त((निर्राक्षण), ग्राजीन रोज-III, दिल्ली, नई दिल्ली—110002

तारीखा : 14-12-1979।

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०--

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के श्रधीन सूचता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-III,

नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 दिसम्बर, 1979

निदेश सं० प्राई० ए० सो०/एक्यु/III/12-79/449:---भ्रतः मुझे, डी०पी०गोयल,

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269 ख क भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से भ्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० सी०-5 है तथा जो ग्रीन पार्क एक्सटैन्शन नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख श्रग्रैल, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्य मान प्रतिकल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल में ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह् प्रतिशत से श्रधिक है और अन्तरक (श्रन्तरकों) और श्रन्तरितीं अन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप सेकथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः ग्रंब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के म्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, म्रर्थात्:— (1) श्रा कैलाश कुमार अंटोलिया व प्रकाश कुमार अटोलिया पुत्रगण श्री बैजनाथ अटोलिया, निवासी 380, जोधपुर पार्क, कलकत्ता-68 व 19 एन० डी० एस० ई०-1, नई दिल्लो।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रामतो अजीत कौर पत्नि सुरजीत सिंह व श्रीमति अमीता चन्द शोक पत्नि रिवन्दर सिंह निवासी ई-8, ग्रेटर कैलाश-1, नई विल्ली-48।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील मे 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद म समाप्त होती हो, के सीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रौर पदों का, जो 'उक्त श्रिधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

मकान नं ० सी-- 5, क्षेत्रफल 1019 वर्ग गज जो ग्रीन पार्क, एक्सटैशन, नई दिल्ली में स्थित है।

डी० पी० गोयल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली--110002

सारी**ख**: 14-12-1979 ।

मोहरः

प्ररूप बाई॰ टी॰ एन॰ एस०-

भायकर प्रवित्यिम, 1961 (1961 का 43) को घारा 289-घ(1) के धंघीन सूचना

भारत सरकार

कार्या नय, महायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-III,

नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 दिसम्बर, 1979 निदेश सं० भाई० ए० सी०/एक्यू०/III/12--79/450:----श्रतः मुझे, डी०पी०गोयल,

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सम्राम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/-स्पष्ट से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० जे−5/112 है तथा जो राजोरी गार्डन नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उप बद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्व रूप से विणत है). रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तारीख अप्रेस 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूस्य से कम के बृश्यमान प्रतिकल के लिए पन्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पन्तह प्रतिशत से प्रधिक है प्रौर पन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकल निम्नां लोखत उद्देश्य से उच्न धन्तरण विश्वित में वास्तरिक हम से किया नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी धाय की बावत जनत प्रधिनियम के धधीन कर देने के धम्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के निए; भीर/वा
- (ल) ऐमो किसो आय या किमी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर पिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त पिधिनियम या धन-कर पिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में मुविधा के लिए;

धत: धव, उन्त धिर्मियम की बारा 269-न के धनुसरण में, भें, चन्त घिनियम की बारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- (1) श्री हरी चन्द जुनेजा पुन्न लाला सेवा राम निवासी जे०-5/112, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) श्री अप्रजीत सिंह पुत्र स्थ० श्री जुमन सिंह निजासी 27/4ः, पुराना राजिन्दर नगर, नई दिल्ली । (श्रन्तरिती)

चो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए चार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्रासेप--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, वो भी भवधि बाब में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर अक्त क्यावर सम्पत्ति में दितबढ़ किसी धन्य क्यक्ति द्वारा, ध्योहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदीं का, जो उक्त धिनियम के घट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस घट्याय में दिया गवा है।

अनुसची

कान नं० जे० - 5/112 जो पाट क्षेत्रफल 160 वर्ग गज पर वना है राजोरी गार्जन, गांव तनारपुर, दिल्ली राज्य दिल्ली में स्थित है।

> डी० पी० गोयल सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-110002।

तारीखा: 14-12-1979 ।

मोहरः

प्रकृप धाई• टी• एन• एस०-----

आएकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा

269 व (1) के वधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-III, दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 दिसम्बर 1979

निवेश सं० माई० ए० सी०/एक्यु/Ш/12-79/451:---म्रतः मुझे, डी०पी० गोयल,

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें एसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-च के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि श्वाबर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/-व॰ से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० सी०-39 है तथा जो एन० डी० एस० ई० पार्ट-II, नई विल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख श्रील, 1979

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यजापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में बास्तिविक कप के कचित नहीं किया गया है।——

- (क) अ तरण से हुई किसी धाय की बाबत सकत धिवनियम के प्रधीन कर वेने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए। और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या घण्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर ग्रंथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ ग्रंग्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया चया या किया बाना बाहिए वा, खिपाने में सुविज्ञा के सिए:

बतः पव, उक्त अधिनियम की बारा 269-ग के अनुसरच में, में, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-च की उपबारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---9---396GI/79

(1) श्री (1) श्री एवं एलं भाटी, (2) श्रीमती लज्यावती भाटी, (3) श्रारं एमं भाटी, (4) वी॰ कें भाटी, (5) श्रीमती एनं भाटी, (6) श्रीमती ए॰ भाटी, (7) श्रीमती एसं भाटी, (8) कुं स्वीटी भाटी, (9) राम नरायण भाटी, (10) श्रीमती चांद रानी भाटी निवासी डी-4, माडल टाउन, विल्ली।

(ग्रन्तरक) (2) मैं व दलजीत प्रापरटीज प्रव लिव फ्लैट नंव एलव सागर भ्रपार्टमेंन्ट, 6 तिलक मार्ग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त संपंत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियाँ करता हूं।

बक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाबीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की धवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकातन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर संपत्ति में हितवड़ किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा भ्रभोड़स्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सर्वेषे।

स्वाद्यां ।--इसमें प्रयुक्त शब्दों खौर पर्वों का, जो उन्तं अधिनियम के प्रक्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही घर्ष होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं सी०-39, क्षेत्रफल 500 वर्ग गज जो एन० डी० एस० ई० पार्ट-II में स्थित है।

> श्री० पी० गोयल, सक्षम श्रीधकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज-III, विल्ली, नई दिल्ली-110002

ता**रीख: 14 विसम्बर**, 1979

मोहर ।

प्ररूप पाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

धायकर ग्रविमियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के घडीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रॅज- , दिस्ली नई विल्ली-110002, दिनांक 14 विसम्बर 1979

निदेश सं० पाई० ए० सी०/एक्यू/III-12-79/452:---ग्रतः मुझे, डी०पी०गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन समम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति जिसका उचित वाजार मूख्य 25,000/-द० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पी०-90 ए० है तथा जो एन० डी० एस० ई० पार्ट-II, नई विल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख शर्पेल, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के बुक्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि संपापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत प्रविक्त है धौर धन्तरक (धन्तरकों) धौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त धन्तरण, जिखित में बाक्तविक कप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) धल्तरण से हुई किसी पाय की वाबत, उनत प्रक्षि-नियम के प्रशीन कर देने के घल्तरक के वायित्व में कमी करने या जससे बचने में सुविका के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या प्रन्य पास्तिकों को जिन्हें पाय-कर ग्रीप्रिसियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या वन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तिस्ति हारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने सुविधा ने लिए;

भवः धवः, उक्त श्रीधिनियम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं उक्त भिधिनियम की घारा 269-व को उपधारा (1) के घधीन विक्तिविद्या व्यक्तियों, प्रथात्:—

- (1) श्री मोहन सिंह पुत्र नाग्याह, सिंह निवासी पी-90 ए०, एन० जी० एस० ई० पार्ट-II, नई विल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री एन० एस० बाटला पुत्र श्री बी० एस० बाटला निवासी एल० 18 एल० जी० एस० ई० पार्ट-नई विल्ली-49।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की भवधि, को भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की वारीक से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक के किसी सम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विकास में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण :---इसमें प्रमुक्त शब्दों धीर पर्धों का, को खक्त स्रधि-नियम, के श्रव्याय 20क में परिभाषित है, वहीं सर्थ होगा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

काई मंजिला मकान न ० पी०- 90ए क्षेत्रफल 154 वर्ग गज एन० जी० एस० ई० पार्ट-II, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है।

पूर्वे---मकान नं० 90 पण्चिम---मकान नं० 90--बी उत्तर---सङ्क दक्षिण---सर्विस क्षेन ।

> डी० पी० गोयल, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रुजन रेंज III, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 14-12-1979

प्रकप माईं टी एन एस ---

बायकर मिविनयम 1981 (1981 का 43) की बारा 269-व(1) के बंधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भार्जन रेंज-I^{II}, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 दिसम्बर 1979

निर्देश मं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू/III/12-79/453---ग्रतः मुझे, डी०पी०गोयल,

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- क्पए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० ६०-5/2 (६-5/2) है तथा जो मालवीय नगर नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीरपूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्री हरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, सारीख 11-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य उनते दृश्यमान गतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित वहण्य से उक्त अन्तरण लिखत में बाहतिक हम में कहती कहा गा है:--

- (क) भ्रत्यत्त से हुई किसी भ्राय की बाबत, उकत भ्राध-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। भ्रीर/या
- (ख) ऐसा किसी प्राप या किसो धन या धन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ष प्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा लिए।

चतः ग्रन, उनत ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उनत भ्रिधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत् :—

- (1) श्री तोता राम उर्फ तोता लाल मार्फत किरपाल सिंह एटोरनी, निवासी ई-5/2, मासवीय नगर, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती राम प्यारी, ई-5/2, मालवीय नगर, नई दिल्ली।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उन्त सम्पत्ति ने श्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, को भी
 अविधि बाद में समाक्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितब किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पढ़ीकरण:---इसमे प्रयुक्त ग्रब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिष्टि-नियम के ग्रध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं भ्रष्ट होगा जो उस ग्रध्याय म दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद नं० ई० 5/2, मालवीय नगर नई दिल्ली, क्षेत्रफल 124 वर्ग गज ।

> डी० पी० गोयल सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज III, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 14-12-1979

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०——— भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ब्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज III, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० म्नाई० ए० सी० एक्यू/111/12--79/454----म्रतः मुझे, डी०पी०गोयल,

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

श्रीरजिसकी सं० जी ~5/4 है तथा जो मालवीय नगर तई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इपने उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकर्रा श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रप्रैल, 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजर मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्सास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंगरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के श्रश्वीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; भौर/या
- (ख) एसी किसी बात या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने सुविधा के लिए;

भ्रतः श्रव, उक्तं ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रिथीत्:— (1) श्रीमती तारा वती धर्मपत्नी खेम चन्द निवासी डी-73, मालवीय नगर, नई दिल्ली-17।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भ्रोम प्रकाश सुपुत्र श्री धर्म चन्द निवासी जी-5/4, मालवीय नगर, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कायवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

जायदाद नं० जी~5/4 क्षेत्रफल 125 वर्ग गज जो कि मालवीय नगर में स्थित है।

> डी० पी० गोयल, सक्षम म्रधिनारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज III दिल्ली, नई दिल्ली–110002

तारी**ख**: 14-12-1979

प्ररूप भ्राई० टी॰ एन॰ एस॰---

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज III, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 दिसम्बर 1979

निर्वेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू/III/12-79/455-- म्रतः मुझे, डी०पी० गोयल,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 25, रोड़ नं० 17 पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुमूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 4-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से ग्रधिक है ग्रीर अन्तरक (ग्रन्तकों) ग्रीर अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधिनियम के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्थ श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः शबं, उक्त ग्रंधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, म, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रंथीत् :--- (1) श्री रामेश चन्द गुप्ता व मुकेश चन्द गुप्ता सु० ला० जिया राम गुप्ता निवासी 25-सी, भगवान दास नगर, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विमल कुमार चौधरी, उर्फ खेम चन्द पु० चौधरी रिसाल सिंह निवासी मकान नं० 9, रोड़ नं० 26 पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीरत पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:——
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो 'उक्त ग्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फी होल्ड जमीन का प्लाट नं० 25, रोड़ नं० 17 क्षेत्रफल 557.5 वर्ग गज सी० क्लास में स्थित कालोनी पंजाबी द्वाग में गांव शक्रूपुर दिल्ली का क्षेत्रफल निम्नलिखित :

उत्तर—प्लाट नं० 23 दक्षिण—प्लाट नं० 27 पूर्व---रोड नं० 17 पश्चिम—सरविस लेन ।

> डी० पी० गोयल, सक्षम श्रधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-110002।

तारीख: 14-12-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भायकर भ्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज III, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 विसम्बर 1979

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम', कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रिधिक है

भौर जिसकी सं० पी-95 है तथा जो एन० बी० एस० एफ-III नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख भ्रभैल, 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ब्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्नविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी म्राय की बाबत, उक्त म्रिधिनियम के म्रिधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधनियम, या धन-कर ग्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:— (1) श्री ए० वाई० लाम्बा, निवासी ए-16, जंग पुरा एक्सटेंशन, नई विस्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विक्रम पन्त सूरी, 22 बारा खम्बा रोड, नई दिल्ली (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकान की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्तब्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गन्दों ग्रीर पदों का, जो 'उक्त ग्रधिनियम' के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फी होल्ड प्लाट नं० 95, ब्लाक नं० पी० क्षेत्रफल 200 वर्गगज जो कि साउथ एक्सर्टेशन पार्ट II में स्थित, नई विल्ली में निम्न प्रकार है :---

पूर्व : प्लाट नं० पी०-94 पश्चिम : प्लाट नं० पी०-96

उत्तर : सड़क दक्षिण : सर्विस लेन।

> डी० पी० गोयल, सक्षम श्रधिकारी,

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज III, विल्ली, नई विल्ली-110002।

तारीख: 14 दिसम्बर, 1979।

प्रकप धाई॰ डी॰ एन॰ एत॰----

धायकर भ्रमिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269व (1) के समीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सद्वायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, II नई दिल्ली

नई विल्ली-110002, दिनांक 14 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू/III/12-79/457-

म्रत: मुझे, डी० पी० गोयल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रीश्विमयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रश्चीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारच है कि स्वाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूक्त 25,000/- द० से ब्रिधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट नं० 5 रोड़ नं० 46ए हैं तथा जो पंजाबी बाग में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीचन, तारीख श्रील, 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से क्य के वृश्यवान प्रतिफल के लिये सन्तरित की गई है सौर मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि वचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उतके वृश्यमान प्रतिफल से,ऐसे वृश्यमान प्रतिकृत का पन्तह प्रतिशत से प्रक्षिक है सौर सम्तरक (सन्तरकों) सौर सन्तरिकी (अन्तरितवों) के बीच ब्रेसे सन्तरक के लिए तय पाया वया प्रतिकृत, निम्नविक्ति उद्देश्य से खन्त धन्तरक निकात में वास्त्विक क्य है क्यित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरक से बुई कि दौ आय की बाबत उक्त प्रक्षिक नियम के प्रधीन कर देवे के घन्तरक के वाकित में कमी करने या उससे बचने में मुक्बिश के लिए। और/या
- (ब) ऐसी किसी धाय या जिसी धन वा घरव धास्तिकों को, जिन्हें भारतीय धायकर धाधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर सधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्वे धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया बाना चाहियेथा, कियाने में सुविधा के खिए;

अतः अव, उक्त प्रशिनियम की घारा 269-म के वनुवरण में, में उक्त प्रशिनियम की घारा 269-म की उपवारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिवों, अवीत्।--- (1) श्री इंब्रजीत कौर मु० श्री प्यारे लाल कौरा व श्रीमती सुरक्षा कौरा धर्म पत्नी श्री इन्द्रजीत कौरा निवासी 7/103 रमेश नगर दिल्ली।

(म्रन्तरक)

(2) श्री लिलत कुमार सु० एस० भ्रार० के० नन्वा निवासी जे०-10/49 राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।

(प्रन्तरिती)

को नह सूचना जारी करके पूर्वोक्त तस्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्मति के प्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की घर्वीय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष्ठ, जो भी घर्वीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से विश्वती व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक में प्रकातन की तारी का से 48 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब इ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोइस्ताक्षरी के पास निकात में किये जा सकेंगे।

स्मध्यीकरण :--इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो उक्त विधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्य होगा, को उस धन्माव में दिया गया है!

ग्रनुसूची

फी होल्ड प्लाट नं० 5, रोड़ नं० 46-ए, क्लास डी० क्षेत्रफल 280 वर्ग गज पंजाबी बाग में स्थित। गांव माधी पुर दिल्ली स्टेट दिल्ली निम्न प्रकार स्थित हैं:--

उत्तर । सर्विस लेन दक्षिण : रोड़ नं० 46-ए

पूर्वः प्लाटनं० 3 पक्ष्मिमः प्लाटनं० 7.

> डी० पी० गोयल सक्षम मधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज III, दिल्ली, नई दिल्ली—110002

तारीख : 14 विसम्बर , 1979

प्रकप आई • टी • एत • एस • ---

आयकर प्रवित्यम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज III, नई विल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 दिसम्बर 1979 निर्देश सं० ध्राई० ए० सी० /एक्यू/III/12-79/458---भ्रत: मुझे, डी० पी० गोयल,

घायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका प्रथित वाजार मृश्य 25,000/- क्यवे से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मकान नं० 8 सड़क 45 ए है तथा जो पंजाबी बाग, नई बिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 7-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिजल के सिए मन्तरित की गई है जौर मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, बसके दृश्यमान प्रतिजल से ऐसे वृश्यमान प्रतिजल का पण्डह प्रतिज्ञत भाषिक है और सन्तरक (मन्तरितर्यों) के बीच ऐसे सन्तरक के सिए तय पाया गया प्रतिजल, निम्नलिखित बहेश्य से उक्त प्रग्तरण लिखित में वास्तविक कप से चित्र नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उबत प्रधिमियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या हिसी धन या अग्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धाय-कर घिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिधिनियम या धन-कर घिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः ग्रब, उन्त धिष्टिनियम, की धारा 269क्ष के अनुसरण में; में, उन्त धिष्टितयम की धारा 269क्ष की उपन्धारा (1) के बधीन, निक्ष्तिखित व्यक्तियों, अर्थात्।—— (1) श्री श्रजीत सिंह पुत्र शरमिंसह ई०-225 डी० डी० ए० कालोनी नारायणा, ये जनरल श्रटोरनी श्रीमती बलवंत कौर पत्नि बलवंत सिंह निवासी हाईक्युस-बिला ड्राईव, सिंगापुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सीता वन्ती पत्नि हरमिन्दर सिंह चोपड़ा निवासी 4164, श्रार्थ पुरा, सबजी मंडी, दिल्ली। (श्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाओप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की घबछि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी घवछि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रकोहस्ता-क्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पंचीकरनः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, को उस प्रध्याय में विका गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० 8 सड़क नं० 45 एक्लास डी, पंजाबी बाग दिल्ली, एरिया गांव माबीपुर जो 2893. 3 वर्ग गज पर बना है निम्न प्रकार स्थित हैं:---

उत्तर: मकान नं० 6 दक्षिण: मकान नं० 10 पूर्व: सर्विस लेन पश्चिम: सङ्क्ष नं० 45 ए

> डी० पी० गोयल सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज III, दिल्ली, नई दिल्ली–110002

तारीख: 14—12—1979 ~~

त्रक्षप भाई• टी• एन• एस०~~

मायक्र समिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

क्तार्यालय, महायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज III, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू/III/12-79/459---ग्रतः मुझे, डी०पी०गोयल,

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु॰ से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि 17 बीघा 17 विस्वा है तथा जो गांव छत्तर पुर तहसील महरोली दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली, में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख, 8-5-79

1908 (1908 का 16) के अवाग, ताराख, 8-5-79
की पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्
प्रतिशत से मधिक है भौर भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती
(भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण सिखित में
बाह्तविक रूप से कथित नहीं किया नया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय को बाबत जनत अधिनियम के प्रधीन कर देने के घस्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के निए; और/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या भ्रम्य मास्तियों को, जिन्हें भ्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भ्रन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उनत बिधिनियम की बारा 269-न के बनुसरण में, में, बक्त बिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अञ्चीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
10—396GI/79

(1) श्रीमती हरबंस कौर पत्नि ले० कर्नल बलबीर सिंह हुडा, निवासी 1711, डी० एल० एफ० फार्म एरिया, छत्तरपुर, नई दिल्ली।

(श्रन्तरक)

(2) श्री सन्तोष कुमार, (हि॰ ग्र॰ प॰) 21-ए, ग्रौरंगजेब लेन, नई दिल्ली, इनके करता संतोष कुमार खन्ना के द्वारा।

(श्रन्तरिती)

को यह सूबना बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रव्यंत के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के प्रार्वन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भविधि मा तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी
 भविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी कसे 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिसवाड किसी भ्रम्य स्थिति द्वारा, घधोइस्ताक्षरी के पास निकित में किए जासकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रबुक्त कब्दों घौर पथों का, जो उक्त धर्षिनियम के ग्रध्याय 20क में परिश्राणित हैं, बही घर्षे होगा, को उस घडमांव में विया वया है।

धनुसूची

एक रिहायशी मकान जो कृषि भूमि जिसका खसरा नं॰ 1711/2 (4-7) व 1708/2 (3-18), खसरा नं॰ 1709/1 (2-12), 1709/2 (2-4) व 1730/(4-16) कुल 17 बीघा 17 विस्वा व ट्यूबवैल जो छत्तरपुर गांव, तहसील महरौली में स्थित है।

डी० पी० गोयल, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज III, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 14 दिसम्बर, 1979

प्ररूप बाई • टी • एन ॰ एस ॰---

अ।यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269-व (1) के अधीन स्वता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज III, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 दिसम्बर 1979 निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/III/12-79/415— ग्रतः मुझे, डी०पी०गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्षत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

क्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 8 हैं तथा जो मालवीय नगर, नई दिल्ली में स्थित हैं और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 30-4-1979

क स्रधान, ताराख 30-4-1979
को पूर्वोक्त सम्मान के उतित बाजार मूल्य से कम के
दृज्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह जिस्सास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मान
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का परद्रह प्रतिशत प्रधिक है और मन्तरक
(भ्रश्तरकों) और मन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तर्भ के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्रिक रूप से कथित नहीं
किया गया है:--

- (क) घन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; खौद/या
- (बा) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर धर्धिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर धर्धिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रम, उनत अधिनियम की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उनत प्रक्रिनियम की बारा 269-ग की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थीत् :---

- (1) श्रीमती लीला वती पत्नि चमन लाल नरुला निवासी बी०-132, मालवीय नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्री हरिकिशन व धनश्याम दास पुत्रगण हुकम चन्द निवासी आर०-817, मालवीय नगर, नई दिल्ली । (श्रन्तरिती)

को यह सूतना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के <mark>प्रजं</mark>न के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारी खा से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की वामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि बाद में सगाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसर्में प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उन्त प्रधितियम के शक्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्ष होता जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

दुकान नं० 8, पुरानी मार्किट मालवीय नगर, नई दिल्ली क्षेत्रफल 87 वर्ग गज ।

> डी० पी० गोयल सक्षम प्रधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज III, विल्ली, नई विल्ली–110002

तारीख: 14-12-1979

प्रकृष भाई-टी-एन-एस----

भायकर बंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थं (1) के ग्रधीन मुख्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज III, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० ग्राई० ए० सो०/एक्यू०-Ш1/12-79/461---श्रतः मुझे डो० पो० गीयल

भायकर भिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त भिष्ठितियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के भिष्ठीत सक्षम प्रिष्ठिकारी की यह विश्वास भरने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से भिष्ठक है

भौर जिमकी संख्या कृषि भूमि 8 बोघा 17 विस्वा है तथा जो गांव छत्तरपुर नई दिल्लो में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसुधी में पूर्व रूप से विणित है), रजिस्ट्रोकर्ता भ्रधिकारों के कार्यालय नई दिल्लो में भारतीय रजिस्ट्रोकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन

तारीख 19-4-1979

को पूर्वोक्ष्य सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के बृह्यमान प्रतिफल के लिए भग्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्र बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्बद्ध प्रतिशत से ध्रविक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितयों) के बीच ऐसे अम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित विदेश्य से उक्त ध्रम्तरण निखित में बास्त्रिक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनत अधिनियय के अधीन कर देने के शस्तरक के वायिस्व में कमी करने पात्रपावता में मुक्तिशा के लिए; बोर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या चन-कर प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त धिधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त धिधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:-

- (1) श्रो दिनेश खन्ना निवासी कलैरैज होटल 12 श्रीरंगजेब रोड, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) श्रो भोला नाथ (हि० ग्र० प०) द्वारा भोला नाथ क्रादर्स द्वारा श्रोभोला नाथ पुत्र स्व० श्री गोकल चन्द कनाट प्लेस, ग्रोडियन सिनेमा नई दिल्लो। (ग्रन्तरिती)

भी यह सूबना वारो हरके पूर्वीकासम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप ।----

- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की भविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीश्व से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किये वा सकेंगें।

स्वस्तीकरण: ---इसमें प्रवृक्त सन्धी भीर वर्तो का, जो उक्त पश्चितियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि, खसरा नं० 1354 क्षेत्रफल 4 बीघा 16 विस्वा व 1356/2 4 बीघा 1 बिस्वा कुल 8 बीघा 17 बिस्वा जो गांव छत्तरपुर नई दिल्ली में स्थित है।

> डो०पो०गोयल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रैंज III, दिल्ली, नई दिल्लो

तारी**ख** 14-12-1979 मोहर: प्रकप धाई • टी • एन • एस •----

धायकर ग्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्गामक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज III, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०-III/12-79/462---ग्रतः मुझे, डी० पी० गोयल

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उनत मिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मधीन सक्षम प्रोधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जित्तका उचित बाजार मृश्य 25,000/- रुपये से मधिक है

मीर जिसकी संख्या मकान नं० 38 सड़क नं० 43 है तथा जो पंजाबो बाग नई दिल्ली में स्थित हैं (म्रीर हससे उपाबद्ध म्रनुसुची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रोकर्ता मधिकारी के कार्यालय दिल्लो में भारतीय रजिस्ट्रोकरण मधिकारी के कार्यालय दिल्लो में भारतीय रजिस्ट्रोकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रयोग तारीख 6-4-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के बित्त बाबार भूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिकत के लिए मन्तरित की नई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कार्यक है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित बाबार मृत्य, उसके बृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकत का पन्त्रह प्रतिकत से सिवक है और धन्तरक (मन्तरकों) भीर भन्तरिती (मन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिबित उद्देश्य से स्वत भन्तरण विविध में बास्तविक कप से क्षित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त प्रविनियन के भ्रमीन कर देने के ग्रन्तरक के बायित्व मक्सी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या धम्य भ्रास्तियों को, जिम्हें भारतीय भ्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, मा धन-कर प्रांधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्च ग्रम्शरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया चा या किया चाना चाहिए चा, जिपाने में सुविधा के निए;

ग्रतः अन, उन्त ग्रधिनियम की भारा 269-म के धनुसरम में, में, शक्त ग्रीधिनियम की भारा 269-म की उपजारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्पनितमों, ग्रमीत:---

- (1) श्रो तिरलोचन सिंह पुत्र उच्नाक सिंह निवासी मकान नं० 33 सड़क नं० 43 पंजाबी बाग नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रामती हरजीत कौर पत्नि गुरबक्स सिंह निवासी 8/86 रमेश नगर नई दिल्लो। (अतरितो)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रजॅन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की घविष, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविष जो भी घविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताकारी के पास लिजित में किए जा सकेंगे।

श्रक्डोकरणः ---इसर्ने प्रयुक्तः श्रक्टों भीर पदों का, जो उक्त स्रितियम, के अध्याय 20-क में परिनावित है, वही प्रयंहीगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुनुषी

मकान नं० 38 सङ्क नं० 43 कलास सी० क्षेत्रफल 651.11 वर्गगज जो रिहायणी कालोनी पंजाबी बाग, गांव मादीपुर दिल्ली राज्य दिल्ली में स्थित है।

> डी० पी० गोयल, सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-Ш, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख 14-12-1979 मोहर: प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्नायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 🎹, नई दिल्लं।

नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-1/12-79/463---श्रतः मुझे डी० पी० गोयल

श्रीयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी संख्या एफ०-83 है तथा जो ग्रोन पार्क नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्व रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्लो में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 4-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल के ,ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक का से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त आधि-नियम के आधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उनने बवते में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या म्रन्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय म्रायकर म्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त म्रिधिनियम, या धन-कर म्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अश्रीत, निम्तिलिखत व्यक्तियों, प्रयात् ——

- (1) श्री गोपाल प्रणाद पुत्र महाबोर प्रशाद निवासी 215 नानक गंज, सिपरी बाजार झांसी और श्रव 20/45, लोधो कालोनो नई दिल्लो। (श्रन्तरक)
- (2) श्रो विरेन्दर कुमार जैन पुत्न होशियार मिह जैन व सरला जैन पितन विरेन्दर कुमार जैन निवासा टो॰-19, ग्रोन पार्क नई दिल्लो। (ग्रन्तरितो)

को यह सूत्रना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां मुरू करता है।

उक्त सम्यक्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप : ---

- (क) इस सूचना के राजान में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किती अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टी हरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

हाई मंजिला मकान जो प्लाट नं० 83 ब्लाक एफ० क्षेत्रफन 311 वर्गगत पर बता है ग्रोनपार्क, जो गांव खरेरा में हैं, निम्न प्रकार स्थित है

पुर्व : सङ्क। पश्चिम : सङ्क।

उत्तर : मकान नं ० 82। दक्षिण : मकान नं ० 84।

> डा०पा० गोवत सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज III, दिल्ली, नई दिल्ली

तारी**ख**: 14-12-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज III, नई दिल्ली

नई दिल्लो-110002, दिनांक 14 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०-111/12-79/464----म्रतः मुझे, डी०पी० गोयल

ग्नायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रुपये से ग्रधिक है ग्रीर जिसकी संख्या 28/23 है तथा जो पुराना राजिन्दर नगर नई दिल्ली, सें स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचों में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारों के कार्यालय, नई दिल्लो सें भारतीय रिजस्ट्रोकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 18-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः, भ्रब, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनु-सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीतु:——

- (1) श्रामती कलारा गोनस्लव पत्नि स्व० श्रा टो० गोनस्लव इनके रजिस्टर्ड श्रटौरनो श्री मोहन कुमार पत्न श्री वामदेव 5/3 पुराना राजिन्दर नगर नई दिल्ला । (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमतो सरोज पत्नि गुलशन राय सुलो निवासी 28/23, पुराना राजिन्दर नगर, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिएकार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्मित्त से हितबब किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रंथोह्स्नाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

राष्ट्रीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है। १

ग्रनुसूची

मकान नं० 28/23, एरिया 85.9 वर्ग गज जो पुराना राजिन्दर नगर, नई दिल्लों में है, निम्न प्रकार स्थित है।

पुर्वः मकान नं० 28/22 । पश्चिमः मकान नं० 28/24 ।

उत्तर : सङ्क। दक्षिण : साविस लेन।

> डी० पी० गोयल, सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज III, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 14-12-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के श्रिधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

श्चर्यंत रेंज-I, नई दिल्ली नई दिल्ली-110002, दिनौंक 14 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-1/12-79/968----श्रतः मूझे, डी० पी० गोयल,

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से श्रिधिक है

श्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि 16 बीघा है तथा जो विजवासन गांव नई देहली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणन है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन नारीख श्रश्रेल 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत्त के लिए ग्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है श्रौर ग्रन्तरिक (श्रन्तरिकों) श्रौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथांत :---

- (1) श्रीमती रक्षा टन्डन निवासी राजीय फार्म, गांव विजवासन नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) श्री के॰ पुरी निवासी 249, वरली रोड, बम्बई। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकेपूर्वीक्त सम्यक्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीरत पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :---
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्बीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रोर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि फार्म हाउस, खसरा नं० 2697/661/2, 2697/661/2, 2699/662 (श्रोल्ड), क्षेत्रफल 7 बीघा 15 बिसवा नया खसरा नं० 171, क्षेत्रफल 8 बीघा 5 बिसवा गांव बिजवासन नई दिल्ली।

> डी० पी० गोयल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 14-12-1979

प्ररूप साई० टी० एन० एस०--

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के म्रधीन सूचना ं

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर न्नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 दिसम्बर 1979

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-I/12-79/969~--श्रतः मुझे, डी० पी० गोयल,

श्रायकर ब्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ब्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ब्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से ब्रधिक है

श्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि, क्षेत्रफल 9 वीघा 19 विसवा, है तथा जो गांव गादियापुर नई दिल्ली में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 19-4-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसे किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयीत्:—

- (1) श्री सरजीत सिंह निवासी सी० 6, हौज खास, नई दिल्ली। (श्रन्सरक)
- (2) श्री राम नारायन निवासी 81/41, पंजाबी बाग नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के स्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजप त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्तं रूथावर सम्पत्ति में हितबद किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणं:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसुची

कृषि भूमि 9 बीघा, 19 विमवा, फार्म हाउस के साथ खनरा नं० 567, 568, गादियापूर में स्थित नई दिल्ली।

> डी० पी० गोयल, मक्षम श्रधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 14-12-1979

मोहरः

प्ररूप माईं टी • एन • एस • ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का **43) की धारा** 269-व(1) के धारीन मू**पना**

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 दिसम्बर 1979

निर्देण सं० ग्राई० ए० सी० |एसयू०-|1|12-79|970--ग्रतः मुझे, डी० पी० गोयल
गायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् उक्त ग्रिधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन
सक्षम प्राप्तकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- द से ग्रिधिक है
और जिसकी संख्या कृषि भूमि 20 वीचा, 9-1/2 विसवा,
है तथा जो गांव नेब सराय, तहसील मेहरोली नई दिल्ली
में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से
विणित है), रजिस्ट्रीकर्रण ग्रिधिनायम, 1908 (1908 का
16) के ग्रधीन तारीख 28-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान ब्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है प्रोर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिति (अन्तरितियों) के बोब ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से कि विदान नहीं कि । गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबन, उक्त प्रक्रि-नियम के अधीन कर देने के अक्तरक के दायि क में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए। स्वौर/या
- (च) ऐसी किसी आय का किसी धन या प्रत्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विषया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के सिए;

भतः भव, उक्त प्रधिनियम की खारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269व की उग्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 11---396 GI/79

- (1) श्री किणन चन्द सुपुत्र चुन्नी लाल गार्व सथा तहसील मेहरोली, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) मैं एलबी डुग्गल इन्जी कं प्राइवेट लिमिटेड, 192, गोल्फ लंक्स, नई दिल्ली। (भ्रन्तरिती)

को यह तूवता जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाजन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी स्पिक्तगों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त क्याबर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रश्लोहरूताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त गब्दों भीर पदों का. जो जकतः अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषितः है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

म्रनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्रफल 28 (बीघा) 9-1/2 विसवा, गांव नेब सराय में स्थित। तहसील मेहरोली नई दिल्ली।

> डी० पी० गोयल, सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 14-12-1979

अधिक है

प्ररूप आई० एन० टी० एस०——

धायनर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भधीन सुचना धारत सरकार

सार्यालय, महायस घायसर घायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनां ह 14 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्पू०-1/12-79/971-- कराः मृत्ती, बी० पी० गीयल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात् 'उन्द प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उत्रित बाजार मूल्य 25,000/- द०

भीर जिलाकी संख्या कृषि भूमि क्षेत्रफल 9 बीघा, 18-2/3 विज्ञा है तथा जो गांव नेंग सराय तहसील मेहरोली में स्थित है (श्रीर इजने उपाबद श्रृतुम्ची में पूर्ण रूप से विणत है), राजस्त्रोकर्ता श्रिकारी के कार्यालय, नई दिख्ली में राजस्त्रीकरण श्रिकायम, 1908 (1908 का 16) के श्रिकीन तारीज 28-4-1979

को पूर्वोक्त संगित के उचित बाजार मूल्य से कम के बृण्यमान प्रतिफल से के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रक्षिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे पन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उचित अन्तरण लिखित में वास्तविक का से कथित नहीं किया गया है:---

- (स) ग्रन्तरण से तुई किसी ग्राय की बाबत उपत भिन्न नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या जिसी अन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म के धनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की बारा 269-म की उपचारा (1) के सभीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, घर्षांद :--

- (1) श्री राम गोपाल, पुत्र काशी राम गांव नेव सराय, तहसील मेहरोली नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती बन्नो दुग्गल धर्मपत्नी श्री श्रार० एस० दुग्गल 4-पालम मार्ग वसन्त बिहार, नई दिल्ली। (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्बक्ति के श्रवंत के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की धविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इत सूबता के राजरत में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बढ़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा अबोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्षीतरण: —-इसर्ने प्रयुक्त शब्दों सीर पशें का, जी छक्त स्विधित्यम के स्रष्ट्याय 20-क में परिभावित है, वही सर्थ होगा जो उस सध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्रफल 9 वीघा, 18-2/3 बिसवा गांव नेव सराय में स्थित। तहसील मेहरोली, नई दिल्ली।

> डी० पी० गोयल, सक्षम मधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 14-12-1979

भारत सरकार

कार्याक्रय, सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, विल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 पिसम्बर 1979

निर्वेग सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-।/12-79/972---आतः मुझे, डी० पी० गोयल

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिन्नका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क्पए से मिधिक है

प्रोट जिन्हों पंथा, कृषि भूमि क्षेत्रकत 9 तीया 17-213 वीस्ता है तथा जो गांत्र नेत्र सराय, नई दिल्लो में स्थित है (प्रोर इसते उभावद्ध प्राप्तुची में पूर्ण रूप से सृणित है), राजिस्ट्री जो प्रश्चितारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय राजिस्ट्री उरग प्रश्चितियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन सारीख 19-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शहरित का से स्थित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाग को बाबत जक्त, प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; घौर/या
- (ख) ऐसा किसी प्राय या किसी प्रन या अन्य ग्रास्तियों को, जिण्हें भारतीय भायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः प्रवः, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नाजिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- (1) श्रो राजिन्दरप्रताद पुत्र श्री मोतीराम, निवासी गांव नेब सराय तहसील नहरौरी, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
 - (2) श्रीमती बन्नम्न दुगल पत्नी श्री मार० एस० दुगल निवासी, 4 पालम मार्ग, वसन्त बिहार, नई दिल्ली। (श्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सरता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भवधि या तस्सम्बन्धी क्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी
 भवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूत्रता के राजरत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जी उक्त श्रिधितियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित तैं, बही अयं होगा, जो उस अध्याय में विषा गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 9 बीघा 17-2/3 बीस्त्रा नेब सराय में स्थित नई दिल्ली में है।

> डी० पी० गोयल, सक्षम मधिकारी सहायक मायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रैंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 14-12-79

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

थायकर प्रवितियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-च (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 दिसम्बर 1979

आयक्तर प्रवित्तियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रश्चितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या दुकान न० 43 है तथा जो डीफेंस कलोनी मार्किट नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से विंगत है), रिजस्ट्रीकर्ना ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिध-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख ग्रिपेल 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उभित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पल्डह प्रतिशत अधिक है भीर वह कि प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया पया है:—

- (क) प्रन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उन्त प्रश्चितियम के भ्रमीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना चाहिए वा कियाने में मुक्का के लिए।

चतः चब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के धनुसरम में, में उक्त पश्चिनियम की घारा 269-म की अपबारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्चात् :--- (1) श्री जय चन्द पुत्र श्री बालू राम मिवासी डी० 52 साउथ एक्सटेंगन भाग-1 नई विस्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मदन गोपाल दास गुप्ता पु० श्री पी० एल० गुप्ता, निवासी जी० 19 लाजपत नगर IV नई दिल्ली-24। (भ्रन्तरिती)

को यह सूबना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अवंत के लिए कार्यनाहियां करता हु।

उत्त सम्वति के अर्लन के संबंध में होई भी आक्षेप :---

- (ह) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की भवधि या परसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना का तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकतं व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हाड़;
- (व) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी भ्रत्य व्यक्ति द्वारा, भक्षीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

स्पन्टीकरण :--इसमें प्रमुक्त सन्दों और वदों का, जो 'उन्त मधि-नियम', के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही वर्ष होगा, जो उस महमाय में विया गया है

अनुसूची

दुकान नं० 43 लीज होल्ट राइट जिसका क्षेत्रफल 728 वर्ग गण तथा जो कि डीफेंस कलौनी मारकीट में स्थित है।

> डी० पी० गोयल, सक्षम श्रीधकारी सहायक श्रायकर शायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रैंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 14-12-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर प्रिप्तिनयम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के भ्रघीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्नायकर म्नायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०-1/12-79/974--मत: मुझे डी० पी० गोयल मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पम्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिपका उचित मुल्य 25,000/-रुपये मे ग्रीर जिसकी संख्या एस० 495 है तथा जो ग्रेटर कैलाश भाग-1 नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ब्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख भ्रप्रैल 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दुश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत मे प्रधिक है ग्रीर मन्तरक (म्रन्तरकों) और मन्तरिती (म्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत्र, निम्नलिखित उद्दश्य से उक्त धन्तरण लि।खत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायि:व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा कै लिए; ग्रौर/या
- (ख) एसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धन, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मै, उनत अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के धधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:----

- (1) श्री मनमोहन बीज पुरुश्री ए० आर० विज निवासी बेलोर्ड बी० 8 बी० मजील 5. कूफे परेड बम्बई-5। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती रक्षा टन्डन पत्नी स्वर्गे० श्री हरिण चन्दर टन्डन निवासी राजीव फार्म बीजवासन, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसो धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है

अनुसची

एक बना हुन्ना मकान नं० S-495 जिसका क्षेत्रफल 282.5 वर्गगज है तथा जो कि ग्रेटर कैलान भाग-I में स्थित है।

> डी० पी० गोयस सक्षम प्रक्रिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 14-12-1979

मोह्नर:

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-I, दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-1/12-79/975---म्रात मुझे डी० पी० गोयल म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित 25,000/- रुपए से भ्रधिक हैं। बाजार मूल्य ग्रौर जिसकी संख्या एस०-528 है तथा जो ग्रेटर कलाग भाग-I नई दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारीके कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख अप्रेल, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर भ्रत्तरक (भ्रत्तरकों) भ्रौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच एस प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भिंध-नियम, के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

भत:, श्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मै, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपवारा (1) के प्रधीन निक्तिखित व्यक्तियों, प्रधीत्:---

- (1) श्रीमती दलजीत कौर पत्नी श्री एस० मोहन जीत सिंह निवासी प्लाट नं० एल० सागर ग्रर्पाटमैंट, 6 तिलक नगर मार्ग, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) मैंसर्स सैला कर्न्टकशन कम्पनी श्री दमीक वरबारी द्वारा बी०-149 ग्रेटर कैलाश भाग-1, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजात में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्वस्टीकरण: -- -इसमें प्रमुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकास नं० एस०-528 जो कि ग्रेटर कै**सास**्डी नई दिल्ली में स्थित है।

> डी० पी० गोयल सक्षम म्रधिकारी सहायक भायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रजेन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख: 14-12-1979

मोहर ३

प्रक्ष्य घाई • टी • एन • एस • ---

बायकर श्रीवित्यम, 1961 (1961 का 43) की बारा 296-व (1) के ब्रोडीन मुक्ता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-I दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांफ 14-12-1979

निर्देश सं० माई० ए० सी०/एवयू०-1/12-79/976~-म्रातः मुझे डी० पी० गोयल,

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-स के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जित्तका छवित बाजार मूख्य 25,000/- व॰ से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० सी०-52 है तथा जो कैलाग अपार्टमैन्ट लाला भाजपत राय मार्ग नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में पूर्ण रूप में से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय राजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख अप्रेल 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाल प्रतिकल के लिए घरतरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यनापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल का पश्चक्ष प्रतिकल का पश्चक्ष प्रतिकल का पश्चक्ष प्रतिकत से प्रक्रिक है और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धर्मरक के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलित उद्देश्य से उन्त समारण लिखित में वास्तिवक्ष कप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत 'उक्त धिक्षित्यम' के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिक में कभी करने या उससे बचने में मुनिधा के लिए; घौर/या
- (ब) ऐसी किसी अाय या किसी अन या प्रस्य प्रास्तियों को जिन्हों भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) पा अक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के बिए,

अतः अब, उम्त प्रविनियम की धारा 269-ग के बनुसरच में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्री गुलगन नन्दा पु० श्री स्व० दीवान सलग राम नन्दा निवासी न्विशिण महल 5-ए० पाली हिल बम्बई-50 ग्रर्टनी द्वारा श्री ग्रमर नाथ पु० श्री प्रभू लाल निवासी डब्ल्यू०-127 ग्रेटर कैलाण नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती उषा भल्ला पत्नी श्री कैदार नाथ भल्ला नियासी सी०-31 कैलाश ग्रपार्टमैन्ट लाला लाजपत राय मार्ग, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बग्ध में कोई भी पासीप'!-

- (क) इस मूचना के राजपक में प्रकाशन की वारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की वामील से 30 दिन की भवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीवर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (का) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी धण्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्तरी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे।

श्यवतीकरण: --इसर्मे प्रयुक्त शब्दों प्रौर पर्दो का, जो उक्त सिंधितियम के धड़वाय 20-म में परिभाषित है, वहीं धर्ष होगा, जो उस घड़माय में विया गया है।

मनुबू ची

्ल पलैंड नं 52 स्लाक सी विक्ती के कैलाश अपार्टमैंस्ट लाला लाजपत राय मार्ग, नई विस्ती में स्थित है।

> डी० पी० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 14-12-1979

प्रकृष आईं । टी । एन । एस । ----

भागकर विभिन्न 1961 (1961 का 43) की धारा 2894 (1) के प्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I,

नई दिल्ली-110002, दिनांक 14-12-1979

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०-I/12-79/9**77--**म्रतः मुझे की० पी० गोयल,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के बाधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जितका उचित बाधार मूक्य 25,000/- वपये से प्रधिक है

स्रोर जिसकी संख्या एस०-415 है तथा जो ग्रेटर कैलाश नई दिल्ली-48 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधि-नियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 13-4-1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिकल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किंग्त नहीं बिया बया है।——

- (क) सन्तरण से हुई किसी साय को बाबत, उनत सिंशियम के सभीन कर देने के सन्तरक के सायक में कभी करने या स्वस्ते बचने में सुविद्या के लिए; भीर/या
- (ब) ऐसी जिसी भाग या किसी जन या अन्य आस्तियों को, जिल्हें भारतीय आय-कर धिक्रिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत धिक्रिनियम, या धन-कर धिक्रियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने बेंस्विधा के लिए;

अतः अब, उनत अधिनियम की **धारा 269-ग के सनुसरण** मैं, में, उनत सिधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत् :—

- (1) श्री सुरिन्दर सिंह पु० श्री जगजोद सिंह ए० 50 श्रेंटर कैलाम 1 नई दिल्ली (अन्तरक)
- (2) श्री डा० कृष्ण लाल जिन्दल पु० श्री मुझी लाल जिन्दल, श्रीमती प्रोमिला जिन्दल पत्नी श्री कृष्णलाल जिन्दल निवासी 5-ए०/17 अंसारी रोड दरियागंज नई दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भ्रार्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेत के संबंध में कोई भी प्राक्षिय:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी सन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताझरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रपष्टीकरण 1--इसमें प्रयुक्त भव्दों भीर पर्दो का, जो उक्त शिधियम, के श्रद्ध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही धर्य होगा, जो उस धड्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक ढेंड मंजिला मकान नं 5-415 किसका क्षेत्रफल 173 वर्गगज तथा जोकि ग्रेटर कैलाश-1 में स्थित है।

> डी० पी० गोयल, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 14-12-1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -

म्रायकर ग्रिझिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रज-1,

नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०-I/12-79/978----श्रतः मुझे, डी० पी० गोयल

म्रायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

श्रोर जिसकी संख्या एम०-103 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमे उपायद्व श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है,) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रप्रैल 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई िकसी भाष की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के श्रिधीन कर देने के भन्तरक के दाथित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ग्र) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्क अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

म्रतः म्रब, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-ग के म्रम्सरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——
12—396GI/79

- (1) श्रीमती कमला देवी पत्नी भी स्वर्गीयश्री झाल कृष्णा निवासी डी०-177 कमला नगर दिल्ली-7। (श्रन्तरक)
- (2) श्री जगवीण चन्दर पु० श्री भुलकराज कैंसट आपा सोनोटन ट्रेडर दुकान नं० 100 लाजपत राय मार्किट दिल्ली-6। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लए कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी स्पक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रषं होगा जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट नं० एम०-103 जिसका क्षेत्रफल 300 वर्गगज हैं तथा जो कि ग्रेटर कैंजाश- \mathbf{L}^{I} नई दिल्ली मे स्थित है ।

डी० पी० गोयल सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 14-12-1979

प्रकप भाई • टी • एन • एस • ----

भागकर प्रविनिमम, 1961 (1961 का 43) की बार। 269 भ (1) के भन्नीम सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I

नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० म्राई० ए० $\frac{1}{2\pi}$ सी०/एक्यू०- $\frac{II}{12-79/979}$ - मतः मुझे, डी० पी० गोयल,

भागकर मिलियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त भिलियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के मिलियम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर मन्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रुपए से भिक्त है

भौर जिसकी संख्या ई०-350 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-4-1979

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिक्षत से ब्रिंग्स है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उन्त प्रश्वरण लिखित में वास्तविक क्य से कृथित नहीं किया गया है 1——

- (क) अस्तरा सं हुः किसो भाय की बाबत, उबत अधिनियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के प्राथित मं सभी करने या जमसे यचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों की; जिन्हें भारतीय भाय-कर भिष्टिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रक्षितियम, या धन-कर भांधिनयम, 1957 (1957 का 27) क प्रयाजनार्व भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गथा था या किया जाना चाहिए था, कियाने में मुविधा के लिए;

भतः अब, उक्ट यदिनियम की घारा 269-ग के अमुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थीत् :—

- (1) श्री धर्म सिंह पु०श्री एस० बहन सिंह ए०-2/140 सफटरजंग खबलपमेंट एनक्लैब नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) श्री प्रित सिंह पु० श्री हरजीन सिंह सी०-350 ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

की यह सूचना कारी करक हवाँका तम्पःन के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उका नम्यी के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप: ---

- (क) इस सूलना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोध से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में नमाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति डारा;
- (ह) इस मुचना के राज्यज्ञ में प्रकाशन कर तारीख से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्बत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी क पास निविध में किए जा सहित।

स्पव्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्तं प्रोर पत्तं का, जो उकत प्रश्चित्यम के अध्यात 20-क में परिभाषित हैं। बही पर्व होगा, जो उस प्रशाय में दिया गरा है।

धनुभूचा

ि एक ढाई मंजिला मकान नं० ई०-350 जिसका क्षेत्रफल 250 वर्गगज है तथा जो कि ग्रेटर कैलाश-II मे स्थित है।

डी० पी० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायक्त (निरीक्षण) घर्जन रेंज-I, दिल्ली, नर्ड दिल्ली-110002

तारीख: 14-12-1979

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

श्रायकर त्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज I

नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-I/12-79/980---श्रतः मुझे, डी० पी० गोयल,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं और जिसकी संख्या सी०-329 हैं तथा जो डीफ़ैंस कलोनी नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से बणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल हा पन्द्रह प्रतिग्रत ने चावित है ज्रोर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उन्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः, भ्रब, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रवीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यात्:—

- (1) श्री जोगिन्दर सिंह खुराना 7, कैनल रोड, जम्मू। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती डा॰ उजवाला शर्मा सी॰-329 डीफेंस कलौनी नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस भूजन के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील ं 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टींकरण: -- -इसमें प्रयुक्त सब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिध-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्व होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूर्ची

एक ढाई मंजिला मकान नं० सी०-329 जिसका क्षेत्र-फल 379.16 वर्गगज है तथा जो डीफैंस कलोनी में स्थित है।

> डी० पी० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रैज I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 14-12-1979

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

धायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज,

पूना-411004, दिनांक 6-12-1979

निर्देश सं० सी० ए० 5/एस० भ्रार० नासिक/जून 79/79 80/459—यत: मुझे, एस० के० त्यागी, भ्रायकर भ्रमिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त भ्रमिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख

इसके पश्चात 'जक्त प्रधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से भ्रधिक है

भौर जिसकी संख्या सर्वे क० 541ए०/1 541ए०/4; सी० ए० एस० क० 302/ए० भौर 302/4 है तथा जो नासिक में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे भौर पूर्ण रूपसे वर्णित है, रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय एस० श्रार० नासिक में, रजिस्ट्रीकरण भिर्धित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 25-6-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजर मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और यह कि अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित विदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित म वास्तकि रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

म्रत: मब, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त मधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अ मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात्:—

- (1) श्री मीनू बनाजी मिस्त्री जनरल पोस्ट ग्राफिस के नजदीक मिंबक रोड, नासिक। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री श्राकाशदीप को० श्रांप होंसिंग सोसायटी चीक प्रमोटर श्री राजेश जी० बाटविया नासिक रोड। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाज की तारीख से
 45 दिन की भ्रविध या तित्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो
 भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:—
- (ख) इस सूनना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीसर उक्त स्थावर सम्पति में
 हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्रन्सूची

प्रॉपर्टी:--सर्वे क० 541 ए०/1, 541 ए०/4, सी० टी० एस० क० 302/ए० और 302/4।

क्षेत्रफल--897. 25 वर्ग मीटर्स ।

जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख कः 1663 दिनांक 16-6-1979 को सब रजिस्ट्रार नासिक के दफ्तर में लिखा है।

> एस० के० त्यागी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 6-12-1979

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०----

श्राय हर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक च्रायकर च्रायुक्त (निरीक्षण)

स्रजंन रेंज, पूना

पुना-411004, दिनांक 6-12-1979

निदश सं० सीए. 5/एस० आर० नासिक/जून 79/79-80/460—यतः मुझे, एस० के० त्यागी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के अधीन सज़म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समाति, जिल्ला उचित बाजार मूल्य 25,000/ रूपय से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या सर्वे क० 541 ए०/1, 541 ए/4, प्लाट क० 2 सी० ए० एस० न० 302/ए०, 302/4 है तथा जो नासिक में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रुपसे विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० श्रार० नासिक में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-6-1979 को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथार्वोक्त सम्मति का उन्तित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐस दृश्यमान प्रतिफल का एन्दह प्रतिशत श्राधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐस अन्तरण के लिए तम पाम गमा प्रतिफल निम्नांचिखत उद्देश्य न उक्त अन्तरण कि लिए तम पाम गमा प्रतिफल निम्नांचिखत नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण सं हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राप्त हर श्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत श्रीधनियम, या धनकर श्रीध-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रम, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) श्री जमशेद बनाजी मिस्त्री जनरत पोस्ट ग्रांकित के नजदीक त्रिम्बक रोड नासिक ऋ० 1। (ग्रस्तरक)
- (2) श्री राधेश्याम को० भ्रांपरेटिव हीउसिंग सोमायटी लि० चेग्ररमेन श्री प्रफुल्ल के० शहा प्लाट क० 198/2, जिला परिमद के नजदीक नासिक। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के श्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त समात्ति के अर्जन के तस्वत्ध में कोई भी आक्षोर :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रश्न व्यक्ति द्वारा अबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: → इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापर्टी :—सर्वे क० 541ए/1, 541ए/4, प्लाट क० 2 सी० ये० एस० क० 302/ए०, 302/4 नासिक। क्षेत्रफल :—1159.35 वर्ग मीटर्स।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख ऋ० 1660, दिनांक 25-6-1979 को सब रजिस्ट्रार नासिक के दक्तर में लिखा है)।

> एस० के० त्यागी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 6-12-1979

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

म्रायकर मधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार कार्पाला, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

> स्रर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 6-12-79

निदेण सं० सी ए० 5/एस० श्रार० नीसिक/जून 79/461—यतः मुझे, एस० के० त्यागी श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्नत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से श्रिधक है

श्रौर जिसकी सर्वे सं० 541ए/1, 451ए/4, सी०यु०एस क० 302/ए 302/4 तथा जो नासिक में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ट्रेजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी कार्यालय एस० श्रार० नासिक में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 25-6-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तित्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति कर उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तिशों) और श्रन्तिरती (श्रन्तिरिवों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्श्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण मे हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्राधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या घन्य घास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या घन-कर घितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रिष्ठिनयम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिष्ठिनियम की धारा 265 थ की उपधारा (1) के श्रिष्ठीन, निम्निजिखत व्यक्तियों श्रिथात् :—

- (1) श्रीमती शिरीनबाई बनाजी मिस्मी जनरल पोस्ट श्राफिस के नजदीक मिबक रोड, नासिक (श्रन्तरक)
- (2) श्री मोहनलाल शिवदास पटेल 10, गिरीराज नासिक, रोड, नासिक (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त समात्ति के भ्रजन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अपिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नाभीत प 30 दिन की अपिध; जो भी अपिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से कियी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इत सूना। के राज्यत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रश्रीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्दोकरमः - - २३ तमें प्रशुक्त शब्दों ग्रीर पदों का जो उक्त श्रधि-नियम के श्रव्याय 20 व में परिभाषित हैं वहीं श्रवं होगा जो उम श्रद्ध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापर्टी : सर्वे क॰ 541 ए॰/1, 541 ए॰/4, सीटीएस क॰-302 ए॰ 302/4 नासिक क्षेत्रफल :—1490 वर्ग मीटर्स

(जैंस कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क० 1662, दिनांक 25-6-79 को सब रजिस्ट्रार नासिक के दफ्तर में लिखा है)।

> एस० के० त्यागी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 6-12-1979

प्ररूप साई० टी० एत० एस०---

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रोज, पूना दिनांक 6-12-1979

निदेश सं० सी० ए० 5/एस०ग्रार० नासिक/जून 79/462--यतः मुझे, एस० के० त्यागी. भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्वात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/-रुपये ₹, मृत्य ग्रीर जिसकी सर्वे सं० 541 ए०/1, 541 ए०/4 प्लाट ऋ० 3 सी० टी० एम० ऋ० 302 ए०/302/4 है तथा जो नासिक में स्थित है (श्रांर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय एस० ग्रार० नासिक में, रिजस्दीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 25-6-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सें, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/पा
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:— (1) श्रो मानेक बताजी मिस्त्नी जनरल पोस्ट आफिस के नजदीक, भिवक रोड, नासिक-1

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्रानन्दसागर कोग्रापरेटिव हार्जीसंग सोसायटी लि० चेयरमैन भीकमदास बल्लभदास ववाकरिया प्लाट क० 198/3, जिला परिषद् के नजदीक में नासिक-1

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दित को अवधि य. , त्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील मे 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त उक्त श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापर्टी सर्वे ऋ० 541 ए०/1, 541 ए०/4, प्लाट ऋ० 3 सी० टी० एम० ऋ० 302 ए०/302/4 नासिक

क्षेत्रफल: 848.75 वर्ग मीटर्स

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेख ऋ० 1661, दिनांक 25-6-79 को सब रिजस्ट्रार नासिक के दफ्तर में लिखा है)।

> एस० के० त्यागी सक्षम प्राधिकारी (सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 6-12-79

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक 10-12-1979

निर्देश सं० सी० ए० 5/एम० श्रार० ठाना/जुलाई,79/463— यत: मुझे, एस० के० त्यागी,

द्यायकर स्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात 'उकत स्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के स्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाय करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000- रुपये से स्रिधिक है स्रीर जिसकी सं० सर्वे क० 64, हिस्सा क० 811 पार्ट जो चेदनी, ठाना में स्थित है (और इससे उपावड स्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्रा स्रिधिकारी के कार्यालय सब रिज़स्ट्रार ठाना में, रिजस्ट्रीकरण द्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रिधीन, तारीख 31-7-79

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उम्से बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

म्रतः, भ्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उक्त म्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत:----

- (1) श्री सुभाष ग्रार० पंडित, 'स्मृति विनायक', विवेकानन्द रोंड, ठाना (ग्रन्तरक)
- (2) अमीत को० आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० णिवाजीनगर रोड, टाने-400602 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजन्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस मुजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उका स्थावर सम्मत्ति से हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दोकरण:----इसमें प्रयुक्त मन्दों ग्रीर पदों ा, जी उक्त ग्राधि-नियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रायं होगा, जो उस ग्रद्याय में दिशा गया है।

श्रनुसूची

प्रापर्टी: सर्वे ऋ० 64. हिस्सा ऋ० 8 & 11 (पार्ट) चेंदनी, ठाना

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क० 384 दिनांक 31-7-79 को सब रजिस्ट्रार ठाना के दफ्तर में लिखा है)

> एस० के० त्यागी सक्षम प्राधिकारी (सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पुना

तारीख: 10-12-1979

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०-----

न्नायकर ग्रधिनियम. 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ,

लखनक तारीख 20-8-1979

निदेश सं० 2-ई०/79-80--- ग्रतः मुझे, श्रमर सिंह श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, बह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बक्ति, जिसका डिचित म्ल्य 25,000/-रुपवे हो अभिक श्रौर जिसकी सं० भूमि प्लाट है तथा जो भैसिया मुरादाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, मुरादाबाद में, रजिस्द्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के **प्रधी**न, तारीख 12-4-1979 को पूर्वीका सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के बुष्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का जारण है कि यथापूर्वीका सभात्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत से प्रधिक है ग्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित

(क) श्रन्तरण में हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रतरक के दायित्व में तथी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; श्रौर/या

नहीं किया गया है:--

(ख) ऐसी किसी आय था किसी धन था अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

श्रतः, श्रव, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्निनिश्वित व्यक्तियों, श्रर्यातः—-13--396GI/79 (1) श्री जाफर खां

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पहसान ल हक, इनामुल हक इकरामुलहक (श्रन्नरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (यः) इस सूचना के राजपल म प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तस्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील में 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों भें से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रनाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समात्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारत, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण:---डममें प्रयुक्त गब्दों भ्रौर पदों का, जो उक्त श्रध-नियम के अध्याय 20-क म परिभाषित है, वही भ्रथें होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

जमीन स्राराजी मजकूरा रकबई 3.91 एकड़ वाके मौजा भेंसिया मुरादाबाद व सम्पत्ती का वह सब विवरण जो सेल डीड व फार्म 37 जी० संख्या 707/79 में वर्णित है है जो कि सब र्जिस्ट्रार मुरादाबाद के कार्यालय में दिनांक 12-4-79 कों पंजीकृत हो चुक हैं।

> ग्रमर सिंह बिसेन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुयत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 20-8-1979

प्ररूप स्नाई० टी० एन० एस०

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्नायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज 57 रामतीर्थ मार्ग, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 18-9-1979

निदेश नं श्रार 136/श्रर्जन 79-80—श्रतः मुझे, श्रमर सिंह बिसेन श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर भूमि प्लाट सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से श्रधिक है

श्रौर जिसकी संख्या 874 है तथा जो ग्राम महिबुल्लापुर लख-नऊ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित का), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 1908 का (16) श्रिधीन, दिनांक 23-4-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीनप्कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए और/या
- (ध) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहों किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः श्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसर्ण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखत व्यक्तियों, श्रर्थात् :—- (1) श्रीमती मोह० इद्रीस

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती रेन लेट
- (भ्रन्तरिती)
- (3) मो० इद्रीस (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्री मो० इद्रीस (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधीव हस्ताक्षरी जानना है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं। उक्त पम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी क्षिप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील ने 30 दिन की श्रवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (ख) इस सूचना के राजपत्न प्रकाणन की तारीखा से
 45 दिन के भीतर उक्त स्पावर-पम्पत्ति में हिनबद्ध

 किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रद्धोदस्भवरी के पात्र
 तिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इपमें प्रमुक्त शब्दों ग्रीर पदों, को आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 33) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमिधारी प्लाट संख्या 874 श्राराजी 20623.93 वर्गफीट स्थित ग्राम महिबुल्लापुर लखनऊ सीतापुर रोड लखनऊ सम्पत्ति का वह सब विवरण जो सेल डीड व फार्म 37-जी० संख्या 1941/79 में वर्णित है जो कि रजिस्ट्राण्लखनऊ के कार्यातय में दितांक 23-4-1979 की पंजीकृत हो चुके है।

ग्रमर सिंह बिसेन मक्षम अधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेज, लखनऊ

तरीख: 18-9-1979

प्रस्य आई० टी० एन० एस०

श्रायकर ऋधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ऋधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रवेत रंज, तस्त्राङ लखनऊ, दिनांक 13-12-79

निदेण मं० ए० 79/ग्रजंन—श्रतः मुझे, श्रमर सिंह बिसेन श्रायकर श्रधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 एपए से श्रधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या नं बीं | 130 | 100 है तथा जो फैजाबाद राड तथाबंज बाराबंकी में स्थित है (ग्रीर डममें उपाबद्ध ग्रमुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय नवाबगंज बाराबंकी में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, नारीख 20-4-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तिरत की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उवित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत संग्रधिक है ग्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तिरकों) ग्रीर ग्रन्तिरती (ग्रन्तिरितयों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया ग्राताफल निम्निविद्या उद्देश्य से उपन ग्रनरण विद्या में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण गे हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ध्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में मुविधा के लिए ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए।

म्रत: म्रब, उक्त म्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुमरण में, में, उक्त म्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के म्रधीन निम्नलिखिल व्यक्तियों, ग्रयांत्:---

- (1) श्री चन्द्रप्रकाश टण्डन (ग्रन्तरक)
- (ग्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

(2) श्री ग्रहण कूमार व श्रीमती रामारानी

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (अ) इस सूचता के राजगत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्मान्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान्न निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिधि-नियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही श्रथ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुमूची

दो किना दूकानात व गैलरी मय सहन व भ्राहाता नम्बर खनरा 319 मि० नम्बर प्लेट बी०/130/100 मि० स्थित प्रसारलबे सड़क फैजाबाद रोड परगना व तहसील नवाबगंज जिना बाराबंकी व सम्पत्ति का वह सब विवरण जो मेलडीड व फार्म 37 जी संख्या 580 में विणित है जो कि सब रिजेस्ट्रार नवाबगंज बाराबकी के कार्यालय में दिनांक 20-4-79 को पंजीकृत हो चुके हैं।

ग्रमर सिह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुथत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ल**ख**नऊ

नारीखा: 13-12-79

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायवः म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) लखनऊ, भ्रजन रेंज, लखनऊ

तारीख 15-12-79

निदेण सं० एन०-31/अर्जन--- अतः मुझे अमर सिंह बिसन, भायकर ब्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उंक्त स्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/-- रुपये स म्ल्य ग्रौर जिसकी सं० सनीमा हाल मय इमारत व जमीन है तथा जो ग्राम कस्बा जलालपुर तह० ध्रकबर पुर फैजाबाद मे स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता, श्राधकारी के कार्यालय कलकत्ता में ाजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तरीख *7-4-79/17-7-79* को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह **विश्वास** करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त प्रधि-नियम, के श्रश्वीन कर देने के प्रन्तर के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय पा किमी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुक्थि के लिए;

श्रतः, ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण भें, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रवीन निम्तिलिखत व्यक्तियों, ग्रथीत:—— (1) श्री मैंकूलाल जायसवाल, राकेश कुमार, राजेश कुमार, रविन्द्र कुमार, चौथीराम

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री नरेन्द्र कुमार जैन, छोटेलाल जैन, श्रीमती पतमादेवी जैन (ग्रन्तरिती)
- (3) उपरोक्त विकेता

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनन सभात्ति के प्रजीत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवांध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसीव्यक्तिद्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्रव्ही हरण: ---इसमें प्रयुक्त जब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

हिंन्दुस्तान टाकी नाम का सनीमा हाल णाप रम्प रहने के कमरे व व्यापार के कमरे तथा श्रन्य सम्बद्ध इमारत व तमाम भूमि जिस पर सनीमाहाल व इमारत बनी है जमीन प्लाट श्राराजी नम्बरी 321 क्षेत्रफल 15 बिस्वा 10 धर स्थित ग्राम व कस्बा जलालपुर तहसील श्रक्तवरपुर जिला फैंजाबाद यू०पी० व सम्पत्ति का वह सब विवरण जो सेलडीड तथा फार्म 37 जी संख्या 1953 में वणित है जिनका पंजीकरण रिजस्ट्रार कलकत्ता के कार्यालय में दिनांक 7-4-79/17-7-79 का हो चुका है।

श्रमर सिंह बिसेन सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, लखनऊ।

तारीख: 15-12-79

प्ररूप थ्राई० टी० एन० एम०-----

श्रायकर श्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, तारीख 18-12-7**9**

निर्देश मं० के०-89/ग्रर्जन—-श्रत: मुझे, बिसन श्रायक्षर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके ' ७ चान ' उक्क अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2.69-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास अपने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजाप मृत्य 25,000/-रुपये 7 ग्री / जिसकी सं० मकान 991/1 है तथा जो शंकर दयाल रोड प्रतापगण में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिप्ट्री तर्ताग्रधिकारी के कार्यातय न्नतापगण में रजिस्ट्रीकरण ऋधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अप्रधीन, नारीख 19-4-79

को पूर्वीकत सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के बुष्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का जारण है कि यथापूर्वीकत समात्ति का उचित बाजार मूल्य सं कम के बुष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और प्रस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के जिए तम पाम गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्ना भ्रान्तरण जिखान में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण में हुई किसी ग्राय की बाबन उकत र्याध-नियम, के ग्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में भुविधा के लिए ; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या आय आस्तयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः, ग्रब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के भ्रतु-सरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के स्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, स्रर्थातः---

- (1)श्रीमती शकुन्तला मानिसह (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती कलावती देवी, रामचन्द्र, बद्रीप्रसाद द्वारिका प्रसाद। (ग्रन्तरिती)
- (3) विकेता उपरोक्त (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्तिक ग्रर्जनके लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्प्रत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारी आप से 45 दिन की अविधि पा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि के द में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से विसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इप सूत्रता के राजपत्त में प्रकाशन की तारी सासे 40 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मात्त में हितबद्ध किली अन्य वाक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हमप्टो ४२ण : --इसमें प्रयुक्त ब्रह्मों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-निम्मा ४ अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रथ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

मकान नं० 991/1 मोहल्ला स्कूल बार्ड मकर दयाल रोड मकन्दूरांज ग्राम बेल्हाबाट पोस्ट सदर महर प्रतापगण व सम्पत्ति का विवरण जो सेलक्षीड व फार्म 37 जी० संख्या 1133 में बर्णित है जिनका पंजीकरण सब रिजस्ट्रार प्रतापगण के कार्यालय में बही नम्बर एक जिल्ह नम्बर 1028 के पष्ठ 44/48 में नम्बर 1313 पर दिनांक 19-4-79 को किया गया है।

> श्चमर सिंह बिसन मक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज, लखनऊ

तारीख: 18-12-1979

मोहरः

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०....

म्रायकर ग्रंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रंथीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्नायकर म्रापृक्ष्म (निरीक्षण) म्रजेन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 21 अगस्त, 1979

निदेश **म**० एक्की० 23-1-2333(845)/12-2/79-80-**ग्र**तः मुझे एस० सी० पारीख श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रंधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जितका उचित बाजार मृत्य 25.000/-रुपए संश्रिधिक हैं। श्रीर जिसकी प्लाट नं० 68 वार्ड नं० 10 है तथा जो स्टेशन रोड, भुज में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबत्व ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ना ग्रधिकरीका कार्यालय, भुज में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 11-4-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृण्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (श्रन्तरिकों) श्रौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देण्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की वाबत, उक्प ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहों किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए।

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थातु:—

- (1) कणबी नारण ब्रालजी में मेसाणी (2) कणबों केसर वालजी जैसाणीं, (3) कणबी मापजी वालाजी जैसाणी, गांव बलदींया, भुज। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री सोनारा ईश्राहीम हाजी श्रामद, श्रपडासा तालुका, नलीया गांव (कच्छ) (ग्रन्तरिती)
- (3) किरायेदार के नाम: (1) महेश एण्ड कम्पनी प्री-प्रायटर श्री घनश्याम भाई (2) श्री हिंरजी कुवरजी (3) मेसर्स श्रीरीयन्ट कायर एण्ड जनरल इन्यु० का०(4) श्राचार्य लोजीकल डोगार्टमेन्ट, सुप्रीन्टेन्डन्ट्य (5) मे० अच्छ सीमेन्ट (प्रा) लीसी (6) डेब्युटी इंन्जिनियर, पब्लिक हुल्थ डियार्टमेन्ट।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त, सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

- (क) इस सूचता के राजपत्न में प्रकाणित की नारीख से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की नारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हिनबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरों के पात लिखित में किए जा सकों।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रदि-नियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

ग्रन मूची

इमारत जो 205.21 वर्गभीटर जमीन पर खड़ी है जिसका प्लाट नं० 68 वार्ड नं० 10 है जो स्टेशन रोड, भुज में स्थित है तथा रजिस्ट्रेशन नं० 561 ता० 11-4-1979 से र्राजस्ट्रीकृत बिक्री दस्तावेज में पूर्ण वर्णन दिया गया है।

> एम० सी० पारिख सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुवत (निरीक्षण), प्रर्जन रेज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 21-8-1979

प्ररूप या श्राई० टी० एन० एम०-----

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

अड्मशन्द, तारीख 7-9-1979

निरेश सं० श्रार० 721 एक्ट्री० 23-1430/19-1/79-80--प्रतः, मुझे, एप० सी० परिख, श्रायकर श्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धाला 269-ख के श्रधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह तिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनित बाजार मृज्य 25,000/- क्याए से श्रधिक है

स्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 275 है तथा जो बारडोली में स्थित है (प्रौर इन्ये उत्तबह अनुमूची में स्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिन्द्रीकर्ना प्रक्षिकारी के कार्यालय, बारडोली में रजिस्द्रीकरण स्रधियनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, नारीख 16-4-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृण्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरिका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ गाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हम से अथित नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरफ के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुक्तिया के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी धन या ब्रन्य अमस्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रवितित्रम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या श्रन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ब्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिमाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः श्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नसिखित व्यक्तियों, ग्रथीत् :---

- (1) श्री खुणालभाई नाथाभाई पटेल (2) लल्लुभाई चीनाभाई पटेल णिकर त० बालोद जि० मुक्त (ग्रन्तरक)
- (2) श्री बोरछनभाई दुरलभभाई पाटनर में० टिम्बर एजेंसी बालोद, ता० कामरेज जि० मुरत (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हु ।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेत :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अबिध जो भी अबिध बाद मं समाप्त होती हो, के मीनर पूर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दार।,
- (ख) इन सूचना के राजाव में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-पम्पत्ति में हितबड़ किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरण: --इनमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रथं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनु सृ**ची**

जमीन जो बारडोली में है श्रौर जिसकी संवनंव 275 है श्रौर माप में 0 एकड़ श्रौर 9 गुड़ा है। ये जमीन रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के दफ्तर बारडोली में ताव 16-4-79 के दिन रिजस्टर्ड की गई है।

> एस० सी० परिख, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायका (निरीक्षण) श्रजन रेंज-ग्र, ग्रहमदाबद

तारीख: 7-9-1979

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०----

श्रायकर ग्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-I, श्रहमदाबाद

श्रह्मदाबाद, दिनांक 6 श्रन्टूबर 1979

सं ० ए० सी ॰ म्यू ० - 2 3 - 1 - 2 2 8 4 (867) / 1 - 1 / 7 9 - 80 --न्नतः मुझे एस० सी० पारि**ख** श्रायकर श्रिशनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्वात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ऋधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति जिसका उचित **म**ल्य 25,000/-मपये म भौर जिसकी सं कायनल प्लाट तं ० 763-1-सी, सब प्लाट नं∘ा, टी∗पी०एस०ा ३, ''रोनक'' नामका भंगला है। तथा जो न्बू शारदा मंदीर रोड, संजीव पर्क, ग्रहमधाबाद में स्थित है (श्रोर इसके उपाबदा 🛴 अनुसूचि में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्पा श्रक्षिकारी के कार्वालय श्रहमदायाद में रजिस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रप्रैल, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, एसे वृष्यमान प्रतिफल से, एसे प्रवेचर प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है प्रौर अन्तरक (अन्तरकों) घौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कृप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्नतरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम, के अधीन कर देने के श्रवतरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिधिनियम, या धन कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने भें सुविधा के लिए;

श्रतः, ग्रब, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण म, में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्तलिखित व्यक्तियों, श्रथितः—

- श्री कल्याणभाई पुरशोत्तमदास फड़ीया "प्रशान्त" संजीवनी होस्पीटल रोड, ग्रहमदाबाद (ग्रन्तरक)
- 2. श्री मालव महेंब्रभाई फडीया "रोनक", संजीव पार्क न्यू शारदा मंदिर रोड, ब्रहमदाबाद (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त समाति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बादें समाप्त हीती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूबना के राजाब में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उत्त स्थावर सम्यक्ति में ब्रितबंद किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, श्रक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटी हरण: -- - इसमें प्रयुक्त जब्दों ग्रीरपदों का, जो उक्त ग्रीध-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया है।

ग्रनुसूची

"रोनक" नामकी बिल्डिंग जो फायनल प्लाट नं०, 763—1—सी, सब प्लाट नं०-1, टी० पी० एस०-3 में 1246—वर्ग गज क्षेत्रफल वाली जमीन पर खड़ा है जो बंजीव पार्क, न्यू शारदा ॄ्र्मिंदिर रोड ग्रहमदाबाद में स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ना ग्रिधिकारी श्रहमदाबाद द्वारा बिक्री दस्ता-बेज नं० 5751/77/25-4-1979 मे रजिस्टर्ड किया गया है याने उसमें प्रापर्टी का पूर्ण वर्णन दिया गया है ।

एस० सी० पारिख सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायरक श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II श्रहमदाबाद

दिमांक: 6-10-1979

प्रस्प बाई • टी • एन • एस • -

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 209-व (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यात्रय, सहायक <mark>प्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> प्रर्जन रेंज 1 घ्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 26 दिसम्बर 1979

सं० ए०सी०क्यू०-23-1-2626(873)/1--1/79--80--म्रतः मझे एस० सी० पारिख

बायक प्रवित्यम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्वात् प्रवत् विवित्यम कहा क्या है), की बारा 249-च के समीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाच करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाजार मूस्य 25,000/- द व से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० सर्वे नं० 2471 पैकी म्यूनि० सेन्सस नं० 1643 है । तथा जो करवापोल, मोतीलाल कोठकी पोल के ग्रंदर, दरीदापुर, ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबक ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण के रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण ग्रिक्षकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिक्षनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 10 19-4-1979 को

को पूर्वोक्त मन्यस्ति के उचित बाजार मुख्य में कम के बृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रकारित की गई है मोर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि सवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का क्लाइ प्रतिशत से धिक्षक है, अंर धन्तरक (धन्तरकों) भीर सन्तिरी (धन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पासा क्या प्रतिकल, तिन्नलिखित उद्देश्य से उबत अन्तरण सिखित में बाक्तविक कप से कथित नहीं किया गया है

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी भाग की बाक्त उक्त प्रश्नित्यम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी कपने मा उससे बचने में सुविधा के लिए। प्रीरंथा
- (थ) ऐसी किसी आय या किसी बन ना अभ्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 म्ब्र 11) या धन्त प्रसिनियम, ना धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया नवा बा या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा के सिस्;

कतः सवः चंत्रतं विश्विमम की द्यारा 209 न के अनुवर्ष में, में, उक्त अदिनियम की द्यारा 269 न की उपधारा (1) के प्रभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत् :---

- पुरषोत्तमदास चुनीलाल मोदी तथा अन्य ब्लाक नं० 14, भद्रेण्वर सोसायटी दिल्ली दरवाजा के बाहर, श्रहमदा-बाद। (अन्तरक)
- 2. श्री निरंजन श्रीकृष्ण पटेल तथा श्रन्य करवापोल, मोतीलाल सेठ की पोल के श्रंवर वरियापुर श्रहमदाबाद (श्रन्तरिती)

को **बहु बूचना जारी** करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के जिस् कार्ववाहियां संरक्षा हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रचीत के सम्बन्ध में कोई भी आबीप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्ति में हिंत-बद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो शायकर स्विधिनियम 1961(1961 का 43) के शब्दाण 20-क में परिभाषित है, वही श्र्व ोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन तथा मकान जिसका सर्वे नं० 2471—दिरयापुर वार्ष 2 का, म्यू० सेन्सस नं० 1643 ग्रहमदाबाद जो कज पोल, मोतीलाल मेठकी पोल के ग्रंदर दिरयापुर श्रहमदाबाद में स्थित है तथा बिकी दस्तावेज नं० 3788/19-4-1979 से रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी श्रहमदाबाद द्वारा रजिस्टर्ड किया है याने श्रीपर्टीका पूर्ण वर्णन उसमें दिया गया है।

> एस० सी० पारिख सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर कायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज श्रह ाबाद

विनांक: 26-10-1979

मोहरः

त्रकप माई • दी • एन • एस •----

आयकर ध्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269म (1) के घ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज- , श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 26 श्रक्टूबर 1979

सं० एसीक्यू--23-1--2626(874)/1--1/79-80--श्रतः मुझे, एस० सी० पारिख धायकर प्रक्षिमियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'जक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का छारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- ७० मे अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 2471 पैकी म्यूनि० नेन्सस नं० 1643 हैं । तथा जो कडवा पोल, मोतीलाल शेठनी पोल के श्रंदर, दियापुर, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधि- कारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-4-1979

1908 (1908 का 16) के अधान 19-4-1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृत्रयमान प्रतिफल के लिए भन्तिरत की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत मधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निभ्नलिखत छह्श्य से उच्त भन्तरण लिखित में बास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किया गान की बाबत जन्त अधि-नियम के अधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी कदने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौद/वा
- (ख) ऐसी किसी माम या किसी धन या अन्य आस्तियों को; जिन्हें भारतीय मायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व भन्तरिती द्वारा प्रकट हीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः सब, उक्त प्रधितियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिकात व्यक्तियों, अवीत्।—-

- पुरुषोत्तमदास चुनीलाल मोदी तथा अन्य, ब्लाक नं० 14, भद्रेण्वर सोसायटी, दिल्ली दरवाजा के बाहर ग्रहमदाबाद। (श्रन्तरक)
- श्रीकृष्णां ग्रम्बालाल पटेल तथा ग्रन्य कडवा पोल, मोतीलाल शेठकी पोल के अन्दर दिखापुर श्रहमदाबाद। (ग्रन्तरिती)

को यह गूचना जारी करके पूर्वीस्त प्रमत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस भूवता के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भविधि बाद में समाध्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अविकत द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में अकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रम्य क्यन्ति द्वारा, श्रद्योहस्ताक्षरी के पास निखित में किये जा मकेंगे।

स्पन्धीकरण: ---- इसमें प्रमुक्त शब्दों ब्योर पदों का, को उनस अधि-नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, बही धर्ण होगा जो उस बध्याय में दिया गटा है।

अनुसूची

जमीन तथा सकान जिसका सर्वे नं० 2471, दिखा-पुर-वार्ड-2 का, म्यूनि० सन्सस नं० 1643 ग्रह्मदाबाद है जो कडवापोल मोतीलाल शेठनी पोल के श्रन्दर, दिखापुर, ग्रह्मदाबाद में स्थित है तथा बिक्री दस्तावेज नं० 3787/ 19-4-1979 से रिजस्ट्रीकर्ता श्रिकारी, श्रह्मदाबाद द्वारा रिजस्टर्ड किया गया है यानि प्रापर्टी का पूर्ण वर्णन उसमें दिया गया है।

> एस० सी० पारिख सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, श्रह्मदाबाद ।

दिनांक: 26-10-1979

भारत सरकार

कार्माजन, सहायक भायकर भायुक्त (निरीजण)

ग्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 19 सितम्बर 1979

रफ नं० पी० आर०नं. 769एक्वी 23/7-3/79-80--श्रतः मुझे, एस० मी० पारिख,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- क्षण मे प्रधिक है

ष्रौर जिसकी मं० म० नं० 469 का हस्सा है तथा जो महादेव नगर बिल्लीमारा में स्थित है) थ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचि में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, गवदेवी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908) 1908 का 11) के अधीन 19-4-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित को गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजरर मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रइ प्रतिशत से अधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किमी भ्राय की बाबत, उक्त ग्रंथिनियम के भ्रंभीन कर देने के भ्रन्तरक के वाधिस्व में कमी करने या उसमे बचने में मूर्विधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या घन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त धिधनियम, या धन-कर धिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्षे धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, खिपाने में सुविधा के लिए;

भतः प्रव, उक्त प्रधिनिधन की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त अधिनिधम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- श्रीमित निरूबेन जसभाई पाटेल ग्रनील कुसार जसभाई पाटेल महादेवनगर, बिलीमोरा । (ग्रन्तरक'
- 2. बिलीमोरा इन्डस्ट्रियल को० आप० सरकस एल० सी० महादेवनगर, बालीमोरा । (श्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वांना सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इय सूचना के राजरज में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताभरी के पान विखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शक्यों श्रीर पदों का, जो उक्त धर्धिनियम, के झध्याय 20-क में परिमाधित हैं, वही भय होगा जो उस झध्याय में दिया गया है!

श्रनुसची

चमीन जिसका सं० नं० 469 है श्रर जो महादेवनगर बीलीमोरा में हैं। श्रौर आप 1306.61 वर्ग मिटर्स है में जमीन रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी गनदेव के द्वारा ता० 19-4-79 को रस्टिर्ड कि गई हैं।

> एस० सी० पारिख सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- श्रहमदाबाद

दिनांक 19-9-1979 मोहर: प्रश्य प्राई० ही० एन० एस०---

आयक्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269घ (1) के ब्रोधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

मर्जल रेंज-II, महमदाबाद

घहमदाबाद, दिनांक 24 सितम्बर 1979

रेक नं०पी० मार० नं० 773 एक्वी० 23-7-4/79-80--- ग्रतः मुझे एस० सी० पारीख म्रायकर अधिनियम, 1861 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीचत बाजार मूल्य 25,000/-व० से अधिक है भ्रोर जिसकी सं० स० नं० 1042 मीसोदरा गनेश, है। तथा जो नवसारी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ब्रांर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्तौ ब्रधिकारी के कार्यालय नवसारी, में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 20-4-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यभान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधि ह है और प्रस्तरक (आन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भारतरण लिखिन में बास्तविक रूपसे कवित नहीं किया गया g :--

- (क) भ्रत्तरण से हुई किमी पाय की काबत, उक्त भ्रष्टिनियम के भ्रशीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने अचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किमी घन या ग्रन्य प्रास्तियों को जिन्हें श्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत प्रधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रव्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए जा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

- श्री कानजीभाई ओधाभाई पाटेच सीसोदरा गनेस, नवसारी। (ग्रन्तरक)
 - 2. श्री असोक इसमुखलाल शाह तीन गंगला नवसारी (अन्तरिती)

को यह भूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप '---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छोकरण: --- दसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधितियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, बही श्रथं होगा, जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

जमीन जिसका स० नं० 1042 है श्रौर जो माप में 1 एकड़ 24 गुट्ठा है। श्रौर जो सीसोदरा, गनेश नवसारी में है। ये जमीन रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी नवसारी के द्वारा ता० 20-4-1979 को रजिस्टर्ड की गई है।

> एस० सी० पारीच सक्षम प्राधिकारी सहायक प्राधकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेज-II, प्रहमदाबाद

धिनांक 24-9-1979 मोहर: प्रकप भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांचय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-II भइमदाबाद

म्रह्मधाबाद, दिनाक 24 मितम्बर 1979

रेफ नं० पी० म्रार०नं० 774 एक्बी 23/7-4/79-80-मत: मुझे, एस० सी० पारीख,

श्चायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम', कहा गया है), की श्वारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं० नं० 1042 सीमोदरा गनेण हैं। तथा जो नवभारी में स्थित हैं (ग्रीर इपसे उपाबद्ध भनुसूची में ग्रीर रुप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नव-सारी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 20-4-1979

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य; उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्बह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिबित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण निवित्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधिनियम, के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविद्या के लिए;

मतः धव, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त मधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीत्:—

- श्री कानजीमाई ग्रोधवभाई पटेल सीसोदरा गनेश, नवसारी (ग्रन्तरक)
 - 2. श्री हममुखलाल रायचन्द णाह, तीन बंगला नवसारी (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचन के राजपल्ल में प्रकान की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :---
- (च) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पाक सिकात में किए जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्स भिक्षितियम', के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही भर्य होगा, जो उस भ्रश्नाव में विदा नवा है।

ग्रनुसूची

जमीन जिसका स० नं० 1042 है श्रीर जो म।प में 1 एकड़ 24 गुंट्टा है श्रीर जो सीसोदरा गनेण, नवसारी में है। ये जमीन रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी नवसारी के द्वारा ता० 20-4-79 को रजिस्टर्ड की गई हैं।

> एस० सी० पारीख सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-, श्रहमदाबाद

दिनांक 24-9-79 मोहर: प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०-

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-II, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाब।द, दिनांक 24 सितम्बर 1979

रेफ० नं० पी० श्रार० 775 एक्बी 23/7-4/79-80--श्रतः मुसे, एस० सी पारीआ,

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/— रुपये से श्रधिक है श्रीर जिसकी सं० स० नं० 1042 है। तथा जो सीसोदरा गणेश, नवसारी में स्थित है (श्रीर इससे उपःबद्ध अनुसूचि में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवसारी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 20-4-1979

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उम्से बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किमी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनु-सरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत:---

- श्री कानजीवाई ओधवनाई पाटेल सीसोदरा गनेज, नवसारी। (श्रन्तरक)
 - 2. श्री प्रदुत हुतसुखलाल णाह्, तीन बंगला नवसारी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों परसूचना की ग्रामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ता ील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीजर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति सं हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्रव्ही करण: -- क्समें प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पदों का. जो उक्त ग्रिश्न नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्य होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

जमीन जिसका स० नं० 1042 है और जो माप में 1 एकड़ श्रौर 24 गूंठा है श्रीर जो शीशोदरा गनेश, नवसारी में है ये जमीन रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, नवसारी द्वारा ता० 20-4 1979 को रजिस्टर्ड की गई है।

> एस० मी० पारीख सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायक्त (निरीक्षण), श्रृजंन रेंज-II श्रह्मदाबाद

दिनांक: 24-9-1979

मोहरः

प्रकृष म्राई० टी० एन० एम०—~

ग्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायदः ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

ब्रहमदाबाद, दिनक 24 मितम्बर 1979

एफ नं० पी० म्रार० नं० 776 एक्की 23/19-7/79-80--श्रनः मुझे, एस० एस० पारीख, श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उचित रुपये ग्रधिक बाजार मूल्य 25,000/-स ग्रौर जिसकी सं० नोध नं० 2777 ग्रौर 2778 है। तथा जो मैयध-पूरा वार्ड तं० 12, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय मुरत में रजिश्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) प्रधीन 9-4-1979

अधीन 9-4-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी स्राय की बाबत उक्त स्रधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के स्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः, म्रब, उक्त म्रिधिनियम की धारा 269-ग के म्रनु-सरण में, मैं, उक्त म्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के म्रवीन निम्नलिखित व्यक्तियों, म्रथीतः—

- श्रीमिति खुरसेदबान्तु श्ररदेसर बहरामका मदीन, परवेच श्ररदेवर बहेरामका मदीन, माहीम स्टेणन के सामने, वस्बई। (अन्तरक)
- 2. श्रीमित अभी परिन जालेजर क्सनमजी बाथेना, बांकी बोरडी, शाहपुर, सुरत (ग्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्मबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की नारीख से 45 दिन के भीतर जिक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्धारा, अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मष्टी रुरण: ---इसमें प्रयुक्त णब्दों ग्रौर पदों का, जो जक्त ग्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित ह, वही ग्रर्थहोगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुमूची

जमीन श्रीर माकन (लोहे का गैंड) जो सैयदपुरा धार्ड नं० 12 सुरत में हैं, श्रीर जो रजिस्ट्रीकर्ता श्रहमदाबाद सुरत के द्वारा ता० 9-4-1979को रजिस्टर्ड की गई है।

> एस० सी० पारीख सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-I_{I,} ग्रहमदाबाद

दिनांक: 24-9-1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- , अहमधाबाध

म्रहमदाबाद, दिनांक 24 सितम्बर 1979

एफ० नं० पी० ग्रार० नं० 777 एक्वी 23/19---7/79-80---ग्रतः मुझे, एस० ग्रार० पारिख,

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र॰ से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० नोध नं० 2391, सैयदपुरा वोई नं० 12 है तथा जो सूरत में स्थित है (स्रोर इससे उपाबस स्नृत्सूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता स्रिधकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण स्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रिधीन 9-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजर मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्सास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रक्षिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर प्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राप्त की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में भुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

क्रतः शब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269ष की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित न्यक्तियों, शर्थात:—

- 1. 1. खुरशेदबान् अरदेशर बहेराम कामदीन
 - 2. परवीज श्ररदेसर बहेराम कामदीन, महीम स्टेशन के सामने बम्बई। (श्रन्तरक)
- 2. श्री जालेसर कस्तमजी भाषेना वांकी बोरडी, शाहपुर, सूरत । (श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के ध्रार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उसत सम्पत्ति के प्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की प्रविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पर्वेशित्ण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'जक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही श्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन श्रीरमकान जो सँयदपुरा सूरत में है श्रीर जिसका नोंद नं० 2391, बार्ड नं० 12 है श्रीर जो जिस्ट्रीकर्ता श्रिकारी सूरत के कार्यालय में ता० 9-4-1979 की रजिस्टर्ड की गई है।

> एस० सी० पारीख मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-U, श्रहमदाबाद

दिनांक 24-9-1979 मोहर: प्रकप भाई+ टी+ एन+ एस+---

पायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ध (1) के ग्राधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यां जय, सक्षायक भायकर भागुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

म्रह्मदाबाद, दिनांक 24 सितम्बर 1979

मं० पी० आर्० नं० 782 ए० सी०क्यू०-23/19:-1/79-80--अतः मुझे एस० सी० पारीख, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000 - ६० से अधिक है

स्रोर जिसकी आर० सर्वे० नं० 275/1, पैकी है तथा जो स्टेशन रोड बारडोली में स्थित है (स्रोर इमसे उपाबस स्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रुप से बाँगत है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय बारडोली में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 6) के स्रधीन 11-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से मधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण कि सिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाग को बाबत, उक्त भ्रिष्टिनयम के भ्रधीन, कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे मचने में सुविधा के सिष; भौर√या
- (च) ऐसी किसी घाय या किसी धन या घन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय घाय-कर घिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्ठिनयम, या घन-कर घिष्ठिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

मतः भवं, उनत मिश्रिनियम की बारा 269-ग के मनुसरण में, में, उनत मिश्रिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिखत व्यक्तियों अर्थात्:——
15—396GI/79

- 1. (1) श्री खुशालभाई नाथाश ई पटेल
 - (2) श्रा लल्लुभाई जीताभाई पटेल-स्वयं नगीनभाई लल्लूभाई, गांव सीकर ता० बालाद जिला सूरत । (श्रन्तरक)
- 2. मेसर्स लीम्बर श्रजेन्सी के भागीदार श्री लल्लूभाई लाखाभाई मक्ता दासड, ता० कामरेज, जिला सुरत । (श्रन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के खर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा ध्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए खा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दो का, जो उक्त भिः नियम, के भध्याय 20-क में यथापरिमाणित है, वही भ्रषे होगा जो उस धम्याय में दिया गया है।

अनुसूखो

जमीन जिमका आर० सर्वे नं० 275/1, पैकी है जो स्टेशन रोड बारडोली में स्थित है तथा ता० 11-4-1979 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी द्वारा रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० सी० पारीख सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-11, ग्रहमदाबाद

दिनांक: 24-9-79

प्ररूप भाई • टी • एत • एत • -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व(1) के प्रधीन सूपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज- Π_{j} श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 30 श्रक्तूबर ,1979

एफ० नं० पी० श्रार० नं० 803 एक्वी० 23/7-4/79-80-श्रतः मुझे, एस० सी० पारीख आयकर अधिनियम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्नास् 'उक्त प्रधिनियम' कहा नथा है), की ग्रारा 269-ख के अशीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका खिलत बाजार मूल्य 25,000/- ६ से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० जमीन जो कबीलपीर में है तथा जो कबीलपीर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचि में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नवसारी, में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 18-4-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के अधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए यन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पनः ह प्रतिशत से प्रधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया ग ग प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण निम्बित में वाक्तविक रूप रे कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरंग से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरंक के वायित्व में कमी करते या उसमें बचने में मुख्या के शिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी थाय या किसी अत या श्रम्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 13) या उक्त ग्रिश्चिम, या धन-कर अग्रिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तारेती हारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जातिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों भ्रषीत्:---

- 1. 1. गंगाबेन कालीदास
 - 2. खुशालभाई कालीदास
 - 3. मोहनलाल कालीदास
 - 4 रसिकलाल कालीदास
 - चिमनलाल रसिकलाल पारसीवाड, मरींअमपुरा, नव-सारी। (श्रन्तरक)
- 2. 1. श्री मनीभाई रामभाई पाटेल लुन्सीकुई, नवसारी
 - 2. वनुभाई मगनलाल पाटेल, ग्राशाबाग, नवसारी,
 - 3. डाह्याभाई नरसिंहभाई पाटेल, मोतो चोवसी, नवसारी,
 - 4. मगनभाई मधुभाई पाटेल, लखनपोर ता० पाल-सावा । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बन्ति के अर्जन के लिए कार्यवादियां करना है।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविधि या तत्सवंधी क्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी भविध बार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी मृन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्तें।

हपक्टोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रवयाय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, यही मर्थ होना, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूचो

जमीन जो मापने 22859 वर्ग फुट में है और जो कबीलपोर, नवसारी में है और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवसारी द्वारा ता० 18-4-1979को रजिस्टर्ड किए गए है।

> एस० सी ० पारीख सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

दिनांक: 30-10-1979

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज श्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद विनांक 30 श्रक्तूबर 1979

एफ । नं पी । स्नार । नं । 804 ऐस्वी | 23/19-7/79-80-- ग्रतः मुझे एस० सी० पारिख, म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/- रुपए से भ्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० स० नं० 25(1) है। तथा जो गांव उमरवाडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मूरत में रजिस्ट्रीकरण म्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन 7-4-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रिधिक है स्रौर यह कि प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भ्रौर श्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तथ पाया गया प्रतिकत निम्तलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में मुविधा के लिए;

श्रतः श्रब, उन्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के सनु-सरण में, मैं उन्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:--

- 1. (1) श्री मनमुखराम अहमाराम जरीवाला
 - श्री बालुनाई श्रात्माराम बेगमपुरा हाथीं फलीग्रा सूरत। (श्रन्तरक)
- (2) 1. ग्रनिल कुमार राधेश्याम
 - दीनेशकुमार राधे स्थाम
 - राजकुमार राधेश्याम बोम्बे मारिकट श्रदातीय श्रावास सूरत। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविधि, जो भी श्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दित के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, श्रयोद्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

जमीन जिसका स० नं० 25(1) है और जो गांव उमरवाडा में (प्लाट नं० 13) है और रिजस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी सूरत द्वारा ता० 7-4-1979 को रिजस्टर्ड की गई है।

> एस० सो० पारीख सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रिजैन रेंज ग्रहमदाबाद

दिनांक: 30-10-1979

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०⊸-

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद दिनांक 30 श्रन्तूबर 1979

एफ नं० पी० श्रार० नं० 805 ऐक्वी० 23/19-7/79-80—श्रतः मुझे एस० सी० परीख, श्रायकर श्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रिक है श्रोर

जिसकी सं० नं० 25(1) है। तथा जो गांव उमरवाडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-4-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुस्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्राध-नियम के श्रधीन करदेने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः म्रबं, उक्त मिधिनियम, की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त मिधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के मिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों भ्रयीत्:

- (1) 1. श्री मनसुखरान आत्माराम जरीवाला (भ्रन्तरक)
 - श्री बालुभाई श्रात्माराम वेगमपुरा हाथी फलीश्रा, सूरत (श्रन्तरक)
- (2) 1. श्री प्रनिल कुमार राधेश्याम (ग्रन्तरिती)
 - 2. श्री दिनेशकुमार राधेश्वाम
 - श्री राजकुमार राधेक्याम बोम्बे मार्केट श्राडटीका श्रावास सूरत (ग्रन्तरिती)

को यह सूचा जारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में के हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टी करण: - - इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो श्रायकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका सं० नं० 25(1) श्रौर प्लाट नं० 14 है श्रौर की गांव उमरवाडा में है। ये जमीन राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत द्वारा ता० 7-4-1979 को राजिस्टर्झ की गई है।

एस० सी० परीख, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज II, श्रहमदाबाद।

दिनांक: 30-10-1979

प्रकृष भाई• टी• एत• एस•----

आयकर प्रक्षितियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज महमदाबाद

श्रहमदाबाद दिनांक 30 श्रक्तूबर 1979

एफ०नं० पी० श्रार० 806 एक्बी० 23/19-7/79-80---श्रतः मुझे एस० सी० परीख,

भाय कर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/~ रु• से मधिक है

स्रौर जिसकी सिटी स० नं० बार्ड नं० 13 नोंध नं० 263 पेकी हैं। तथा जो प्लाट नं० 6, घोड डोड रोड स्रत में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वॉणित हैं), रजिन्द्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, स्रत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 6-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया:—

- (क) अन्तरण सें हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए भीर/या
- (व) ऐसी निसी आर या किसो अन या भ्रन्त भाश्तियों को, जिन्हें भायकर मिश्वितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिश्वितियम, या धन-कर मिश्वित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः मब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, एन्त घिष्टिम की धारा 269-च की उपधारा (1) के सधीन, निक्नसिखित व्यक्तियों, सर्वात:---

- श्री चन्द्रवदन रंगीलदास रसकपुरवाला रसकपुर कोटेज, सरोजनी रोड बिले-पारले (बेस्ट), बम्बई। (श्रन्तरक)
- 2. श्री रमनभाई करसन भाई पटेल बी-86, क्षिकमनगर सोसा-यटी लम्बे हनुमान रोड, सूरत । (श्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वो का सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मुख्य करता हूं।

उक्त सम्पति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारी वा के 45 दिन की घविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविध, वो जी घविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब क्ष किसी धन्य व्यक्ति द्वारा धधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का, को उक्त प्रधिनियम के शब्दाय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा को उस प्रध्याय में विदा गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका सिटी सं० और बोर्ड नं० 13 और नोंध नं० 263 कि पेकी प्लाट नं० 6 है और ये जमीन घोड डोड रोड सूरत में हैं और रजिस्ट्रीकर्ता घिंधकारी सूरत द्वारा ता० 6-4-79 को रजिस्टर्ड की गई है।

> एस०सी०पारिख, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज श्रहमदाबाद

दिनांक: 30-10-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भायकर ऋधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रोंज-II श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद दिनांक 30 श्रक्तूबर 1979

एफ. नं० पी० म्रार० नं० 807 एक्वी० 23/19-7/79-80—मतः मुझे एस० सी० पारीख,

म्नायकर म्रिमिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त म्निधिनयम' कहा गया है), की धारा 269 ख के म्निधीन सक्षम प्राधीकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से म्निधिक है

श्रीर जिसकी सं० सीटी सर्वे श्रीर वार्ड नं० 13 नोंध नं० 263 श्रीर प्लाट नं० 3 है, जो घोड डोड रोड, अथवा लाइन सूरत में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 6-4-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार नृष्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृष्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह श्रतिशत श्रधिक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उनत श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर /या
- (ख) ऐसी किनी प्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को. जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना च हिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त मधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थात् :-- श्री चन्द्रवदन रंगीलवास रसकपुरवाला रसकपुर कोटेज, सरोजनी रोड, विले-पारले (वेस्ट) बम्बई (ग्रन्तरक)
 श्री कान्तीलाल लालभाई पटेल 50, हन्स सोसायटी, वरच्छा रोड, सूरत। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उरत सम्बत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचता के राजगत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त हो ती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

र-प्टोकरण:--इसमें प्रगुवत सब्तों ग्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के ग्रह्माय 20-क में परिभाषित है, बही ग्रयें होगा जो उस ग्रह्माय में दिया गया है।

प्रनुसूची

जमीन जिसका सिटी सर्वे बार्ड नं० 13 श्रौर नोंघ नं० 263 पेकी प्लोट नं० 3 है श्रौर जो माप में 339-85 स्क्वेयर मीटर है। ये जमीन रजिस्ट्री कर्ता श्रधिकारी सूरत द्वारा ता० 6-4-1979 को रजिस्टर्ड की गई है।

> एस० सी० पारीख, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-11, श्रहमदाबाद

दिनांक: 30-10-79

प्ररूप ब्राई० टी० एन० एस०--

म्रायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज , भ्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 29 श्रक्तूबर 1979

सं०एफ०नं० पो० भ्रार०नं० 809 ए० सी० क्यू० 23/6-1/ ए० सी० 79-80 श्रतः मुझे एस० सो० परीख,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 114 ग्रीर प्लाट नं० 52, है तथा जो जेटलपुर बड़ौदा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है रिजस्ट्राकर्ता ग्रिधिकरी के कार्यालय, बड़ौदा में रिजस्ट्रीकृत ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 11-4-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबन, उक्त ग्रिध-नियम के ग्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किमी यत या प्रत्य म्नास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर म्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर म्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

न्नत: ग्रब, उक्त श्रिधिनियम की घारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रिधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के श्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:— (1) श्रोमतो गुलाव बेन रतीलाल शेठ मेहता पोल नवलखनों खांचो बडौदा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमतो निर्मला बेन कृष्णचन्द शेठ गोयागेट सोसाइटी, प्रतापनगर बढ़ीदा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूबना के राजनत्र में प्रकाशित की तारीख से
 45 दिन की प्रतिध या तत्सम्बन्धो व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की प्रतिध, जो भी
 श्रत्रधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो माप में 7465 स्क्वेयर फीट है भीर जेटलपुर के निकट है, जिसका सर्वें जं 114 श्रीर प्लाट नं 52 है। यो जमीन पूरो तरह शेलडीड नं 1957 में बताई गई हैं भीर रिजस्ट्री संख्या श्रध्यक्ष बड़ौदा के द्वारा 11-4-79 को रिजस्टर्ड को गई है।

> एम० सी० पारीख, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II, ग्रहमदाबाद।

तारीख: 29-10-79

प्ररूप धाई • टी • एन • एस •---

क्षायकर धिवनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के धिवन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरोक्षण)

भ्रर्जन रेंज-I, म्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 5 नवम्बर 1979 ग्रतः मुझे सं० एसीक्यु० 23-I 2368 $\left(879\right)/16$ -6 $\left|79$ -80— एस०सी० पारीख,

धायकर घिषित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त घिषित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के घिषा प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु॰ से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 435/1, 435/4, क्याट नं० 12 है तथा जो श्रमीन मार्ग, राजकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय राजकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1909 का 16) के श्रधीन 27-4-1979 को

पूर्वोका सम्पत्ति के उर्वित बाबार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारल है कि यथापूर्वोक्त मम्पत्ति का उर्वित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रस्तक प्रतिक्रत प्रविक्त है घौर प्रस्तरक (प्रस्तरकों) बौर प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे ध्रस्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक इप से किखत नी किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किमी घाय की बाबत उक्त प्रविनियम के प्रकीन कर देने के धन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के शिए; और/या
- (वा) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त भिभिनियम, या धन कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था पा किया जाना चाहिए था, डिग्पाने में धुविधा के जिए;

अतः ग्रव, उन्त अधिनियम की धारा 269-म के ग्रनुसरक में, मैं उन्त ग्रधिनियम की शास 269-च की उपवारा (1) के अधीन, विम्निवित व्यक्तियों, अर्चात् :--

- (1) (1) श्री रोगचन्द्र सौभाष्यचन्द दोसी,
- (2) श्रीमती सुगाला रमेणचन्द्र दोशी, कालावडरोड, चन्द्रशीला, राजकोट।

(ग्रन्तरक)

- (2) (1) श्रं कुमारो शोभनावेन सूर्यकान्त कोठारो,
- (2) नावालक मयुर सूर्यकान्त कोठारोः, इसके बालो छोटालाल करसनजो कोठारोः एस० नं० 435/12, ग्रमोत मार्ग, राजकोट।

(म्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के **बर्ध**न के लिए कार्येवाहियों करना हूं।

उन्त सम्पति के प्रजैन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सं वैधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबब किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्हीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिवित्यम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं भयं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान, जो 990-2-0 वर्ग गज क्षेत्रफल वालो जमोन पर खड़ा है जिसका सर्वे नं० 435/1 तथा 4 पैको प्लाट नं० 12 है जो अमोन मार्ग राजकोट में स्थित है तथा रिजस्ट्रेशन नं० 2288 तारोख 27-4-1979 से रिजस्टर्ड विको समावेश में जैसे पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एस० सी० पारीख, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेंज I, श्रहमदाबाद

तारोख: 5-11-1979

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

श्राय हर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, राहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद श्रह्मदाबाद, दिनांक 5 नवम्बर 1979

पं॰ एमोन्यु॰ 23-1-2352 (880)/10-1/79-80----ग्रनः मुझे एम० सो॰ पारीख,

स्रायकर सिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्वान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख रे पत्रीत नक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क्षण ने स्थाक है

ग्रीर जिसकी मं० मर्बे नं०1-जो-4, ण्लाट नं० 5 है, तथा जो दत्तात्रय मन्दिर के पाम, स्वस्तांक सोसाईटी के पोछे, जामनगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्राकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जामनगर में रजिस्ट्रा-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधोन

2-4-1979 को
पूर्वोश्त समानि के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान
प्रतिफन से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्येग से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के सधीन कर देने के स्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; स्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के श्रधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों—अर्थात् :— 16—396GI/79 (1) श्रां हाराचन्द गोकलदास पुजारी, गुरु दत्तात्रय मन्दिर के पास, जामनगर।

(ग्रन्तरक)

- (2) (1) श्री सुभाषचन्द्र लालजीभाई णाह
- (2) श्री ईश्वरलाल लालजीभाई शाह दलालय मन्दिर के पास, जामपुरी एस्टेट जामनगर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया नत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजान में प्रशासन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
 िकसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
 में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त भव्दों और पदों का जो उकत श्रधि-नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं वहीं श्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची 🕆

दो मंजिल का मकान—जो 6121 वर्ग फोट जमीन पर खड़ा है जिसका सर्वे नं० 1-जो-4 है जो स्वस्तीपुर सोसायटी क्षेत्रफल के पोछे, दत्तात्रय मन्दिर के पाम, जामनगर में स्थित है तथा जमा रजिस्ट्रेंगन नं० 685 तारोख 2-4-1979 रजिस्टर्ड बिक्री दस्तावेज में पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एस० सो० पारीख, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-^I, श्रहमदाबाद

दिनांक: 15 नवम्बर 1979

प्रकार पाई॰ टी॰ एन॰ एन॰----

भागकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मन्नीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक पायकर प्राय्क्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद श्रह्मदाबाद, दिनांक 5 नवम्बर 1979

सं० एमें वियु० 23-1-2312 (883)/18-5/79-80— भातः मुझे एम० सी० पारीखा

आयकर भिधिनियम, 1931 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस ह पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम शिक्षिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्मावर सम्पति शिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/-एक से अधिक है

श्रीर जिसको सं० सोटो सर्वे नं० 4505 है, तथा जो दुधेराज रोड़, सुरेन्द्रनगर में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसुचो में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्राकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय बधावन सिटा में रिजस्ट्रावरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 2-4-1979

को पूर्वोस्त सम्पति के इवित बाबार मून्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफन के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है वि धवापूर्वोच्च सम्पत्ति का उचित बाखार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिकत्त से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्त्रह प्रतिशत से धिक है और धन्तरक (धन्तरकों) घोर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निश्निसिखत उद्देश्य से उन्त धन्तरण कि बिख में बास्तविक कप से अधित नहीं किया गया है ।——

- (क) मन्तरण से हुई किसी झाय की बाबत, अन्त किथ-नियम के झंधीन कर देने के घम्सरक के वासित्य में कभी करने या अससे वचने एं मुविद्या के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अस्य आस्नियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रयाद नहीं किया नया था या किया अस्त चाहिए था, छिपाने से सुविद्या के सिए;

बतः अन उन्त प्रशिवित्यमं की वारा 239ना के प्रनुसरण वें. में, उन्त प्रवित्यमं की छारा 289न्त्र की उपधारा (1) के अज्ञीन, निम्नलिखित स्थितियों, धर्मातः

- (1) (1) ग्रार० कुंबरज तुलसःदास तथा
- (2) चुडणर एमाकनाल मणिलाल, बाजार झागाझा। (ऋनर्क)
- (2) मैंसर्स सायन्टोफिक मैंकेनिक वर्कस, दुधराज रोड, सुरेन्द्रनगर।

(भ्रन्तरितः)

का यह सुवता जारो कर के पूर्वोक्त सम्यति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

हरत सम्बंति ६ पर्जन ६ संबंध में कीई मी प्राक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजयन में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन को धविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जा भी धविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसा व्यक्ति द्वारा;
- (बा) अस म्बना क राज्यत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा, प्रशोहस्ताकारी के पान लिखात में किए जा सकते :

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पढ़ी का, जा उनत ग्रिधानयम के अध्याय 20-क में परिभाषिः हैं, बही प्रथे होगा जा इस अध्याय में किया गया है।

अनुसूची

8033 वर्ग गण जमीन कुछ संस्था में स्ट्रकचरों के साथ जुड़ों हुई जिसका सिटो सर्वे 4505 है जो दुधराज रोड़, सुरेन्द्र-नगर में स्थित है तथा रजिस्ट्रेणन नं० 709 तारीख 2-4-1979 में रजिस्टर्ड बिकों दस्तावेज में जैसा पूर्ण वर्णन दिया गया है।

> एस० सं ० पारीख, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-ा, ग्रहमदाबाद

नारीख: 5 नवम्बर 1979

मोहरः

प्रकप माई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्कालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-I, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 13 नवम्बर, 1979 देंग नं रामाक्य०-23-1-2396 (१९९)/1-

निर्देश नं ० एमात्रयु०-23-I-2396 (888)/1-1/79-80 -—प्रतः मुझे एम० मार० पारिख

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से अधिक है

और जिसका मं ० टः ० १० एस०-४ का सर्वे नं ० 70-ए, फायनल प्लाट नं ० 92, सब प्लाट नं १० है। तथा जो राजपुर रारपुर मणानगर प्रहमदाबाद में स्थित है (और इससे उत्तपावद्ध प्रनुष्चा में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रावानी ग्रिधिकार, के कार्यालय भ्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान 30-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से. ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रविक है भीर धन्तरिक (अन्तरिकों) और धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीव ऐसे धन्तर्ग के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उर्ग में उस अन्तर में किया गया है —

- (क) अन्तरण ते हुई किसी भ्राय की बावत, उक्त भ्रधितियम के भ्रघीत कर देने के भ्रत्तरक के दायित्य में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (च) ऐसा किता शाय या किसो चन या अन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रीध-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः, भ्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुमरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन निश्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथातुः— (1) चन्चलगौर, मणालाल गांधःइ:-4, पारसमणाः पलेटम्, घाट लीडाया राड, नारणपुरा ग्रह्मदाबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) मसर्स कल्पात श्रपार्टमेन्टस एोसिएणन श्री भरत ए० पटेल, मुख्य प्रयोजक, श्री पुंज सोपायटी, वक श्रवाङी मणानगर, श्रहमदाबाद (श्रन्तरिती)

को यह सुतना जारो करके गुर्वीका सम्पति के अर्जन के लि**ए** एतद्द्वारा कार्यवाहियां गुरु करता हं

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के मंबंध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अपिध या तत्सवंधा अविनयो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीनत व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना क राजपत्न में प्रकाणन की तारीख में 45 विन के भोतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य अपित द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उसन अधिनियम, के अध्याप 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जा उस अध्याप में दिया गया है।

ग्रनुसूची

पुराना स्ट्रक्चर जो 860 वर्गगंग जमान पर खड़ा है जिसका टा० पा० एस-1 का सर्वे नं० 70 ए, फायनल प्लाट नं० 92 सब प्लाट नं० 10 है जो राज्युर रारपुर अहमदाबाद में स्थित है तथा राजस्ट्रेणन नं० 4224 तारांख 30-4-1979 में राजस्टडं बिका दस्तावेज में जैसे पूर्ण वर्णन विद्या गया है।

तिर⊹षा : 13-11ब79

एस० सः० पारि**स** सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त, निरीक्षण श्रर्जन रेंज-^I, श्रहमदाबाद

ता**रीख**: 13—11—19**79**

प्रक्ष थाई० टो∙ एत∙ एत∙~---

आय कर आभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-ष (1) के मधीन यूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महासक पायकर मायुक्त (निरोक्क)

श्रर्जन रेज-I, श्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 नवम्बर, 1979

आयकर प्रधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खंक धर्धात सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/-व• से अधिक है

श्रीर जिसका संवदों मंजिल का मकान है। तथा जो गांव नारायण-पुर तह० भुज में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचः में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रविकारा के कार्यालय भुज में रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान 6-4-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उश्वित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है घोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उश्वित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत के धिक है धीर धन्तरक (घन्तरकों) धीर घन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य स उक्त घन्तरण के खित में बास्त-विक क्य से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रकारण में हुई किसी भाग की बावत जवत अधि-नियम के भ्रष्टीत कर देने के भ्रव्यक्त के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविना के लिए; भ्रोर/या
- (ब) ऐसी किसी शाय या किसी घन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें श्रायकर पर्धिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर पर्धिनियम, 1957 (1957 का 27) के पर्योजनार्थ पन्तरिती दारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उन्त ग्रवितियम की धारा 269-न के विनुतरण में, में, उक्त ग्रवितियम की घारा 269-म की उप-धारा (1) के अधीन निम्निजित व्यक्तियों अपीतः ---- (1) श्रंतारण हरजा धनजा, नारायणपुर, तहसाल भुज।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री विश्वराम कुंथराजी गोपाल पोस्ट बाक्स नं ० 40812 नैरोबा (पूर्व श्रफोका) स्थानिक पता : गांव नारायणपुर पारसायती तहसील भुज।

(श्रन्तरिती)

को यह मुचना जारो करके पूर्वीस्त संपनि क धर्जन के निए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त संगक्ति के भार्जन के संबंध में कोई मी घाळोप :──

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की घविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविछ, जो भी घविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजान में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर मंत्रति में दिताबद्व किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, धन्नोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शक्तों जोर पदों का, जो छक्त भिधिनियम के घड़्याय 2005 में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिल का मकान जो 380-4 वर्गमीटर जमीन पर खड़ा है, जो नारायणपुर से केरा के मैन रोड पर, एम० टी० बस स्टेन्ड के पास पारसायती गांव नारायणपुर तहसील भूज में स्थित है तथा रिजस्ट्रेशन नं० 532 तारीख 6-4-1979 से रिजस्टर्ड बिकी दस्तावेज में जैसे पूर्ण वर्णन दिया गया है।

> एस० मी० पारिख सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

ताराख: 14-11-1979

मोहरः

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एम०----

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269--घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

ग्रहमदाबाद, दिनांक 15 नवम्बर् 1979

निदेश नं० पां० ग्राप्ट 814 एसीनपु-23-6-1/79-80—ग्रत: मुझे एस०० मी पारिख, ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269—ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्पावर संपत्ति जिनका उचित बाजार मृल्य 25.000/- छ० मे ग्रिधिक है

ग्रांर जिसका मं० बो० टा का 14/4, सर्वे नं० 24/4/एम (पैका) जनान है। तथा जो बाबाजापुरा विस्तार, बरोदा सिटा में स्थित है (ग्रीर इनसे उपाबड़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), राजस्ट्रीकर्ता ग्रिविकार। के कार्यालय बरोदा में राजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधान 19-4-1979 को पूर्वोवत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मृत्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पच्छह प्रतिशत से श्रिधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल कल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269—ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269—घ की उपधारा (1) के श्रिधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों अर्थात :→→

- (1) श्र: ईल्यान जहान खाजा मिया तथा ग्रन्य (5) राजमहल रोड, महापार कालोना, बरोदा । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रा चन्द्रभाई डाह्याभाई पटेल , श्रो श्रमांक भीखाभाई पटेल, एडवाकेट क मारफत महाबार कालोनो, मााकटिके पास, अहमदाबाद रोबा ।

(अस्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजेन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो जी अविधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रगुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ध्रनुसूची

2029 वर्ग फुट जमीत जो बी०टी का नं० 14/4 सर्वे नं० 24/4/एस० पैकी, बाबाजीपुरा विस्तार बरोदा सिटी में स्थित है तथा विकी दस्तावेज नं० 2101 में पूर्ण वर्णन दिया गया है जो सब रिजस्ट्रार श्राफिस बरोदा में नाराख 19-4-79 को रिजस्टर्ड हुआ है।

एम० सा० पारिख सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्राथकर भ्रायुवत (निरीक्षण), अर्जन रेज , भ्रहमदाबाद

नार_ाख: 15-11-79

प्ररूप भाई० टी० एन० एम०----

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रशीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जनपरेज-II, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 15 नवम्बर, 1979

निर्देण सं० पा० श्रार्० नं० 815 एमं। क्यु०-23/6-1/79-80—श्रतः मुझे एस० सा० पारिष्य, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- कु से श्रिधिक है ।

ग्रीर जिसका सं० जमान बा० टाका नं० 14/4, सर्वे नं० 24/4/एस (पैका) है। तथा जो बावाजापुरा विस्तार, बरोदा सिटा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूचा में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्राकर्ता के कार्यात्य बरोदा में रिजस्ट्राकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधान 19-4-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है ग्रीर मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उवित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्तलिश्रित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:→→

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व म कमी करने या उनसे बनने में युविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

म्रतः म्रज, उन्त म्रधिनियम की धारा 269-ग के म्रनुगरण में, में, उक्त म्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के म्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, म्रथीत्:— (1) श्रा इकवाल जहानाब ख्वाजा मियां तथा श्रन्य (5) राज महत्व रोड, महाबार कालोनां, बरोदा.।

(ग्रन्तरक)

(2) श्राः ठाकोरभाई चन्द्रभाई पटेल श्राः त्रशांक भाष्युभाई पटेल, एडवांकेट के मारफत महावार कालोनी, मार्केट के पास, बरोदा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सभ्यक्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्यक्ति के ब्रजन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप :--

- (क) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीफरण:--इसमें युवत शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2029 वर्ग फुट क्षेत्रफल वालो जमान जो बो० टीका नं० 14/4 सर्वे नं० 24/4/एम० (पैकी), बरोदा सिटा के बाबाजा-पूरा विस्तार में स्थित है। तथा विका दस्तावेज नं० 2100 में पूर्ण वर्णन दिया गया है जो तारीख 19-4-1979 को सब रजिस्ट्रार ग्राफिम बरोदा में रजिस्टर्ड हुग्रा है।

> एस०सो० पारिख सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-∐, भ्रहमदाबाद

तारीखाः 15-11-1979

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन I, ग्रहमदाबाद

श्रहमदावाद, दिनांक 20 नवम्बर 1979

श्रीर जिसके। मं० नौर्थ नं० 1332 तथा 1334 (पा) श्रायनल प्लाट िं० 20, टा०पा० एस० नं० 2 है। तथा जो वार्ड नं० 1, टामलाशवाड, नानपुरा, सुरत में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबढ़ अनुसुचा में श्रीर पूर्ण रूप में वाणत है), रिजस्ट्राकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सुरत में रिजस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान 26-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृण्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्तिरित की गई है प्रौर मुप्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से प्रधिक है प्रौर अन्तरक (अन्तरकों) प्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (स्त्र) ऐसी किसी आय या किमी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय प्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रणीत:—

- (1) 1 श्रामतः सुमताबेन कान्तःलालं बट,यावाला खेतबाडी बम्बई-३ ।
 - 2. श्रः गिराप कान्तालाल | बटायावाला ॄ 1 3, संगम सोमायटी श्रठवा लाईन्स सुरत ।

(भ्रन्तरक)

(2) 1. श्रा मुकेशकुमार णौतालाल णाह,
2. श्रा भूपेन्द्र च्र्नालाल चुडाममा सेक्नेटरीज
स्पर्ण न्न्रपटिमेन्ट को० ग्रो० हाउसिंग सोसायटी
मय्र फर्निणर्ण की मारफत
टामलायापाड नानपुरा मुरत ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीना सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्नत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य त्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

खुलो जमीन जो नोंथ नं० 1332, 1333, तथा 1334 (पो), कामनल प्लाट नं० 20 ए० टो०पी० एम०नं० 2 बाई नं० 1, टबलागापाड नानपुरा सुरत में स्थित है तथा तारोख 26-4-1979 को इस रिजस्ट्रार सुरत द्वारा रिजस्टर्ड हुआ है।

एम० एन० मांडल मक्षम प्राधिकारी महायक द्रायकर द्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-II, म्रहमदाबाद

तार(ख: 20-11ब1979

प्रकप ग्राई॰ टी॰ एतः एस॰----

आयफर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीज्ञण)

श्रर्जन रेज-11, अहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिलांक 21 नवस्थर, 1979

निर्देण नं ० पी० श्रार्० नं ० 819 एमीक्य ०-23-[[/-1543/ 19-7/79-80--प्रतः मझे, एस० एन० मांडल आयकर अधितियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मस्य 25,000/- रुपए मे अजिक है श्रीर जिनको पंज नौंब नंज 443 है. तथा जो स्टोर गेरी, बाडी फलीका वार्ड नं । अस्रत में स्थित है (पीर इससे उनाबड़ श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय सुरत में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधितियम. 1908 (1908 का 16) के भ्रजीन 16-4-1979 पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित वानार मुन्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भारतरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्मति का उचित बाजार मुल्यः जसके दृश्यमान प्रतिफल से. ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दद प्रतिशत ग्राधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर

भन्तरिती (मन्तरितियों) के बीज ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत्र निम्नतिश्वित उद्देश्य से उक्ष्त भन्तरण जिल्लिन में

बास्तविक रूप में कथित तहीं किया गया है:---

- (क) प्रत्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त धित्यम के अधीन कर देते के धन्तरक के दायस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (स) ऐसी किसी धाय या किसी घन या श्रन्य धारिनयों को, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथे धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के निए;

भतः सब, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग के प्रतृतरण में, में, उन्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपशारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्री वैंगूंडलाल छोटाभाई मीतः(वाला, एच० यू० एफ० के कर्ता कदमवाली सोशायटी नानपुरा, सूरत

(भ्रन्तरक)

 (2) 1. श्री खूबचन्द मणीलाल बदलावाला,
 2. श्री डाह्यभाई मणीलाल तदलावाला स्टोर शेरी वाडीफिलिया सुरत ।

(श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वित सम्पति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई मी आक्षेप :→-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

हरण्डीकरण:---इनर्ने प्रश्नुत शब्दों श्रीर पर्वो का, जो उन्त अधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्य होगा, जो उस ग्रध्याय में दिशा गया है।

अनुसूची

जमीन तथा मकान जिसका नोर्थ नं० 443 र जो स्टोर छोरी बाडी कलीया, वार्ड नं० 9 सूरत में स्थित है तथा सब रिजस्ट्रार सूरत बारा तारीख 16-4-1979 को रिजस्टर्ड हम्रा है।

> एस० एत० मांडल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, स्रहमदाबाद

तारीख: 21-11-1979

प्र**रूप भाई**० दी० एन० एस०----

प्रायकर घ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के घ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालथ, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, अहमवाबाद

भ्रह्मदाबाद, दिनांक 21 नवम्बर 1979

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 820 एसीक्यू० 23-II/1513/7-3/79-80—श्रतः मुझे, एस० एन० मर्डॉल श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचिन बाजार मह्य 25,000/- रुपए से ग्रिधिक है

ग्रीर जिसकी मं० सर्वे नं० 554 सिटी सर्वे नं० 2330 है। सथा जो बीलीमोरा तालुका गणदेवी में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय गणदेवी में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 7-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वाम करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से श्रिष्ठिक है और श्रन्तरक (श्रन्तरकों) और अन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तथ पाय गया प्रतिफल निम्नलिखन उद्देश्य से उसन श्रग्नरण निखन में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण में हुई किसी श्राय की वाबत, उक्त श्रिष्ठि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए, श्रीर/या
- (ख) एसी किसी श्राय या किसी श्रन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जानी चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

ग्रत: ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, म उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-थ की उपघारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत:—

17-396GI/79

- (1) बीलीमोरापारसी अवारिटी अन्जुमन ट्रस्ट फन्ड के ट्रस्टीज,
 - 1. रस्तमजी प्रलंदाजी विलीमोरिया,
 - 2. साल बेररामणा पन्थावीं
 - 3. फिरोज सोराजी वाधाईबाला
 - 4. नादीरशा हीराजी बारीया
 - 5. डॉ॰ रोमसर मोराजी बिलीमोरिया बीलीमोरा तालुका गणदेवी

(भ्रन्तरिक)

(2) जीपराज कत्याणजी केवट, ग्रमतभाई नाथुभाई टेलर, क्विनीमोरा, सालुका गणदेवी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (बा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थागर सम्मति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रीहरनाक्षरी के पास लिखित में किए जा मर्जेंगे।

स्पच्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के ग्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं श्रयं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुम्ची

जमीन जिसका सर्वे नं० 554 सिटी सर्वेनं ● 2330 हैं जो बिलोमोरा में स्थित है तथा 501 नम्बर से सारीख 7-4-79 को गणदेवी में रजिस्टर्ड हुआ है।

> (एस० एन० माडल) सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रामकर भ्रामुक्त (निरीक्षण) श्रमीन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 21-11-1979

प्रकृप सार्धे । दी । एत । एस ----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 को 43) की बारा 269व (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यावय, सहायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-I^I, धहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांफ 23 नवम्बर 1979

ग्रीर जिसकी सं नोर्थ नं 1332, 1333 तथा 1334 (पी) एफ पी नं 20 बी ने, टी ने पी ने एस 2 है। तथा जो बार्ड नं 1, टीमलीयापाडी, नानपुरा सूरत में स्थित है (भीर इससे उपावक भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से जिल्ही कर्ता भिक्ति के कार्यालय सूरत II में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भंधीन 27-4-1979

को पूर्वीकत सम्पति के जिंदा बाजार मूल्य से कम के पूर्यमान प्रति-छल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वात अरने का कारण है कि यथापूर्वीकत संपत्ति का जिंदा बाजार मूल्य, उसके पूर्यमान प्रतिफल से, ऐसे पूर्यमान प्रतिफल का प्रश्वह प्रतिश्वत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय प्राया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से जनन अन्तरण निश्चित में बास्त-विक क्षा से कथित नहीं किया गया है:---

- (4) मन्त्ररण से दुई किसी माय की बाबत उनत अभि-नियम के प्रतीन कर देने के मन्तरक के दायिस्व में क्षती करने या उनते बचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (व) ऐनी ितयो बाय ना तिसी अत या अन्य धारितयों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ज़क्त धीर्धानम्म, या धनकर धीर्धानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं ितया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

भव: घन, उनत प्रक्रिनियम की प्रारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त प्रतिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अधीम निम्निविधित स्मन्तियों, प्रथति :--- (1) 1. शरिश कान्तीलाल बरीयाबबाला, 2. सुमती कान्तीलाल बरीयाबबाला, दोनों संगम सोसायटी में अथवा लाईन्स नानपुरा, सूरत

(भ्रन्ति।रसी)

- (2) 1. श्री रामभाई नरसीरकई पटेल मुख्य प्रयोजक: सुकुत प्रपार्टमेन्ट को० श्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड (रिजस्टर्ड) 1/3 शानदीप सोसायटी, अठवागेट नानपुरा, सूरत
- 2. श्री जीवणभाई लालजीभाई पटेल 34 कल्पना मोसायटी श्रठवा ला**ईन्स, नामपुरा** सूरत।

(मन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोस्त संपत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवित, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो ; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा ;
 - (आ) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अ्यक्ति द्वारा, प्रधोत्स्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त जन्दों भीर पदों का, जो जनत अधिनियम के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं भर्ष होगा, जो उस धन्याय में दिया नया है।

अनुसूची

प्रचल सम्पत्ति (खुली जमीन) जिसका क्षेत्रफल 539.70 वर्ग गण है जो नोंचे नं 1332, 1333 तथा 1334 (पी), फायनल प्लाट नं 20वी, टी॰ पी॰ एस॰ 2, वार्ड नं 1, एमलीयावाडा नानपुरा सूरत में स्थित है तथा जिसका पूर्ण क्यौरा तारीख 27-4-1979 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी II सूरत हारा विकी दस्तावेज नं 1511 से रजिस्टर्ड है उसमें है।

एस० एन० मां**डल** सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायक्तर सायुक्त (**निरोक्षण)** क्रार्वन रेंज-II, श्र**हमदाबाद**

तासीच : 23-11-1979

मोहरः

प्ररूप माई० टी० एम० एस०----

भायकर प्रवितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, पहातक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, प्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, विनांक 24 नवम्बर 1979

निवेश सं० एसीक्य-23-I-2448 (891)/1-1/79-80 ---- प्रतः मुझे, एस० एन० मांडल अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृहय 25,000/-श्रधिक रुपये से ग्रीर जिसकी मं० सर्वे नं० 33, फायनल प्लाट नं० 15 ए टी० पी० एस० 7 का है तथा जो मीठीपुर अहमदाबाद में स्थित है (बीर इससे उपाबद बन्सुची में ब्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 19-4-79 को पूर्वीका समाति के उचित बाजार मूल्य से कम कि व्रथान प्रतिकत के लिए प्रश्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मुहय, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे पुरतमान प्रतिकत का पन्त्रह प्रतिगत से प्राधिक है घीर यह कि अन्तरह (प्रान्तरहों) और प्रान्तरिती (अन्तरितिमों) हे बीच ऐसे अन्तरम के जिर तर यात्रा गरा प्रतिकृत, निम्बलिखित उद्देश्य से उनत ग्रन्तरम जिल्हित में वस्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी आयं की वावत उक्त श्रीध-नियम, के अधीन कर देने के संस्तरक के दायिक में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायक्तर श्रिभ्रित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधित्यम, या भनकर श्रिभित्यम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए सुनिधा के लिए;

सतः, भव, उत्तत श्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उत्तत श्रिधिमियम की धारा 269व की उपधार। (1) के श्रीण निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रवीत:----

- (1) मेससं कृष्ण कारपोरेशन भागीबार---
 - 1. श्रीमती हंसाबेन रमणलाल तथा धन्य
 - 2. श्रीमती स्नेइलता रसीकभाई पटेल
 - 3. श्री भ्रमीत रमणलाल पटेल के मारफत ।

(भन्तरक)

- (2) मेसर्स गुजरात टी॰ डिपो, भागीदार---
 - 1. श्री पीयुषकुमार, 2. श्रन्छिबलाल देसाई,
 - 2. श्री पंकजंकुमार रामदास देसाई के मारफस पराग, मीठाखली, छह् रास्ते के पास झहमदाबादब6

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्मत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किस व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचता के राजनत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकड़ किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा, मुबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्तीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

पनुसूची

गोवाम, जो 551 मर्ग मीटर पर खड़ा है जिसका सर्वे मं० 33, फायनल प्लाट मं० 15-ए, टी० पी० एस० 7 का, मीठीपुर प्रहमवाबाद है तथा तारीख 19-4-1979 को रजिस्ट्रेशन नं० 3839 से रजिस्टर्स बिकी दस्ताबेज में जैसे पूर्ण बर्णन दिया गमा र।

> (एस० एन० मोडन) सक्तम प्राधिकारी नहायक सामकर प्रामुक्त (निरीजन) प्रजैन रेंज I, श्रहमबाबर ।

तारीख: 24-11-1979

मारत सरकार

कार्यातय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीजन)

श्चर्जन रेंज 1, ग्रहमदाबाद

म्रहमदाबाध, दिनांक 26 नवम्बर 1979

निदेश सं एसीक्यू-23-3-2479 (8927)/1-1/79-80
---यत: मुझे, एस० एन मांडल,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उना अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अजीत सक्षत प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समाति, जिनका उचित वाजार मूख्य 25,000/-क्पए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० शाहपुर वार्ड-2, सर्वे नं० 2814/39, 2814/141, पैकी प्रथम मंजिल है। तथा जो लाल बंगला के सामने, शाहपुर मील कंगाउन्ड, प्रेयस हाई स्कूल के पास, प्रहमदाबाद में स्थित है और इसमे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय प्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 18) के अधीन 16-4-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अक्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिकत मधिक है भीर धन्तरक (अक्तरकों) भीर धन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तम पांचा प्रताकल, निम्निविधात सहेंच्य से उच्त धन्तरण कि लिए तम पांचा प्रताकल, निम्निविधात सहेंच्य से उच्त धन्तरण कि लिए तम पांचा प्रताकल, निम्निविधात सहेंच्य से उच्त धन्तरण कि लिए तम पांचा प्रवास प्रतिकल, निम्निविधात सहेंच्य से उच्त धन्तरण कि लिए तम पांचा प्रवास प्रतिकल, निम्निविधात सहेंच्य से उच्त धन्तरण कि लिए तम पांचा प्रवास प्रतिकल, निम्निविधात सहेंच्य से उच्त धन्तरण कि लिए तम पांचा प्रवास प्रताकल, निम्निविधात सहेंच्य से उच्त धन्तरण कि लिए तम पांचा प्रवास प्रताकल, निम्निविधात नहीं किया नया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रश्नियम के प्रश्नीन कर देने के प्रन्तरक के वाधित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविद्या के सिए; भीर/या
- (क) ऐसी किसी प्राय या किसी वन या अस्य प्रास्तिकों को, जिल्हें भारतीय काय-कर प्रक्रितियम, 1922 (1922 का 11) या अन्त प्रवित्तियम, या धन-कर प्रक्रितियम, या धन-कर प्रक्रितियम, 1957 (1957 का .27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वधा वा या किया जाना चाहिए वा, क्रियाने में सुविधा के लिए;

धतः धवः जनतः अधिनियमं ती धारा 269-व के प्रमुखरण में, में, उक्त प्रविनियमं की धारा 269-व की जनवारा (1) के बंबीन, निक्नतिवित व्यक्तिमों, जर्बात् :--- (1) श्री मृलजन्द केवलरह, लाल बंगला के सामन शाहपुर मील कम्पाउन्ड, प्रेयस हाईस्कूल के पास, प्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री संकटखान एम० पठाण, लाल बंगली, प्रेयस हाई स्कूल के पास, शाहपुर मील कम्पाउन्ड, महमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्त्रत के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सक्रपत्ति के प्रार्वन के सम्बन्ध में कोई भी घासेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की दारीख से 45 दिन की घविष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविष, जो भी घविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीका में 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवड़ किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रश्लोहस्ताक्षरी के पाम निकास में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्तों भीर पदों का, जो सकत धाधिनियम के भ्रष्टमाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धार्ष होगा जो अस भ्रष्टमाय में दिया गया है।

बनुत्र्यी

मकान की प्रथम मंजिल जो शाहपुर वार्ड-2, सर्वे मं० 2814-139, 2814-142 है जो शाहपुर मील कम्पाउन्ड लाल बंगलो के सामने, प्रेयस हाई स्कूल के पास, श्रहमदाबाद में स्थित है, तथा बिकी दस्तावेज नं० 3653/16-4-1979 से रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी द्वारा रजिस्टर्ड किया गया है। थाने प्रापर्टी का जैसे उसमें पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एस० एन० मांडल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज I, ग्रहमदाबाद ।

तारीख: 26-11-1979

प्रकप भाई • टी • एन • एम • ----

जायकर मिलियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक ग्रायंकर ग्रायुक्त (निरीज्ञण) ग्राजेंन रेंज I, ग्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 26 नवस्बर 1979

निदेण नं० एसीक्यू-23-1-2479 (893)/1-1/79-80~~ ग्रतः मुझे, एस०एन० मांडल,

खायकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिवित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सञ्जन प्राधिकारी की, यह विश्वान करने का कारण है कि स्वावर सन्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० शाहपुर वार्ड-2, संवें नं० 2814- 139, 2814-142 पैकी दूसरी मंजिल है। तथा जो शाहपुर मील कम्पाउन्ड, लाल बंगलो, प्रेयस हाई स्कूल के पास, अहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बॉणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 16-4-1979 को पूर्वीक्त सम्मति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रहें प्रतिकल से मधिक है और धन्तरक (अन्तरकों) भीर धन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्नलिका उद्देश्य से चन्त्र प्रस्तरम निकास में वास्तिक इप से कच्चित नहीं किया यथा है:—

- क) सन्तरण में हुई किसी धाय की बाबत, उक्त लिख-नियम, के ध्रधीन कर देने के ध्रम्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविज्ञा के लिए;
 और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी खन या घन्य भारितयों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत मधिनियम, या धन-कर अजिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अजिरिती कारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुखिझा के लिए;

अतः भव, उत्तत अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण में; में, उत्तर प्रश्चिनियम की बारा 269-व जी उपधारा (1) के अधीर मिम्नलिखित व्यक्तियों, पर्वाद:-- (1) श्री सूलचन केवलराम, लाल बंगलो, प्रेयन हाई स्कूल के पास, शाहपुर मील कम्पाउन्ड, ग्रहमदाबाद ।

(ब्रन्तरक)

(2) श्री मुनावरखान बहादुरखान पठान, लाल बंगलो, प्रेयस हाई स्कूल के पास शाहपुर मील कम्पाउन्ड, ग्रहमदाबाद।

(मन्तरिती)

को वह सूबना आरी करके पूर्वीक्त संस्थित के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत पर्वाति के अर्थन के संबंध में कोई भी भागेता--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घविष या तत्संवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की घविष, जो भी घविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किस⁷ व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचरा के राजरत में प्रकालत को तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, सम्रोहस्ताकारी के पास निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्वक्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दो का, जो उक्त प्रक्रितयम के सम्याय 20क में परिभावित है, वहीं सर्व होगा जो उस सम्याय में विचा गमा है।

सनुबुकी

मकान की दूसरी मंजिल, शाहपुर वार्ड-2, सर्वे मं० 2814-139, 2814-142 में जो शाहपुर मीन कथाउन्ड, लाल बंगलों के सामने, प्रेयस हाई स्कूल के पास श्रहमदाबाद में स्थित है तथा बिकी दस्तावेज मं० 3647/16-4-1979 से रिजिल्ट्रीकर्ती ओयो-रिटी द्वारा रिजिस्टर्ड किया गया है याने इसमें प्रापर्टी का जैसा पूर्ण-वर्णन दिया गया है।

> एस० एन० मांडल सक्षम प्राधिकारी लहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I, ब्रह्मदाबाद

तारीख: 26-11-1979

प्ररूप भाई • टी • एन ० एस ०-----

षायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 26 नयम्बर 1979

निदेश सं० एसीक्यू 23-1-2342 (8947)/5-1/79-80 --प्रतः मुझे एस० एन० मांडल भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 13-ए है। तथा जो राधामन्दिर, तख्तेण्वर मन्दिर के पास, भावनगर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय भावनगर में रजि ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित को गई है और मुने यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वाक्षत सम्पत्ति का उचित्र बाजार मुख्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, एसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रविक है और अन्तरक (ग्रन्तरकों) प्रोर .भ्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए 🖘 पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण जिथित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण में हुई किसी प्राय की बाबन, उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, ग्रीर/या
- (सा) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या प्रान्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर घष्टिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रंधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

ग्रतः भव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उनत प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के ग्रम्नीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात्:---

- (1) श्री रतीलाल काम्जीमाई राठोड, श्रीमती रमाबेन रतीलाल राठोड्, भजन भवन, क्लाक नं० 7/11, ज्योतिका कुने रोड, नाईगाम, दादर बम्बई-14 (अन्तरक)
- (2) (1) श्री वल्लभवास बन्नमालीशस पडीयां,
 - (2) श्रीमती मूलीयेन वल्नभदास पड़ीया,
 - (3) श्रीमती निर्वेतक्वेन नानालाल पडीया, भावनगरः

(भ्रन्गरिती)

(3) 1 थी हर्वदराय कान्तीजाल शाह

 मैसर्स डी० एन० भादाणी प्लाटनं० 13ए, भावनगर

(वह व्यक्ति, जिसकी प्रधिमोग में सम्पत्ति है)

को पह पुत्रना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के अर्जन के लिए कार्यवादियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के श्रजत के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :→→

- (क) इ.स. सूचना के राज्यत में प्रकाशित की तारीख मे 45 दिन की प्रत्रिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर गुवना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी प्रविध बाद में समा^तत होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इत यूचना के राजाय मंत्रकागत को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर मन्यति में हितबद्व किसी प्रत्य व्यक्ति जारा प्रधोत्हताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकेंगे।

स्यवदीकरण:→-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम, के प्रध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं श्रर्भ होगा जो उस श्रध्याप ने विद्या गया है।

प्रनुसुची

335.46 मीटर पर खड़ी इमारत जिसका प्लाट नं० 13 ए है, जो राषा-मिंदर तक्तेश्वर मन्दिर के पास भावनगर में स्थित है तथा रिबर्ट्रस्यन नं० 791 तारीख 23-4-1979 से रिजन्टर्ड विकी बस्तावेज में जैसे पूर्णवर्णन दिया गया है।

> (एस० एन० माउल) सक्षम प्राधिकारी पन्।यक भायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, भ्रहमदाबाद ।

तारी**ख**ः 26-11-1979

प्रकप बाई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

भायकर भाषितिथम, 1981 (1981 का 43) की धारा 269 थ(1) के भाषीन सूथमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 27 नवस्बर 1979

निवेश सं० एसीक्यू-23-I-2322(895)/11-1/79-80---भ्रतः मुझे, एस० एन० मोडल

आयत्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25;000/- ए० से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 23 तथा 24 हैं। तथा जो किवडावाडी, जेल रोड, जूनागढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी के कार्यालय जूनागढ़ में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 16-4-1979

को पूर्वीक्त सम्मति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान श्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान श्रतिफल का प्रसद्ध प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया श्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में वास्त्विक जप से कथित नहीं किया गया है >---

- (क) अस्तरण से हुई किसी जाम की बाबत, उक्त यक्षितियम के संशीत कर देने के सन्तरक के दाजिस्य में कसी करने वा अवसे वयने में सुविका के जिए; धीर/ सः
- (च) ऐसी किसी आय या किसी घन या अध्य आस्तियों को विश्व के पारतीय धाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत प्रधिनियम, या अन-कर प्रधिनियम, या अन-कर प्रधिनियम, या अन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाओं प्रश्निती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना वाहिए था, जिसाने में सुविधा के विष्

जात: जाब, जाबत जा जांनयम, की आपा १४८-न के अनुसरण में, में, जमत धाविनयम की बारा २६७-व की उपजारा (1) के बाबीन, निम्नतिज्ञित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री पठाण हसनखान ए० सुनीवीरावाह, जूनागढ़।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रूपचन्द खेमचन्द तथा ग्रन्थ केदशबाडी ज्नागढ़।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

जनत संति के धर्जा के संबंध में कोई भी श्राक्षीप:---

- (क) इस धूनना के राजपक्ष में प्रकाशन की शारीब से 45 विन की धविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख ते 45 विन के मीतर अथत क्यांवर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य क्यांवत द्वारा घड़ोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंवे।

स्पष्टीश्ररण:--- इसमें प्रमुक्त सभ्यों भीर पर्यों का, जो उक्त प्रधि-नियम, के प्रध्याय 20-क में तरिभाषित हैं, बही सर्व होषा चौ उस प्रध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

चुली जमीन का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 666-6-0 वर्ग गज है जिसका प्लाट नं० 23 तथा 24 है, जो केशडाबाडी, जेल रोड जूनागढ़ में स्थित है तथा बिकी दस्तावेज नं० 489/ 16-4-79 से रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जूनागढ़ द्वारा रजिस्टर्ड किया गया है याने उक्त बिकी दस्तावेज में जैसा पूर्ण वर्णन दिया गया है।

> (एस० एन० मां डल) सक्षम प्राधिकारी, सहायक ब्राथकर ब्रायुक्त (निरीक्षण), भनंत रेंग-I, अहमक्षबाद ।

तारी**व**: 27-11-79

प्ररूप बाई० दौ० एन० एस०----

भायकर **मधि**नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 28 नवस्वर, 1979

निदेश सं० एसीक्यू-23-[[]-2326 (896)/1-1/79-80 अतः मुझे, एस० एन० माउल,

ध्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध्य के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 82-1 पेकी, टी० पी० एस०-६, फायनल प्लाट-85 पेकी सब प्लोट नं० 5 है। तथा जो पालकी, अहमदाबाद में स्थित है और इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वागिस्य में कमी करने या उसमें बचने में सुविधां के लिए; ग्रीर/या
- (क) ऐसी किसी थ्राय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीधिनियम, या धन-कर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मृतिका के लिए;

भतः भव, उन्त भिधिनियम, की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं उन्त भिधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के कभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--- (1) श्री प्रविण भाई हरीभाई पटेल भाईजी-रायजो की खंडकी गांव पालडी एलीसश्रीज विस्तार में श्रहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री चंघल विकास मंडल प्रेसीडेन्ट श्री राजनीकान्स ए० शाह० के मारफत शाह कन्स्ट्रक्शन शाह द्वारा तीसरी मंजिल, पी० धनजीभाई बिल्डिंग भीसीन रोड श्रहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधितियम के ग्रध्याय 20-- क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन, जिसका क्षेत्रफल 600 वर्ग गज है जिसका सर्वें नं० 82-1 पेकी टीग पी० एस० 6, फायनल-प्लाट 85 पैकी, सब प्लाट नं० 5 जो गांव पालडी श्रहमदाबाद में स्थित है तथा बिकी दस्तावेज नं० 3725/17-4-1979 में रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी ग्रहमदाबाद द्वारा रिजस्टर्ड किया गया है याने जैसा ग्रापर्टी का पूर्ण वर्णन इसमें दिया गया है।

> एम० एन० मांडल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रुप्रैन रेंज-1, श्रहमदाबाद ।

तारीखा: 28-11-1979

प्रारूप बाई० टी० एन०एस०---

आयकर अधिनियम 1961, (1961 का 43) की घारा 269-घ (ा) के प्रधीन सुचना

गायित्य, महायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाव, दिनांक 30 नवम्बर 1979

निदेण सं० एसीक्यू-23-I-2311(898)/18-5/79-80—— श्रतः सुझे, एम०एन० मांडल,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-म्ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25000/- कु से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 483-14-4164 तथा 484-14-4165 है। तथा जो धुपरेज रोड, टी० बी० प्रस्पताल के पास, मुरेन्द्रनगर में स्थित है (और इससे उपाबद स्नृसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय वहवाण में रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन 11-4-1979

को पूर्वोक्स सम्यन्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिणत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में वर्ष्तविक का से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उस से बचने में सुविधा के लिए, श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिमाने में मुथिधा के लिए।

ग्रतः श्रव, उक्त श्रिधितियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त मिश्रितियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत् :— (1) 1. श्री राष्ट्रक्जी डुंगरणी दोशी तथा श्रन्य 2. श्री गांतीलाल फूलचन्द तथा श्रन्य बाजार मुरेन्द्रनगर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री लब्जीभाई तलशीभाई वर्धमाननगर को० श्राप० हा० सो० लिमिटेड केरी बाजार सुरेन्द्रनगर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त समात्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवदा किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हपब्हीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उन्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20 क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में विया गया है।

गनुसूची

सुले प्लाटस जिसका सी० टी० एस० ने० 483-14-4164 तथा 484-14-4165 जिसका क्षेत्रफल 9614-60 वर्गमीटर तथा 9715-20 वर्ग मीटर्स कमानुसार जमीन जो दुधरेज रोड, सुरेन्द्रनगर में स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी वढवाण द्वारा बिकी दस्तावेज नं० 820/11-4-1979 से रजिस्टर्ड किया गया है याने जैसे उसमें प्रायर्टी का पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एस० एन० मांडल सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख: 30-11-1979

मोहर :

18-396GJ/79

प्ररूप श्राद्धि टी॰ एने॰ एनः--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रक्षीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

म्रजैन रेंज-I, महमवाबाद

म्रहमवाबाद, दिनांक 13 दिसम्बर 1979

निदेश नं॰ एसीक्यू-23-1-2516 (903)/5-1/79-80---भतः मुक्षे, एस॰ एन॰ मोडल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षन प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्भित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट नं० एफ-12 है। तथा जो रूवापारी रोड भावनगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भावनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 9-4-1979

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-च की उपद्वारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखिस व्यक्तियों, ग्रंथीत्:→→ (1) मैदर्स सयग्तीलात पुरुवोत्तनदास संवदी, वाणापीठा भावनगर।

(ग्रन्तरक)

(2) मैससं संघवी इन्डस्ट्रीयल कारपोरेशन, प्लाट नं० एफ-12, रावापा रोड भावनगर।

(ब्रस्तरिती)

3. (1) मेसर्स संघवी ईन्डस्ट्रीज

(2) मेससं संख्यी ईन्डस्ट्रीयल कार्पोरेशन ब्लाट नं० 12, कवापरी रोड, भावनगर। (वह व्यक्ति, जिसके घ्राधभोग में सम्मति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्बन्धि के श्रार्वेत के सम्बन्ध में कोई भी श्राञ्जेर :---

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारी की 45 दिन की प्रत्रिध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :----
- (ख) इस सूचना के राजान में प्रकाशन की सारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में
 हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताकारी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फेकटरी की इमारत जो 984.80 वर्गमीटर जमीन पर खड़ा है जिसका प्लाट नं० एफ 12, जो खापरी रोड, भावनगर में स्थित है तथा रजिस्ट्रेशन नं० 682, तारीख 9-4-79 से रजिस्टर्ड बिकी दस्तावेज में पैसे पूर्ण वर्णन दिया गया है।

> एस० एन० मोडल सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-I, श्रह्मदाबाद ।

तारीख: 13-12-1979

बक्प माई• टी॰ एन• एस•-----

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की मारा 269व (1) के मधीन सूचना

चारत सरकार

कार्याजय, सहायह भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कसकत्ता, दिनांक 12 दिसम्बर, 1979

पश्चात् 'जनत प्रतिनियन' कहा गया है), की घारा 269-व के प्रतीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वादर संग्रति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- च॰ से अधिक है

भीर जिसकी सं॰ पजैट है, तथा जो 2 साउवार्न एवन्यू, कलकता में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता भिक्षकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण भिन्नियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 3-4-79 को

पूर्वोश्त संपत्ति के जियत नाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिखत के लिए घन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोश्त संपत्ति का जियत बाजार मूल्य, उसके दूश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और घन्तरिक (धन्तरकों) भीर घन्तरिकी (अन्तरितियों) के नीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया क्या प्रतिकल, निम्नतिश्वित उद्देश्य से उन्त घन्तरण निक्ति में बास्तरिक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अभ्तरण से हुई किसी भाग की वायत, उवत धिक नियम, के घन्नीन कर बेने के घन्तरक के शियक में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के निय; और/या
- (च) ऐसी किसी पाय या किसी धन या धन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय घायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत घिष्टियम, मा घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

धतः धवः, उपत धाविनियमं भी वारा 269-ग के अनुतरण में, में, उपत धाविनियम, की वारा 269-व की उपवारा (1) के ब्रावीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- लेक एपार्टमेन्टस कोमापरेटिंव हाउसिंग सोसायटी लि० (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमती मिनित राय

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्द संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी बाबोप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामी ल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीचा से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति दारा, भओ दुस्ताक्षरी के पास जिखित में किये जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरण.--इसमें अध्वतः झक्यां घोर वयों का, को खक्त धिनियम के घडमाय 20-क में परिकाणित हैं, वही घर्ष होगा, को उस घड्याय में दिया गया है।

अमुसूची

समूचा पर्लेट (साज्य इष्ट क्लैट, सिनसल्लया पर) जिसका पिलन्यि माप 1650 स्क्या॰ फुट और जो 102, साज्यमं एवेन्यु, कलकत्ता पर अवस्थित ।

> ए० के० वासगुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहामक धामकर घामुक्त (निरीक्षण), प्रर्शन रेंअ-III, कलकता-18

सारी**ज:** 12-12-79

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 13th November 1979

No. P-1803/Admn.II.—Consequent upon his being empanelled for regular promotion to the post of Senior Programmer (Rs. 1100—1600) in the Central Electricity Authority, Shri V. C. Jain, Programmer, is relieved from this office with effect from the afternoon of 13th November, 1979.

8. BALACHANDRAN Under Secyfor Chairman

Now Delhi-11, the 27th November 1979

No. A-32013/3/79-Admn.I.—The President is pleased to appoint Smt. Veena Maitra, an officer of the Military Lands and Cantonments Service, and working as Under Secretary in the office of U.P.S.C. as Deputy Secretary in the office of the UPSC for the period from 25th September 1979 to 23rd November 1979 or until further orders, whichever is earlier.

S. BALACHANDRAN Under Secy. (Admn.) Union Public Service Commission.

ENFORCEMENT DIRECTORATE FOREIGN EXCHANGE REGULATION ACT

New Delhi-3, the 15th December 1979

No. A-11/5/79.—Shri Madan Gopal Attri, is appointed to officiate as Enforcement Officer in the Headquarters Office of this Directorate with effect from 17th November 1979 (AN) and until further orders.

D. C. MANDAL Dy. Director (Admn.).

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPARTMENT OF PERSONNEL & A. R. CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 12th December 1979

No. L-1/70-Ad.V.—On his resignation being accepted by the Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police/Special Police Establishment, Shri Lokendra Singh has relinquished the charge of the office of the Senior Public Prosecutor. Central Bureau of Investigation, C.I.U. (III) Branch on the afternoon of 30th November 1979.

The 17th December 1979

No. A-19021/1/75-Ad.V.—Shri V. P. Bhatnagar, 1PS (1963-Rajasthan), Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation, Jaipur, relinquished charge of his office on the afternoon of 9th November, 1979. His services were placed back at the disposal of Government of Rajasthan.

The 18th December 1979

No. A-19034/1/76-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri Y. S. Dikshitulu, a permanent Dy. Supdt. (F.P.), C.F.P.B., Calcutta, to officiate as Research Officer, C.F.P.B., Calcutta, on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 2nd November, 1979, and until further orders.

Q. L. GROVER Administrative Officer (E)

C.B.I.

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 14th December 1979

'No. 7/10/79-Ad I-26701.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee and in consultation with the Union Public Service Commission, the President is pleased

to appoint the undermentioned officers to the post of Assistant Director (Data Processing) in the office of the Registrar General, India, New Delhi, in substantive capacity, with effect from 26th November, 1979.

- 1. Shri S. N. Chaturvedi
- 2. Shri Himakar
- 3. Shri H. R. Ghulyani

The 15th December 1979

No. 11/41/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Jai Kumar Jain, an Officer belonging to the Rajusthau Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Rajasthau, Jaipur, by transfer on deputation, with effect from the afternoon of 24th November, 1979, until further orders.

His Headquarters will be at Jaipur.

P. PADMANABHA Registrar General, India.

New Delhi-110011, the 15th December 1979

No. 10/33/79-Ad.1.—The Registrar General, India is pleased to appoint Shri B. P. Jain, Section Officer in the office of the Director of Audit, Central Revenues, New Delhi, as Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 in the office of the Registrar General, India, New Delhi, by transfer on deputation, with effect from the afternoon of 29th November, 1979, until further orders.

His hendquarters will be at New Delhi.

No. 10/51/79-Ad.I.—The Registrar General, India is pleased to appoint Shri A. N. Kapoor, Senior Technical Assistant (Printing) in the office of the Registrar General. India, New Delhi, as Printing Officer in the same office, on a purely temporary and ad hoc basis, with effect from the forenoon of 6th December, 1979 to 29th February, 1980 or till the post is filled in on regular basis, whichever period is shorter.

His headquarters will be at New Dolhi.

The above ad hoc appointment will not bestow upon Shri-Kapoor any claim to regular appointment. The ad hoc appointment may be reversed at any time at the discretion of the Appointing Authority without assigning any reason therefor. The services rendered by him on ad hoc basis will not count for the purpose of seniority in the grade nor for eligibility for promotion to any higher grade.

V. P. PANDEY Dy. Registrar General, India.

MINISTRY OF FINANCE (DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS) SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad-461005, the 14th December 1979

No. PF-7(36)/9509.—Further to this office Notification No. 7(36)/6371 dated 25th August 1979, Shri S. T. Shirsat is allowed to continue to officiate in the post of Fire Officer on an ad-hoc basis for a period of three months w.c.f. 1st October 1979.

O. P. SHARMA Project Officer.

COMMISSION ON PUBLIC EXPENDITURE

New Delhi, the 15th December 1979

No. 1(3)-A/CPE/79.—On transfer from the Directorate of Economics & Statistics, Ministry of Agriculture & Irrigation, Shri R. D. Gupta, Research Officer (Grade IV of I.E.S.) is appointed as Senior Research Officer in the Commission on Public Expenditure in the scale of Rs. 1100—50—1600

on usual deputation terms with effect from the forenoon of 29th November, 1979, until further orders.

J. N. KAUL. Under Secy. (A)

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE D.A.C.R.

New Delhi-2, the 17th December 1979

No. Admn. I/O.O.386 5-8/77-79/1539.—The Director of Audit, Central Revenues, has ordered under 2nd Proviso to F.R. 30(1), the proforma promotion of Shri D. V. Salhotra, a permanent Section Officer, in the time scale of Rs. 840—1200 restrospectively with effect from the forenoon of 30th July 1979 until further orders.

Sd./- ILLEGIBLE Joint Director of Audit (Admu.).

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I MADIIYA PRADESH

Gwalior, the 13th December 1979

No. Admn.-I/410.—Shri K. I.. Mohana Verma (01/126) an officiating Accounts Officer allocated to the Office of the Accountant General-I, Madhyn Pradesh has been permitted to retire voluntarily from Government Service with effect from 27th December 1979 forenoon, in terms of Government of India Ministry of Home Affairs, Department of Personnel and Administrative Reforms Office Memorandum No. 25013/7/77-Estt(A), dated 26th August 1977.

(Authority: A.G.I.'s orders dated 7-12-1979).

D. C. SAHOO

Sr. Dy. Accountant General (Admn.).

MINISTRY OF DEFENCE INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-16, the 15th December 1979

No. 63/79/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri S. K. Bancrjee Choudhury, Officiating T.S.O. (Subst. and Permt. Staff Asstt.) retired from service with effect from 30th November 1979 (A.N.).

V. K. MEHTA Assit. Director General, Ordnance Factories.

MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES

(DEPARTMENT OF COMMERCE)
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

New Delhi, the 15th December 1979

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

(ESTABLISHMENT)

No. 6/1161/76-ADMN(G)/8678.—The President is pleased to appoint Shri M. P. Singh Legal Adviser in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports. New Delhi, as Additional Chief Controller of Imports and Exports in the same office in addition to his existing charge as Legal Adviser, for the period from 10th December 1979 to 25th January, 1980.

C. VENKATARAMAN Chief Controller of Imports and Exports.

New Delhi, the 26th November 1979 ORDER

No. CGII/P&C/384/76-77/1299.—M, s. The Fertilizer Corporation of India Ltd. (P&D Divn.) Inow known as The

Fertilizer (P&D) India Ltd. Sindri, have been granted Import Licence No. 1/C/2032329/D/IE/62/H/43.44/CGII/J.S. dated the 10th February, 1977, for Rs. 7,23,00,000/(Rupees Seven crores and Twenty Three lakhs only) against Italian Suppliers Credit for import of Capital Goods from Italy, UK, USA, West Germany, Japan, France, Switzerland, Belgium, Holland and Denmark. It was issued with initial validity of 24 months and was later revalidated upto 31-12-1980.

- 2. The firm have now requested this office for issue of a duplicate Exchange Control Purposes Copy of the above licence and have, in this connection, stated that the licence was registered with Bombay Customs and the Exchange Control Purposes Copy of the licence was forwarded to State Bank of India, Mahul Road, Bombay, for opening letters of credit and effecting remittances. They have been informed by the Bank that the Exchange Control Purposes Copy of the licence has been misplaced. They have further stated that the balance amount which is still left unutilised on the Exchange Control Purposes Copy of the licence is Rs. 6.59,47,435.32. They have also solemnly affirmed and declared that the above said licence has not been cancelled, pledged, transferred or handed over by them or on their behalf to any other party for any purpose/consideration whatsoever and have requested to cancel the original Exchange Control Purposes Copy of the licence in lieu of which the duplicate copy has been applied for. They have agreed and undertaken to return the original Exchange Control Purposes Copy of the licence, if traced later, for record in this office.
- 3. In support of their contention, the licensee has filled an Allidavit on the stamped paper duly sworn in before a Notary Public, Maharashtra State. I am accordingly satisfied that the original Exchange Control Purposes Copy of Import Licence No. 1/C/2032329/D/IE/62/H/43-44/CGII/LS dated 10-2-77 has been lost or misplaced by the firm. In exercise of the powers conferred under sub-clause 9(cc) of the Import (Control) Order, 1955 dated 7-12-55 as amended the said original exchange control purposes copy No. 1/C/2032329/D/IE/62/H/43.44/CGII/LS dated 10-2-77 issued to M/s. The Fertilisers Corporation of India 1.td., (P & D Division) Sindri, is hereby cancelled.
- 4. The duplicate exchange control purposes copy of the said licence is being issued separately.

G. S. GREWAL Deputy Chief Controller of Imports & Exports for Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 30th November 1979

No. 12(70)/61-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri S. K. Chakraborty, Deputy Director (Chemical), Office of Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi as Director (Gr. II) (Chemical) on ad hoc basis in the same office with effect from the forenoon of 27th September, 1979, until further orders.

The 3rd December 1979

No. A-19018(454)/79-Admn.(G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shri R. K. Rohatgi, a permanent Small Industry Promotion Officer (Economic Investigation & Statistics) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi, as Assistant Director (Gr. II) (Economic Investigation) Data Bank on ad hoc basis in the same office with effect from the forenoon of 24th August, 1979, until further orders.

No. A-19018(456)/79-Admn.(G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shri Kashi Nath Dutta, a permanent Small Industry Promotion Officer in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi, as Asstt. Director (Gr.

II) (Economic Investigation/Data Bank) on all hoc basis in the same office with effect from the forenoon of 3rd September, 1979, until further orders

> M. P. GUPTA Dy. Director (Admn.)

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 17th December 1979

No. CER/1/79.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 22 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby rescined the Textile Commissioner's Notification No. S.O. 3656 dated 13-10-1964.

No. CER/2/79.—In exercise of the powers conferred on me by Clase 20 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby make the following amendment in the Textile commissioner's Notification No. CER/2/77 dated 15-4-77:—

"In the said notification in paragraph 5 for Explanation (3) the following shall be substituted.

"Saree" means any type of grey or bleached cloth commonly known by that name, whether or not mercerised, of plain weave, which—

- is manufactured either wholly from Cotton or partly from Cotton and partly from any other material and containing not less than 75 percent of Cotton by Weight.
- (ii) contains coloured yarn or white yarn on its borders and headings;
- (iii) has a width ranging between 94 centimetres and 137 centimetres (inclusive); and
- (iv) has a length ranging from 4.15 metres to 14 metres; (inclusive); and includes any type of printed mull, printed voile or printed doria, of any length manufactured in accordance with items (i) and (iii) above.

Note (i) for the purpose of item (iv) above "printed mulls" "Printed voiles" and "printed dorias" shall mean any printed fabric of plain weave manufactured with warp counts 28 and 80s (both inclusive) and a twist multiplier of 5.4 and below, which are commonly known as "mulls, voiles and dorias" excluding Organdie finished cloth and cloth having doubled yarn used both in warp and weft.

"Saree" also includes controlled saree specified in sub-para (b) of para 2 of the Textile Commissioner's Notification No. CER/1/68 dated the 2nd May 1968."

M. W. CHÉMBURKAR

Joint Textile Commissioner

ALL INDIA HANDICRAFTS BOARD

New Delhi-110022, the 18th October 1979

No. 4/3/79/ND/AD.III.—Shri Gyan Prakash an office of the Indian Economic Service on transfer from the Union Public Service Commission, New Delhi, has been appointed as Joint Development Commissioner in the Regional Office of Northern Region, All India Handierafts Board, Ministry of Industry, New Delhi with effect from the forenoon of 3rd October, 1979.

S. B. MATHUR Deputy Director (Admn.III)

MINISTRY OF STEEL, MINES AND COAL (DEPARTMENT OF MINES)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 12th December 1979

No. 8527B/A-31013/Driller/79-19C.—Shri R. S. Sethi is confirmed in the grade of Driller (Group B) scale of pay

Rs. 650--- 30--- 740--- 35--- 810--- EB--- 35--- 880--- 40--- 1000--- EB--- 40--- 1200/- in the Geological Survey of India with effect from 2-6-1970.

No. 8560B/A-19012(2-AG/DPD/19B).—Shri D. P. Das, Asstt. Geophysicist, Central Geophysics Division, Geological Survey of India, has been released from the services of the Geological Survey of India with effect from the afternoon of 10th September, 1979, for joining the post of Geologist (Geophysics) in the Mineral Exploration Corporation Ltd., Nagpur.

V. S. KRISHNASWAMY Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi-1, the 11th December 1979

No A-20012/4/70-Exh.(A).—The Director of Advertising & Visual Publicity hereby appoints Shri A. T. Hotchandani as Field Exhibition Officer in this Directorate in the Field Exhibition Unit at Bhopal in a purely temporary capacity on ad hoc basis w.e.f. 22-11-79 (F.N.) vice Shri N. N. Bahl, Field Exhibition Officer, Bhopal granted leave.

J. R. LIKHI Dy. Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 14th December 1979

No. 17-17/75-Admn.I.—In pursuance of the order passed by the Division Bench of the High Court of Delhi on the 23rd July, 1979 in respect of C.P. 1330/79, the Director General of Health Services has reverted Shrl U. S. Sharma to his parent post of Food Inspector in this Directorate w.e.f. the 24th July, 1979.

S. L. KUTHIALA

Dy. Director Administration (O&M)

for Director General of Health Services

New Delhi, the 12th December 1979

No. A.12026/38/77(HQ)Admn.I.—In continuation of the orders contained in this Directorate's Notification No. A-12026/38/77(HQ)Admn.I, dated the 5th June, 1979, the President is pleased to continue the appointment of Shri P. K. Ghai, Desk Officer in the Directorate General of Health Services to the post of Officer on Special Duty (Stores) in the same Directorate on an ad hoc basis for a further period of three months with effect from the forenoon of the 7th September, 1979.

S. L. KUTHIALA Dy. Director Administration (O&M)

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 13th December 1979

No. A-19025/62/78-A.III.—The short term appointments of the following officers to the posts of Assistant Marketing Officer (Group I) have been extended upto 31st December. 1979, or till the posts are filled on regular basis, whichever is carlier:—

S/Shri

- 1. R. S. Singh
- 2. B. N. K. Sinha
- 3. R. V. S. Yadav
- 4. M. P. Singh
- 5. H. N. Rai
- 6. D. N. Rao

S/Shri

- 7. S. P. Shinds
- 8. R. C. Munshi
- 9 K. K. Tiwari
- S. K. Mallik
- 11. S. D. Kathalkar
- 12. R. K. Pande
- 13, M. J. Mohan Rao
- 14. Smt. Ansuya Sivarajan
- 15. V. E. Edwin
- 16. S/Sh. S. P. Saxena
- 17. N. G. Shukla
- 18. R. C. Singhal
- 19. K. G. Wagh
- 20. S. Suryanarayana Murthy
- 21. V. L. Vairaghar
- 22. S. R. Shukla
- 23, M. C. Bajaj
- 24. N. S. Chelapati Rao
- 25. K. Jayanandan
- 26. C. M. Girdhar
- 27. S. A. Shamsi
- 28. S. S. R. Sarma

The 17th December 1979

No. A-19025/25/79-A.III.—Shri Ram Sagar Singh, Sen'or Inspector has been appointed to officiate as A.M.O. (Group I) on short-term basis in this Directorate at Nagpur with effect from 20th November 1979 (F.N.) to 31st December 1979 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

B. L. MANIHAR
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

Faridabad, the 14th December 1979

No. A-31014/6/78-A.I.—The Agricultural Marketing Adviser to the Govt. of India is pleased to appoint the following officers substantively to the permanent posts of Assistant Marketing Officer (Group I) in the Directorate of Marketing and Inspection, with effect from 25th March 1979:—

S/Shri

- 1. Rajesh Azad
- 2. D. S. Sobti
- 3. G. P. Rajani
- 4. S. P. Bhasin
- 5. K. Suryanarayana
- 6. S. K. Sabharwal
- 7. S. Subba Rao
- 8. R. Subramaniam
- 9. V. Balaramamurthy
- 10, A. C. Guin
- 11. Phillip Ittyerah
- 12. M. K. P. Menon
- 13. T. M. Karunakaran
- 14. R. Narasimhan
- 15. N. L. Kanta Rao
- 16. U. D. Pande
- 17. B. B. Sarkar
- 18. M. Reddiah
- 19. M. Chakraborty
- 20. S. B. Chakravarty
- 21. S. V. Krishnamurty
- 22. R. V. Kurup
- 2. The lien of the abovementioned officers in the lower posts, if any, shall stand terminated with effect from the date of confirmation in the post of Assit. Marketing Officer (Group 1).

B. L. MANTHAR Director of Administration.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 12th December 1979

No. Ref. HWPs/Estt/1/B-88/6744.—Officer-in-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Shivcharan Herma Birua, a permanent Lower Division Clerk of Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy and officiating Upper Division Clerk of Heavy Water Project (Talchet) to officiate as Assistant Personnel Officer, in the same project, in a temporary capacity, on ad hoc basis, with effect from April 23, 1979 (FN) to July 13, 1979 (AN) vice Shri P. C. Mathew, Assistant Personnel Officer, granted leave. This supersedes this office Notification No. HWPs/Fstt/1/B-88/6165 dated 31st October, 1979.

K. SANKARANARAYANAN
Senior Administrative Officer.

Bombay-400 008, the 7th December 1979

No. Ref. HWPs/Estt/1/B-15/6674.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Gautamkumar Somabhai Rawat, a temporary Assistant Accountant of Heavy Water Project (Baroda), to officiate as Assistant Accounts Officer in the same office with effect from 14th May 1979 to 23rd June 1979 vice Shri D. P. Mathur, Assistant Accounts Officer, appointed to officiate as Accounts Officer.

The 15th December 1979

No. 05052/79/6788.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Payappillil Alexander Chummar, a temporary Scientific Assistant 'C' of Heavy Water Project (Baroda), to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB) in the same project, with effect from the forenoon of August 1, 1979 until further orders.

R. C. KOTIANKAR Administrative Officer.

OFFICE OF THE PROJECT DIRECTOR (MONEX) METROLOGICAL OFFICE

New Delhi-3, the 21st November 1979

No Monex/00508.—Shri D. C. Garg is hereby appointed as an Accounts Officer on ad hoc basis in the Central Civil Accounts Service Group B (Central Civil Service Group B Gazetted) with effect from the forenoon of 3rd April 1979 and until further orders.

Shri D. C. Garg has been posted to the Headquarters office of the Project Director (Monex), New Delhi.

OM PARKASH Meteorologist for Project Director-Monex.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 13th December 1979

No. A-39013/4/79-BA.—The Director General of Civil Aviation has been pleased to accept the resignation from Government' Service of Shri K. S. Virk, Asstt. Aerodrome Officer, Calcutta Airport, Dum Dum with effect from the 21st March. 1979 (AN).

V. V. JOHRI
Assit. Director of Administration
for Director General of Civil Aviation.

New Delhi, the

December 1979

No. A-39013/6/79-EA.—Shri Sunil Mehta, Assit. Acrodrome Officer, Delhi Aitport, Palam resigned from Government Service with effect from the 10th May. 1979 (AN).

The 10th December 1979

No. A-38013/1/79-EA.—The following officers retired from Government Service on attaining the age of superannuation:—

- S. No., Name, Designation, Station & Date of Retirement
- 1. Shri I. G. Bharthi Aerodrome Officer Indore, 31st October 1979 (AN).
- Shri N. M. Bakshi Sr. Aerodrome Officer Delhi Airport Palam, 30th November 1979 (ΛN).
- 3. Shri J. S. Gill Aerodrome Officer Amritsur, 30th November 1979 (AN).

V. V. JOHRI Asstt. Director of Administration

CUSTOMS: ESTABLISHMENT

Madras, the 13th December 1979

No. 1.—Shri L. Jayasekar, Temporary Appraiser is confirmed as Appraiser with effect from 11th April 1977 against a temporary post made permanent vide Ministry's letter F. No. A-11012/15/71-Ad.IV dated 26th November 1971.

No. 2.—Shri Raju George, Temporary Appraiser is confirmed as Appraiser with effect from 26th August 1976 against a temporary post made permanent vide Ministry's letter F. No. A-11012/5/71-Ad.IV dated 21st December 1971.

No. 3.—Shri S. Arulswamy, Temporary Appraiser is confirmed as Appraiser with effect from 16th December 1978 against a temporary post made permanent vide Ministry's letter F. No. A-11012/5/71-Ad.IV dated 21st December 1971.

No. 4.—Shri S. K. Pandey, Temporary Appraiser is confirmed as Appraiser with effect from 28th April 1975 against a temporary post made permanent vide Ministry's letter F. No. A-11012/5/71-Ad.IV dated 21st December 1971.

No. 5.--Shri K. Bharathan, Officiating Appraiser is confirmed as Appraiser with effect from 1st August 1971 against a temporary post made permanent vide Ministry's letter F. No. A-11012/5/71-Ad.IV dated 21st December 1971.

No. 6.—Shri M. M. Dubey, Temporary Appraiser is confirmed as Appraiser with effect from 27th August 1975 against a permanent post of Appraiser sanctioned in lieu of the Auditor's post which was abolished.

No. 7.—Shri R. Dorairaj, Officiting Appraiser is confirmed as Appraiser with effect from 1st March 1972 against a temporary Leave Reserve post made permanent vide Ministry's letter F. No. A-11013/C/14/72-Ad. IV dated 5th April 1972.

No. 8.—Shri I. S. D'Costa, Officiating Appraiser is confirmed as Appraiser with effect from 1st August 1972 against a temporary post made permanent vide Ministry's letter F. No. A-11012/2/72-Ad.IV dated 19th January 1973.

No. 9.—Shri P. Devaludu, Temporary Appraiser is confirmed as Appraiser with effect from 26th June 1976 against a temporary post made permanent vide Ministry's letter F. No. A-11012/2/72-Ad.IV dated 19th January 1973.

No. 10.—Shri S. Chakrapani, Officiating Appraiser is confirmed as Appraiser with effect from 1st August 1972 against a temporary post made permanent vide Ministry's letter F. No. A-11012 2/72-AdJV dated 19th January 1973.

No. 11.—Shri A. M. Zozim, Officiating Appraiser is confirmed as Appraiser with effect from 1st August 1972 against a temporary post made permanent vide Ministry's letter F. No. A-11012/2/72-Ad.IV dated 19th January 1973.

No. 12.—Shri M. Masilamani, Officiating Appraiser is confirmed as Appraiser with effect from 1st August 1972 against a temporary post made permanent vide Ministry's letter F. No. A-11012/2/72-Ad.IV dated 19th January 1973.

No. 13.—Shri M. Murugan, Temporray Appraiser is confirmed as Appraiser with effect from 4th June 1977 against a

permanent vacancy available due to retirement of Shri S. N. Jaisinghani, Permanent Appraiser.

No. 14—Shri A. K. Chaturvedi, Temporary Appraiser is confirmed as Appraiser with effect from 4th January 1977 against a temporary post made permanent vide Ministry's letter vide Ministry's letter F. No. A-11012/2/73 Ad IV dated 7th March 1973.

No. 15.—Shri C. R. Chitti Babu. Officiating Appraiser is confirmed as Appraiser with effect from 1st August 1973 against a temporary post made permanent vide Ministry's letter F. No. A-11012/2/73-Ad IV dated 30th January 1974.

No. 16.—Shri K. S. Chakraborthy, Temporary Appraiser is confirmed as Appraiser with effect from 30th April 1977 against the permanent vacancy available due to retirement of Shri I. Arokiasamy, Permanent Appraiser.

No. 17.—Shri R. Parthasarathy, Officiating Appraiser is confirmed as Appraiser with effect from 1st February 1975 against the permanent vacancy available due to retirement of Shri Stephen Xavier, Permanent Appraiser.

No. 18.—Shri D. T. Sankaranarayanan, Officiating Appraiser is confirmed as Appraiser with effect from 1st August 1976 against a temporary post made permanent vide Ministry's letter F. No. A-11012/5/76-Ad.IV, dated 19th November 1976.

No. 19.—Shri C. V. Krishnan, Officiating Appraiser is confirmed as Appraiser with effect from 1st August 1976 against a Leave Reserve temporary post made permanent vide Ministry's letter F. No. A-11011/13/77-Ad.IV dated 19th March 1977.

No. 20.—Shri Thomas Raian, Temporary Appraiser is confirmed as Appraiser with effect from 15th July 1978 against a permanent vacancy available due to death of Shri S. P. S. Shergill. Permanent Appraiser.

The 15th December 1979

No. 5/79.—Shri S. Moses Balasingh. Permanent Appraiser (Non-Expert), in the Madras Custom House resigned the post of Appraiser with effect from 7th December 1979.

A. C. SALDANHA Collector of Customs.

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110022, the 19th November 1979

No. 19013/9/79-Admn.IV.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri D. S. Madan, Senior Professional Assistant (Hydromet) to officiate in the grade of Extra Assistant Director (Hydromet) on a purely temporary and ad-hoc basis, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—FB—35—880—40—1000—FB—40——1200, with effect from the forenoon of 2nd November 1979 until further orders.

J. K. SAHA Under Secy. Central Water Commission.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of Companies Act 1958 and of M/s Hotel Nilgiris Continental Ital.

Mudras-600 006, the 14th December 1979

No. DN/5971/560(3)-78.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s Hotel Nilgiris Continental Ltd., un-

less cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd./- ILLEGIBLE
Asstt. Registrar of Companies
Tamil Nadu, Madras.

Cuttack, the 15th December 1979

In the matter of Companies Act 1955 and of M/s G. C. Das & Sons Private Limited

No. 4238/27.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that

at the expiration of three months from the date thereof the name of the M/s G. C. Das & Sons Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

D. K. PAUL

Registrar of Companies, Orissa.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA

Calcutta-16, the 12th December 1979

Ref. No. 632/Acq.R-II/79-80/Cal.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

102, situated at Southern Avenue, Cal.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 3-4-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Lake Apartments Co-operative Housing Society.

(Transferor)

(2) Mrs. Minati Roy.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with in a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire flat having plinth area 1650 sq. ft. on the south east of the 3rd floor in the building at 102, Southern Avenue, Calcutta.

S. K. DASGUPTA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Dated: 12-12-1979

FORM ITNS ----

(1) Lake Apartments Co-operative Housing Society Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. M. N. Venkit.

(Transferco)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA

Calculta-16, the 12th December 1979

Ref. No. 633/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 102 situated at

Southern Avenue, Cal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 4-4-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire flat having plinth area 1070 sq. ft. on the north west of the 1st floor in the building at 102, Southern Avenue, Calcutta,

S. K. DASGUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Dated: 12-12-1979

Seal ..

(1) Lake Apartments Co-operative Housing Society Ltd.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Satyendra Nath Chosh.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMES-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA

Calcutta-16, the 12th December 1979

Ref. No. 634/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

102 situated at Southern Avenue, Cal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 4-4-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of th eaforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire flat having plinth area 1650 sq. ft. on the south west of the 2nd floor in the building at 102, Southern Avenue, Calcutta

9. K. DASGUPTA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Dated: 12-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Deba Prosad Chatteriee.

(1) Lake Apartments Co-operative Housing Society Ltd. (Transferor)

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS. SIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE-III. 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA

Calcutta-16, the 12th December 1979

Ref. No. 635/Acq.R-III/79-80/Cal.-Whereas, I, S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/-No. 102 situated at Southern, Avenue, Cal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred Under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 4-4-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer

with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respetive persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the data of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire flat having plintle area 1070 sq. ft. on the north west of the 12th floor in the building at 102, Southern Avenue, Calcutta.

> S. K. DASGUPTA. Competent Authority Inspecting Asett. Commissioner of Income-tax, Acquisition Rango-III, Calcutta.

Dated: 12-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Lake Apartments Co-operative Housing Society Ltd. (Transferor)

(2) Shri Sibes Niyogi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA

Calcutta-16, the 12th December 1979

Ref. No. 636/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

102 situated at Southern Avenue, Cal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 3-4-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire flat having plinth area 900 sq. ft. on the middle east of the 3rd floor of the building at 102, Southern Avenue, Calcutta.

S. K. DASGUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Dated: 12-12-1979

(1) Lake Apartments Co-operative Housing Society Ltd. (Transferor)

(2) Sri Kalvan Kumar Sen.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA

Calcutta-16, the 12th December 1979

Ref. No. 637/Acq.R-III/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incomo-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- tnd betring No.

102, situated at Southern Avenue, Cal.

(and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on 3-4-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire flat having plinth area 900 sq. ft. on the middle east of the 8th floor of the building at 102, Southern Avenue, Calcutta.

S. K. DASGUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Dated: 12-12-1979

(T) Lake Apartments Co-operative Housing Society Ltd.
(Transferor)

(2) Sri Bankim Sen.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA

Calcutta-16, the 12th December 1979

Ref. No. 638/Acq.R-III/Cal/79-80,....Whereas, I, S. K. DASGUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

102, situated at Southern Avenue, Cal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 3-4-79

for an upparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire flat having plinth area 1070-eq. ft. on the north east of the 4th floor of the building at 102, Southern Avenue, Calcutta.

S. K. DASGUPTA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Duted : 12-12-1979

Strai :

(1) Lake Apartments Co-operative Housing Society Ltd. (Transferor)

(2) Sri Asit Baran Pal.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA

Calcutta-16, the 12th December 1979

Ref. No. 639/Acq.R-III/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 102, situated at Southern Avenue, Cal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 3-4-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chanter.

THE SCHEDULE

All that entire flat having plinth area 900 sq. ft. on the middle east of the 12th floor of the building at 102, Southern Avenue, Calcutta.

> S. K. DASGUPTA. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Calcutta.

Dated: 12-12-1979

Seal:

20-396G1/79

- (1) Lake Apartments Co-operative Housing Society Ltd. (Transferor)
- (2) Smt. Kalpana Chatterjee.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA

Calcutta-16, the 12th December 1979

Ref. No. 640 Acq.R/III/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

102, situated at Southern Avenue, Cal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 28-4-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than differen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire flat having plinth area 1050-sq. ft. on the north east of the 4th floor of the building at 102, Southern Avenue, Calcutta.

S. K. DASGUPTA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Calcutta.

Dated: 12-12-1979

FORM TINS-

(1) Lake Apartments Co-operative Housing Society Ltd.
(Transferor)

(2) Mr. Pranab Sarkar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III. CALCUTTA

Calcutta, the 12th December 1979

Ref. 641/Acq.R-III/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

102, situated at Southern Avenue, Cal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 26-4-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire flat having plinth area 900-sq. ft. on the middle east of the 11th floor of the building at 102, Southern Avenue, Calcutta.

S. K. DASGUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta.

Dated: 12-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 12th December 1979

Rcf. 642/Acq.R-III/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

102, situated at Southern Avenue, Cal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-4-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asset which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Lake Apartments Co-operative Housing Society Ltd. (Transferor)
- (2) Smt. Sandhya Sinha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire flat having plinth area 900-sq. ft. on the middle west of the 3rd floor of the building at 102. Southern Avenue, Calcutta.

S. K. DASGUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III Calcutta.

Dated: 12-12-1979

(1) Lake Apartments Co-operative Housing Society Ltd. (Transferor)

(2) Sri Arun Kumar Mukherjee.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 12th December 1979

Ref. 634/Acq.R-III/Cal/79-80,—Whereas, I. S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

102, Southern Avenue, Cal.

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 28-4-79

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire flat having plinth area 1070-sq. ft. on the north west of the 9th floor of the building at 102 Southern Avenue, Calcutta.

S. K. DASGUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Dated: 12-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Lake Apartments Co-operative Housing Society Ltd. (Transferor)

(2) Sri Nripendra Sanyal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA

Calcutta-16, the 12th December 1979

Ref. 644/Acq.R-III/Cal/79-80.---Whereas, I, S. K. DASSGUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

102, situated at Southern Avenue, Cal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 26-4-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire flat having plinth area 1650-sq.ft. on the south west of the 9th floor of the building at 102, Southern Avenue, Calcutta.

S. K. DASGUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Cacutta.

Dated: 12-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA

Calcutta-16, the 12th December 1979

Ref. No. 645/Acq.R-III/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25.000 f and bearing No.

102, situated at Southern Avenue, Cal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 30-4-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Lake Apartments Co-operative Housing Society Ltd. (Transferor)
- (2) Sri Prabir Gupta.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire flat having plinth area 1070 sq. ft. on the north west of the 2nd floor of the building at 102, Southern Avenue, Calcutta.

S. K. DASGUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta-16

Dated: 12-12-1979

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA

Calcutta-16, the 12th December 1979

Ref. No. 646/Acq.R-III/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

102 situated at Southern Avenue, Cal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 30-4-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Lake Apartments Co-operative Housing Society Ltd.
 (Transferor)
- (2) Sri Somenath Mukherjee.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire flat having plinth area 900-sq. ft. on the middle east of the 10th floor of the building at 102, Southern Avenue, Calcutta.

S. K. DASGUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta-16

Dated: 12-12-1979

PORM ITNS...

(!) Lake Apariments Co-operative Housing Society Ltd.
(Transferor)

(2) Sri Dipendra Nath Mitra.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, 54. RAFI AHMFD KIDWAI ROAD, CALCUTTA

Calcutta-16, the 12th December 1979

Ref. No. 647/Acq.R-III/Cal/79-80.—Whereas, I. S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as

the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

102 situated at Southern Avenue, Cal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 30-4-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire flat having plinth area 1650 sq. ft, on the south east of the 10th floor of the building at 102, Southern Avenue, Calcutta.

S. K. DASGUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-III, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

21-396 FI/79

Dated: 12-12-1979

(1) Lake Apartments Co-operative Housing Society Ltd. (Transferor)

(2) Sri Amarendra Nath Basu.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA

Calcutta-16, the 12th December 1979

Ref No. 648/Acq.R-III/Cal/79-80.--Whereas, I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

102 situated at Southern Avenue, Cal.

fand more fully described in the Schedule annexed hereto), was been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 30-4-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire flat having plinth area 1070-sq. ft. on the north west of the 7th floor of the building at 102, Southern Avenue, Calcutta.

S. K. DASGUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta-16

Dated: 12-12-1979

(1) Lake Apartments Co-operative Housing Society Ltd. (Transferor)

(2) Mr. Benoy Kumar Ghosh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTIN GASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, 54. RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA

Calcutta-16, the 12th December 1979

Ref. No. 649/Acq.R-III/Cal/79-80.—Whereas, J. S. K. DASGUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

102 situated at Southern Avenue, Cal.

(and more fully described in the Schedule annaxed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 30-4-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than differen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to te undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

All that entire flat having plinth area 1650-eq, ft, on the south east of the 2nd floor of the building at 102 Southern Avenue, Calcutta.

S. K. DASGUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-III, Calcutta-16

Dated: 12-12-1979

(1) Lake Apartiments Co-operative Housing Society Ltd.
(Transferor)

(2) Sri Rana Dutta Gupta.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER, OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA

Calcutta-16, the 12th December 1979

Ref. No. 650/Acq.R-III/Cal/79-80.---Whereas, I, S. K. DASGUPTA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 102, situated at Southern Avenue, Cal (and more) fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 26-4-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said infinovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269 D of the said Act, to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

All that entire flat having plinth area 900-sq.ft. on the middle east of the 9th floor of the building at 102, Southern Avenue, Calcutta.

S. K. DASGUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta-16

Dated: 12-12-1979

FORM ITHE

(1) Lake Apartments Co-operative Housing Society Ltd.
(Transferor)

NATICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Rabindranath Debnath.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA

Calcutta-16, the 12th December 1979

Ref. No. 651/Acq.R-III/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000. and bearing No.

102 situated at Southren Avenue, Cal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 26-4-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax winder the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire flat having plinth area 1650-sq.ft. on the south west of the 5th floor of the building at 102. Southern Avenue, Calculus.

S. K. DASGUPTA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-III, Calcutta-16

Dated: 12-12-1979

- (1) Lake Apartments Co-operative Housing Society Ltd.
 (Transferor)
- (2) Sri Kelipada Dey.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, 54. RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA

Calcutta-16, the 12th December 1979

Ref. No. 652/Acq.R-III. Cal/79-80.—Whereas, 1, S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-bearing No.

102 situated at Southern Avenue, Cal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-4-79

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating, the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1923) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire flat having plinth area 900-sq.ft. on the middle east of the 5th floor of the building at 102, Southern Avenue. Calcutta.

S. K. DASGUPTA.
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III. Calcutta-16

Dated: 12-12-1979

Soal :

(1) Lake Apartments Co-operative Housing Society Ltd.
(Transferor)

(2) Sri Arun Kumar Mitra.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA

Calcutta-16, the 12th December 1979

Ref. No. 653/Acq.R-III/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

102, situated at Southern Avenue, Cal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-4-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

may be made in writing to the undersigned...

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire flat having plinth area 1650-sq.ft. on the south east of the 4th floor of the building at 102, Southern Avonue, Calcutta.

S. K. DASGUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta-16

Dated: 12-12-1979

FORM ITNE--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th November 1979

Ref. No. 59-A/Dehradun.—Whereas, I, B. C. CHATUR-VEDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated as AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Dehradnn on 24-4-79

for an apparent consideration which is

tess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) fucilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Brig. K. B. Rai
 O Bakshi Harcharan Rai
 Curzon Road, Dehradun.

(Transferor)

(2) Shri C. P. SrivastavaS/o R. B. Sohan Lal Srivastava,19, Municipal Road, Dehradun.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property single storey No. 9-A situated at Curzon Road, Dehradun measuring 962 Sq. Mtr.

B. C. CHATURVED1
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 16-11-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 16th November 1979

Ref. No. 87-A/Mrt.—Whereas, 1, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated as AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 12-6-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
22—396GI/79

 S/Shri Shyam Sunder and Sunder Lal Agarwal S/o Gurbachan Singh.
 Smt. Kusum Lata w/o Shyam Sunder and Smt. Indu Bala w/o Sunder Lal, Baghpat Gate, Meerut.

(Transferor)

2. Shri Gurbux Lal s/o Shri Kalu Ram, R/o Garh Road, Mecrut.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 750 measuring 1793 Sq. yds. situated at Baral Partappur, Distt. Meerut.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 16-11-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 17th November 1979

Ref. No. 1229/Acq/Mathura/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEIDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated as AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mathura on 7-4-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeside exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Bhagwan Das, Girraj Kishore Sons of L. Bulaki Das R/o Mathura.

(Transferor)

 S/Shi Matto Mal Agarwal, Sunil Kumar Agarwal, Sons of Shri Ratan Lal Ji Agarwal, R/o Mathura.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ek Property situated in Badrinath Nagar, Mathura Number 444 Tu Pee Mathura.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 7-11-1979

Senl:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th November 1979

Ref. No. 86-A. Mecrut.---Whereas, I. B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated as AS PER SCHEDULE

AS PFR SCHEDULE situated as AS PFR SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Meerut on 12-6-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shei Shyam Sunder & Sunder Lal Agarwal S/o Lala Gurbachan Singh, and Smt. Kushum Lata w/o Shyam Sunder and Smt. Indu Bala w/o Sunder Lal, Baghpat Gate, Meerut.

(Transferor)

2. Shri Gurbux Lal s/o Shri Kalu Ram, R/o Gath Road, Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 750 measuring 1793 situated at Baral Partapur, Partappur, Distt. Meerut.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date : 16-11-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th November 1979

Ref. No. 63-ADehradun.—Whereas, I. B. C. CHATURVEDI.

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinnfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

AS PFR SCHEDULE situated as AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Dehradun on 21-4-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Kum. Tripat Kaur Daughter of Late Shri Hardas Mal Sehgal, R/o 5-New Road, Dehradun. (Donor) (Transferor)
- (2) Sardar Kulvinder Singh Schgal
 Son of Sardar Prem Sehgal
 R/o 24, Thangal Bazar, Imphal (Manipur). (Donee)
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 5-New Road (Amrit Kaur Road), Dehradun.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority

ant Commissioner of Incomestax

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 16-11-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 7th November 1979

Ref. No. 1026-A/Rootkee/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated as AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Roorkee on 30-4-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent

consideration therefor by more than fifteen per cent of such aparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfor with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Phool Singh s/o Late Shri Amolak Ram, R/o 13 Civil Line Roorkee, Mukhtar-E-Am Minijanib Maharani Krishna Kumari Widow Maharaja Radha Charan Singh R/o Samthar House Fyzabad Road, Lucknow.

(Transferor)

(2) Smt. Shobha Devi w/o Shri Chaman Lal Sharma R/o Jasmore Pargana Muzasarabad Teh. and Distt. Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ek Plot measuring 7047 Sq. ft. and the second plot adjacent to it measuring 434 Sq. Ft. towards south situated in Civil Line Kamla Nehru Road, Roorkee, Total area 7481 Sq. Ft.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 7-11-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 17th November 1979

Ref. No. 733/Acq/Kanauj.—Whereas, J. B. C. Chaturvedi, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated as AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanauj on 8-6-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 cf 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Shiv Bihari S/o Devi Das, Caste: Brahmin R/o Saraimita Post Khas, Parg. & Teh. Kannauj, Distt. Farrakhabad.

(Transferor)

(2) S/Shri Sharad Kumar (Balig), Shishir Kumar, Rajnish Kumar and Avinash Kumar (Nabalig) Sons of Shri Ramesh Chand Pandey Guardian Shri Sharad Kumar (Brother) R/o Machipur Post Beramalla, Parg. & Teh. Kannauj, Distt. Farrakhabad.

(Transferee)

Objections, if any, the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land Khasra No. 472 (A) Rakba 4-76 and Khasara No. 472/2 Rabka 4.76 and 00.8 situated at Village Hadora Bujurg, Parg. & Teh. Kannanj, Distt. Farrakhabad.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 17-11-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME... TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 27th October 1979

Ref. No. AP No. 651(79-80) Moga.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at

in front of M. D. Civil Hospital Moga

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Moga on 4-4-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely 1-2

 S./Shri Baldev Singh, Surjit Singh & Mukhtiar Singh S3/o Gurbaksh Singh, Baldev Singh Mistri, Chandigarh Road, Khanna Distt. Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Rattan Singh S/o Gopal Singh C/o Rattan Store, Near Mathra Dass Civil Hospital, Moga.

(Transferec)

(3) As mentioned at No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

((Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house as mentioned in the sale deed No. 51 dated 4-4-79 registered with the S.R. Moga.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 27-10-79

Seal •

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 25th October 1979

Ref. No. AP No. 649(79-80)/BTL—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at

Ajit Road, Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on 3-4-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely...

- Shri Bhup Singh & Shri Jit Singh Ss/o Shri Karam Singh—1/2
 S/Shri Balwinder Singh and Harnek Singh Ss/o Jit Singh—1/4
 Shri Jagmohan Singh and Shri Ajaib Singh Ss/o Shri Bhup Singh of Bhatinda—1/4

 (Transferor)
- (2) Smt. Hukam Devi d/o Shri Dhian Chand Turi Wala R/o Ganesh Basti Near Kundan Asharam, Bhatinda.

(Transferee)

- (3) As mentioned at No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 ((Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house situated near Ajit Road, Bhatinda, as mentioned in sale deed No. 57 dated 3-4-79 registered with the S.R. Bhatinda.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 25-10-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 25th October 1979

Ref. No. AP No. 650(79-80) BTI.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at Namdev Colony, Bhatinda

(and more full described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on 11-4-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—23—396GI/79

(1) Shri Rajeshwar Singh S/o Shri Baboo Singh. C/o F.C.I. Store, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Om Parkash Gupta S/O. Shrt Harbans Lai, Head Cashiar State Bank of Patiala, G.M. Thermal Plant, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As mentioned at No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

((Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovabl eproperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house as mentioned in the sale deed No. 223 dated 11-4-79 registered with the S.R. Bhatinda, situated at Namdev Colony, Bhatinda.

SUKHDEV SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 25-10-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 10th September 1979

Ref. No. AP/621.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at village Poolha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notices under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jora Singh S/o Shri Bakhtawar Singh, R/o Poolha, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Joginder Singh S/o Shri Mohnā Singh R/o Poolha, Bhatinda.

(Transferce)

(3) As mentioned at No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 25 Kanals 13 Marlas in village Poolha as mentioned in the sale deed No. 493 dated 14-9-79 registered with the S.R. Nathana.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 10-9-1979

FORM ITNS....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 3rd November 1979

Ref. No. AP 652/79-80/Sardulgarh.—Whereas, I. SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at Village Sardulgarh Teh. Sardulgarh

Village Sardulgarh Teh. Sardulgarh (and more fully described in the

schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sardulgarh on 8-6-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Niranjan Singh, Madan Singh, Heera Singh Ss/o Shri Bhagwan Singh Village Sardulgarh.

(Transferor)

 Shri Hakam Singh, Janta Singh Ss/o Sukhdev Singh
 Ishar Singh
 Jita Singh, Ajaib Singh
 Ourdev Singh S/o Ishar Singh, Village Sardulewala.

(Transferce)

(3) As per No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gasetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at village Sardulgarh as mentioned in sale deed No. 516 dated 8-6-79 registered with the S.R. Sardulgarh.

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 3-11-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 3rd November 1979

Ref. No. 653/79-80/Sardulgarh.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at near Village: Jhanda Khurd, Teh, Sardulgarh

(and inore fully described in the Schedule annexed hereto), thus been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sardul Garh on 8-6-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Gurbachan Singh, Mukhtiar Singh, Hardial Singh Ss/o Shri Santa Singh, S/o Shri Badan Singh, Village Rurki.

(Transferor)

- (2) S/Shri Ranjit Ram, Amar Singh, Ramji Lal, Kheta Ram Ss/o Ass Ram S/o Rawat Ram, Village Jhanda Khurd, Sub-Teh. Sardulgarh. (Transferee)
- (3) As per No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated near village Jhanda Khurd as mentioned in sale deed No. 457 dated 8-6-79 registered with the S.R. Sardulgarh.

SUKHDEV CHAND.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 3-11-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 15th October 1979

Ref. No. AP No. 642(79-80)/Abohar.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULF situated at

Village Wariam Khera Teh. Fazilka

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Abohar on 22-6-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in resect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mani Ram S/o Ganesha Ram R/o Wariam Khera, Teh. Fazilka. Vill.

(Transferor)

(2) Shri Mohan Lal S/o Sita Ram, R/o Wariam Khera, Teh. Fazilka.

(Transferee)

- (3) As mentioned at No. 2 above,
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the bloresuid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in sale deed No. 867 dated 22-6-79 registered with the S.R. Abohar.

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 15-10-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 28th September 1979

Ref. No. AP/624.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at Himatpura Teh. Fazilka

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on 4-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Krishan, Ram Sarup S/o Ram Partap, Village Sukhchen, Teh Fazilka.

(Transferor)

(2) S/Shri Daman Singh, Teja Singh, Boota Singh, Mohinder Singh S/o Puran Singh R/o Himatpura, Teh. Fazilka.

(Transferee)

- (3) As mentioned at No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in sale deed No. 981 dated 4-7-79 registered with the S.R. Abohar.

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 18-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 27th September 1979

Ref. No. AP No. 633.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at Samalsar, Teh. Moga (and more fully described in the Schedule annexed here-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moga on 26-6-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Basant Kaur, Amarjit Kaur D/o Shri Satwant Singh S/o Gurnam Singh S/o Assa Singh R/o Smalsar, Teh. Moga.

(Transferor)

(2) Shri Banta Singh S/o Khushal Singh R/o Dala, Teh. Moga.

(Transferee)

- (3) As mentioned at No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Smalsar as mentioned in sale deed No. 3205 dated 26-6-1979 registered with the S.R. Moga.

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 27-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 15th October 1979

Ref. No. 640/79-80/Abohar.—Whereas, I, SUKIIDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269.B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at Village Warium Khera, Jeh, Fazilka

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Abohar on 18-6-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Mani Ram S/o Shri Ganesha Ram R/o Wariam Khera, Teh. Fazilka, Distt. Ferozepur.

(Transferor)

(2) Shri Sohan I.al S/o Sita Ram, Village Warlam Khera, Teh. Fazilka, Distt. Ferozepur.

(Transferce)

- (3) As mentioned at No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land situated in village Wariamwala as mentioned in sale deed No. 814 dated 18-6-79 registered with the S.R. Abohar.

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 15-10-79

PORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 15th October 1979

Ref. No. AP No. 643/79-80/Nawanshahr.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at Village Charan, Teh. Nawan Shahr

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawan Shahr on 29-6-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922 or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
24—396GI/79

(1) Smt. Mohinder Kaur W/o Shri Jagir Singh R/o Village Charan, Teh. Nawan Shahr.

(Transferor)

- (2) Shri, Dilbagh Singh S/o Shri, Gaura Singh Village Garhi, Kanungo, Teh, Balla Chaur. (Transferee)
- (3) As mentioned at No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at village Charan, Teh. Nawan Shahr as mentioned in the sale deed No. 1964 dated 29-6-79 registered with the S.R. Nawan Shahr.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 15-10-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 15th October 1979

Ref. No. AP No. 641/79-80/Abohar.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at Village Wariam Khera, Teh. Fazilka

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on 20-6-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 169C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this motice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, mannely;—

(1) Shri Mani Ram S/o Shri Ganesh Ram R/o Wariam Khera, Teh. Fazilka,

(Transferor)

(2) Shri Maru Ram S/o Sita Ram Village Wariam Khera, Teh. Fazilka.

(Transferee)

- (3) As mentioned at No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in Wariam Khera as mentioned in sale deed No. 852 dated 20-6-79 registered with the S.R. Abohar.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 15-10-79

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 27th November 1979

Ref. No. AP 657.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at Gidarbaba

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mukatsar on 17-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferer to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the aid Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of be aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Sodhan Devi D/o Smt. Prem Wd/o Bhagu Mal, R/o Giddarbaha Teh. Mukatsar.

(Transferor)

(2) Smt. Sulakshna Devi W/o Parduman Singh S/o Kirpal Singh C/o Kirpal Singh Parduman Singh, Mandi Giddarbaha.

(Transferee)

- (3) As mentioned at No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Giddarbaha measuring 143.66 Yards as mentioned in sale deed No. 159 dated 17-5-79 registered with the S.R. Mukatsar.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 27-11-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 27th November 1979

Ref. No. 661.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at Jhanda Kalan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), bas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mansa on 16-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——

(1) Smt. Surjit Kaur W/o Niranjan Singh, Jhanda Kalan.

(Transferor)

(2) Shri Pritam Singh, Harsukhvinder Singh, Ss/o Mehru Singh, Village Jhanda Kalan.

(Transferee)

(3) As mentioned at No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Jhanda Kalan as mentioned in the registration deed No. 234 dated May 79, registered with the S.R. Mansa.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Phatinda

Date: 27-11-1979

Soal :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-IAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX,

ΛCQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 27th November 1979

Rcf. No. 660.—Whereas, I. SUKHDEV CHAND, being the competent authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at Himar Garh Dhaipai in Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Mansa on May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Mohinderpal Singh adopted son of Shri Jang Singh, Village Himar Garh Dhaipai Now at Patiala

(Transferor)

(2) Shri Babu Singh S/o Jit Singh, Maghar Singh S/o Sucha Singh, Village Murad Kheda, Teh. Sunam.

(Transferee)

- (3) As mentioned at No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at village Himar Garh Dhaipai Teh. Mansa, as mentioned in the sale deed No. 565 dated 12-5-79 registered with the S.R. Mansa.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 27-11-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 27th November 1979

Ref. No. 659.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at

Village Phulewala Dogran

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Budhlada on 31-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Hukam Singh S/o Labh Singh, Village Phulewala Dogran.

(Transferor)

 S/Shri Mohinder Singh, Maghar Singh, Surjit Singh, Ss/o Dalip Singh, Village Varot.

(Transferee)

(3) As mentioned at No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 62 Ks. 4 Ms. at illage Phulewal Dogran as mentioned in the sale deed No. 450 dated 31-5-79 registered with the S.R. Budhlada.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 27-11-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 27th November 1979

Ref. No. 658.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at

Khokhar Kalan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mansa on 24-5-1979

for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, samely:—

 Shri Labh Singh S/o Makhan Singh, Mukhtiar-i-am of Amarjit Kaur, Malkiat Kaur, Balkar Kaur Ds/o Gurnam Singh, Khokhar Kalan.

(Transferor)

(2) S/Shri Dilraj Singh, Dev Singh, Ganga Singh, Mukhtiar Singh Ss/o Inderjit Singh, Village Khokhar Kalan.

(Transferor)

- (3) As mentioned at No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 64 K. 3 Marlas in village Khokhar Kalan as mentioned in the sale deed No. 708 dated 24-5-79 regis tered with the S.R. Mansa.

SIKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 27-11-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 7th December 1979

Ref. No. IAC/Acq-II/4-79/5134,---Whereas, I, R. B. L. AGGRAWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 27, Road No. 10 situated at Punjabi Bagh New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Morch 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Radha Chhabra w/o Sh. Krishan Lal Chhabra R/o 6/25 West Patel Nagar, New Delhi, (Transferor)
- (2) Smt. Guruwachan Kaur Chhabra w/o Sh. S. V. S. Chhabra, R/o A-48-A/1 Naraina Vihar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 27, on Road No. 10, Punjabi Bagh, area of vill. Bassa Darapur Delhi State, Delhi, measuring 422.07 sq. yds.

R. B. L. AGGRAWAL
Competent Authority
Inspecting. Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Delhi

Date: 7-12-1979

====

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE II 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 7th December 1979

Ref. No. IAC/Acq-II/Apr-79/5229.—Whereas, I, R. B. L. AGGRAWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. F-2 situated at Bali Nagar New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on April 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
25—396GI/79

 Shri Shri Ram Kakar s/o Sh. Manohar Lal Kakkar, r/o F-44, Bali Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jagjit Singh Arora s/o Late Sh. Ram Dhand, r/o H-56 Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquistion of the said preperty may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on Plot No. F-2, mg. 155 sq. yds. at Bali Nagar, area of vill. Bassai Darapur Delhi State, Delhi,

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Delhi

Date: 7-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th December 1979

Ref. No. IAC/Acq-II/Apr-79/5130.—Whereas, I, R, B. L. ÄGGRAWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceedings Rs. 2,5000/- and bearing

No. 8380/7 situated at Roshanara Road Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) (1) Shri Sempuran Singh

 - (2) Shri Jaswant Singh (3) Shri Raghbir Singh Ss/o Shri Wazir Singh
 - (4) Shri Rajinder Singh and (5) Shri Mohinder Singh Ss/o Shri Jagir Singh, R/o 9, W.A. Road Punjabi Bagh Delhi,

(Transferor)

(2) M/s. Bathla & Co. Ltd. through Shri R. C. Bathla Director of the said firm r/o B-2/8, Model Town, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used hereig as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of property bearing Municipal No. 8380/7 Ward No. XIII Roshanara Road, Delhi.

R. B. L. AGGRAWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi

Date: 10-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th December 1979

Ref. No. IAC/Acq-11/Apr-79/5217.—Whereas, I, R. B. L. AGGRAWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3/27-A situated at Punjabi Bagh New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reuson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Nirmala Devi w/o Sh. Ram I al Jain, R/o 6, Ashok Park Extension, Rohtak Road, Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Surinder Singh and Shri Jagmohan Singh ss/o Shri S. Balwant Singh R/o 174, Dherampura, Bahadurgarh (Haryana). (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2½ storeyed building, build on Plot No. 3 mg. 280 sq. yds. on Road No. 27-A, at Punjabi Bagh, area of vill Bassai Darapur Delhi State, Delln.

R. B. L. AGGRAWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi

Date: 10-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Shri Banarsi Lal Köhli s/o Shri Mela Ram Kohli-R/o G-33 Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Vinod Kumar Suri s/o Sh. Malak Singh Suri R/o 3/8 West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th December 1979

Ref. No. IAC/Acq-II/Apr-79/5266.—Whereas, I, R. B. L. AGGRAWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

G-33 sitated at Kirti Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid preperty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette:

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. G-33, Kirti Nagar, area of VII. Bassai Darapur Delhi State, measuring 200 sq. yds.

R. B. L. AGGRAWAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi

Date: 10-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE II

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th December 1979

IAC/Acq-II/Apr-79/5144.—Whereas, I, R, B, L. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/bearing

No. 3-C situated at Court Lante, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act

1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on April 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of1 957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sld Act, to the following persons, namely :---

- (1) (1) Shrimati Shan'i Rani w/o Sh. Krishan Lal Suri, (2) Shri Krishan Lal Suri s/o Sh. Labh Chand Suri R/o W-36 Greater Kailash-I, New Delhi. (Transferor)
- (2) (1) Shri Shyam Sunder Marda s/o Sh. B. P. Marda
 - r/o G.I.T. Road, Calcutta,
 (2) Shri Ram Nath Marda s/o Shri B. P. Marda,
 r/o 3786 Netaji Subhash Marg, New Delhi,
 (3) Shrimati Mohini Devi Marda wd/o Sh. Chiranji
 - r/o B. P. Harda Street, Chunu (Rajasthan).
 - (4) Smt. Rama Devi Marda w/o Sh. Bhagirath Prashad Marda, r/o 8-C Court Lane, Delhi
 - (5) Smt. Veena Devi Marda w/o Sh, Om Prakash Marda, r/o 45 Dalmia Cgamber, New Marine Lines, Bombay.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 3-C, Court Lane Delhi.

R. B. L. AGGRAWAL Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi

Date: 10-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE II 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 15th December 1979

Ref. No. IAC/Acq-II/Apr-79/5195.—Whereas, I, R. B. L. AGGRAWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 6742 to 6744 Ward No. 12 situated at Kamla Nagar, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said inistrument of transfer with the object object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jyoti Prashed s/o Shri Ganashi Lal Jain, R/o 45-E, Kamla Nagar, Delhi now at Narnaul. (Transferor)
- Shri Mangat Ram s/o Shri Har Dayal,
 R/o 30-E, Kamla Nagar, Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 6742 to 6744 Ward No. 12, Kamla Nagar, Delhi.

R. B. L. AGGRAWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi

Date: 15-12-1979

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 15th December 1979

Ref. No. IAC/Acq-II/Apr-79/5216 —Whereas, I, R. B. L.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3750 Gali Hakim Baqua situated at Chawri Bazar, Delhi (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1979

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Ram Sakhi Devi w/o Shri Makesh Chand Bansal.
 R/o 44, Darya Ganj, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Deepak Raj Pareek s/o Sh. Kanahiya Lal, R/o 387, Kuncha Balaki Begum Dariba Kalan Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (h) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

24 storeyed Property with Mezanine Floor, 90 sq. yds. (Old No. 1906) Present No. 3750 Gali Hakim Baqua, Chawri Bazar, Delhi, bounded as under :—

East: Gali West: H. P. 3521 North: Gali

South: H. P. 1904-5.

R. B. L. AGGRAWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi

Date: 15-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, III
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 14th December 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/12-78/448.—Whereas, I, D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. C-3/13, situated at Safdarjang Development Scheme New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on April 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'sald Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Krishnaswami Sachindanandam, C-3/13, Safdarjang Development Scheme New Delhi

(Transferor)

(2) Shri Sham Lali Chopra, 95, Sunder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. C-3/13, Safdarjang Development Scheme, New Delhi (Measuring 167-22 sq. mts (200 sq. yds).

D. P. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, III
Delhi/New Delhi

Date: 14-12-1979

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, III 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 14th December 1979

Ref. No. IAC/Acq-iII/12-79/449.---Whereas, I, D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have rason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. C-5, situated at Green Park Extension New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the manifest respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

aforesaid property by the issue of this notice under

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sub-section (1) of Section 269D of the said Art, to the following persons, namely:-

(1) Shri Kailash Kumar Atolia and Sh. Prakash Kumar Atolia both sons of Shri Baij Nath Atolia, R/o 380, Jodhpur Park Calcutta-68 and 19,N.D.S.E.-I, New Delhi respectively.

(Transferor)

Smt. Ajit Kaur w/o Surjit Singh.

(2) Smt. Amita Gandhok w/o Shri S. Ravinder Singh, R/o E-8, Greater Kallash-I, New Delhi-48. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette o ra period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. C-5, measuring 1019 sq. yds, situated at Green Park Extension, New Delhi-16.

> D. P. GOYAL Competent Authority Inspecting Assistant Commssioner of Income-tax, Acquisition Range, III Delhi/New Delhi

Date 14-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE III,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 14th December 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/12-79/450,—Wherees I, D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. J-5/112 situated at Rajouri Garden New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Hari Chand Iuneja s/o Shri L. Sawa Ram, R/o J-5/112, Rajourl Garden, New Delhi (Transferor)
- (2) Shri Aiit Singh s/o Late S. Jaman Singh, R/o 27/48, Old Rajinder Nagar New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expression, used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on plot of land measuring 610 sq yds. bearing No. J-5/112 situated at Rajouri Garden area of village Tatarpur Delhi State, Delhi

D. P. GOYAL
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, III
Delhi/New Delhi

Date: 14-12-1979

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, III 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 14th December 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/12-79/451.—Whereas, I, D. P. GOYAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C-39, situa'ed at N.D.S.E. Part II New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on April 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

- (1) (1) Shri H. L. Bhati
 - (2) Smt. Laiyawati Bhati
 - (3) Sh i R. M Bhati (4) Shri V. K. Bhuti
 - (5) Mrs. N. Bhati(6) Mrs. A. Bhati

 - (7) Mrs. S. Bhati
 (8) Miss Sweety Bhati
 (9) Shri Ram Narain Bhati
 (10) Smt. Chand Rani Bhati,
 - R/o D-4, Model Town Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Daljit Properties P. Ltd. Flat No. L, Sagar Apartment No. 6, Tilak Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No C-39 measuring 500 sq. yds. situated at South Extension-II, (N.D.S.E. Part II) New Delhi.

D. P. GOYAL Competent Authority. Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, III Delhi/New Delhi

Date: 14-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELIII-110002

New Delhi, the 14th December 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/12-79/452.—Whereas, I, D. P. GOYAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. P-90A, situated at N.D.S.E. Part II New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on April 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor by more than 'fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Mohan Siugh s/o Shri Nagaiah Singh, R/o P-90 N. N.D.S.F. Part II. New Delhi-49. (Transferor)
- (2) Shri N. S. Batlaw s/o Shri B. S. Batlaw, I-18A, N.O.S.E. Pari II, New Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two and a half storeyed house bearing No. P-90A, N.D.S.E. Part II New Delhi measuring 154 sq. mts. bounded as under:—

East: House No. P-90 West: House No. P-90-B. North: Road. South: Service Road.

D. P. GOYAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, III
Delhi/New Delhi

Date: 14-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delbi, the 14th December 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/12-79/453...-Whoreas, I, D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinatter referred to as the 'said Act'),

have reason to behave that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E-5/2 situated at Malviya Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 11-4-1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :----

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shri Tota Ram Alias Tota Lal through Shri Kirpal Cingh attentity R to F-5/2 Malviya Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt Ram Pyari, E-5/2, Malviya Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning a; given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. E-5/2, Malviya Nagar, New Delhi measuring 124 sq. yds.

D. P. GOYAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, III
Delhi/New Delhi

Date: 14-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE III
4/14A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 14th December 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/12-79/454,—Whereas, I, D. P. GOYAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. G-5/4, situated at Malviya Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on April 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer ct, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt Tara Wanti w.o Shri Khem Chand R/o D-73, Malviya Pagar, New Delhi

(Transferor)

(2) Shri Om Prakash s/o Shri Dharam Chand, R/o G-5/4, Malviya Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expues later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. G-5/4, measuring 125 sq. yds. situated at Malviya Nagar, New Delhi.

D. P. GOYAI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisi'ion Range III
Delhi/New Delhi

Date: 14-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 14th December 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/12-79/455.--Whereas, I, D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 25, Road No. 17 situated at Punjabi Bagh, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 4-4-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ramesh Chand Gunta and Mukesh Chand Gunta sons of L. Jia Ram Gunta, R/o 25-C, Bhagwan Dass Nager, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Vimal Kumar Chowdhry alies Khem Chand S/o Ch, Risal Singh, R o House No. 9 Road No. 26, Punjab. Bagh New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by may any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Frechold plot of land bearing plot No. 25 on Road No. 17 measuring 557.5 sq. yds, in class C, situated in the colony known as Punjabi Bagh area of village Shakurpur Delhi State, Delhi bounded as under:—

North: Plot No. 23. Sou'h: Plot No. 27. East: Road No. 17. West: Service Lane.

D. P. GOYAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisi ion Range III
Delhi/New Delhi

Date: 14-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 14th December 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/12-79/456.—Whereas, f, D. P. GOYAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. P-95, situated at N.D.S.E. Part II New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri A. Y. Lamba R/o A-16, Jangpura Extension, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Vikram Dutt Suri, 22-Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A freehold plot of land bearing No. 95, Block No. P, measuring 200 sq. yds. and situated in New Delhi South Extension Part II, New Delhi bounded as under:—

East: Plot No. P-94. West: Plot No. P-96. North: Road. South: Service Lane.

D. P. GOYAL
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III
Delhi/New Delhi

Date: 14-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III 4/14A, ASAF ALI ROAD, NFW DELHI-110002

New Delhi, the 14th December 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/12-79/457,—Whereas, D. P. GOYAL.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

,No. Plot No. 5, Road No. 46A, situated at Punjabi Bugh New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Delhi on April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
27—396GI/79

(1) Shri Indrajit Kaura s/o Shri Pyare Lal Kuara and Smt. Surakshd Kaura w/o Shri Inderjit Kaura, R/o 7/103, Ramesh Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Laljit Kumar s/o Shri R. K. Nanda R/o J-10/49, Rajouri, Garden New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold plot No. 5 on Road No. 46-A, Class D, measuring 280 sq yds. at Punjabi Bagh aren of village Madipur Delhi State, Delhi, and bounded as under:—

North: Service Lane South: Road No. 46-A East: Plot No. 3 West: Plot No. 7.

D. P. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III
Delhi/New Delhi

Date: 14-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMF-TAX

ACQUISITION RANGE III 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 14th December 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/12-79/458,---Whereas. I, D. P. GOYAL.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. 8 Road No. 45-A, situated at Punjabi Bagh New Delm (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 7-4-1979

for an apparent consideration which is loss than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ajit Singh s/o Sh. Sharum Singh, E/225, DDA Colony Naraina as Gen. attorney of Smt. Balwant Kaur w/o Balwant Singh, R/o 29, Haiqsvilla Drive, Singhapur,

(Transferor)

(2) Smt. Sita Wanti w/o Harminder Singh Chopra R/o 4164, Aryapura, Subzi Mandi, Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used beroin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house bearing No. 8 Class D, on Road No 45-A, Punjabi Bagh Delhi, area of village Madipur, Delhi with the land measuring 289.3 sq. yds. under the said land and bounded as under:

North: Property No. 6. South: House No. 10 East: Service Lane West: Road No. 45-A.

D. P. GOYAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III
Delhi/New Delhi

Date: 14-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER, OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 14th December 1979

Ref. No. 1AC/Acq-HI/12-79/459.—Whereus, 1, D. P. GOYAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tux Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agrl, land mg, 17 bighas 17 bigwas situated at Village Chhuttarpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on 8-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act is respect of any income arising from the ttansfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Harbans Kaur w/o Lt. Col. Balbir Singh Hooda.
 R/o Plot No. 1711, D.L.F. Farm Area Chhattarpur, New Delhi.
- (Transferor)
 (2) Shri Santosh Kumar (HUF) 21A. Aurangzeb Lane,
 New Delhi acting through its Karta Shri Santosh
 Kumar Khanna.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of motice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential house constructed on agricultural land bearing Khasra No. 1711/2(4-7) and 1708/2(3-18), Khasra No. 1709/1. (2-12) 1709/2 (2-4) and 1730 (4-16) to tal 17 bighas 17 biswas alongwith tubewell situated in village Chhattarpur, Tehsil Mehrauli, New Delbi.

D. P. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III
Delhi/New Delhi.

Date: 14-12-1979

FORM ITNS -- --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE III
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 14th December 1979

Ref. No. IAC, Acq-III/12-79/460,---Whereas, I, D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Shop No. 8, situated at Malviya Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 30-4-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fairmket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act is
 respect of any income arising from the transferor;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922 or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Leela Wati w/o Sh. Chaman Lal Narula R o B-123, Malviya Nagar New Delhi, (Transferor)
- (2) Shri Hari Kishan and Ghanshyam Dass ss/o Shri Hukam Chand, R/o R-8/7 Malviya Nagar, New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 8, Old Market Malviya Nagar, New Delhi, mensuring 87 sq. yds.

D. P. GOYAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III
Delhi/New Delhi

Date: 14-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE III 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 14th December 1979

Ref. No. LAC/Aeq-HL 12-79/461, --Whereas, I, D. P. GOYAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land measuring 1-67-97 Hectors

No, Agrl land mg. 8 bigha 17 biswas situated at Chhattarpur, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 19-4-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the perties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Dinesh Khanna,
 R/o Claridges Hofel 12-Aurangzeb Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Bhola Nath (HUF) C/o M's Bhola Nath Bros. through Shri Bhola Nath s/o I ate L. Gokal Chand, Con. Place, Odeon Cinema New Delhi, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gozette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein—as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as—given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land bearing Nos. 1353 measuring 4 bighas 16 biswas and 1356/2 measuring 4 bighas 1 biswas total area being 8 bighas 17 biswas situated in village Chhattarpur New Delhi.

D. P. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III
Delhi/New Delhi

Date: 14-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE III 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 14th December 1979

Ref. No. 1AC/Acq-III/12-79/462.—Whereas, I, D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 38 Road No. 43 si

38 Road No. 43 situated at Punjabi Bagh New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 6-4-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act, to the following per sons, namely :--

(1) Shri Tirlochan Singh s/o Shri S. Ushnak Singh, R/o H. No. 33, Road No. 43, Punjabi Bagh, New Delhi.

(2) Smt. Harijeet Kaur w/o Shri Gurbux Singh, R/o 8/86, Ramesh Nagar New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 38 on Road No. 43 Class C, measuring 651,11 sq. yds. situated in Residential Colony known as Punjob Bagh area of village Madipur Delhi state Delhi.

> D. P. GOYAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range III Delhi/ New Delhi

Date : 14-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE III 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 14th December 1979

Ref. No. TAC/Acq-HI/12-79/463 --- Wherens, I, D. P. GOVAI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. F-83, situated at Green Park New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at New Delhi on 4-4-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Gonal Pershad s/o Mahabir Persad,
 R/o 215, Nanak Gani, Sipri Bazar Jhansi at present
 20/45, Lodi Colony New Delhi.

(Transferor)

- (2) (1) Shri Virender Kumar Jain s/o Shri Hosiar Singh Jain.
- (2) Smt. Sarla Jain w/o Shri Virender Kumar Jain, R. o T-19, Green Park New Delhi, (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2½ storeyed house built on Plot No. 83 Block F, measuring 311 sq. yds. situated at Green Park area of village Kharera New Delhi bounded as under :—

East: Road West: Road

North: House No. 82

South: House No. 84.

D. P. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III
Delhi/New Delhi

Date: 14-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IJI 4/14A, ASAF ALI ROAD NFW DFLHI

New Delhi, the 14th December 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/12-79/464.—Whereas, I, D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing,

No. 28/23, situated at Old Rajinder Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 18-4-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfor with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Smt. Clara Gonsalves W/o Late Shri T. Gonsalves through regd. attorney Shri Mohan Kumar S/o Shri Vasdev, 5/3, Old Rajinder Nagar, New Delhi,

(Transferor)

(2) Smt Saroj Tuli W/o Gulshan Rai Tuli R/o 28/23, Old Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 28/23, area 85.9 sq. yds. situated at Old Rajinder Nagar, New Delhi bounded as under :-

East: Govt. B. P. No. 28/22. West: G.B. No. 28/24. North: Road. South: Service Lane.

D. P. GOYAL Competent Authority (Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date: 14-12-1979

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 14th December 1979

Ref. No. 1AC/Acq-1/12-79/968.—Whereas, I, D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agrl. land mg. 16 bighas situated at village Bijwasan, Delbi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in April 1979,

for an apperent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consi deration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

28-396GI/79

(1) Smt. Raksha Tandon R/o Rajiv Farm, Village Bijwason, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri K. Puri R/o 249, Worli Road Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural farm house Khasra No. 2697/661/2, 2697/661/2, 2699/662 (old) measuring 7 bighas 15 biswas New Khasra No. 171 measuring 8 bighas 5 biswas in village Bijwason, New Delhi-

> D. P. GOYAL Competent Authority (Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 14-12-1979 THIRE

FORM ITNS (1)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 14th December 1979

Ref. No IAC./Acq-I/12-79/969 —Wherens, I, D. P. GOYAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl land mg. 9 bighas 19 biswas vituated at village Gadaipur, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi on 19-4-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Surjit Singh R/o C-6, Houz Khas, New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Ram Narain R/o 81/41, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land 9 bighas 19 biswas in Khasra No. 567, 568 situated at Village Gadaipur New Delhi, with Farm House and Sheds.

D. P. GOYAL
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax)
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 14-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Krishan Chand S/o Shri Chuni Lal Village Neb Sarai, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Fibre Dugal Lagg. Co. Pvt. Ltd., 192, Goli Links, New Delhi, (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 14th December 1979

Ref. No. 1AC//Acq-1/12-79/970.—Whereas, I, D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land 28 bigha 94 biswas situated at Village Neb Sarai, Tehsil Mchrauli, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 28-4-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 28 bighas 91 Biswas situated at Village Neb Serai, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

D. P. GOYAL
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Date: 14-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 14th December 1979

Ref. No. IAC/Acq-I/12-79/971.—Whereus, I, D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property; having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl, land mg. 9 bighas 18-2/3 biswas situated at village Neb Sarai, Tehsil Mahrauli Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at New Delhi on 28-4-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair markt value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ram Gopal S/o Kanshi Ram Village Neb Sarai, Tehsil Mehrauli, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Bunoo Dugal W/o Mr. R. S. Duggal 4-Palam Marg, Vasant Vihar, New Delhi, (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 9 bighas 18-2/3 biswas situated at village Neb Sarai, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

D. P. GOYAL
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date: 14-12-1979

FORM ITNS- - ---

(1) Shii Nagirder Perahad S70 Shri Mati Ram Village Neo Sarat, Jehsil Mechrauli, New Delhi. (Transferor)

(2) 5mt. Bunoo Eugal W/o Mr. R. S. Duggel, 4-Palam Marg, Vasant Vibar, New Delhi.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 O F1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 4/14A, ASAF ALL ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 14th December 1979

Ref. No. IAC/Acq-1/12-79/972.--Whereas, 1, D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agil, Jand mg. 9 bighas 17-2/3 biswas situated at village Neb Sarai, Tehsil Mehrauli, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 30-4-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the teduction or evasion of the hability
 of the transferor to pay tax under the said Δct in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquismon of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculantal land measuring 9 bighas 17-2/3 biswas situated in village Neb Sarai, Tebsil Mehrauli, New Delhi.

D. P. GOYAL
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 14-12-1979

 Shri Jai Chand S/o Shri Walu Ram R/o D-52, South Extension Part I, New Delbi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Madan Gopal Dass Gupta S/o Shri P. L. Gupta R/o G-19, Lajpat Nagar III, New Delhi-24.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING, ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I 4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 14th December 1979

Ref. No. IAC/Acq-1/12-79/973,—Wherens, 1, D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop No. 43 situated at Defence Colony Market, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in April 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lease hold rights of land measuring 728 sq. ft. alongwith structure of shop No. 43, situated at Defence Colony Market, New Delhi.

D. P. GOYAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Delhi 'New Delhi

Date: 14-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I 4/14A, ASAF ALL ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 14th December 1979

Ref. No. 1AC/Acq-I/12-79/974.---Whereas, I. D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S-495 situated at Greater Kailash-I, New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Shri Manmohan Vij S/o Shri R. A. Vij R/o Bealordf), 8th Floor, Flot No. 5, Cutle Parade, Bombay-5.
 - (2) Smt Rakhasha Tandon W/o late Shri Harish Chander Tandon R/o Rajeev Farm, Bijwason, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Built house No. S-495, measuring 282.5 sq. yds, in Greater Kailash-I, New Delhi (one and a half storeyed).

D. P. GOYAL Competent Authority (Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi 'New Delhi

Date: 14-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I 4/14A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delbi, the 14th December 1979

Ref. No. IAC/Acq-1/12-79/975. - Whereas, I, D. P. GOYAL.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. S-528, situated at Greater Kaibah Pari I, New Delhi, (and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Dellu on April 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Daljit Kaur W/o S. Mohan Jit Singh R/o Flut No. L-1st Floor. Sagar Apartment, 6 Tilak Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Shiela Constn. Co., through its partner Shri Dipak Darbari, B-149, Greater Kailash-I, New Dulhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULE

House No. S-528, situated at Greater Kailash-I, New Delhi.

D. P. GOYAL
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Dethi/New Delhi

Date: 14-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 4/14A, ASAF ALI ROAD, NFW DELHI

New Delhi, the 14th December 1979

Ref. No. IAC/Acq-I/12-79/976.—Whereas, I. D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. C-52, situated at Kailash Apartments, Lala Lajpatrai Marg, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in April 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor for more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons: namely:—29—396GI 79

(1) Shri Gulshan Nanda S/o late Diwan Salag Ram Nanda R/o 7-Sheesh Mahal, 5-A, Pali Hills Bombay-50, Through attorney Shri Amar Nath S/s Prabhu Dayal R/o W-127A, G.K.-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt, Usha Bhalla W/o Shri Kedar Nath Bhalla R/o C-31, Kailash Apartment, Lala Lajpat Rai Marg, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 52, Block 'C' Kailash Apartments, Lala Lajpatrai Marg, New Delhi.

D. P. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Delhi/New Delhi

Date: 14-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I 4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 14th December 1979

Ref . No. IAC/Acq-I/12-79/977.—Whereas, I, D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S-415, situated at Greater Kailash-I, New Delhi-48, (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 13-4-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- Shri Surinder Singh S/o Jagjod Singh R/o E-50, Greater Kailash-I, New Delhi-48. (Transferor)
- (2) Shri Dr. Krishan Lal Jindal S/o Shri Muni Lal Jindal and Smt. Promila Jindal W/o Shri Krishan Lal Jindal, both R/o 5A/17, Ansari Road, Daryaganj, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A one and a half storcyed building constructed on freehold A one and a nair storcycd building constructed on plot of land measuring 203 sq. yds. bearing No. Block S, situated in the residential colony known as Kailash-I, New Delhi-48, and bounded as under:—East: Road.

West: Service Lane.
North: Plot No. S/413.
South: Plot No. S/417.

D. P. GOYAL Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 14-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-I 4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 14th December 1979

Ref. No. IAC/Acq-I/12-79/978.—Whereas, I, D. P. GOYAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. M-103, situated at Grenter Kailash-II, New Delhi-48, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on April 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Kamla Devi W/o Late Shri Bal Krishna R/o D-177, Kamla Nagar, Delhi-7. (Transferor).
- (2) Shri Jagdish Chander S/o Shri Mulk Raj Mago C/o M/s Sonotone Traders, Shop No. 100, Lajpatrai Market, Delhi-6. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

JEXPLANATION: —The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. M-103, Greater Kailash-If, (Measuring 300 sq. yds.), New Delhi.

D. P. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Delh/New Delhi

Date: 14-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACUQISITION RANGE-I 4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 14th December 1979

Ref. No. IAC/Acq-I/12-79/979.—Whereas, I, D, P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. E-350 situated at Greater Kailash Part II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transeferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 12-4-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfor with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Dharam Singh S/o late S. Battan Singh, A-2/ 140, Safdarjang Development Enolave, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Preet Singh S/o Harji Singh C-350, Greater Kailash-II, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two and a half storeyed building built on plot of land measuring 250 sq. yds. bearing No. 350, in Block No. E, situated at Greater Kailash-II, within the revenue estate of village Bahapur, New Delhi bounded as under:—

East: Road.

West: Service Lane. North: Plot No. E-352. South: Plot No. E-348.

D. P. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 14-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACUOISITION RANGE-I 4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 14th December 1979

Ref. No. IAC/Acq-1/12-79/980.—Whereas, I, D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C-329, situated at Defence Colony, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 30-4-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shri Joginder Singh Khurana 7-Canal Road, Jammu. (Transferor)
- (2) Dr. Smt. Ujjwala Sharma W/o Shri Bimal Prasad Sharma C-329, Defence Colony (F.F.), New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions 118ed herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two and a half storeyed house bearing No. C-329, Defence Colony New Delhi built on a lease hold plot of 379,16 sq. yds, and bounded as under :-

East: C-328, Defence Colony.

West: Road. North: Service Lane. South: Road (facing Park).

D. P. GOYAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 14-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. Minoo Banaji Mistry, Near G.P.O. Trimbak Rd., Nasik.

(Transferor)

(2) Akushdeep Co-op. Housing Society, Chief Promoter Shii Rajesh G. Batavia, At Nasik Road.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE COMET HOUSE, 691/1/10 PUNE SATARA ROAD

Pune-411009, the 6th December 1979

Ref. No. CA5/SR Nasik/June'79/79-80/459.--Whereas, I. S. K. TYAGI,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'strid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No.

S. No. 541A/1 plus 541A/4, CTS No. 302/A & 302/4 situated at Nasik Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Nasik on 25-6-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

At Nasik, within the Nasik Municipal limits in Tal. & Dist. Nasik. Property bearing S. No. 541A/1 plus 541/4, corresponding to CTS No. 302/A and 302/4, measuring 897.25 sq.

(Property as described in the sale deed register under document No. 1663 dt. 25-6-1979 in the office of the Sub-Registrar, Nasik.

> S. K. TYAGI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6-12-1979

(1) Mr. Jamshed Banaji Mistry, Near G.P.O. Trimbak Road, Nasik No. 1.

(Transferor)

(2) Radheshyam Co-op Housing Society Ltd., Chairman, Shri Praful K. Shah, Plot No. 198/2, Near Zılla Parishad, Nasik-1,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

COMET HOUSE, 691/1/10 PUNE SATARA ROAD
Pune-411009, the 6th December 1979

Ref. No. CA5/SR Nasik/June'79/79-80/460.—Whereas, I. S. K. TYAGI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

S. No. $541\Lambda/1$, $541\Lambda/4$, P. No. 2, CTS No. 302/A, 302/4 situated at Nasik Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Nasik on 25-6-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 541A/1, 541A/4, Plot No. 2, corresponding CTS No. 302/a, 302/4, measuring 1159.35 sq mts. at Nasik,

(Property as described in the sale deed register under document No. 1660 dt. 25-6-1979 in the office of the Sub-Registrar, Nasik).

S. K. TYAGI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 6-12-1979

(1) Smt. Shirinbai, W/o Banaji Mistry, Near G.P.O. Trimbak Road, Nasik,

(Transferor)

(2) Shri Mohanlal Shivdas Patel, 10, Giriraj, Nasik Road, Dist., Nasik. (Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
COMET HOUSE, 691/1/10 PUNE SATARA ROAD

Pune-411009, the 6th December 1979

Ref. No. CA5/SR Nasik/Iune'79/79-80/461,—Whereas, I, S. K. TYAGI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing

S. No. 541A/1 plus 541A/4, CTS No. 302/A plus 302/4, situated at Nasik Dist.,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Nasik on 25-6-79,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

At Nasik within the Nasik Municipal Council limits in Tal-& Dist. Nasik. Property bearing S. No. 541A/1 plus 541A/4. Corresponding to CTS No. 302/A plus 302/4, measuring 1490 sq. meters.

(Property as described in the sale deed under document No. 1662, dt. 25-6-1979 registered in the office of the Sub-Registrar, Nasik).

S. K. TYAG1
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 6-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE COMET HOUSE, 691/1/10 PUNE SATARA ROAD

Pune-411009, the 6th December 1979

Ref. No. CA5/SR Nasik/June'79/79-80/462,—Whereas, I. S. K. TYAGI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 541A/1, 541A/4, Plot No. 3, CTS No. 302/A plus 302/4, situated at Nasik Dist.

and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Nasik on 25-6-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property an I I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

30--396G1/79

 Miss Manek Banaji Mistry, Near G.P.O. Trimbak Road, Nosik.

(Transferor)

(2) Anandsagar Co-op Housing Society Ld., Chairman, Shri Trikandas V. Khakhria, Plot No. 198/3, Near Zilla Parishad, Nasik-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the publication of this notice in the Official Gazette whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

At Nasik within the Nasik Municipal Council limits in Tal. & Dist. Nasik, Property bearing S. No. 541A/1, 541A/4, Plot No. 3, corresponding CTS No. 302/A plus 302/4, 848.75 sq. mts.

(Property as described in the sale deed under document No. 1661, dt. 25-6-1979 registered in the office of the Sub-Registrar, Nasik).

S. K. TYAGI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 6-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE

COMET HOUSE, 691/1/10 PUNE SATARA ROAD

Punc-411009, the 6th December 1979

Ref. No. CA5/SR Thana/463/79-80.—Whereas, I, S. K. TYAGI,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 64, Hissa No. 8 & 11 (Part) situated at Chendani, Thana.

(and more fully described in the schedule sunexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Thana on 31-7-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Subhash R. Pandit, Smruti Vinayak, Vivekanand Road, Thane.

(Transferor)

(2) Ammet Co-op Housing Society, Shivaji Nagar Road, Thane-400 602.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at S. No. 64, Hissa No. 8 & 11 (Part) At Chendani, Thana.

(Property as described in the sale deed registered under No. 384 dated 31-7-1979 in the office of the Sub-Registrar,

S. K. TYAGI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 6-12-1979

1000 to 1

FORM ITNS....

(1) Shri Jafar Khan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Ehsanul Haq, 2. Inamul Haq and 3. Ikramul Haq.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Lucknow, the 20th August 1979

Ref. No. 2-I-/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Open plot of land 3.91 acres in situated at Mauža Bhainsiya Moradabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on 12-4-1979,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land measuring 3.91 acre situate at Mauza BIIAISIYA, Monadabad and all that description of the property which has been mentioned in the Form 37G No. 707/79 which have duly been registered in the office of the Sub Registrar, Monadabad on 12-4-1979.

A. S. BISEN.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date . 20-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE LUCKNOW

Lucknow, the 18th September 1979

Ref. No. 136-R/Acq.—Whereas, I. A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 874 situated at Village Mahibullapur, Lucknow,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 23-4-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mohd, Idris.

(Transferor)

(2) Smt. Renu Seth,

(Transferee)

(3) Shri Mohd, Idris.

(Person in occupation of the property)

(4) Shri Mohd, Idris.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bhumidhar plot of land No. 874 admeasuring 20623.93 sft. situate at Village Mahibullapur, Lucknow—Sitapur Road, Lucknow and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 1941 of 1979 which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Lucknow on 23-4-1979.

A. S. BISEN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 18-9-1979

(1) Shri Chandra Prakash Tandon.

may be made in writing to the undersigned -

(Transferor)

(2) Shri Arun Kumar and Smt. Rama Rani

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 57, RAMTIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 13th December 1979

Ref. No. Δ-79/Acq.--Whereas, I, A. S. BISFN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. B/130/100 situated at Farzabad Road, Parg. & Jeh. Nawabganj. Dist., Barabanki,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Nawabganj, Barabanki on 20-4-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said' Act', to the following persons namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Two shops, gallary, including court-yard and ahata Plot No. Khasra 319 M No. Plot B/130/100 situated at Faizabad Road, Pargana & Tehsil Nawabganj, Dist. Barabanki and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 580 which have duly been registered in the office of the Sub Registrar, Nawabganj, Barabanki on 20-4-79.

A. S. BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 13-12-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAMTIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 15th December 1979

Ref. No. N-31/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN,

Authority being the Competent. under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Aarazi No. 321 situated at Village Jalalpur Teh. Akburpur, Dist. Faizabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 7-4-79,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as

aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or ans moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

S/Shri

- (1) 1. Maiku Lal Jaiswal;
 - 2. Ramesh Kumar:
 - 3. Rajesh Kumar;
 - 4. Ravindra Kumar; and 5. Chowthiram Shaw.

(Transferor)

S/Shri

- Nurendra Kumar Jain;
 Chhotelal Jain; and (2)

 - 3. Smt. Padma Devi Jain.

(Transferce)

(3) Seller,

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Cinema hall known as HINDUSTAN TALKIE shoprooms, rooms for dwelling and business purposes and other structures, messuage tenaments and hereditaments and premises together with piece and parcel of land belongs thereto whereon on part whereof the same is errected and built in Arazi No. 321 containing by estimation an area 15 Biswa 10 Dhur be the same a little more or less situate lying at Village Infalpur, Tehsil Akbarpur. Dist. Faizabad (U.P.) and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 1953 which have duly been registered in the office of the Registrar, Calcutta on 7-4-79.

> A. S. BISEN Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow

Date: 15-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE LUCKNOW

Ludhiana, the 8th November 1979

Ref. No. K-89/Acq.--Whereas, I, A. S. BISEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and house bearing

No. 991/1, Mohalla-School Ward situated at Shanker Dayal Road, MAKANDUGANJ, Vill. Bethagha, PO Sadar Disti., Pratapgarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Protapgarh on 19-4-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or and moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Smt. Shakuntala Man Singh.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Kalawati Devi.

 - Sri Ram Chandra.
 Sri Badri Prosad.

4. Sri Dwarika Prosad. (Transferce)

(3) Above seller. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 991/1, situate at Mohalla-School Ward, Shanker Dayal Road, MAKANDUGANI, Village-Belha Ghat, Post, SADAR, Distt. Pratapgarh and all that description of the property which is mentioned in the Sale-Deed and Form 37-G No. 1333, which has been registered at Bahi No. one Jild 1028, page No. 44/48, Sl. No. 1333 in the office of the Sub-Registror, Pratappath, on 19-4-1979.

> A. S. BISEN Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow

Date: 18-12-1979

FORM ITNS....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD LUCKNOW

Ahmedabad-380009, the 21st August 1979

No. Acq. 23-I-2333(845)/12-2/79-80.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

No. Plot No. 68, Ward No. 10, situated at Station Road, Bhuj

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhuj on 11-4-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Kanabi Naran Valaji Jesani.

 Kanabi Kesara Velaji Jesani.
 Kanabi Mavaji Valaji Jesani. Village ; Baladiya, Bhuj.

(Transferor)

(2) Sonara Ibrahim Haji Ahmad Abadasha, Taluka: Naliya Village (Kutch).

(Transferee)

Name of the tenants

(3) 1. Mahesh & Co., Prop. Shri Ghanshyambhni

2. Shri Hirji Kunverji.

3. M/s Orient Fire and Gen. Insurance Co.

Archaeological Deptt, Superintendents.
 M/s Kutch Cement (Pvt.) Ltd.

6. Deputy Engineer, Public Health Deptt.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of problecation of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 205.21 sq. mtrs. bearing plot No. 68, Ward No. 10, situated at Station Road, Bhuj and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 561 dt. 11-4-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 21-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II AHMFDABAD

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD

Ahmedahad-380009, the 7th September 1979

Ref. No. P.R. No. 721 Acq. 23-1430/19-1/79-80,—Whereas, I. S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 275 situated at Bardoli.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bardoli on 16-4-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

31—396GI/79

1. Shri Khushalbhai Nathabhai Patel;
 2. Shri Lallubhai Chhitabhai Patel and P. A. Holder

of Naginbhai Lallubhai; Village; Siker, Tal. Valod. Dist, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Gordhanbhai Durlabhbhai; Partner of M/s Limber Agency. Delod, Tal. Kamrej, Dist, Surat. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 275, admeasuring 0 Acre 9 gunthas situated at Bardoli, duly registered with registering authority at Bardoli on 16-4-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedubad

Date: 7-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD AHMFDABAD.

Ahmedabad-380009, the 6th October 1979

No. Acq.23-I-2284(867)/1-1/79-80.—Wherens, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

FP No. 763-1-C-Sub-Plot No. 1, T.P.S. 3, Bungalow known as "RONAK" situated at New Sharda Mandir Road, Sanjiva Park, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad in April 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitatiting the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kalyanbhai Purshottamdas Fadia, "Prashant", Sanjiyani Hospital Road, Ahmedabad,

(Transferor)

(2) Shri Malay Mahendrabhai Fadia, "Ronak", Sanjiya Park, New Sharda Mandir Road, Ahmedabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building known as "Ronal" on F.P. No. 763-1-C, subplot No. 1, T.P.S. 3, standing on land 1246 sq. yds,—situated at Sanjiva Park, New Sharda Mandir Road, Ahmedahad, duly registered by Registering Officer, Ahmedahad, vide Sale-deed No. 5751/77/25.4.1979 i.e. property as fully described therein.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 6-10-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASIIRAM ROAD AIIMEDABAD.

Ahmedabad-380009, the 26th October 1979

Ref. No. P.R. No. Acq.23-J-2626(873)/1-1/79-80.—Whereas, J. S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 2471 Paiki Mun C. No. 1643 situated at Kadya Pole, inside Motifal Shethni Pole, Dariapur, Ahmedabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 19-4:1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Purshottamdas Chunilal Mody & Others, Block No. 14, Bhadreshwar Society, O/S Delhi Gate, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Niranjan Shrikrishna Patel & Others, Kadva Polc, inside Motilal Shethni Pole, Dariapur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to te undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & building bearing S. No. 2471 of Dariapur Ward-2 Muni. Cen. No. 1643, Ahmedabad, situated at Kadva Pole, inside Motilal Sheth's Pole, Dariapur, Ahmedabad, duly registered by registering Officer, Ahmedabad, vide Sale-deed No. 3788/19.4.1979 i.e. property as fully described therein.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 26-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 26th October 1979

No. Acq.23-1-2626(874)/1-1/79-80.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 2471 Paiki Muni C. No. 1643 situated at Kadva Pole, Inside Motilal Shethni Pole, Dariapur, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 19-4-1979,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Purshottamdas Chunilal Mody & Others, Block No. 14, Bhadreshwar Society, Outside Delhi Gate, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Shrikrishna Ambalal Patel & Others, Kadva Pole, Inside Motilal Shethni Pole, Dariapur, Ahmedabad.

(Transferec)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing S. No. 2471 of Dariapur Ward-2, Muni Cen. No. 1643, Ahmedabad, situated at Kadva Pole, inside Motilal Sheth's Pole. Dariapur, Ahmedabad, duly registered by Registering Officer, Ahmedabad, vide sale-deed No. 3787/19.4.79 i.e. property as fully described therein.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 26-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Niruben Jashbhai Patel; Anilkumar Jashbhai Patel; Mahadevnagar, Billimora.

(Transferor)

(2) Shri Billimora Industrial Coop.-Service Society Ltd., Mahadevnagar, Billimora. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMF-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 19th September 1979

Ref. No. P.R. No. 769 Acq 23/7-3/79-80,---Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Survey No. 469 part situated at Mahadev Nagar, Billimora, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gandevi on 19-4-1979,

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I bave reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. 469, situated at Mahadevnagar, Billimora, admeasuring 1306.61 sq. mts. duly registered, on 19-4-79, with registering authority at Gandevi.

S. C. PARIKH Competent Authority Juspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 19-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmcdabad-380009, the 24th September 1979

Ref. No. P. R. No. 773, Acq. 23-7-4/79-80 —Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 1042 situated at Sisodara Ganesh, Navsari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Oilicer at Navsari on 20-4-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Patel Kanjibhai Odhavbhai, Sisodara Ganesh, Navsori.

Transferor

(2) Shri Ashok Hasmukhlal Shah, Three Bungalow, Navsari.

Transfere'e

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expirs later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. [042 admeasuring I Acre 24 Gunthas situated at Sisodara Ganesh, Navsari duly registered on 20-4-1979 with Sub-Registrar, at Navsari.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 24-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Patel Kanjibhai Odhavbhai, Sisodara Ganesh, Navseri

Transferor

 Shri Hasmukhlal Raichand Shah, Three Bungalow, Navsari.

Transferce

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE II.
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 24th September 1979

Ref. No. P. R. No. 774 Acq. 23-7-4/79-80.—Whereas, f. S. C. PARIKH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Survey No. 1042 situated at Sisodara Ganesh, Navsari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Navsari on 20-4-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1951 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. 1042 admeasuring 1 Acre 24 Gunthas situated at Sisodora Ganesh, Navsari duly registered on 20-4-79 with Sub-Registrar, at Navsari,

S. C. PARIKH.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 24-9-1979

<u> 1988 - Paris de la companio del companio del companio de la companio del la companio de la companio della companio de la companio della com</u>

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AIIMFDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 24th September 1979

Ref. No. P. R. No. 775 Acq. 23/7-4/79-80.—Whereas, I. S. C. PARIKH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 1042 situated at Sisodara Ganesh, Navsari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Navsari on 20-4-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Patel Kanjibhai Odhavbhai, Sisodara Ganesh, Navsori.

Transferor

(2) Shii Atul Hasmukhlal Shah, Three Bungalow, Naysari

Transferee

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforemed persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. 1042 admeasuring 1 Acre 24 Gunthas situated at Sisodara Gunesh, Navsari duly registered on 20-4-79 with Sub-Registrar at Navsari.

S. C. PARIKH,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 24-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 24th September 1979

Ref. No. P. R. No. 776 Acq. 23/19-7/79-80.—Whereas, I, S. C. PARIKH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Nondh No. 2777-B, 2778, situated at Saiyedpura, Wd. No. 12. Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Surat on 9-4-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Khurshadbanu Ardeser Baheramkamdin, Parviz Ardeser Baheramkamdin, Opp. Mahim Station, Bombay.

Transferor

249

 Ami w/o Jalejar Rustomji Bhathena, Vanki Bordi, Shahpur, Surat.

Transfere'e

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building (Iron shed) situated at Saiyedpura, Ward No. 12, Surat duly registered on 9-4-79 with the registering authority at Surat.

S. C. PARIKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 24-9-1979

Seal:

32-396GI/79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 24th September 1979

Ref. No. P. R. No. 777 Acq. 23/19-7/79-80.—Whereas, I. S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Nondh No. 2391 situated at Saiyedpura Ward No. 12, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been, transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 9-4-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Khurshedbanu Ardeser Baheram Kamdin, Parviz Ardeser Baheram Kamdin, Opp. Mahim Station, Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Jalejar Rustamji Bhathena, Vanki Bordi, Shahpor, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building situated at Saiyedpura Nondh No. 2391 Ward No. 12 ((Iron shed) duly registered on 9-4-1979 at Suraf.

S. C. PARIKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Alimedabad

Date: 24-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 24th September 1979

Ref. No. P. R. No. 782, Acq. 23/19-1/79-80.—Whereas, I. S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

R. S. No. 275'1 panki, situated at Station Road, Bardoli (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bardoli on 11-4-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

1. Khusalbhai Nethabhai Patel,
 2. Lallubhai Chhitabhai Patel—self,
 Naginbhai Lallubhai,
 Village Siker, Tal. Valod,
 Distt. Surat.

(Transferor)

(2) Partner of M/s. Limber Agency, Shri Lollubhai Lakhabhai Bhakta, Dasad, Tal. Kamrej, Distt. Surat.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing R. S. No. 275/1 paiki, situated at Station Road, Bardoli, duly registered with the registering authority at Bardoli on 11-4-1979.

S. C. PARIKH,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 24-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 30th October 1979

Ref. No. P. R. No. 803 Acq. 23/7-4/79-80.—Whereas, I, S. C. PARIKH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Λ ct, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land situated at Kabilpore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on 18-4-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

(1) 1. Gangaben Kalidas,

- 2. Khusalbhai Kalidas,
- 3. Mohanlal Kalidas,
- Rasiklal Kalidas,
 Chimanlal Rasiklal,
 Parsivad, Mariampura,
 Naysari

(Transferor)

(2)\1. Manibhai Rambhai Patel, Lunsikui, Navsari. 2. Vinubhai Maganlal Patel, Ashabag, Navsari.

- 3. Dahyabhai Narsinhbhai Patel, Moti Chov
- Navsari.

 Macanbhai Madhubhai Batal Lakharman. Ta
- Maganbhai Madhubhai Patel, Lakhanpor, Tal Palsana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 22854-00 sq. ft. situated at Kabilpor Navsari, duly registered on 18-4-79 at Navsari,

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 30-10-1979

Mansukhram Atmaram farivala,
 Balubhai Atmaram,
 Begampura, Hathi Falia, Surat.

(2) I. Anilkumar Radheshyam,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE IJ, 2ND FLOOR, ILANDI OOM HOUSF, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 30th October 1979

Ref. No. P. R. No. 804, Acq. 23/19-7/79-80.—Whereas ,I, S. C. PARIKH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey No. 25(1) situated at Village Umarvada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 7-4 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of th ctransferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dineshkumar Radheshyam,
 Rajkumar Radheshyam,

 Rajkumar Radheshyam, Bombay Market, Adatia Avas, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land begins us No. 25(1) situated at village Umarwada (Ptot No. 13), only registered with the registering authority at Surat oz. 7-4-1979.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date : 30-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 30th October 1979

Ref. No. P. R. No. 805, Acq. 23/19-7/79-80.—Whereas, I, S. C. PARIKH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sur. No. 25(1) situated at Villago Umarvada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 7-4-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Mansukhram Atmaram Jarivala,

 Balubhai Atmaram, Begampura, Hathi Palia, Surat.

(Transferor)

(2) I. Anilkumar Radheshyam,

2. Dineshkumar Radheshyam,

 Rajkumor Radheshyam, Bombay Market, Adatia Avas, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land boaring Sur. No. 25(1) Plot No. 14, situated at village, Umarwada, duly registered with the registering authority at Surat on 7-4-1979.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 30-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009,

Ahmedabad the 30th October 1979

Ref. No. P.R. No. 806 Acq. 23/19-7/79-80.—Whereas I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property, hoving a fair market value exceeding Rs. 25,00/-and bearing

City Sur. Wd. No. 13, Nondh No. 263 paiki situated at Plot No. 6, Ghod-dod Road, Surat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 6-4-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Chandravadan Rangildas Raskapurvala; Raskapur Cottage, Sarojini Road, Vile-Parley (West) Bombay.

(Transferor)

(2) Ramanbhai Karsanbhai Patel; B-86, Trikamnagar Society, Lambe Hanuman Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing City Survey Wd. No. 13, Nondb No. 263, paiki Plot No. 6, situated at Ghod-dod Road, Surat duly registered on 6-4-1979 at Surat.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date: 30th October, 1979,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- Chandravadan Rangildas Raskapurvala; Raskapur Cottage, Sarojini Road, Vile-Parle (West), Bombay, (Transferor)
- (2) Shri Kantilal Lallubhai Patel, 50, Hans Society, Varachha Road, Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad the 30th October 1979

Ref. No. P.R. No. 807 Acq. 23/19-7/79-80.—Whereas I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

City Survey Wd. No. 13, Nondh No. 263, Plot No. 3 situated at Ghod Dod Road, Athwa Lines, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 6-4-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing City Sur. Wd. No. 13, Nondh No. 263, paiki Plot No. 3, admeasuring 339-85 sq. mts. of land, duly registered on 6-4-1979 at Surat.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad,

Date: 30th October, 1979.

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (4) OF + 61)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGF-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad the 29th October 1979

Ref. No. P.R. No. 809 Acq. 23/6-1/79-80.—Whereas J, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

No. Survey No. 114, Plot No. 52, situated at Jetalpur, Baroda

(and more fully drescribed in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 11-4-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I, hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
33—396GI/79

 Smt. Gulabben Ratilal Sheth, Mehta Pole, Navlakhano Khancho, Baroda.

(Transferor)

(2) Smt. Nirmalaben Krishnachand Sheth; Goyagate Society, Pratappagar, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 7465 sq. ft. near Jetalpur, bearing S. No. 114 and Plot No. 52, and fully described as per sale-deed No. 1957 registered at the office of registering Officer. Baroda on 11-4-1979.

S. C. PARIKH

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad,

Date: 29th October 1979.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FI OOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 5th November 1979

Ref. No. P.R. No. Acq. 23-I-2368 (879)/16-6/79-80.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 435/1, 435/4. Palki Plot No. 12, situated at Amin Marg, Rajkot,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 27-4-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate, proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

Shri Rameschandra Saubhagyachand Doshi,
 Smt. Sushila Rameshchandra Doshi,
 Kalayad Road, Chandrashila,
 Raikor,

(Transferors)

Kumari Shobhanben Suryakant Kothari.
 Minor Mavur Survakant Kothari
 by his guardian Chhotalal Karsanji Kothari
 No. 435/12, Amin Marg, Rajkot.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 990-2-0 sq. yds. bearing S. No. 435/1 & 4, Paiki Plot No. 12, situated at Amin Marg, Rajkot and as fully described in the sule-deed registered vide R. No. 2288 dated 27-4-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assit Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Dated: 5-11-1979

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 5th November 1979

Ref. No. P.R. No. Acq.23-I-2352(880)/10-1/79-80.—Whereas I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and No. S. No. 1-G-4, Paiki Plot No. 5, situated at Near Datatraya Temple, Behind Swasiic Society, Jamnagar

(and more fully described in the schedule annexed thereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Januagar on 2-4-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shi Hirachand Gokuldas Pujara, Nr. Guru Datatraiya Mandir, Jamnagar.

(Transferon)

1. Siri Subbashchandra Laljibhai Shah,
 2. Shri Ishwerlal Laljibhai Shah,
 Nr. Dataraiya Temple,
 Jampuri Estate,
 Jamnagar,

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed building—standing on land adm, 6121 sq. ft. bearing S. No. 1-G-4 situated almost Behind Swastic Society, Nr. Datatraiya Temple, Jamnagar and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 685 dated 2-4-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Dated: 5-11-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 5th November 1979

Ref. No. P. R. No.Acq. 23-I-23J2(883)/18-5/79-80.—Whereas I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. City S. No. 4505, situated at Dudheraj Road, Surendranagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Wadhawan City on 24-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shah Kunvarji Tulsidas and
 Chudgar Rasiklal Manilal Bazar, Dhragandhara.

(Transferor)

(2) M/s. Scientific Mechanic Works, Dudhraj Road, Surendranagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 8033 sq. yds. attached with number of structures on it, bearing City S. No. 4505 situated at Dudhraj Road, Surendranagar and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 709 dated 2-4-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date: 5-11-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380 009.

Ahmedabad the 13th November 1979

Ref. No. P.R. No. Acq. 23-I-2396(888)/1-1/79-80. Whereas I, S. C. PARIKH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Hirpur S. No. 70-A, F. P. No. 92, Sub-Plot No. 10 of TPS4 situated at Rajpur irpur, Maninagar, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 30-4-1979

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value—of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer—as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitatics the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Chanchalgauri Manilal Gandhi, D-4, Parasmani Flats, Ghatlodiya Road, Naranpura, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) M/s. Kalpit Apartments, Association, Chief Promotor: Shri Bharat A. Patel, Shreekunj Society, Vakilwadi, Maninagar, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (n) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An old structure standing on land admeasuring 860 sq. yds. beering S. No. 70-A, F.P. No. 92, Sub-plot No. 10 of T.P.S. 4, Rajpur Hirpur, Ahmedabad and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 4224 dated 30-4-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date: 13-11-1979

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 14th November 1979

Ref. No. P.R. No. Acq.23-1-2334(889)/12-2/79-80.—Whereas I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

(double-storeyed building) situated at village Narayan-pur, Tal. Bhuj,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhuj on 6-4-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market values of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the izaue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Naran Haraji Dhanji, Narayanpur, Tal. Bhui.

(Transferor)

(2) Shri Visram Kunverji Gopal, Post Box. 40812 Nairobi (East Africa) Local address: Vill: Narayanpur, Parsaiti, Tal. Bhuj.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed building standing on land adm. 380.4 sq. mtrs. situated on main road Narayanpur to Kera, Nr. S. T. Bus Stand, Parsaiti, at village: Narayanpur, Tal. Bhuj and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 532 dt. 6-4-1979.

S. C. PARIKH
Comptent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date: 14-11-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR. HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 15th November 1979

Ref. No. P.R. No. 814 Acq.23/6-1/79-80.—Whereas I, S. C. PARIKH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land at B. Tika No. 14/4, S. No. 24/4/S(Paiki), situated at Babajipura area, Baroda City.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Baroda on 19-4-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Iqbal Jahan Khaja Miya and others (5), Raj Mahal Road, Mahavir Colony, Baroda

(Transferor)

(2) Shri Chandubhai Dahyabhai Patel, C/o, Shri Whok Bhikhabhai Patel, Advocate Mahavir Colony, Near Market, Baroda

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 2029 sq. ft. situated at B. Tika No. 14/4 Sur. No. 24/4/S (Paiki) at Babajipura area of Baroda City and fully described in the sale-deed No. 2101 registered in the office of Sub-Registrar, Baroda on 19-4-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date: 15-11-1979

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDΔΒΑD-380 009

Ahmedabad, the 15th November 1979

Ref. No. P.R. No. 815 Acq. 23/6-1/79-80.—Whereas I, S. C. PARIKH.

being the Competent Authority under section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land at B. Tika No. 14/4, S. No. 24/4/S (Paiki) situated at Babajipura area, Baroda City

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 19-4-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Iqbel Jahan Khaja Miya and others (5),
 Raj Mahal Road, Mahayir Colony,
 Baroda.

(Transferor)

(2) Shri Thakorbhai Chandubhai Patel; C/o, Shri Ashok Bhikhubhai Patel, Advocate, Mahavir Colony, Near Market, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 2029 sq. ft. situated at B. Tika No. 14/4 Survey No. 24/4/S (Paiki) at Babajipura area of Baroda City and fully described in the sale deed No. 2100 registered in the office of Sub-Registrar, Baroda on 19-4-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assil Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II.
Ahmedabad

Date: 15-11-1979

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 20th November 1979

Ref. No. P.R. No. 816 Acq. 23-II/1551/19-8/79-80.—Whereas I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 1332 & 1334 (P) Final Plot No. 20-A, T.P.S. No. 2, situated at Ward No. 1, Timaliavad, Nanpura, Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Surat on 17-4-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

34—396GI/79

(1) 1. Smt. Sumatiben Kantilal Vahiavwala;

Khetwadi, Bombay-4.
2. Shri Sirish Kantilal Vahiavwala; 13, Sangam Society, Athwa Lines, Surat.

(Transferor)

1. Shri Mukeshkumar Shantilal Shah;
 2. Shri Bhupendra Chunilal Chadasama;
 Secretaries:
 Arpan Apartment Co-op. Housing Society;
 C/o. Mayur Furnishers, Timaliavad,
 Nanpura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land situated at Nondh No. 1332, 1333, and 1334 (P) Final Plot No. 20A, T. P. Scheme No. 2, Ward No. 1, Timaliavad, Nanpura, Surat, duly registered on 27-4-1979 with the Sub-Registrar at Surat.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assit, Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date: 20-11-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JI, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380009, the 21st November 1979

Ref. No. P. R. No. 819 Acq. 23-II/1543/19-7/79-80.—Whereas I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 443 Store Sheri, Wadi Falia, Ward No. 9, Surat (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Surat on 16-4-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Vaikunthlal Chhotabhai Sitwala; Being Karta of H.U.F. Kadampally Society, Nanpura, Surat.

(Transferor)

(2) 1. Shri Khubchand Manilal Badlawala;
 2. Shri Dahyabhai Manilal Badlawala;
 Store Sheri, Wadi Falia, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Nondh No. 443, Store Sheri, Wadi Falia, Ward No. 9, Surat duly registered on 16-4-1979 with the Sub-Registrar at Surat.

S. N. MANDAL
Competent Authority,
Inspecting ssistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date: 21-11-1979.

NOTIGE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380009, the 21st November 1979

Ref. No. P.R. No. 820 Acq. 23-II/1513/7-3/79-80.—Whereas I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 554, City Survey No. 2330, situated at Bilimora, Taluka Gandeyi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandevi on 7-4-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Trustecs of Bilimora Parsi Jarthosti Anjuman Trust Fund:
 - 1. Rustamji Aldaji Bilimoria;
 - Jal Behramsha Panthaki;
 Phiroz Sorabji Vadhaiwala;
 - 4. Nadirsha Hiraji Baria;
 - 5. Dr Homjar Sorabji Bilimoria; Bilimoru, Taluka: Gandevi.

(Transferor)

(2) Jivraj Kalyanji Kevat; Amratbhai Nathubhai Tailor; Bilimora, Tal, Gandevi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 554, City Survey No. 2330 situated at Bilimora duly registered at Gandevi on 7-4-1979 under No. 501.

S. N. MANDAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date: 21-11-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

•FFICE •F THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 23rd November 1979

Ref. No. P.R. No. 821 Acq.23-II/1553/19-8/79-80.—Whereas I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh Nos. 1332, 1333 and 1334 (P), F.P. No. 20B, T.P.S. No. 2, situated at Ward No. 1, Timaliyawad, Nanpura, Surat (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat-II, on 27-4-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shirish Kantilal Variyavwala;
 Sumati Kantilal Variyavwala;
 Both staying at Sangam Society,
 Athwa Lines, Nanpura, Surat.

(Transferor)

- (2) 1. Mr. Rambhai Narsinghbhai Patel; Chief Promoter; Shukrut Apartments Coop. Housing Society Ltd., (proposed) C/o 1/3, Gnandeep Society, Athwa Gatc, Nanpura, Surat.
 - Mr. Jeewanbhai Laljibhai Patel;
 34, Kalpana Society, Athwa Lines, Nanpura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property (open land) admeasuring 539.70 sq. yds. and situated at Nondh Nos. 1332, 1333 and 1334 (P), Final Plot No. 20-B, T.P. Scheme No. 2, Ward No. 1, Timaliyawad, Nanpura Surat and fully detailed in the saleded No. 1511 registered in the office of registering officer-II, Surat on 27-4-1979.

S. N. MANDAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date: 23-11-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380009, the 24th November 1979

Ref. No. P.R. No. Acq.23-I-2448(891)/1-1/79-80.Whereas J, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property,

having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. S. No. 33, F.P. No. 15-A of T.P.S., situated at Mithipur, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 19-4-1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) M/s. Krishna Corporation, through partner: 1. Smt. Hansaben Ramanlal & Others,

 - 2. Smt. Snehlata Rasikbhai Patel

3. Shri Amit Ramanlal Patel.

(Transferor)

(2) M/s. Gujarat Tea Depot, through partners: Shri Piyushkumar Ochhavlal Desai,
 Shri Pankajkumar Ramdas Desai Parag, Mithakhali, Nr. Six Road, Ahmedabad-6.

(Transferee)

(4) Gunvantiben Ramniklal Inamdar Ahmedabad. (Person whom the under signed knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A godown standing on land admeasuring 551 sq. mtrs. bearing S. No. 33, Final Plot No. 15-A of T.P.S. No. 7, Mithipur, Ahmedabad and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 3839 dt. 19-4-1979.

S. N. MANDAL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 24-11-1979

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009,

Ahmedabad-380 009, the 26th November 1979

Ref. No. P.R. No. Acq. 23-I-2479(892) /1-1/79-80.—Whereas I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Shahpur Ward-2, S. No. 2814/139, 2814/141 Paiki 1st floor situated at Opp: Lal Bungalow, Shahpur Mill Compound, Nr. Preyas High School, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedulee annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 16-4-1979

for an appearent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Mulchand Kevalram,
 Opp: Lal Bungalow, Shahpur Mill compound,
 Nr. Preyas High School,
 Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Shaukatkhan M. Pathan, Lal Bungalow, Nr. Preyas High School, Shahpur Mill Compound, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1st Filoor of building at Shahpur Ward-2, S. No. 2814-139 2814-142, situated at Shahpur Mill Compound, Opp: Lal Bungalow besides Preyas High School, Ahmedabad, duly registered by Registering Authority vide sale-deed No. 3653/16.4.1979 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date: 26-11-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
,2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 26th November 1979

Ref. No. P.R. No. Acq. 23-I-2479(893)/1-1/79-80.—Whereas I, S. N. MANDAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Shahpur Ward-2, S. No. 2814-139, 2814-142 Paiki 2nd Floor, situated at Shahpur Mill Compound, Lal Bungalow, Nr. Preyas High School, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

at Ahmedabad on 16-4-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as a agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Mulchand Kevalram, at Lal Bungalow, Nr. Preyas High School, Shahpur Mill Compound, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Munavarkhan Bahadurkhan Pathan, Lal Bungalow, Nr. Preyas High School, Shahpur Mill Compound, Ahmedabad.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Second floor of Building—at Shahpur Ward-2, S. No. 2814-139, 2814-142, situated at Shahpur Mill Compound Opp. Lal Bungalow, besides Preyas High School, Ahmedabad duly registered by Registering Authority vide sale-deed No. 3647/16.4.1979 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date: 26-11-1979,

FORM ITN5---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 26th November 1979

Ref. No. P.R. No. Acq. 23-1-2342(894)/5-1/79-80.—Whereas I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 13-A, situated at Radha Mandir, Nr. Takhteshwar Mandir, Bhavnagar

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhavnagar on 23-4-1979

for an apparent consideration which is less than the fair morket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ratilal Kanjibhai Rathod Smt. Ramaben Ratilal Rathod Bhajan Bhuvan, Block No. 7/11, Jyotiba Fule Road, Neigam, Dadar, Bombay-14. (Transferor)
- 1. Shri Vallabhdas Vanmalidas Padia
 2. Smt. Muliben Vallabhdas Padia
 3. Smt. Nirmelaben Nanalal Padia, Navapara, Bhaynagar.

(Transferee)

(3) 1. Mr. Harshadrai Kantilal Shah,
 2. M/s. D. N. Bhayani,
 Plot No. 13-A, Bhayangar.
 [Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admensuring 335.46 sq. mtrs. bearing plot No. 13-A situated at Radha Mandir, Nr. Takhteshwar Mandir at Bhavnagar and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 791 dt. 23-4-1979.

S. N. MANDAL Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 26-11-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM TO AD. AHMEDABAD-380 069,

Ahmedabad the 27th November 1979

Ref. No. Acq. 23-I-2322 (895)/11-1/79-30—Whereas I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 2693 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imma-able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Nos. 23 & 24 Kewdawad', Jail Road, Jungadh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1998 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Junagadh on 16-4-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabure of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 26°D of the said Act, to the following persons, namely: -

(1) Shir Parent Hint King A. Sunivolawau. Junegudh.

(Transferor)

(2) Sor 3, not of Schemehand & Others, Landay M. Junagala.

(Transferee)

Objections in the constitution of the said property may be made in wilting to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice In the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sak immovable property, within 45 days from the dots of rubbianion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION !- The forms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the soul Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open elect of find adm. 666-6-0 sq. yd. bearing plot Nes. 23 & 24 site ded at Kewdawadi. Jail Road, Junagadh, duly registered by Registering Officer, Junagadh vide sale-deed No. 489/16-4-79 in as fully described in the said sale-deed

S. N. MANDAL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I. Ahmedabad,

Date: 27-11-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD 380 009.

Ahmedabad, the 28th November 1979

Ref. No. P.R. No.Acq.23-I-2326(896)/1-1/79-80.-Whereas I, S. N. MANDAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the action Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 82-1, Paiki, T.P.S. 6. F.P. No. 85, Paiki sub-plot No. 5 Paldi, Ahmedabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 17-4-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

 Shri Pravinbhai Haribhai Patel, Bhaiji Raiji's Khadki, village, Paldi at Ellisbridge area, Ahmedabad.

(Transferor)

 Chanchal Vikas Mandal, through: President Shri Rajnikant A. Shah, c/o. Shah Construction Co., 3rd Floor, P. Dhanjibhai Bldg., Mission Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land adm. 600 sq. yds. bearing S. No. 82-1 paiki T.P.S. 6, F.P. No. 85 paiki, sub-plot No. 5, situated at Paldi Village, Ahmedabad, duly registered by Registering Authority, Ahmedabad, vide sale-deed No. 3725/17-4-1979 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1,
Ahmedabad.

Date: 28-11-1979

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 30th November 1979

Ref. No. Acq. 23-1-2311(898)/18-5/79-80.—Whereas I, S. N. MANDAL,

b rea, the Coop ment Anthority under section 269B of the interval in 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

CTS. No. 483-14-4164 & 484-14-4165 situated at Dudhrej Road, Nr. T. B. Hospital, Surendranagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration A

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Wadhtwan on 11-4-1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore-taild property by the listic of this natice under sub-section (1) of Section 209D of the said Act, to the following persons, namely:--

- (1) Shri Raghavji Dungershi Doshi & Others.
- (2) Shri Shantilal Fulchand & Others Keri Bazar, Surendranagar.

(Transferor)

(2) Shri Laljibhai Talshibhai, Vardhmannagar, Co.-op. Hous. Soc. Ltd., Keri Bazar, Surendranagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning ar given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plots of land bearing C.T.S. No. 483-14-4164 & 484-14-4165 adm. 9614-60 sq. mtrs. & 9715-20 sq. mtrs. lands respectively situated at Dudhrej Road, Surendranagar duly registered by Registering Officer, Wadhwan vide sale-deed No. 820/11-4-1979 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Ahmedabad.

Date: 30-11-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAO-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 13th December 1979

Ref. No. Acq. 23-I-2516(903)/5-1/79-80 -- Whereas I. S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and hearing

No. Plot No. F-12, s'tuated at Ruvaçuri Road, Bhavnaçar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhavnagar on 9-4-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Jayanthal Pursbottamdas Sangiwi, Danaprina, Bhaynagar.

(Transferor)

- (2) M/s Sanghy Industrial Corporation Plot No. F. 12, Ravapur Road, Brawnagar, (Transferee)
- (3) 1. M/s. Sanghvi Industries.
 2. M/s. Sanghvi Industrial Corporation Plot No. 12, Ruvapari Road. Bhavnagar.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A factory building standing on land admeasuring 984-80 sq. mtrs. bearing Plot No. F-12, situated at Ruvapari Road, Bhavnagar and as fully described in the sale-deed registered vide R. No 682 date 9-4-1979.

S. N. MANDAL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 13-12-1979.